समावर्तन
2021

एक नया
इतिहास
रचें हम

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा श्रेणी 'बी' प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर-273 014 (उ.प्र.)

Web : www.mpm.edu.in | e-mail : mpmpg5@gmail.com | Phone : 7897475917, 9794299451

हमारे आदर्श

स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिये सर्वस्व निछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान् श्रीराम के श्रीमुख से निःसृत–

'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'

और पुण्य प्रताप महाराणा प्रताप का यह उद्घोष कि–

'जो हठि राखे धर्म को तिहि राखै करतार'

हमारे सदा स्मरणीय बोधवाक्य हैं। शिक्षा परिषद् और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि इन संस्थाओं में अध्ययन–अध्यापन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान–विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ–साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा का पाठ भी पढ़े।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक

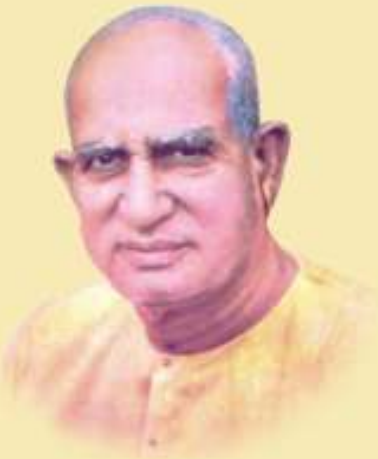

शिक्षा के प्रसार को लोक-जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की 1932 ई. में स्थापना कर शिक्षा क्षेत्र में अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। वर्तमान में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संचालित चार दर्जन से भी अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण एवं चिकित्सा-शिक्षा संस्थाओं में 70 हजार से भी अधिक छात्र-छात्रायें कला, विज्ञान, वाणिज्य, साहित्य, चिकित्सा और प्राविधिक विषयों में परम्परागत तथा आधुनिक विषयों की शिक्षा ले रहे हैं।

महाविद्यालय के संस्थापक

अपने वरेण्य गुरुदेव युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के बहुआयामी सपनों को साकार करने में निरन्तर संलग्न सामाजिक समरसता के उद्गाता, राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा और अप्रतिम धर्मयोद्धा राष्ट्र-संत ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने सन् 1932 ई. में गुरुदेव द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' को अपनी निष्ठा, सुदीर्घकालीन तपस्या और अनुभव की पूँजी से उत्तरोत्तर समृद्ध, समुन्नत और प्रगतिशील रखते हुए 1957-58 ई. में गोरखपुर में वर्तमान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उदारतापूर्वक विलीनीकृत तत्कालीन महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग-रूप में पुनर्जीवित करते हुये उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना की, जिसने शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्कारयुक्त एवं अनुशासित परिसर की स्थापना कर अपनी बेहतरीन साख बनायी है।

महाविद्यालय के प्रबन्धक

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मंत्री एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के प्रबंधक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, की स्पष्ट दृष्टि है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना लोक कल्याणार्थ शिक्षा को सेवा एवं साधना का माध्यम बनाने के लिए की गई। इस संस्था का दर्शन एवं लक्ष्य है कि इस संस्था से अध्ययन करने वाला युवा अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान तथा कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ राष्ट्र एवं समाज के प्रति सहज निष्ठा और श्रद्धा का पाठ पढ़े। भारतीय जीवन दर्शन का वह अनुगामी बनें। उनका कहना है कि प्रगति और परम्परा राष्ट्रीय-सामाजिक विकास रथ के दो पहिये हैं, ऐसे में अत्याधुनिक संसाधनों, सूचना एवं संचार माध्यमों के उपयोग के साथ अध्यापन तथा भारतीय जीवन दर्शन के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना इस महाविद्यालय का मिशन है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बालगंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्न चिह्न खड़ा होने लगा था। 1920 ई. के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और 1930-31 ई. तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। 1915-16 ई. के बाद इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रमे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। अपनी संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि की शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही एक मात्र इस चुनौती का समाधान था। इस चुनौती को भी भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से 4 फरवरी 1916 ई. को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय लोकार्पित हो गया। भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह विश्वविद्यालय पूरे देश में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा पद्धति का एक नया मानक बना और इसी धारा को तत्कालीन युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए 1932 ई.में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के भी क्षेत्र में भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती थी, कि भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों की पुनः स्थापना अपनी योजनानुसार करेगा। यह दूर दृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तब देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज तैयार मिलेगी।

देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। स्वतंत्रता संग्राम के एक सशक्त सिपाही महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत 1932 ई. में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में 'महाराणा प्रताप क्षत्रिय स्कूल' प्रारम्भ हुआ। 1935 ई. में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और 1936 ई. में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम 'महाराणा प्रताप हाई स्कूल' हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते समय यह विद्यालय महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कालेज के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

महाराणा प्रताप डिग्री कालेज एवं महाराणा प्रताप महिला डिग्री कालेज की स्थापना महाराणा प्रताप

शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। तदन्तर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने दोनों महाविद्यालयों को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का परिसर आज भी 'महाराणा प्रताप परिसर' के नाम से जाना जाता है। तत्पश्चात् महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् ने ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के नाम से वर्तमान दिग्विजनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना की, सम्प्रति यह विश्वविद्यालय परिसर से सटे महानगर का एक अति प्रतिष्ठित महाविद्यालय है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में चार दर्जन से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण, चिकित्सा, तकनीकी तथा सेवा संस्थाएँ संचालित हो रहीं हैं। इनमें महाराणा प्रताप इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय रामदत्तपुर, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय गोरखनाथ, दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक गोरखनाथ, महाराणा प्रताप मंगला देवी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल बेतियाहाता, महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज जंगल धूसड़, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखनाथ, महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कालेज रामदत्तपुर, शिशु शिक्षा विहार लालडिग्गी, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक माफी पीपीगंज, गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ पितेश्वरनाथ मन्दिर भरोहिया पीपीगंज, महायोगी गुरु गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र चौक माफी पीपीगंज, प्रताप आश्रम गोलघर, महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, महन्त दिग्विजयनाथ महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, गुरुगोरक्षनाथ संस्कृत छात्रावास गोरखनाथ, महाराणा प्रताप टेलरिंग स्कूल सिविल लाइन्स, गुरु श्रीगोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग बालापार रोड, सोनबरसा, महायोगी गुरु गोरक्षनाथ योग संस्थान गोरखनाथ मन्दिर, श्री गोरखनाथ आधुनिक व्यायामशाला गोरखनाथ मन्दिर, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र जंगल धूसड़, हिन्दू विद्यापीठ जंगल तिनकोनिया, महायोगी गुरु श्री गोरक्षनाथ गौ सेवा केन्द्र गोरखनाथ, गुरु श्री गोरक्षनाथ सेवा संस्थान गोरखनाथ, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम (छात्रावास) जंगल धूसड़, गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय चौक बाजार, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक बाजार, दिग्विजयनाथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय चौक बाजार, दिग्विजयनाथ प्राथमिक विद्यालय चौक बाजार, आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल देवीपाटन तुलसीपुर, बलरामपुर आदि प्रमुख शिक्षण संस्थाएँ हैं। शिक्षा परिषद् की एक महत्वपूर्ण संस्था गुरु गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यालय मैदागिन, वाराणसी में स्थित है। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय, महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी चिकित्सालय देवीपाटन, गोरखनाथ मन्दिर द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत ही संचालित है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा का अगले सत्र से शुभारम्भ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का एक युगान्तकारी प्रघटन है जो शिक्षा-स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक प्रतिमान संस्था के रुप में विकसित किये जाने की योजना के क्रियान्वयन की आधारशिला है। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित संस्था है।

समावर्तन–2021

समावर्तन अतिथि

समावर्तन 2008

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **कर्नल बी.पी. शाही**
ग्रुप कमाण्डर, एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय, गोरखपुर

समावर्तन 2009

अध्यक्षता : **प्रो. एन.एस. गजभिए**
कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **न्यायमूर्ति श्री गिरधर मालवीय**
उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.

समावर्तन 2010

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **श्री बसवराज पाटिल**
पूर्व सांसद, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं सा. कार्यकर्ता, गुलबर्ग कर्नाटक

समावर्तन 2011

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **श्री प्रकाश सिंह** (पद्मश्री)
पूर्व महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल, उत्तर प्रदेश

समावर्तन 2012

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **श्री आशीष जी**
अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

समावर्तन 2013

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **डॉ. कृष्ण गोपाल जी**
सहसर कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, नई दिल्ली

समावर्तन 2014

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **न्यायमूर्ति कलाधर शाही**
अ.प्रा. न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.

समावर्तन 2015

अध्यक्षता : **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **प्रो. राम शंकर कठेरिया**
राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

विशिष्ट अतिथि : **मा. श्री नरेन्द्र कुमार सिंह गौर**
पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार

समावर्तन–2021

समावर्तन अतिथि

समावर्तन 2016

अध्यक्षता : **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी**
कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र.

विशिष्ट अतिथि : **डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय**
राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना

समावर्तन 2017

अध्यक्षता : **डॉ. भोलेन्द्र सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

मुख्य अतिथि : **प्रो. रमाशंकर दूबे**
कुलपति, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार

विशिष्ट अतिथि : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

समावर्तन 2018

अध्यक्षता : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

मुख्य अतिथि : **न्यायमूर्ति श्री रण विजय सिंह**
माननीय न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.

विशिष्ट अतिथि : **डॉ. विवेक कुमार निगम**
यूइंग क्रिश्चियन कालेज, इलाहाबाद

समावर्तन 2019

अध्यक्षता : **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
प्रबन्धक एवं माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

मुख्य अतिथि : **श्री जे.पी. नड्डा**
माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार

विशिष्ट अतिथि : **श्री आशुतोष टण्डन**
माननीय स्वास्थ्य मंत्री, उत्तर प्रदेश

समावर्तन 2020

सानिध्य : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

मुख्य अतिथि : **सुश्री निवेदिता भिड़े** (पद्मश्री)
उपाध्यक्ष, स्वामी विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी, केरल

अध्यक्षता : **प्रो. विजय कृष्ण सिंह**
कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

समावर्तन 2021

सानिध्य : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

मुख्य अतिथि : **श्रीमती तेजस्विनी अनन्त कुमार**
सामाजिक कार्यकर्त्री, कर्नाटक

अध्यक्षता : **प्रो. राजेश सिंह**
कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दो शब्द...

श्रीगोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् जैसे वटवृक्ष की एक छोटी सी शाखा के रूप में गोरखपुर महानगर के पूर्वी-उत्तरी छोर पर ग्रामीण परिवेश में स्थित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय अपनी यात्रा के सोलहवाँ वर्ष पूर्ण कर रहा है। महाविद्यालय का चौदहवाँ बैच स्नातक एवं आठवाँ बैच परास्नातक तथा बी.एड्. का पाँचवाँ बैच इस वर्ष विश्वविद्यालयी परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के अगले पड़ाव पर जाने हेतु तैयार है। भारत के लगभग एक सौ तीस करोड़ लोगों में हमारे महाविद्यालय के स्नातक-स्नातकोत्तर एवं बी.एड्. की शिक्षा प्राप्त अब कुछ और ऐसे नागरिक होंगे जिनकी जीवन-दृष्टि की रचना में हमारे महाविद्यालय का भी किंचित योगदान है। हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन के दो, तीन अथवा पाँच वर्ष का एक चौथाई समय हमारे महाविद्यालय परिसर में गुजरा है। महाविद्यालय परिसर में बीते इन क्षणों का हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा, यह तो विद्यार्थी स्वयं एवं समय बतायेगा और वही हमारी उपलब्धि होगी।

आज का समावर्तन संस्कार समारोह इस बात का सूचक है कि हम अपने विद्यार्थियों का एक योग्य नागरिक के रूप में कैसा विकास चाहते हैं। वर्तमान में भारत की शिक्षित युवा पीढ़ी का अधिकांश हिस्सा भौतिकवादी पाश्चात्य संस्कृति के आकर्षण के दिवास्वप्न में डूबा हुआ है। आजादी से लेकर कुछ वर्ष पूर्व तक सत्तावादी भारतीय राजनीति ने भारती धर्म-संस्कृति को साम्प्रदायिकता का चोला पहनाकर उसके वास्तविक स्वरूप पर भ्रम का आवरण चढ़ा दिया था। परिणामत: सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की डोर कमजोर हुई। परिवार संस्था भी कमजोर होती गयी। गाँव विरान होते गये। महानगरीकरण के रूप में असन्तुलित विकास का भयावह चित्र सामने आया। आजादी के बाद के पिछले साढ़े छ: दशक में भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध का बढ़ता ग्राफ तथा कुछ विश्वविद्यालय परिसरों में राष्ट्र विरोधी तत्त्वों का संरक्षण निरन्तर प्रभावहीन होते भारतीय जीवन-मूल्य के ही सूचक थे।

किसी भी राष्ट्र का वर्तमान और भविष्य उस देश की शिक्षा प्रणाली और उसके स्वरूप पर निर्भर करता है। डी.एस. कोठारी इसी बात को कह रहे थे कि 'भारत का भविष्य कक्षाओं में पलता है।' किन्तु भारत का दुर्भाग्य है कि आजादी के लगभग सात दशक बाद भी हम मैकाले के भूत से शिक्षा को आजाद नहीं करा पाये। आजादी के बाद लगभग साढ़े छ: दशक तक 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' के नाम पर भारत की सत्ता देश की युवा पीढ़ी को गुमराह करने वाली शिक्षा पद्धति की ही प्रतिष्ठापक रही। किन्तु मैकाले की शिक्षा नीति और स्वतन्त्र भारत के उसके मानस-पुत्रों द्वारा शिक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों की अर्थी सजाने पर छाती पीटते रहने से क्या होने वाला है? यद्यपि कि अब देश एवं प्रदेश की राजनीति ने करवट ली है और सत्ता प्रतिष्ठानों द्वारा भी इस दिशा में प्रयत्न प्रारम्भ हुए

हैं। हम भी अपने प्रयासों से, जितना सम्भव है कुछ शिक्षण संस्थानों में भारतीय संस्कृति एवं जीवन-मूल्य के प्रति थोड़े ही समूह में सही, युवाओं में आत्म सम्मान एवं भारतीय जीवन मूल्यों के प्रति श्रद्धा जागृत कर सकते हैं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना परतन्त्र भारत में (1932 ई.) तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने उपर्युक्त उद्देश्यों से ही की थी। भारतीय संस्कृति और उसके जीवन मूल्यों तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति भारत की युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के प्रयास के साथ प्रतिष्ठित एवं विकसित होता हुआ महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं उनकी यशस्वी महन्त परम्परा के सपनों को पूरा करने में कहाँ तक सफल है, इसका मूल्यांकन भी श्रीगोरक्षपीठ और समाज करेगा तथापि 'समावर्तन संस्कार समारोह' हमारे वैचारिक अधिष्ठान का ही हिस्सा है। हिन्दू जीवन दर्शन के षोडश संस्कारों में 'समावर्तन संस्कार' का मानव जीवन के संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। पिछले समावर्तन के पश्चात् ही कोरोना की वैश्विक महामारी ने शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थाओं के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती उत्पन्न की। इस चुनौती का हमारे महाविद्यालय ने आसानी से सामना किया, क्योंकि हम बहुत पूर्व से ही शिक्षा में तकनीक का उपयोग के अभ्यस्त हो चुके थे। प्रोजेक्टर युक्त कक्षाओं का प्रयोग, वेबसाइट पर प्रत्येक शिक्षक द्वारा अपने ब्लॉग में अपलोड व्याख्यान, के आधार पर इस सत्र में भी एक अगस्त से हमारी ऑनलाइन कक्षाएँ प्रारम्भ हो गईं। प्रति सत्र के अनुसार ही पठन-पाठन के शैक्षिक कैलेण्डर को महाविद्यालय ने लागू करने में सफलता प्राप्त की। यहाँ तक कि प्रति सत्र की तरह निर्धारित तिथि पर ही ऑनलाइन छात्रसंघ चुनाव कराकर महाविद्यालय ने तकनीक में अपनी विशिष्टता को प्रमाणित किया। 3 अक्टूबर से नियोजित कक्षाओं का संचालन और सभी कक्षाएँ लाइव कर महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा संस्थाओं के समक्ष एक और उदाहरण प्रस्तुत किया। सम्पन्न हो रहा यह सत्र हमारे महाविद्यालय के शिक्षकों-कर्मचारियों की अनवरत तपस्या का सुखद परिणाम है। मुझे इस बात का सन्तोष है कि इस सत्र के हमारे विद्यार्थी के अध्ययन को हमारी टीम ने प्रभावित नहीं होने दिया। हम गर्व से कह सकते हैं कि हमारे विद्यार्थियों के पठन-पाठन में वर्तमान परिस्थिति का और अधिक लाभ मिला है। हमारा विद्यार्थी गर्व से कह सकता है कि कोरोना की वैश्विक महामारी की चपेट में आयी दुनिया के समय भी उसके अध्ययन में कोई बाधा नहीं उत्पन्न हुई। मुझे विश्वास है कि मेरे विद्यार्थी जहाँ भी होंगे, जैसे भी होंगे, उत्पन्न किसी भी परिस्थिति पर विजय प्राप्त करने के आत्म विश्वास से भरे होंगे। निष्काम भाव से अपने कर्म और तपस्या से वे जीवन की हर चुनौती का सामना करने में सफल होंगे। आज के अवसर पर अपने विद्यार्थियों के यशस्वी जीवन की हार्दिक शुभकामना। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थियों की जीवनयात्रा में महाविद्यालय परिसर का अल्पकालिक यथार्थ किसी न किसी रूप में अवश्य झलकता रहेगा।

(प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

तिथि - फाल्गुन शुक्ल चतुर्थी, वि.सं. 2077, युगाब्द 5122
(17 मार्च 2021 ई., बुधवार)

समावर्तन–2021

समावर्तन 2020 से ग्रीष्मावकाश तक के प्रमुख कार्यक्रम

समावर्तन संस्कार 2020 के अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथि

समावर्तन संस्कार के अवसर पर उद्बोधन देतीं मुख्य अतिथि सुश्री निवेदिता भिड़े

23 फरवरी को स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों का 13वाँ समावर्तन संस्कार सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी, केरल की उपाध्यक्ष पद्मश्री सुश्री निवेदिता भिड़े जी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कृष्ण सिंह ने की। कार्यक्रम में अभिभावक संघ के अध्यक्ष श्री विपिन कुमार यादव तथा पुरातन छात्र परिषद की सदस्य सुश्री संजू सेन भी उपस्थित रहीं। समारोह में महाविद्यालय के प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह का सानिध्य प्राप्त हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने छात्र-छात्राओं को दीक्षान्त उपदेश के साथ-साथ शुचिता एवं ईमानदारी से जीवन निर्वाह, पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भारतीय संस्कृति के प्रति निष्ठावान बने रहने तथा भारतीय जीवन

समावर्तन संस्कार के अवसर पर समावर्तन पत्रिका का विमोचन करते मंचस्थ अतिथि

समावर्तन संस्कार के अवसर पर उद्बोधन देते कुलपति प्रो. विजय कृष्ण सिंह

समावर्तन उपदेश ग्रहण करते विद्यार्थी

समावर्तन उपदेश ग्रहण करने के उपरान्त प्रसन्नता व्यक्त करते विद्यार्थी

मूल्यों का सम्मान एवं संवर्धन करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार प्राप्त करते श्री विनय कुमार सिंह

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री झब्बर शर्मा

इस अवसर पर समावर्तन-2020 पत्रिका का लोकार्पण मुख्य अतिथि सुश्री निवेदिता भिड़े तथा कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. विजय कृष्ण सिंह जी ने किया। मुख्य अतिथि द्वारा महाविद्यालय में वर्ष भर की गतिविधियों के आधार पर श्रेष्ठतम् शिक्षक श्री विनय कुमार सिंह को सरस्वती सम्मान, श्रेष्ठतम् कर्मचारी श्री झब्बर शर्मा को महाराणा प्रताप सम्मान, श्रेष्ठतम् चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्री विनोद को महायोगी गुरू गोरक्षनाथ सम्मान तथा सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के रूप में सर्वेश्वर कांत चन्द्रा, विजय कुमार और सिद्धार्थ शुक्ला को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही महाविद्यालय के आस-पास की ग्रामीण महिलाओं एवं महाविद्यालय की छात्राओं के स्वालम्बन के लिए महाविद्यालय में संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग प्रशिक्षण केन्द्र से 06 माह का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षुओं एवं

सर्वश्रेष्ठ चतुर्थ श्रेणी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री विनोद

सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा

नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का प्रमाण-पत्र प्राप्त करता विद्यार्थी

सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षार्थी का पुरस्कार प्राप्त करती सुश्री प्रीति निषाद

महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके महाविद्यालय के आस-पास के छोटे बच्चों को प्रमाण-पत्र मुख्य अतिथि के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया। नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई की सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु सुश्री प्रीति निषाद को प्रतिवर्ष की भाँति पुरस्कार में सिलाई मशीन प्रदान किया गया।

वार्षिक समीक्षा बैठक

समीक्षा बैठक में उपस्थित शिक्षक और प्राचार्य

02 मई को प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाविद्यालय की वार्षिक समीक्षा बैठक वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण ऑनलाइन माध्यम (जूम ऐप) द्वारा प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। समीक्षा बैठक में पिछले सत्र की विविध गतिविधियों पर शिक्षकों के साथ प्राचार्य का अनुभव साझा किया गया। पठन-पाठन की गुणवत्ता, पठन-पाठन में नवीन तकनीकों का समावेश, शिक्षण कार्य में अत्याधुनिक उपकरणों से शिक्षकों को परिचित कराना तथा महाविद्यालय में नवाचारों से सम्बन्धित अनेक विषयों पर विस्तृत चर्चा-परिचर्चा हुई। इस दौरान विभागीय रपट, राष्ट्रीय सेवा योजना रपट तथा कार्यक्रम अधिकारी चयन, क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम रपट, पाठ्यक्रम योजना, नयी पहल (सभी व्याख्यान पी.पी.टी. पर, वेबसाइट पर शिक्षक ब्लॉग, सामूहिक व्यक्तित्व विकास तथा आदर्श गाँव), साप्ताहिक स्मृति व्याख्यान माला, प्रवेश/परीक्षा समिति, मुख्य नियन्ता एवं दायित्व विभाजन, अनापत्ति (पुस्तकालय एवं कर्ज), योजना बैठक (1-8 जुलाई, 2020) सहित बदली हुई परिस्थितियों (कोरोना महामारी) में किस प्रकार अगले सत्र का क्रियान्वयन किया जाये आदि विषय विचारार्थ प्रस्तुत हुए। बैठक में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने सहभाग किया।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ऑनलाईन साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला।

उद्घाटन समारोह

ऑनलाइन योग कार्यशाला में योग प्रशिक्षण

15 से 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा "ऑनलाईन साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला" का आयोजन किया गया। 15 जून को कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान के संकाय प्रमुख प्रो. संतोष कुमार शुक्ल ने 'भारत की योग परम्परा और महायोगी

गोरखनाथ' विषय पर बतौर मुख्य वक्ता ऑनलाईन व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस सत्र की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष तथा वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में योगाचार्य डॉ. चन्द्रजीत यादव ने ऑनलाईन योगाभ्यास कराया तथा ध्यान की क्रिया सिखाई। इस अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सभी संस्थाओं के शिक्षकों ने अपनी ऑनलाईन उपस्थिति दर्ज कराई एवं अपने घर पर योगाभ्यास किया।

कार्यशाला को सम्बोधित करते डॉ. संतोष कुमार शुक्ला

कार्यशाला का दूसरा दिन

ऑनलाइन योग कार्यशाला में योग प्रशिक्षण

16 जून को कार्यशाला के दूसरे दिन प्रथम सत्र (प्रात: 06:00-07:00) में योग शिविर संचालक डॉ. चन्द्रजीत यादव ने प्रशिक्षुओं को ऑनलाईन प्राणायाम का अभ्यास कराया। द्वितीय सत्र में बौद्धिक सत्र (अपराह्न 10:00-11:00) के अन्तर्गत दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. द्वारका नाथ ने 'वैश्विक महामारी काल में योग : गुरु गोरखनाथ के धर्माचरण के अनुपाल का दर्शन' विषय पर बतौर मुख्य वक्ता ऑनलाईन व्याख्यान प्रस्तुत किया। सत्र की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष तथा वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। कार्यशाला के तृतीय सत्र (सायं 06:00-07:00) में योगाचार्य डॉ. चन्द्रजीत यादव ने ऑनलाईन योगाभ्यास कराया तथा ध्यान की क्रिया सिखाई। इस अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सभी संस्थाओं के शिक्षकों ने अपनी ऑनलाईन उपस्थिति दर्ज कराई एवं अपने घर पर योगाभ्यास किया।

कार्यशाला को सम्बोधित करते प्रो. द्वारका नाथ

ऑनलाइन योग कार्यशाला में योग प्रशिक्षण

कार्यशाला का तीसरा दिन

17 जून को कार्यशाला के तीसरे दिन प्रथम सत्र (प्रात: 06:00-07:00) में योग शिविर संचालक डॉ. चन्द्रजीत यादव ने प्रशिक्षुओं को ऑनलाईन प्राणायाम का अभ्यास कराया। द्वितीय सत्र में बौद्धिक सत्र (अपराह्न 10:00-11:00) के अन्तर्गत मालव लोक संस्कृति अनुष्ठान मानसा, नीमच, मध्य प्रदेश के

कार्यशाला को सम्बोधित करते डॉ. पूरन सहगल

निदेशक डॉ. पूरन सहगल ने 'महायोगी गोरखनाथ की योग साधना' विषय पर बतौर मुख्य वक्ता ऑनलाईन व्याख्यान प्रस्तुत किया। सत्र की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष तथा वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। कार्यशाला के तृतीय सत्र (सायं 06:00-07:00) में योगाचार्य डॉ. चन्द्रजीत यादव ने ऑनलाईन योगाभ्यास कराया तथा ध्यान की क्रिया सिखाई। इस अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सभी संस्थाओं के शिक्षकों ने अपनी ऑनलाईन उपस्थिति दर्ज कराई एवं अपने घर पर योगाभ्यास किया।

कार्यशाला का चौथा दिन

ऑनलाइन योग कार्यशाला में योग प्रशिक्षण

18 जून को कार्यशाला के चौथा दिन प्रथम सत्र (प्रात: 06:00-07:00) में योग शिविर संचालक डॉ. चन्द्रजीत यादव ने प्रशिक्षुओं को ऑनलाईन प्राणायाम का अभ्यास कराया। द्वितीय सत्र में बौद्धिक सत्र (अपराह्न 10:00-11:00) के अन्तर्गत महायोगी गुरू श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के विशेष कार्याधिकारी प्रो. रविशंकर सिंह ने 'गाँव-नगर नाथ, सगर-डगर योग' विषय पर बतौर मुख्य वक्ता ऑनलाईन व्याख्यान प्रस्तुत किया। सत्र की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष तथा वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। कार्यशाला के तृतीय सत्र (सायं 06:00-07:00) में योगाचार्य डॉ. चन्द्रजीत यादव ने ऑनलाईन योगाभ्यास कराया तथा ध्यान की क्रिया सिखाई। इस अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सभी संस्थाओं के शिक्षकों ने अपनी ऑनलाईन उपस्थिति दर्ज कराई एवं अपने घर पर योगाभ्यास किया।

कार्यशाला में अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते प्रो. यू.पी. सिंह

ऑनलाइन योग कार्यशाला में योग प्रशिक्षण

कार्यशाला का पाँचवा दिन

19 जून को कार्यशाला के पाँचवें दिन प्रथम सत्र (प्रात: 06:00-07:00) में योग शिविर संचालक डॉ. चन्द्रजीत यादव ने प्रशिक्षुओं को ऑनलाईन प्राणायाम का अभ्यास कराया। द्वितीय सत्र में बौद्धिक सत्र (अपराह्न 10:00-11:00) के अन्तर्गत देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखण्ड के योग विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुरेश लाल बरनवाल ने 'कोविड-19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में योग' विषय पर बतौर मुख्य वक्ता

ऑनलाईन व्याख्यान प्रस्तुत किया। सत्र की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष तथा वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। कार्यशाला के तृतीय सत्र (सायं 06:00–07:00) में योगाचार्य डॉ. चन्द्रजीत यादव ने ऑनलाईन योगाभ्यास कराया तथा ध्यान की क्रिया सिखाई। इस अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सभी संस्थाओं के शिक्षकों ने अपनी ऑनलाईन उपस्थिति दर्ज कराई एवं अपने घर पर योगाभ्यास किया।

कार्यशाला को सम्बोधित करते प्रो. सुरेश लाल बरनवाल

ऑनलाइन योग कार्यशाला में योग प्रशिक्षण

कार्यशाला का छठवाँ दिन

19 जून को कार्यशाला के छठवें दिन प्रथम सत्र (प्रात: 06:00–07:00) में योग शिविर संचालक डॉ. चन्द्रजीत यादव ने प्रशिक्षुओं को ऑनलाईन प्राणायाम का अभ्यास कराया। द्वितीय सत्र में बौद्धिक सत्र (अपराह्न 10:00–11:00) के अन्तर्गत किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के वरिष्ठ समाज वैज्ञानिक एवं योग विशेषज्ञ डॉ. दीनानाथ ने 'कुण्डलिनी जागरण की वैज्ञानिक विवेचना' विषय पर बतौर मुख्य वक्ता ऑनलाईन व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस सत्र की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष तथा वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। कार्यशाला में अपराह्न 4 बजे से उ.प्र. के यशस्वी मुख्यमंत्री एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के प्रबन्धक/सचिव महन्त श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज का कोविड–19 के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के समक्ष चुनौतियाँ एवं समाधान विषय पर व्याख्यान हुआ। इस अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सभी संस्थाओं के संस्थाध्यक्ष एवं चयनित शिक्षक ऑनलाईन जुड़कर पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज का मार्गदर्शन प्राप्त किया।

कार्यशाला को ऑनलाईन सम्बोधित करते उ.प्र. के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज

कार्यशाला में योग प्रशिक्षण देते डॉ. चन्द्रजीत यादव एवं डॉ. आनंद कुमार चतुर्वेदी

कार्यशाला का समारोप

21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वैश्विक महामारी कोविड–19 प्रोटोकाल के तहत इस वर्ष सामूहिक योगाभ्यास मन्दिर परिसर में न होकर ऑनलाईन आयोजित किया गया जिसमें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सभी संस्थाओं के शिक्षकों के साथ–साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने अपनी ऑनलाईन उपस्थिति दर्ज कराई एवं अपने घर पर योगाभ्यास किया।

वनस्पति विज्ञान विभाग में दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार

उद्घाटन सत्र

अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार का परिपत्र

25–26 जून, 2021 को महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग एवं प्रभात कुमार कॉलेज, कोन्टई, प. बंगाल के वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'Trends in Sustainability : Regenerative Agriculture' विषय पर दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। 25 जून को वेबीनार के उद्घाटन सत्र में प्रभात कुमार कॉलेज, कोन्टई, प. बंगाल के वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अर्जुन पात्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संगोष्ठी में एशियन पी.जी.पी.आर. सोसाइटी, AUBYRN University, AL, U.S.A. के फाउण्डर चेयरमेन प्रो. एम.एस. रेड्डी ने बीज वक्तव्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय के कुलपति प्रो. विजय कृष्ण सिंह ने की।

वेबीनार को सम्बोधित करते कुलपति प्रो. विजय कृष्ण सिंह

प्रथम तकनीकी सत्र : 25 जून को वेबीनार के प्रथम तकनीकी सत्र में एशियन पी.जी.पी.आर. सोसाइटी, AUBYRN University, AL, U.S.A. के फाउण्डर चेयरमेन प्रो. एम. एस. रेड्डी ने बतौर विषय विशेषज्ञ 'रिजनरेटिव एग्रीकल्चर' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा संचालन डॉ. के. सुनीता, सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने की।

वेबीनार के प्रथम सत्र को सम्बोधित करते प्रो. एम.एस. रेड्डी

द्वितीय तकनीकी सत्रः द्वितीय तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा, विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विभाग, बाबा भीमराव अम्बेडकर वि.वि., लखनऊ ने ''सेस्टिनेबल एग्रीकल्चर–रिजनरेटिव एग्रीकल्चर'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा संचालन डॉ. के. सुनीता, सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने की।

अन्तः क्रिया सत्र : अन्तः क्रिया सत्र में डॉ. अर्जुन पात्रा, विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान विभाग, पी.के. कॉलेज, कोन्टई, प.बंगाल एवं डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, वनस्पति विज्ञान विभाग, महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर ने श्रोताओं से प्राप्त प्रश्नों को विषय विशेषज्ञ से उसका जवाब दिलाया। सत्र की समाप्ति पर डॉ. के. सुनीता, वनस्पति विज्ञान विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा आभार ज्ञापित किया गया।

वेबीनार के अन्तःक्रिया सत्र में उपस्थित विद्वत्जन

वेबीनार का दूसरा दिन

तृतीय तकनीकी सत्रः 26 जून को वेबीनार के दूसरे दिन तृतीय तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. रियाज जैदी सैयद, विभागाध्यक्ष पी.एस.जी.वी.पी.एम., ए.एस.पी. कॉलेज, सहादत, महाराष्ट्र ने ''लैण्ड रिक्लेमेशन फॉर सेस्टिनेबल एग्रीकल्चर'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा संचालन डॉ. कुमारी सुनीता, सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने की।

वेबीनार के तृतीय सत्र को सम्बोधित करते डॉ. रियाज जैदी सैय्यद

वेबीनार के चतुर्थ सत्र को सम्बोधित करते डॉ. दिनेश सिंह

चतुर्थ तकनीकी सत्रः चतुर्थ तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. दिनेश सिंह, मुख्य वैज्ञानिक, आई.सी.ए.आर., आई.ए.आर.आई. -नई दिल्ली ने ''सेस्टिनेबल एग्रीकल्चर–रिजनरेटिव एग्रीकल्चर'' पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा संचालन डॉ. के. सुनीता, सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने की।

समारोप : दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार के समापन अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता प्रभात कुमार कॉलेज, कोन्टई, प. बंगाल के वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अर्जुन पात्रा ने व्याख्यान प्रस्तुत किया जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा संचालन डॉ. के. सुनीता, सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने की। अन्त में वेबीनार के संयोजन डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान विभाग, महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

वेबीनार के समापन सत्र को सम्बोधित करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (सत्र : 2020-21)

सप्तदिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक:

उद्घाटन समारोह: 01 से 07 जुलाई 2020 तक महाविद्यालय की परम्परा के अनुसार प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी सप्तदिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का आयोजन कोविड-19 प्रोटोकॉल का पूर्णत: पालन करते हुए महाविद्यालय के जगत जननी माँ सीता सभागार में सम्पन्न किया गया। यह बैठक प्रत्येक दिन दो सत्रों में संचालित की गई।

वार्षिक योजना बैठक के प्रथम दिन उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षक

पहले दिन प्रथम सत्र (10.30 बजे 11.30) में कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का उद्घाटन प्राचार्य प्रदीप कुमार राव द्वारा किया गया। प्राचार्य जी ने प्रस्ताविकी तथा सम्पूर्ण कार्ययोजना प्रस्तुत की।

द्वितीय सत्र में अध्ययन-अध्यापन हेतु तकनीकी कौशल विकसित करने हेतु सुझाव प्रस्तुत किये गये। इस विषय पर डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा श्री अभिषेक वर्मा सहित अन्य शिक्षकों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। तदनन्तर परिचर्चा के साथ सत्र सम्पन्न हुआ।

बैठक के दूसरे दिन अपना विचार व्यक्त करते श्री विनय कुमार सिंह

दूसरा दिन - 02 जुलाई को शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के दूसरे दिन प्रथम सत्र में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में शैक्षिक पंचांग दायित्व सह कार्य विभाजन, प्रवेश, परीक्षा, परिसर अनुशासन विषय पर तथा द्वितीय सत्र में पुस्तकालय, स्वच्छता, प्रयोगशाला विषय पर चर्चा की गई जिसमें डॉ. राजेश शुक्ला, डॉ. आर.एन. सिंह, श्री रमाकान्त दूबे तथा श्री विनय कुमार सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने अपनी बात रखी। शिक्षकों के सुझाव के साथ सत्र सम्पन्न हुआ।

बैठक के तीसरे दिन अपना विचार व्यक्त करते डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

तीसरा दिन - 03 जुलाई को बैठक के तीसरे दिन प्रथम सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना, पठन पाठन, नैक तथा द्वितीय सत्र में वेबसाइट विषय पर डॉ. सौरभ कुमार सिंह, डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव,

डॉ. कृष्ण कुमार तथा डॉ. अविनाश प्रताप सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने विचार प्रस्तुत किया।

बैठक के चौथे दिन पावरपॉइन्ट के माध्यम से प्रशिक्षित होते शिक्षक

चौथा दिन - 04 जुलाई को कार्यशाला एवं बैठक के चौथे दिन प्रथम सत्र में उन्नत भारत अभियान, गोद लिए गाँव, गोद लिए गये विद्यार्थी तथा द्वितीय सत्र में पाठ्यक्रम योजना, प्रार्थना सभा तथा क्रीड़ा विषय पर चर्चा की गई। इस सत्र में श्रीमती कविता मन्ध्यान, श्रीमती पुष्पा निषाद, डॉ. अजय निषाद तथा डॉ. आरती सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने विचार प्रस्तुत किये।

पाँचवा दिन - 05 जुलाई को बैठक के पाँचवे दिन प्रथम सत्र में विभागीय कार्ययोजना, छात्र-संघ एवं द्वितीय सत्र में ध्येय पथ ई-पत्रिका, नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण, नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई विषय पर सुश्री श्वेता चौबे, डॉ. रामसहाय, सुश्री सुनिधि गुप्ता सहित अन्य शिक्षकों ने अपने विचार एवं सुझाव रखे।

बैठक के पाँचवे दिन अपना विचार व्यक्त करते श्रीमती कविता मंध्यान

बैठक के छठवें दिन अपना विचार व्यक्त करते डॉ. आर.एन. सिंह

छठवाँ दिन - 06 जुलाई को बैठक के छठवें दिन प्रथम सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना, रोवर-रेंजर्स, प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम, बागवानी तथा द्वितीय सत्र में शोध-पत्रिका प्रकाशन, छात्र समिति, ई.पी.एफ. विषय पर श्री सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. कृष्ण कुमार, श्री नवनीत कुमार सिंह तथा श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपने विचार रखे।

सप्त दिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का समारोप कार्यक्रम

07 जुलाई 2020 को कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के सातवें दिन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में प्रथम सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा महत्वपूर्ण आयोजनों जैसे- महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यानमाला, साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह, युवा महोत्सव, भारत-भारती पखवारा, समावर्तन संस्कार इत्यादि को बदली हुई

योजना बैठक के समापन अवसर पर उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षक

परिस्थिति में कैसे कराया जाय, इस विषय पर विचार विमर्श किया गया, इस विषय पर सुश्री दीप्ति गुप्ता, डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, श्रीकान्त मणि त्रिपाठी तथा श्री सुबोध कुमार मिश्र ने अपने विचार रखे। द्वितीय सत्र में समारोप कार्यक्रम के अवसर पर सात दिनों तक चलें शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में सम्पूर्ण विषयों की कार्य योजना से सम्बन्धित लिए गये निर्णयों को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रस्तुत किया। सात दिनों के गहन विचार-विमर्श और अनेक सुझावों के आलोक में सत्र 2020-2021 के लिए महाविद्यालय की वार्षिक योजना एवं शैक्षिक पंचांग को निर्मित किया गया।

पौधरोपण कार्यक्रम

पौध रोपण करतीं महाविद्यालय की प्राध्यापिकाएँ

04 जुलाई को महाविद्यालय में कोविड-19 प्रोटोकॉल का पूर्णत: पालन करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वन महोत्सव सप्ताह के अन्तर्गत पौधरोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा रूद्राक्ष के पौधे को रोप कर किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत सफेद चन्दन, रुद्राक्ष, आम, अनार, नीम, पीपल, अर्जुन, आदि के पौधे लगाये गए। इस अवसर पर डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आर.एन. सिंह, डॉ. आरती सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने भी पौधे लगाये। इस अवसर पर समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महात्मा गाँधी के 150वें जयन्ती वर्ष के पावन अवसर पर बी.एड्. विभाग द्वारा दो दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी

उद्घाटन

संगोष्ठी को सम्बोधित करते प्रो. रजनीश शुक्ल

27-28 जुलाई को महात्मा गाँधी के 150वें जंयती वर्ष के अन्तर्गत 'वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य और महात्मा गाँधी' विषय पर दो दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन बी.एड्. विभाग द्वारा किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश शुक्ल द्वारा उद्घाटन भाषण प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दो दिनों तक चलने वाली इस संगोष्ठी की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। उद्घाटन समारोह का संचालन बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

प्रथम सत्र– प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. रजनीश शुक्ल, कुलपति महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा, ने 'वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य और महात्मा गाँधी' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह, प्रश्नों का संकलन सुश्री श्वेता चौबे तथा आभार ज्ञापन डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में उद्बोधन देते श्री हरिकेश बहादुर

द्वितीय सत्र– द्वितीय सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में श्री हरिकेश बहादुर, पूर्व सांसद, लोकसभा ने स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गाँधी की भूमिका विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह, प्रश्नों का संकलन श्वेता चौबे ने किया।

संगोष्ठी के तृतीय सत्र में उद्बोधन देते प्रो. तेज प्रताप सिंह

तृतीय सत्र– 28 जुलाई को ऑनलाइन संगोष्ठी के दूसरे दिन प्रात: 10 बजे तृतीय सत्र प्रारम्भ हुआ। इस सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो. टी. पी. सिंह ने 'प्रवासी भारतीय मजदूर' विषय पर तथा जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, प्रो. योगेन्द्र सिंह ने 'महात्मा गाँधी एवं सम-सामयिक चुनौतियाँ' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह, प्रश्नों का संकलन श्वेता चौबे द्वारा किया गया।

संगोष्ठी के तृतीय सत्र में उद्बोधन देते प्रो. योगेन्द्र सिंह

समारोप

28 जुलाई को ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में पूर्व केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार, श्री हुकुम देव नारायण

यादव ने महात्मा गांधी जी के जीवन एवं व्यक्तित्व पर अपना विचार प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का संचालन बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह तथा आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

संगोष्ठी के समापन अवसर पर उद्‌बोधन देते श्री हुकुम देव नारायण यादव

प्राचार्य-शिक्षक ऑनलाइन बैठक

31 जुलाई 2020 को प्राचार्य-शिक्षक ऑनलाइन बैठक प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में 01 अगस्त से स्नातक द्वितीय व तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष की ऑनलाइन कक्षाएँ प्रारम्भ करने तथा ऑनलाइन प्रार्थना सभा प्रारम्भ करने पर चर्चा की गई। बैठक में प्राचार्य व सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

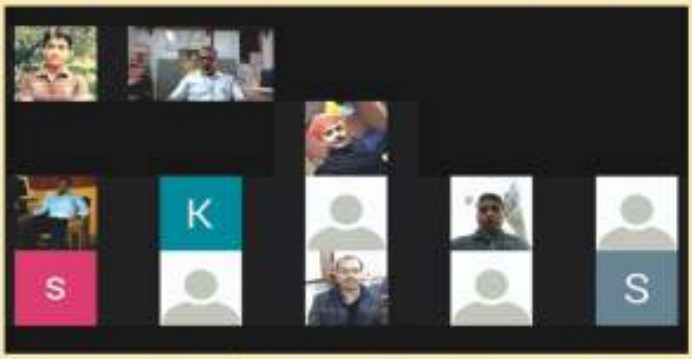

ऑनलाइन शिक्षक बैठक में उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षकगण

ऑनलाइन कक्षाएँ प्रारम्भ

01 अगस्त से महाविद्यालय की योजनानुसार तथा समकालीन वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान कोरोना के समस्त नियमों का अनुपालन करते हुए ऑनलाइन माधयम से स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर (स्नातक तथा स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष को छोड़कर) की समस्त कक्षाएं प्रारम्भ हुई।

प्रार्थना सभा का प्रारम्भ

01 अगस्त से कोविड-19 की वैश्विक महामारी के दृष्टिगत महाविद्यालय की परम्परानुसार प्रार्थना सभा का शुभारम्भ इस वर्ष ऑनलाइन मोड में हुआ। तिथि विशेष पर किसी महापुरुष/घटना/जयन्ती/स्मृति दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व में चयनित प्राध्यापक द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शेष दिवसों में श्रीमद्‌भगवत गीता के हिन्दी एवं अंग्रेजी अनुवाद सहित चुने हुए मूल संस्कृत श्लोकों का वाचन किया गया।

ऑनलाइन कक्षा का संचालन करते श्री नन्दन शर्मा

बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस एवं पुरुषोत्तम दास टण्डन जयन्ती

01 अगस्त को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में बाल गंगाधार तिलक महाप्रयाण दिवस एवं पुरुषोत्तम दास टण्डन जयन्ती के अवसर पर रक्षाअध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक सिंह ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की।

बाल गंगाधर तिलक एवं
पुरुषोत्तम दास टण्डन को हार्दिक श्रद्धांजलि

प्राचीन इतिहास विभाग में एक दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी

01 अगस्त को 'प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग' तथा 'भारतीय इतिहास संकलन समिति गोरक्ष प्रांत' के संयुक्त तत्वावधान में 'राममंदिर निर्माण : सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी दो सत्रों में चली। इस संगोष्ठी का संयोजन प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

प्रथम सत्र (पूर्वाह्न 10:45 से 11:50) संगोष्ठी का प्रथम सत्र प्रात: 10:45 से प्रारम्भ हुआ। प्रथम सत्र ही संगोष्ठी का बीज वक्तव्य महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल द्वारा दिया गया। 'राममंदिर निर्माण: सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य' विषय पर व्याख्यान उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज, उत्तरप्रदेश के अध्यक्ष प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा द्वारा दिया गया।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में उपस्थित विद्वतजन

संगोष्ठी के प्रथम सत्र में उद्बोधन देते प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा

द्वितीय सत्र (अपराह्न 12:15 से 12:40) संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक एवं राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. बुध रश्मि मणि तथा भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. कुमार रत्नम ने राममंदिर निर्माण के विविध पक्षों पर प्रकाश डालते हुए इस विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया।

द्वितीय सत्र का संचालन करते श्री सुबोध कुमार मिश्र

द्वितीय सत्र में विचार व्यक्त करते प्रो. बुद्धि रश्मि मणि

समापन - इस एक दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी के समापन अवसर पर भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. बालमुकुंद पांडेय ने राममंदिर के अतीत, वर्तमान तथा भविष्य विषय पर

अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

संगोष्ठी के समापन सत्र को सम्बोधित करते अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. बाल मुकुन्द पाण्डेय एवं अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते डॉ. प्रदीप कुमार राव

आचार्य मैथिलीशरण गुप्त जयन्ती

03 अगस्त को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में मैथिलीशरण गुप्त जयन्ती के अवसर पर बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हे महाविद्यालय की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की।

आचार्य मैथिलीशरण गुप्त को हार्दिक श्रद्धांजलि

गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि

07 अगस्त को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि पर बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती साधना सिंह ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हे महाविद्यालय की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की।

गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर को हार्दिक श्रद्धांजलि

प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा दो दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी-

उद्‌घाटन- 07-08 अगस्त को 'प्राचीन भारतीय इतिहास के अछूते पृष्ठ' विषय पर दो दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा किया गया। संगोष्ठी का उद्‌घाटन 07 अगस्त को मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. शिवाजी सिंह ने 'वैदिक सभ्यता एवं संस्कृति' विषय पर उद्‌बोधन प्रस्तुत कर किया। उद्‌घाटन समारोह का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

संगोष्ठी के उद्‌घाटन सत्र में बीज वक्तव्य प्रस्तुत करते प्रो. शिवाजी सिंह

प्रथम तकनीकी सत्र- प्रथम तकनीकी सत्र में बतौर कार्यक्रम अध्यक्ष उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा ने 'भारतीय काल गणना एवं पंचांग' विषय पर विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

संगोष्ठी के प्रथम सत्र में विचार व्यक्त करते प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा

द्वितीय तकनीकी सत्र– द्वितीय तकनीकी सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. विपुला दुबे ने 'महाकाव्य: ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में उद्‌बोधन देतीं प्रो. विपुला दुबे

तृतीय तकनीकी सत्र– 08 अगस्त को राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन प्रात: 10:30 बजे तृतीय तकनीकी सत्र प्रारम्भ हुआ। इस सत्र में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संस्कृत विभाग के प्रो. संतोष शुक्ला ने 'आदि शंकराचार्य का धर्म दर्शन' विषय पर उद्‌बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

संगोष्ठी के तृतीय सत्र में विचार व्यक्त करते प्रो. संतोष शुक्ल

चतुर्थ तकनीकी सत्र– 08 अगस्त को अपराहन 12:30 बजे चतुर्थ तकनीकी सत्र प्रारम्भ हुआ। इस सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. राजवंत राव ने 'श्रमण एवं नाथ परम्परा तथा महायोगी गोरखनाथ' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

संगोष्ठी के चतुर्थ तकनीकी सत्र में उपस्थित विद्वत्‌जन

समापन सत्र– 08 अगस्त को अपराहन 03:00 बजे संगोष्ठी का समापन सत्र प्रारम्भ हुआ। समापन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय ने समापन उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

संगोष्ठी के समापन सत्र को सम्बोधित करते अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. बाल मुकुन्द पाण्डेय एवं अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते डॉ. प्रदीप कुमार राव

भारत छोड़ो आन्दोलन

08 अगस्त को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में भारत छोड़ो आन्दोलन घटना पर महान क्रान्तिकारियों को महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धाजंलि अर्पित की गई।

भारत छोड़ो आन्दोलन के शहीदों को हार्दिक श्रद्धांजलि

काकोरी घटना स्मृति दिवस

09 अगस्त को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में काकोरी घटना स्मृति दिवस के अवसर पर काकोरी घटना से सम्बंधित अमर वीर क्रान्तिकारियों- पं. रामप्रसाद बिस्मिल, राजगुरू एवं सुखदेव को महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।

काकोरी घटना के शहीदों को हार्दिक श्रद्धांजलि

साप्ताहिक समीक्षा बैठक

10 अगस्त को ऑनलाइन प्राचार्य-शिक्षक साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ऑनलाइन पठन पाठन पर सभी शिक्षकों से वार्ता की गई तथा अध्यापन अनुभवों को साझा किया गया। ऑनलाईन बैठक में समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

ऑनलाइन समीक्षा बैठक में उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षक

अमर शहीद खुदीराम बोस जयन्ती

11 अगस्त को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में अमर शहीद खुदीराम बोस जयन्ती के अवसर पर भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नीलम गुप्ता ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

अमर शहीद खुदीराम बोस को हार्दिक श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान

11 अगस्त को 'अमर शहीद बन्धू सिंह शहादत दिवस की पूर्व संध्या' पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग के

प्रवक्ता श्री जितेन्द्र कुमार प्रजापति ने विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ सिंह ने किया।

रानी अहिल्याबाई होल्कर को हार्दिक श्रद्धांजलि

अहिल्याबाई होल्कर पुण्यतिथि

13 अगस्त को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में अहिल्याबाई होल्कर पुण्यतिथि पर प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

शहीद बन्धु सिंह को हार्दिक श्रद्धांजलि

भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर ऑनलाइन व्याख्यान

13 अगस्त को भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, शोध एवं प्रशासन निदेशक डॉ. ओम जी उपाध्याय ने 'भारत विभाजन की अन्त:कथा एवं अखण्ड भारत' विषय पर विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

ऑनलाइन व्याख्यान में अध्यक्षीय उद्बोधन देते डॉ. प्रदीप कुमार राव

ऑनलाइन व्याख्यान मे उपस्थित विद्वत्गण

स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त को महाविद्यालय में 73वाँ स्वतंत्रता दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कोविड-19 प्रोटोकॉल का पूर्णत: पालन करते हुए प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। साथ ही साथ राष्ट्रगान व वन्देमातरम गाया गया। तत्पश्चात

ध्वजारोहण करते डॉ. प्रदीप कुमार राव

शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

ऑनलाइन माध्यम से अपनी प्रस्तुति देती छात्रा

प्राचार्य-शिक्षक बैठक का आयोजन श्रीराम सभागार में सम्पन्न हुआ। बैठक में ऑनलाइन चुनाव, सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला आदि विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने विविध विषयों पर अपनी प्रस्तुति दी।

मदन लाल ढींगरा को हार्दिक श्रद्धांजलि

मदनलाल ढ़ींगरा पुण्यतिथि

17 अगस्त को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में मदनलाल ढ़ींगरा पुण्यतिथि पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की।

युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 51वीं तथा राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 6वीं पुण्यतिथि समारोह के अन्तर्गत आयोजित साप्ताहिक ऑनलाइन व्याख्यानमाला (17-23 अगस्त 2020)

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देतीं श्रीमती लीना महेंदले

व्याख्यानमाला का उद्घाटन - 17 अगस्त को युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 51वीं तथा राष्ट्रसन्त ब्रहालीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 6वीं पुण्यतिथि समारोह के अन्तर्गत आयोजित ऑनलाइन साप्ताहिक व्याख्यानमाला के उद्घाटन अवसर पर प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता एवं गोवा की पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त श्रीमती लीना महेंदले ने 'राष्ट्रीय चेतना' विषय पर उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं प्रस्ताविकी प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र ने प्रस्तुत दी। अतिथि स्वागत उद्बोधन राजनीति विज्ञान के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह तथा

अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

व्याख्यानमाला का दूसरा दिन - 18 अगस्त को मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय सेना के सेवानिवृत्त मेजर जनरल ए.के. चतुर्वेदी ने 'राष्ट्रीय सुरक्षा' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास एवं संस्कृत विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा अतिथि स्वागत भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया।

व्याख्यान माला के दूसरे दिन विचार व्यक्त करते मेजर जनरल (रि.) ए.के. चतुर्वेदी

व्याख्यानमाला का तीसरा दिन - 19 अगस्त को 'पाणिनीय शिक्षाशास्त्र में विज्ञान एवं गणित' विषय पर आई.आई.टी. कानपुर के मैकेनिकल इंजिनियरिंग विभाग के प्रो. नचिकेता तिवारी ने व्याखान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा अतिथि स्वागत भौतिक विज्ञान प्रभारी श्रीमती मनीता सिंह ने किया।

व्याख्यान माला के तीसरे दिन उद्‌बोधन देते डॉ. नचिकेता तिवारी

व्याख्यानमाला का चौथा दिन- 20 अगस्त को लखनऊ के वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य वैद्य अजय दत्त शर्मा ने 'आयुर्वेद एक ईश्वरीय वरदान' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अतिथि स्वागत वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव तथा कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया ।

व्याख्यान माला के चौथे दिन विचार व्यक्त करते वैद्य अजय दत्त शर्मा

व्याख्यानमाला का पाँचवा दिन- 21 अगस्त को '21वीं सदी में नेतृत्त्व: सैन्य सेवा से सीख' विषय पर भारतीय सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेन्ट जनरल दुष्यन्त सिंह ने ऑनलाइन उद्‌बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा अतिथि स्वागत महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

व्याख्यान माला के पाँचवे दिन उद्‌बोधन देते ले.ज. (रि.) दुष्यन्त सिंह

व्याख्यानमाला का छठवां दिन- 22 अगस्त को आई.टी. बी.एच.यू. के रसायन विज्ञान विभाग के सहआचार्य

डॉ. वी. रामानाथन ने 'भारतीय काव्य परम्परा में स्त्रियों का योगदान' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र, अतिथि स्वागत हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया।

व्याख्यान माला के छठवें दिन विचार व्यक्त करते डॉ. वी. रामानाथन

व्याख्यान माला : समापन समारोह- 23 अगस्त को ऑनलाइन आयोजित युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्त-दिवसीय व्याख्यानमाला के समापन अवसर पर 'कश्मीर: कल, आजकल और कल' विषय पर प्रखर राष्ट्रवादी चिन्तन और भारतीय कश्मीरी मानवाधिकार कार्यकर्ता श्री सुशील पण्डित ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अतिथि स्वागत राजनीति शास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार पाठक, अध्यक्षीय उद्‌बोधन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया। सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के सातों दिनों में महाविद्यालय के फेसबुक और यूट्यूब चैनल पर बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी और श्रोतागण सक्रिय रुप में उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में लगभग ढाई लाख से अधिक शिक्षक-विद्यार्थी एवं प्रबुद्धजन की ऑनलाइन सहभागिता हुई।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के समापन अवसर पर उद्‌बोधन देते श्री सुशील पण्डित

अमर शहीद राजगुरू जयन्ती

अमर शहीद राजगुरु को हार्दिक श्रद्धांजलि

24 अगस्त को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में अमर शहीद राजगुरू जयन्ती के अवसर पर समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. बृजभूषण लाल ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

महारानी पद्‌मिनी जौहर दिवस

26 अगस्त को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में महारानी पद्‌मिनी जौहर दिवस पर राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

महारानी पद्‌मिनी एवं वीर राजपूत नारियों को हार्दिक श्रद्धांजलि

ऑनलाइन छात्रसंघ कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव

26 अगस्त को ऑनलाइन छात्र संघ चुनाव के प्रथम चरण में

कक्षा प्रतिनिधियों के चुनाव का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत विषय शिक्षकों द्वारा गूगल फार्म प्रारूप में प्रश्नपत्र बनाकर विद्यार्थियों के ईमेल आईडी पर भेज कर उनसे उत्तर प्राप्त किया गया तत्पश्चात प्राप्तांक, कक्षा में उपस्थिति एवं आचरण–व्यवहार के योग के आधार पर विभिन्न विषयों से कुल 45 कक्षा प्रतिनिधि चुने गये।

ऑनलाइन छात्र–संघ चुनाव हेतु पर्चा दाखिला

26 अगस्त को छात्र–संघ चुनाव हेतु अध्यक्ष पद पर तीन, उपाध्यक्ष पद पर दो, महामंत्री पद पर तीन तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर दो प्रतिनिधियों ने ऑनलाइन पर्चा दाखिल किया।

ऑनलाइन छात्र–संघ चुनाव योग्यता भाषण

छात्र–संघ चुनाव में योग्यता भाषण प्रस्तुत करते प्रत्याशीगण

27 अगस्त को महाविद्यालय में योग्यता भाषण का आयोजन किया गया। इस योग्यता भाषण का महाविद्यालय के फेसबुक तथा यूट्यूब पर सीधा प्रसारण किया गया। योग्यता भाषण में अध्यक्ष पद के लिए श्री सत्य प्रकाश तिवारी (बी.ए. अन्तिम वर्ष), श्री रामसकल प्रसाद (एम. कॉम. अन्तिम वर्ष), श्री अरुण शर्मा (बी.ए. अन्तिम वर्ष), उपाध्यक्ष पद के लिए श्री राकेश कुमार (बी.ए. भाग दो), सुश्री शशिकला गौड़ (बी.ए. अन्तिम वर्ष) महामंत्री पद के लिए श्री अभय राज वर्मा (बी.ए. भाग दो), श्री सुमित सिंह (बी.एड्. अन्तिम वर्ष), श्री अनुराग सिंह (बी.कॉम. अन्तिम वर्ष), पुस्तकालय मंत्री पद के लिए श्री राकेश गुप्ता (बी.ए. भाग दो) तथा श्री सन्देश सिंह (बी.ए. भाग दो) अपना विचार प्रस्तुत कर विद्यार्थियों से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की। योग्यता भाषण का आयोजन चुनाव अधिकारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया।

छात्र–संघ चुनाव हेतु सम्पन्न होता ऑनलाइन मतदान

छात्र–संघ चुनाव हेतु ऑनलाइन मतदान

28 अगस्त को प्रात: 8:00 बजे से ऑनलाइन मतदान प्रारम्भ हुआ। मतदान का लिंक प्रात: 8:00 बजे पंजीकृत मतदाताओं के ई–मेल पर भेजा गया। लिंक के माध्यम से मतदाता विद्यार्थियों ने मतदान दिया। पंजीकृत 1268 मतदाताओं में से 693 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अध्यक्ष पद पर श्री सत्यप्रकाश तिवारी उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी श्री अरुण शर्मा को 248 मतों से पराजित किया। उपाध्यक्ष पद पर सुश्री शशि कला गौंड 85 मतों के अन्तर से अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी श्री राकेश कुमार को पराजित किया। महामंत्री पद पर श्री अभय राज वर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी श्री सुमित कुमार सिंह को 30 मतों से पराजित कर विजयी रहे

छात्र-संघ चुनाव हेतु सम्पन्न ऑनलाइन मतदान का परिणाम

छात्र-संघ चुनाव में विजयी उम्मीदवारों को प्रमाण पत्र देते चुनाव अधिकारी

तथा पुस्तकालय मंत्री पर श्री राकेश गुप्ता ने अपने निकटम प्रतिद्वन्दी श्री सन्देश कुमार को 241 मतों से पराजित कर विजयी रहे। विजयी प्रतिभागियों को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा छात्र-संघ चुनाव अधिकारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने शुभकामनाएँ दी।

मेजर ध्यानचन्द जयन्ती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस

29 अगस्त को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में ध्यानचन्द जयन्ती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस पर मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित कर खेल दिवस की बधाई दी।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द को हार्दिक श्रद्धांजलि

राजनीति शास्त्र विभाग के तत्वावधान में - महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़ द्वारा 'भारत की पड़ोस नीतिः सामयिक राजनयिक विमर्श' पर आयोजित आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

उद्घाटन- 29-30 अगस्त को राजनीतिशास्त्र विभाग के तत्वावधान में 'भारत की पड़ोसी नीति : सामयिक राजनयिक विमर्श' विषय पर दो दिवसीय ऑनलाइन अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में बीज वक्तव्य प्रस्तुत करते प्रो. गौतम सेन

संगोष्ठी में उद्घाटन सत्र में प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते प्रो. तेज प्रताप सिंह

उद्घाटन यशवन्त राव चाव्हाण राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा विश्लेषण केन्द्र, महाराष्ट्र के पूर्व निदेशक प्रो. गौतम सेन द्वारा हुआ। इस अवसर पर बीज वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए प्रो. गौतम सेन ने अपना उद्बोधन दिया। संगोष्ठी की विषय प्रस्तावना समन्वयक सी.एस.एस.आई.पी., राजनीति विज्ञान विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रो. तेज प्रताप सिंह ने रखी। स्वागत उद्बोधन डॉ. प्रदीप कुमार राव, कार्यक्रम का संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह तथा आभार ज्ञापन डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने किया।

संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र को सम्बोधित करते डॉ. अशोक बहुरिया

प्रथम तकनीकी सत्र– संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र में 'भारत पाकिस्तान सम्बन्ध : चुनौतियाँ एवं सामाधान के विविध आयाम' विषय पर रक्षा अध्ययन विश्लेषण संस्थान, नई दिल्ली के सीनियर फेलो डॉ.अशोक बहुरिया ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। विशेष वक्ता के रूप में कराची विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ प्रो. नोशीन वासी ने इस विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह तथा आभार ज्ञापन डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने किया। वेबिनार में गोवा विश्वविद्यालय से प्रो. राहुल मणि त्रिपाठी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद से प्रो. जी. रामरेड्डी सहित देश और दुनिया के अनेक विद्वान और रिसर्च स्कॉलर समिलित रहे।

संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र में उपस्थित विद्वत्जन

द्वितीय तकनीकी सत्र– संगोष्ठी के द्वितीय तकनीकी सत्र में 'भारत–नेपाल सम्बन्ध : वर्तमान परिप्रेक्ष्य' विषय पर नेपाल में भारत के पूर्व राजदूत श्री मंजीव सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। विशेष वक्ता के रूप में नेपाली कांग्रेस के हाऊस ऑफ रिप्रजेंटेटिव सदस्य डॉ. अमरेश सिंह ने इस विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, प्रश्नों का संकलन व प्रस्तुतीकरण डॉ. कृष्ण कुमार पाठक तथा आभार ज्ञापन काशी हिन्दू विश्वविद्यालय राजनीति विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो. तेज प्रताप सिंह ने किया।

संगोष्ठी के द्वितीय तकनीकी सत्र का संचालन करते डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

तृतीय तकनीकी सत्र– 30 अगस्त को ऑनलाइन संगोष्ठी के दूसरे दिन तृतीय तकनीकी सत्र में 'भारत – बांग्लादेश सम्बन्ध: आन्तरिक एवं बाह्य सुरक्षा के विशेष सम्बन्ध' विषय पर विवेकानन्द इण्टरनेशनल फाउण्डेशन

संगोष्ठी के तृतीय तकनीकी सत्र को सम्बोधित करते प्रो. एहसानुल हक

संगोष्ठी के तृतीय तकनीकी सत्र को सम्बोधित करतीं प्रो. राधा दत्ता

की सीनियर फेलो नई दिल्ली तथा अब्दुल कलाम आजाद एशिया अध्ययन केन्द्र कोलकाता की पूर्व कार्यकारी निदेशक प्रो. श्रीमती राधा दत्ता ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन दिया। विषय विशेषज्ञ के रूप में ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश के प्रो. एहसानुल हक ने अपना विचार प्रस्तुत किया। विशेष वक्ता के रूप में केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात के अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति केन्द्र के अध्यक्ष प्रो. मनीष ने इस पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं अतिथि परिचय डॉ. अविनाश प्रताप सिंह तथा आभार ज्ञापन डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने किया।

चतुर्थ तकनीकी सत्र- संगोष्ठी के चतुर्थ तकनीकी सत्र में 'भारत-चीन सम्बन्धों का नवीनतम आयाम' विषय पर प्रो. जी. रामरेड्डी ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। विशेष वक्ता के रूप में गोवा विश्वविद्यालय, राजनीति शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. राहुल मणि त्रिपाठी ने अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

संगोष्ठी के चतुर्थ तकनीकी सत्र में विचार व्यक्त करते प्रो. राहुल मणि त्रिपाठी

समापन सत्र- दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी के समापन अवसर पर उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ। इससे पूर्व द सण्डे गार्जियन एवं आईटीवी नेटवर्क इण्डिया के सम्पादकीय निदेशक प्रो. माधव दास नलपत ने अपना विशिष्ट उद्‌बोधन

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर आशीर्वाद देते पूज्य महाराज जी

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर उद्‌बोधन देते प्रो. माधव दास नलपत

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर उपस्थित प्रो. हर्ष सिन्हा

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर उपस्थित प्रो. मनीष

दिया। समापन समारोह में लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) दुष्यन्त सिंह, पुणे से प्रो. गौतम सेन, गुजरात से प्रो. मनीष, मुम्बई से प्रो. लियाकत खान, गोरखपुर से प्रो. हर्ष सिन्हा, डॉ. बलवान सिंह सहित गुजरात, पश्चिम बंगाल, हिमाचल, दक्षिण भारत सहित अनेक प्रान्तों से प्रतिभागी ऑनलाइन सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी संयोजक डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, प्रश्नों का संयोजन डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने किया।

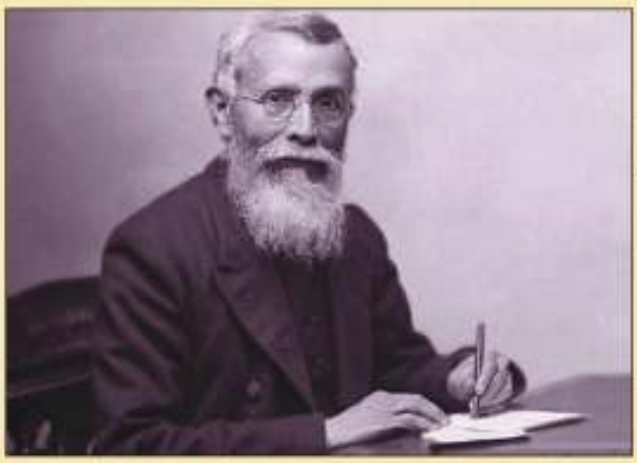

दादाभाई नौराजी को हार्दिक श्रद्धांजलि

दादाभाई नौरोजी जयन्ती

04 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में दादाभाई नौरोजी जयन्ती के अवसर पर गणित विभाग के सहायक आचार्य श्री प्रतीक दास ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयन्ती

05 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयन्ती एवं शिक्षक दिवस पर प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. विनय कुमार सिंह ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शिक्षक दिवस पर बधाई भी दी।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को हार्दिक श्रद्धांजलि

श्रद्धांजलि कार्यक्रम

अश्विन कृष्ण तृतीय तद्नुसार 05 सितम्बर युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 51वीं पुण्यतिथि तथा राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 06वीं पुण्यतिथि की स्मृति में महाविद्यालय द्वारा ऑनलाइन श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने महाराज जी द्वय के व्यक्तित्व एवं उनके सामाजिक राष्ट्रीय अवदानों पर ऑनलाइन उद्बोधन के माध्यम से प्रकाश डाला। इस अवसर पर

महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने ऑनलाईन उपस्थित होकर महाराज जी द्वय के विराट व्यक्तित्व का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षक

बी.एड्. विभाग में व्याख्यान

05 सितम्बर को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जन्म दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक विभाग तथा बी.एड्. विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के छात्राध्यापक तथा छात्राध्यापिकाओं ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम (गीत, कविता, आदि) प्रस्तुत कर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को श्रद्धासुमन अर्पित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह तथा संचालन बी.एड्. अंतिम वर्ष के छात्राध्यापक श्री माधवेन्द्र पति त्रिपाठी एवं श्री सुमित ने किया। कार्यक्रम का संयोजन सांस्कृतिक विभाग की प्रभारी सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

ऑनलाइन व्याख्यान में संचालन करते डॉ. कृष्ण कुमार पाठक

महर्षि दधिचि जयन्ती

06 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में महर्षि दधिचि जयन्ती पर बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री जितेन्द्र प्रजापति ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

महर्षि दधिचि को हार्दिक श्रद्धांजलि

विश्व साक्षरता दिवस

07 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर साक्षरता के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

विश्व साक्षरता दिवस

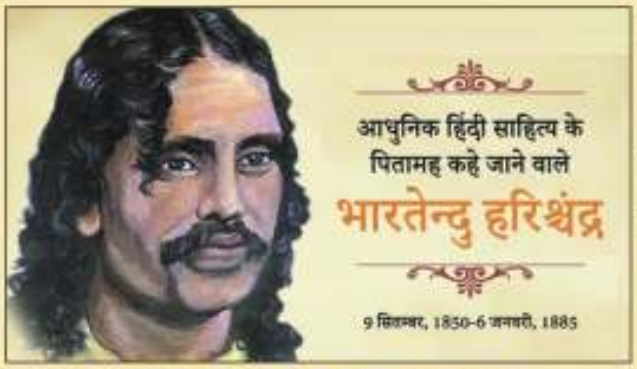

भारतेन्दु हरिश्चंद्र को हार्दिक श्रद्धांजलि

भारतेन्दु हरिशचन्द्र जयन्ती

09 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में भारतेन्दु हरिशचन्द्र जयन्ती पर भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

गोविन्द बल्लभपन्त को हार्दिक श्रद्धांजलि

गोविन्द बल्लभपन्त जयन्ती

10 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में गोविन्द बल्लभपन्त जयन्ती के अवसर पर समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हे श्रद्धासुमन अर्पित किया।

कवयित्री महादेवी वर्मा पुण्यतिथि एवं आचार्य विनोबा भावे जयन्ती

11 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में कवयित्री महादेवी वर्मा पुण्यतिथि एवं आचार्य विनोबा भावे जयन्ती पर हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ला ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर दोनों विभूतियों को श्रद्धासुमन अर्पित किया।

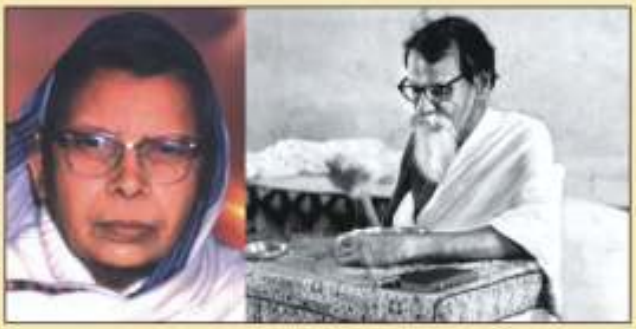
महादेवी वर्मा और आचार्य विनोबा भावे को हार्दिक श्रद्धांजलि

यतीन्द्र नाथ बोस को हार्दिक श्रद्धांजलि

यतीन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस

13 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में यतीन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस पर भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।

हिन्दी दिवस के अवसर पर एक दिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान

14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केन्द्र कोलकाता के प्रभारी डॉ. सुनील कुमार सुमन ने व्याख्यान प्रस्तुत

किया। कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्‌बोधन एवं आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने तथा कार्यकम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र एवं अतिथि स्वागत हिन्दी विभाग की प्रवक्ता डॉ. सुधा शुक्ला ने किया।

ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. सुनील कुमार सुमन

एम. विश्ववश्वरैया को हार्दिक श्रद्धांजलि

एम. विश्वश्वरैया जयन्ती

15 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में एम. विश्वश्वरैया जयन्ती के अवसर पर भौतिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक वर्मा ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस

16 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री संजय जायसवाल ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत किया।

देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा को सादर नमन

विश्वकर्मा जयन्ती

17 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रामसहाय ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत किया।

गुरु नानक देव जी को सादर नमन

गुरु नानक देव पुण्यतिथि

21 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री मंजेश्वर ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर गुरु नानक देव जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं ग्रामीण भारत का भविष्य विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम

22 सितम्बर को उन्नत भारत अभियान के तत्वावधान में ऑनलाइन व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दिग्विजय नाथ पी.जी. कॉलेज के बी.एड्. विभाग के प्रवक्ता डॉ. राजशरण शाही ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं ग्रामीण भारत का भविष्य' विषय पर उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह, आभार ज्ञापन समाजशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. बृजभूषण लाल तथा कार्यक्रम का संयोजन प्रभारी, उन्नत भारत अभियान श्रीमती कविता मन्ध्यान ने किया।

ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. राज शरण शाही

ऑनलाइन व्याख्यान में उपस्थित विद्वत्जन

भिकाजी कामा जयन्ती

24 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में भिकाजी कामा जयन्ती पर रक्षाअध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रमाकान्त दूबे ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

भीकाजी कामा को हार्दिक श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर ऑनलाइन व्याख्यान कार्यक्रम

24 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस के अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप

ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत करतीं प्रो. विनोद सोलंकी

ऑनलाइन व्याख्यान में उपस्थित विद्वत्जन

कुमार राव के स्वागत उद्‌बोधन से हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एस.एन. सुब्बाराव, वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, अंग्रेजी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष, प्रो. विनोद सोलंकी तथा उन्नत भारत अभियान की परियोजना वैज्ञानिक सुश्री मानवी अंजीत सिंह ने विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजभूषण लाल एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती साधना सिंह ने किया।

दीनदयाल उपाध्याय एवं सतीश धवन को हार्दिक श्रद्धांजलि

दीनदयाल उपाध्याय एवं सतीश धवन जयन्ती

25 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में गणित विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती अनुपमा श्रीवास्तव ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर दोनों ही महापुरुषों को श्रद्धासुमन अर्पित किया।

महात्मा गाँधी जी की 150वीं जयन्ती वर्ष व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में एकदिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी

ऑनलाइन संगोष्ठी में व्याख्यान प्रस्तुत करतीं मुख्य अतिथि प्रो. कल्पलता पाण्डेय

ऑनलाइन संगोष्ठी में सहभाग करते विद्वत्‌जन

25 सितम्बर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में महात्मा गाँधी जी की 150वीं जयन्ती वर्ष व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में एकदिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह के स्वागत उद्‌बोधन से हुआ। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि प्रो. कल्पलता पाण्डेय (कुलपति, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया) ने महात्मा गाँधी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की बुनियादी शिक्षा और नई शिक्षा नीति पर विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अन्त में आभार ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

ईश्वर चन्द विद्यासागर को हार्दिक श्रद्धांजलि

ईश्वर चन्द विद्यासागर जयन्ती

26 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में ईश्वरचन्द विद्यासागर जयन्ती के अवसर पर बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने ऑनलाइन व्याख्यान

प्रस्तुत कर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजा राममोहन राय को हार्दिक श्रद्धांजलि

राजाराममोहन राय पुण्यतिथि

27 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में राजा राममोहन राय पुण्यतिथि पर मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. वेंकट रमन ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

सरदार भगत सिंह जयन्ती

28 सितम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में सरदार भगत सिंह जयन्ती के अवसर पर वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री नन्दन शर्मा ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

सरदार भगत सिंह को हार्दिक श्रद्धांजलि

ऐनी बेसेन्ट को हार्दिक श्रद्धांजलि

एनी बेसेन्ट जयन्ती

01 अक्टूबर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में श्रीमती एनी बेसेन्ट की जयन्ती के अवसर पर बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

महात्मा गाँधी और स्व. लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि करते श्री शैलेश

महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती

2 अक्टूबर को बी.एड्. विभाग द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के 150वीं जयन्ती वर्ष का समारोप किया गया साथ ही लाल बहादुर शास्त्री की 96वीं जयन्ती भी मनायी गयी। इसके अन्तर्गत महाविद्यालय में पौधरोपण, भजन कार्यक्रम एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में 30 छात्राध्यापक तथा

पौध रोपण करते महाविद्यालय के प्राचार्य

चित्रकला प्रतियोगिता में अपनी कला का प्रदर्शन करते प्रतिभागी

छात्राध्यापिकाओं ने प्रतिभाग किया। चित्रकला प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान व मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा डॉ. वेंकट रमन रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ऐश्वर्या त्रिपाठी, द्वितीय स्थान कृष्ण मोहन निषाद तथा तृतीय स्थान अंजली प्रजापति ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता श्रीमती विभा सिंह ने किया।

महात्मा गाँधी के 150वीं जयन्ती वर्ष का समारोप

2 अक्टूबर को बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित महात्मा गाँधी के 150वीं जयन्ती वर्ष के समारोप के अन्तर्गत भजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। भजन कार्यक्रम में संचालन बी.एड्. द्वितीय वर्ष के छात्र माधवेन्द्रपति त्रिपाठी द्वारा किया गया। भजन कार्यक्रम के अन्तर्गत कविता पाठ सीमा पाण्डेय एवं प्रिया द्वारा तथा उद्बोधन अम्ब्रीश, प्रदीप, सुमित, मोहासीन खान आदि द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में गाँधी भजन प्रस्तुत करते विद्यार्थी

ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन कक्षा प्रारम्भ

03 अक्टूबर से स्नातक तथा स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के साथ-साथ सभी स्तर की कक्षाएं ऑनलाइन के साथ-साथ लाइव ऑफलाइन भी प्रारम्भ हुई। कोरोना महामारी के दौरान केन्द्र तथा राज्य सरकारों के द्वारा महामारी से बचने के लिए दिये गये दिशा-निर्देशों यथा-मास्क का अनिवार्यत: प्रयोग, कक्षाओं का सेनेटाइजेशन तथा शिक्षण कक्ष की पूर्ण क्षमता की एक तिहाई उपस्थिति के अनुरूप कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ हुआ। शेष विद्यार्थियों को घर से ही लाइव कक्षा में ऑनलाइन सम्मिलित होने की सुविधा प्रदान की गयी। परिणामत: ऑफलाइन-ऑनलाइन कक्षा का एक नवीन मॉडल प्रस्तुत कर दिया गया।

ऑनलाइन के साथ लाइव ऑफलाइन कक्षा का शुभारम्भ

मेघनाथ साहा को हार्दिक श्रद्धांजलि

मेघनाथ साहा जयन्ती

06 अक्टूबर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में मेघनाथ साहा जयन्ती के अवसर पर वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अभय श्रीवास्तव ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

प्रश्न मंच प्रतियोगिता

9 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में "कोविड-19 एक वैश्विक

महामारी'' विषय पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 15 स्वयं सेवक, सेविकाओं ने भाग लिया। जिसमें प्रथम स्थान सुश्री चांदनी प्रजापति (बी.ए. तृतीय वर्ष) तथा द्वितीय स्थान श्री सुधीर सिंह (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में हिन्दी विभाग की प्रवक्ता डा. सुधा शुक्ला एवं बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने अपना सक्रिय योगदान दिया।

प्रश्नमंच प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

राम मनोहर लोहिया पुण्यतिथि

12 अक्टूबर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में राम मनोहर लोहिया पुण्यतिथि पर बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

राम मनोहर लोहिया को हार्दिक श्रद्धांजलि

बी.एड्. विभाग में ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान

12 अक्टूबर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में ''जनसंख्या वृद्धि और जीवन की गुणवत्ता में सम्बन्ध'' विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। विशिष्ट व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में डिपार्टमेन्ट ऑफ टीचर एजुकेशन, टी.डी. पी.जी. कॉलेज, जौनपुर, की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रीता सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन की बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता श्रीमती विभा सिंह ने तथा अध्यक्षता बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. रीता सिंह

एक दिवसीय तकनीकी कार्यशाला

12 अक्टूबर को आन्तरिक, गुणवता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में ''माडर्न टेक्नीक एंड टूल्स फार ई-लर्निंग'' विषय पर एक दिवसीय शिक्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्रभारी व आई.टी. एक्सपर्ट श्रीनिवास सिंह द्वारा माडर्न

कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त करते महाविद्यालय के प्राध्यापक

ई-लर्निंग तकनीक के बारे में बताया गया। कार्यशाला का संचालन प्राणि विज्ञान विभाग के प्रवक्ता विनय कुमार सिंह ने किया एवं संयोजन अभिषेक वर्मा को-आर्डिनेटर आई.क्यू.ए.सी. विभाग द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में सभी शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयन्ती

15 अक्टूबर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में देश के पूर्व राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयन्ती के अवसर पर बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ति गुप्ता ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को हार्दिक श्रद्धांजलि

बी.एड. विभाग में निबन्ध प्रतियोगिता

15 अक्टूबर को बी.एड. विभाग के तत्वावधान में स्व. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम (पूर्व राष्ट्रपति भारत गणराज्य) की जयन्ती के अवसर पर ''राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका'' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 30 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः माधवेन्द्र पति त्रिपाठी (बी.एड. अन्तिम वर्ष), नितेश प्रजापति (बी.ए. भाग-दो), विशाल कुमार (बी.एड. अन्तिम वर्ष) ने प्राप्त किया।

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस

21 अक्टूबर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में आजाद हिन्द फौज की स्थापना दिवस पर रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर देश को स्वतंत्र कराने में आजाद हिन्द फौज के योगदान पर प्रकाश डाला।

आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस

अशफाक उल्ला खाँ को हार्दिक श्रद्धांजलि

अमर शहीद अशफाक उल्ला खाँ जयन्ती

22 अक्टूबर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में अशफाक उल्ला खाँ जयन्ती पर बी.एड. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें

श्रद्धासुमन अर्पित किया।

भाषण प्रतियोगिता

23 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बी.ए. भाग-दो के राहुल यादव, सुधीर सिंह तथा दुर्गेश पाल को क्रमश: प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम संयोजक श्रीमती साधना सिंह ने किया। निर्णायक के रूप में डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय तथा श्रीमती शिप्रा सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भाषण प्रतियोगिता में अपना विचार व्यक्त करती छात्रा

संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस

24 अक्टूबर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस पर भौतिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर संयुक्त राष्ट्रसंघ के उद्देश्यों एवं कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला।

संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस

होमी जहाँगीर भाभा जयन्ती

30 अक्टूबर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में डॉ. होमी जहाँगीर भाभा की जयन्ती के अवसर पर भौतिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक वर्मा ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

डॉ. होमी जहाँगीर भाभा को हार्दिक श्रद्धांजलि

सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती तथा इंन्दिरा गाँधी पुण्यतिथि

31 अक्टूबर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती तथा इंदिरा गाँधी पुण्यतिथि के अवसर पर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

सरदार बल्लभ भाई पटेल और श्रीमती इन्दिरा गाँधी को हार्दिक श्रद्धांजलि

वासुदेव बलवन्त फड़के जयन्ती

वासुदेव बलवन्त फड़के को हार्दिक श्रद्धांजलि

04 नवम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में वासुदेव बलवन्त फड़के जयन्ती के अवसर पर हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ला ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

गृहविज्ञान विभाग में सप्त दिवसीय खाद्य संरक्षण कार्यशाला

खाद्य संरक्षण कार्यशाला में छात्राओं को प्रशिक्षण देते श्री जैनुल आब्दीन खान

4 नवम्बर को राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र गोरखपुर तथा गृहविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 04–10 नवम्बर 2020 तक सप्त दिवसीय खाद्य संरक्षण कार्यशाला के सातों दिन फल संरक्षण के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यशाला के पर्यवेक्षक राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र गोरखपुर के श्री जैनुल आब्दीन खान रहे। कार्यक्रम के अन्तिम दिन एक लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 37 छात्राएँ उपस्थित रहीं। कार्यशाला का संचालन सुश्री सुनिधि गुप्ता ने किया।

विपिन चन्द्रपाल तथा डॉ. सी.वी. रमन जयन्ती

विपिन चंद्र पाल तथा डॉ. सी.वी. रमन को हार्दिक श्रद्धांजलि

07 नवम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में विपिन चन्द्र पाल तथा डॉ. सी.वी. रमन की जयन्ती के अवसर पर इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

45 यू.पी. बटालियन, एन.सी.सी. का शुभारम्भ

कार्यक्रम को सम्बोधित करते ले.कर्नल भूपेन्द्र सिंह

एन.सी.सी. कैडेट का चयन करते 45वीं यू.पी. बटालियन एन.सी.सी. के जवान

7 नवम्बर को महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में एन.सी.सी. इकाई का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एन.सी.सी. के 45वीं बटालियन गोरखपुर के ले.कर्नल भूपेन्द्र सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

पं. मदन मोहन मालवीय पुण्यतिथि

पं. मदन मोहन मालवीय को हार्दिक श्रद्धांजलि

10 नवम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में महामना मदन मोहन मालवीय की पुण्यतिथि के अवसर पर गणित विभाग के प्रभारी श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

भारत स्काउट गाइड/रोवर रेंजर इकाई का शुभारम्भ

कार्यक्रम को सम्बोधित करते प्रो. विनय कुमार सिंह

10 नवम्बर को महाविद्यालय में भारत स्काउट गाइड/रोवर रेंजर इकाई का उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। उद्घाटन अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में पं. दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रोवर्स रेंजर संयोजक प्रो. विनय कुमार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने किया। संचालन बी.एड्. विभाग के प्रवक्ता श्री नवनीत सिंह ने किया।

दीया सजाओ-रंगोली बनाओ प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में दीया सजातीं छात्राएँ

10 नवम्बर की सांस्कृतिक विभाग द्वारा ''दीया सजाओ-रंगोली बनाओ'' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दीया सजाओ प्रतियोगिता में 20 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंजलि गुप्ता (बी.एड्. द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान पूजा सिंह (बी.एड्. द्वितीय वर्ष) एवं तृतीय स्थान श्वेता गौड़ (बी.एड्. द्वितीय वर्ष) ने प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हर्षा गुप्ता एवं पूजा सिंह (बी.एड्. द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान ऐश्वर्या त्रिपाठी एवं श्वेता गौड़ (बी.एड्. द्वितीय वर्ष) एवं तृतीय स्थान सुमन गुप्ता एवं इन्दू चौधरी और अंजलि गुप्ता, संजना साहनी (बी.एड्. द्वितीय वर्ष) को संयुक्त रूप से तथा सांत्वना पुरस्कार अमित सिंह (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष) को प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में महाविद्यालय के सांख्यिकी विभाग की प्रवक्ता डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, भूगोल विभाग की प्रवक्ता डॉ. शालू श्रीवास्तव तथा रसायन विज्ञान विभाग के प्रवक्ता श्री संजय जायसवाल रहे। कार्यक्रम का संयोजन सांस्कृतिक विभाग प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया।

प्रोजेक्ट का प्रेजेन्टेशन करता विद्यार्थी

रसायन विज्ञान विभाग में प्रोजेक्ट प्रेजेन्टेज़न

17 नवम्बर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा प्रोजेक्ट प्रेजेन्टेज़न का आयोजन किया गया, जिसमें एम.एस-सी. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रामसहाय ने किया।

महारानी लक्ष्मीबाई जयन्ती

19 नवम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में महारानी लक्ष्मीबाई जयन्ती के अवसर पर अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।

महारानी लक्ष्मीबाई को हार्दिक श्रद्धांजलि

गुरु तेगबहादुर को हार्दिक श्रद्धांजलि

गुरु तेगबहादुर बलिदान दिवस

24 नवम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में गुरु तेगबहादुर बलिदान दिवस के अवसर पर भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।

वार्षिक महोत्सव (24-30 नवम्बर)

भाषण प्रस्तुत करती छात्रा एवं मंचस्थ शिक्षक

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

24 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत में "आपदा को अवसर में बदलते उत्तर प्रदेश का वर्तमान परिप्रेक्ष्य" विषय पर हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 25 प्रतिभागियों से प्रातिभाग किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग-तीन), द्वितीय स्थान माधवेन्द्रपति त्रिपाठी (बी.एड्. द्वितीय वर्ष), तृतीय स्थान सत्यप्रकाश तिवारी (बी.ए. भाग-तीन) तथा वंशिका तिवारी (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) को और ऐश्वर्या त्रिपाठी (बी. एड्. अंतिम वर्ष) को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर,

डॉ. कृष्ण कुमार तथा श्री नन्दन शर्मा रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन हिन्दी विभाग की विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया।

आशु भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विद्यार्थी एवं मंचस्थ शिक्षक

आशुभाषण प्रतियोगिता

24 नवम्बर को महाविद्यालम में वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 16 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. तृतीय वर्ष), द्वितीय स्थान माधवेन्द्रपति त्रिपाठी (बी.एड्. अन्तिम वर्ष), तृतीय स्थान सर्वेश्वरकान्त चन्द्रा (बी.ए. तृतीय वर्ष) तथा वंशिका त्रिपाठी (बी.एड्. आन्तिम वर्ष) अभिषेक प्रताप (बी.ए. प्रथम वर्ष) और सत्यप्रकाश तिवारी (बी.ए. तृतीय वर्ष) को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ला ने किया। निर्णायक मण्डल के सदस्य के रूप में डॉ. आरती सिंह, डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव एवं डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने सक्रिय भूमिका निभाई।

राजनीतिशास्त्र विभाग में एकदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोठी

25 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के राजनीतिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ''हम और हमारा संविधान'' विषय पर आयोजित एकदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में माननीय पूर्व न्यायाधीश इलाहाबाद उच्च न्यायालय प्रयागराज एवं वर्तमान में माननीय सदस्य राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एन.जी.टी.) न्यायमूर्ति श्री एस.के. सिंह जी रहे। संगोष्ठी की अध्यक्षता माननीय कुलपति सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कापिलवस्तु प्रो. सुरेन्द्र दुबे की। संगोष्ठी का संचालन व संयोजन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

संगोष्ठी में अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत करते कुलपति प्रो. सुरेन्द्र दुबे

संगोष्ठी में उपस्थित विद्वतजन

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता

25 नवम्बर को महाविद्यालय के वार्ज़िक महोत्सव के तत्वावधान में ''आत्मनिर्भर भारत और नई शिक्षा

अंग्रेजी भाषण प्रस्तुत करता विद्यार्थी एवं मंचस्थ शिक्षक

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

नीति'' विषय पर अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 19 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (बी.ए.भाग-तीन), द्वितीय स्थान प्रिया दूबे (बी. एस-सी. भाग-तीन), तृतीय स्थान अभिषेक प्रताप (बी.ए. भाग-एक) तथा सुहानी (बी.एस-सी. भाग-एक) को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में श्री नन्दन शर्मा तथा डॉ. वेंकट रमन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती कविता मंध्यान ने किया।

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

26 नवम्बर को महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत में ''भारत में डिजिटल शिक्षा की उपादेयता'' विषय पर हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रायोगिता में कुल 43 प्रतिभागियों के प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गौरव गुप्ता (बी.ए. भाग-तीन), द्वितीय स्थान नितेश प्रजापति (बी.ए. भाग-दो), तृतीय स्थान विशाल कुमार (बी.ए. भाग-दो) को प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल सदस्य के रूप में बी.कॉम. विभाग के प्रवक्ता श्री चन्दन ठाकुर, समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष श्री हनुमान प्रसाद उपाध्याय, बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता श्रीमती साधना सिंह एवं डॉ. अनुभा श्रीवास्तव रहे।

महात्मा ज्योतिबा फुले पुण्यतिथि

28 नवम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में महात्मा ज्योतिबा फुले पुण्यतिथि के अवसर पर हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।

महात्मा ज्योतिबा फुले को हार्दिक श्रद्धांजलि

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

28 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 134 प्रतियागियों ने प्रतिभाग किया। शरद दूबे (बी.ए. भाग-तीन) ने प्रथम स्थान, अंजली गुप्ता (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) ने द्वितीय स्थान, अवनीश कुमार सिंह (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) ने तृतीय स्थान

प्राप्त किया तथा वंशिका तिवारी (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। श्री मंजेश्वर, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, डॉ. बृजभूषण लाल तथा डॉ. शिव कुमार ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता

29 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 28 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अम्बुज पाण्डेय (बी.एस-सी. भाग-तीन), द्वितीय स्थान अभिषेक प्रताप (बी.ए. भाग-एक), तृतीय स्थान आयुषी शुक्ला (बी.एस-सी. भाग-तीन) तथा सुहानी सिंह (बी.एस-सी. भाग-एक) को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में श्री अभिषेक वर्मा तथा डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र रहे।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता

29 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 28 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में माधवेन्द्रपति त्रिपाठी (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) ने प्रथम स्थान, प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग-तीन) ने द्वितीय स्थान, अम्बरीश चतुर्वेदी (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) ने तृतीय स्थान तथा सुमित (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) एवं कुँवर शिवम् (बी.एस-सी. भाग-दो) ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संचालन एवं संयोजन सांस्कृतिक विभाग की प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया। निर्णायक मण्डल में डॉ. आरती सिंह, श्रीमती विभा सिंह तथा श्री संजय जायसवाल उपस्थित रहे।

कविता प्रस्तुत करती प्रतिभागी

गोरखवाणी प्रतियोगिता

गोरखवाणी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विद्यार्थी एवं मंचस्थ शिक्षक

29 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत गोरखवाणी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 25 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्वेता गौड़ (बी.एड्. प्रथम वर्ष), द्वितीय स्थान कुँवर अमन सिंह (बी.एस-सी. भाग-दो), तृतीय स्थान हिमांशु पाण्डेय (बी.ए. भाग-तीन) तथा सौरभ यादव (बी.ए. भाग-एक) और अभिज़ेक प्रताप (बी.ए. भाग-एक) को संयुक्त रूप में सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया। प्रतियोगिता का संचालन एवं संयोजन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया। निर्णायक मण्डल में श्री संजय जायसवाल, सुश्री दीप्ती गुप्ता तथा डॉ. नीलम गुप्ता रहे।

प्रश्नमंच प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

प्रश्न मंच प्रतियोगिता

29 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 9 टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग-तीन), सत्यप्रकाश तिवारी (बी.ए. भाग-तीन), शरद दूबे (बी.ए. भाग-तीन) तथा सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (बी.ए. भाग-तीन) की टीम को प्रथम, आयुष शर्मा (बी.ए. भाग-दो), दीपचन्द (बी.ए. भाग-दो), विकास चौधरी (बी.ए. भाग-दो) तथा अभिषेक कुमार सिंह (बी.ए. भाग-दो) की टीम को द्वितीय तथा कुमारी राखी रानी (बी.एड्. भाग-दो), सुहाना खातून (बी.एड्. भाग-दो), सौम्या सिंह (बी.एस-सी. भाग-तीन) तथा रजवन्त सिंह (एम.एस-सी. भाग-दो) की टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संचालन रक्षाअध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह एवं संयोजक डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने किया। डॉ. वेंकट रमन तथा श्री विजय कुमार सिंह ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

डॉ. जगदीश चन्द्र बोस जयन्ती

30 नवम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में डॉ. जगदीश चन्द्र बोस जयन्ती के अवसर पर बी.एड्. विभाग सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।

डॉ. जगदीश चन्द्र बोस को हार्दिक श्रद्धांजलि

जनजागरूकता रैली निकालते राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक

जागरूकता रैली

01 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर रोवर/रेंजर्स की दोनों इकाईयों के स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं द्वारा जन जागरूकता रैली निकाली गयी। जागरूकता रैली महाविद्यालय प्रांगण से निकलकर भट्टा चौराहा होते हुए मंझरिया गाँव तक पहुँची तथा वहाँ पहुँचकर ग्रामवासियों को इस संक्रामक एवं जानलेवा बीमारी के प्रति जागरूक किया।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस

02 दिसम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री मंजेश्वर ने 'पर्यावरण प्रदूषण एवं उसकी रोकथाम' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर भोपाल गैस त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों को महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस

राष्ट्रीय प्रदूषण नियन्त्रण दिवस पर व्याख्यान

व्याख्यान कार्यक्रम में उपस्थित मंचस्थ अतिथि

02 दिसम्बर को राष्ट्रीय प्रदूषण नियन्त्रण के अवसर पर रोवर/रेंजर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह ने ''बढ़ता प्रदूषण पर्यावरण के लिए खतरा'' विषय पर उद्बोधन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रोवर/रेंजर्स प्रभारी श्री नवनीत कुमार सिंह ने की तथा संचालन श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती

03 दिसम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयन्ती के अवसर पर शिक्षाशास्त्र विभाग की प्रभारी श्रीमती साधना सिंह ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

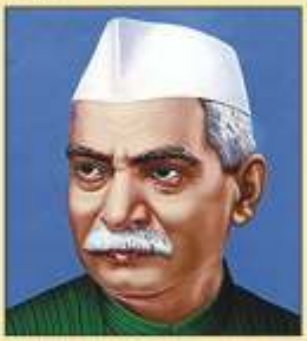

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को हार्दिक श्रद्धांजलि

उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देते मुख्य अतिथि जनरल विपिन रावत

उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देते पूज्य महाराज जी

शोभा यात्रा के दौरान मुख्य अतिथि को सलामी देते महाविद्यालय के विद्यार्थी

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक समारोह

04 से 10 दिसम्बर को प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह का आयोजन हुआ। सप्ताह भर चलने वाले इस भव्यतम् आयोजन में महाविद्यालय ने सक्रिय सहभाग किया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय के प्रबन्धक एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज एवं चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल विपिन रावत का मार्गदर्शन महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों सहित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से सम्बद्ध सभी शिक्षण संस्थाओं को प्राप्त हुआ। महाविद्यालय द्वारा शोभा यात्रा में 04 दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह के उद्घाटन अवसर पर निकाली जाने वाली शोभा-यात्रा में शिक्षा परिषद की विभिन्न संस्थाओं ने विविध महत्त्वपूर्ण विषयों पर झांकी निकाली। इसी क्रम में महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा महिलाओं को स्वलम्बी और आत्मनिर्भर प्रदर्शित करने वाली 'मिशन शक्ति : कल आज और कल' विषय पर झांकी निकाली गई। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम में महाविद्यालय ने स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर आयोजित होने वाली सभी प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया।

मुख्य महोत्सव में मंचासीन गणमान्य अतिथिगण

10 दिसम्बर को उ.प्र. के माननीय मुख्यमंत्री एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के प्रबन्धक/मंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज की अध्यक्षता में शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश विधान सभा के सभापति श्री हृदयनारायण दीक्षित का यशस्वी मार्गदर्शन कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को प्राप्त हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार में माननीय उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा जी उपस्थित रहे। मुख्य महोत्सव में उत्तर प्रदेश विधान सभा के सभापति, उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज एवं माननीय उपमुख्यमंत्री के कर कमलों द्वारा योग्यता छात्रवृत्ति विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी, शोभा-यात्रा में श्रेष्ठ पथ संचलन एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं में सर्वश्रेष्ठ कार्य के आधार पर श्रेष्ठतम् संस्था सहित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की विभिन्न संस्थाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों से सम्बद्ध कुल 715 पुरस्कार प्रदान किया गया। महाविद्यालय की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग-तीन) ने द्वितीय तथा माधवेन्द्र पति त्रिपाठी (बी.ए.

मुख्य महोत्सव में मुख्य अतिथि से सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री राहुल गिरि

मुख्य अतिथि से शोभा यात्रा में श्रेष्ठ पथ संचलन का पुरस्कार प्राप्त करती छात्रा

मुख्य अतिथि से पुरस्कार प्राप्त करते श्री माधवेन्द्र पति त्रिपाठी

मुख्य अतिथि से पुरस्कार प्राप्त करती सुश्री प्रिया दूबे

मुख्य अतिथि से पुरस्कार प्राप्त करते श्री प्रकाश पाण्डेय

अन्तिम वर्ष) ने तृतीय स्थान; अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में प्रिया दूबे (बी.एस-सी. भाग-तीन) ने प्रथम तथा सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (बी.ए. भाग-तीन) ने द्वितीय स्थान; सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में शरद दूबे (बी.ए. भाग-तीन) ने द्वितीय स्थान, हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता में बी.ए. भाग-तीन के नितेश प्रजापति तथा गौरव गुप्ता ने क्रमशः प्रथम तथा द्वितीय स्थान तथा माधवेन्द्र पति त्रिपाठी (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) ने तृतीय स्थान; हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता में प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग-तीन) ने प्रथम तथा माधवेन्द्र पति त्रिपाठी (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) ने द्वितीय स्थान तथा कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता में बी.एस-सी. भाग-तीन के अंबुज पाण्डेय तथा आयुषी शुक्ला, अभिषेक प्रताप (बी.ए. भाग-एक) और सुहानी सिंह (बी.एस-सी. भाग-एक) की टीम को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। उपरोक्त सभी विद्यार्थी मुख्य अतिथि विधान सभा के सभापति श्री हृदयनारायण दीक्षित के हाथों पुरस्कृत हुए।

मुख्य अतिथि से पुरस्कार प्राप्त करते श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा

बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि

डॉ. भीमराव अम्बेडकर को हार्दिक श्रद्धांजलि

05 दिसम्बर, 2021 को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि के पूर्व दिवस पर रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राम सहाय ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस

14 दिसम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर विद्यार्थियों को ऊर्जा का महत्व बताते हुए उसके संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय उर्जा संरक्षण दिवस

15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन एन.सी.सी. बालिका इकाई का शुभारम्भ

15 दिसम्बर को महाविद्यालय में 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन, एन.सी.सी. इकाई का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर यू.पी. 15 गर्ल्स बटालियन, एन.सी.सी., गोरखपुर की मेजर श्री प्रिया जी ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के

कार्यक्रम में उपस्थित 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन एन.सी.सी. की मेजर श्रीप्रिया जी एवं प्राचार्य

एन.सी.सी. कैडेट का चयन करते 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन एन.सी.सी. के जवान

प्रभारी डॉ. कृष्ण कुमार ने किया। यू.पी. 15 गर्ल्स बटालियन, एन.सी.सी. इकाई की सी.टी.ओ. श्रीमती कविता मंध्यान ने आभार ज्ञापन किया। इस अवसर पर यू.पी. 15 गर्ल्स बटालियन में 30 महिला कैडेट का चयन किया गया।

राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी बलिदान दिवस

17 दिसम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी बलिदान दिवस के अवसर पर समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी को हार्दिक श्रद्धांजलि

रसायन विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

18 दिसम्बर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन विज्ञान भारती के प्रान्तीय अध्यक्ष तथा राजेन्द्र प्रसाद ताराचन्द्र पी.जी. कॉलेज, निचलौल, महराजगंज के प्राचार्य डॉ. वाई.पी. कोहली ने किया। इस विज्ञान प्रदर्शनी में रसायन विज्ञान विषय के स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर के कुल 49 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इसमें विद्यार्थियों ने एसिड रेन, कोविड-19, स्टेन रसिस्टेंट फेब्रिक, आवर्त सारणी इत्यादि विषय पर अपना मॉडल प्रस्तुत किया।

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते डॉ. वाई.पी. कोहली

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सृष्टि श्रीवास्तव तथा प्राची जायसवाल (बी.एस-सी. भाग दो), द्वितीय स्थान भावना जायसवाल (बी.एस-सी. भाग दो), तृतीय स्थान पुष्पांजली राय, शैलेश यादव, रागिनी गुप्ता तथा विजय

प्रताप (बी.एस-सी. भाग तीन) तथा अंकिता सिंह, उज्मा खातून तथा ज्योति सिंह (बी.एस-सी. भाग तीन) और पिंकू कुमार तथा आदित्य पटेल (बी.एस-सी. भाग दो) को संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेन्ट प्रोफेसर श्री संजय जायसवाल ने किया। प्रदर्शनी में निर्णायक की भूमिका में डॉ. वाई.पी. कोहली, भौतिक विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर तथा प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने सक्रिय सहभाग किया। कार्यक्रम के अन्त में रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने निर्णायक मण्डल के सदस्यों और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

अमर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ तथा रोशन सिंह बलिदान दिवस

19 दिसम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में काकोरी घटना के नायकों अमर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ तथा रोशन सिंह के बलिदान दिवस के अवसर पर इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से तीनों महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पं. राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ तथा रोशन सिंह को हार्दिक श्रद्धांजलि

महाराजा छत्रसाल को हार्दिक श्रद्धांजलि

महाराजा छत्रसाल जयन्ती

20 दिसम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में महाराजा छत्रसाल जयन्ती के अवसर पर बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से माँ भारती के इस महान सपूत को श्रद्धांजलि अर्पित की।

ऑनलाइन व्याख्यान

20 दिसम्बर को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु तथा महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में ''नया कृषि सुधार कानून : किसान आन्दोलन का औचित्य तथा वर्तमान परिप्रेक्ष्य'' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ. ए.के. सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संजय सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु के कुलपति प्रो. सुरेन्द्र दूबे ने की। कार्यक्रम की प्रस्तावना

ऑनलाइन व्याख्यान में अध्यक्षीय उद्‌बोधन प्रस्तुत करते कुलपति प्रो. सुरेन्द्र दुबे

ऑनलाइन व्याख्यान में उद्‌बोधन प्रस्तुत करते मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. सिंह

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा संचालन सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु के राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

सप्तदिवसीय कार्यशाला में व्याख्यान प्रस्तुत करते मुख्य अतिथि डॉ. एस.के. पाठक

कम्प्यूटर साइंस विभाग में सप्तदिवसीय कार्यशाला

21 दिसम्बर को कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा 'कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड कम्प्यूटर नेटवर्किंग' विषय पर सप्तदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्‌घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डायरेक्टर के.आइ.पी.एम. कॉलेज, गोरखपुर के डॉ. एस.के. पाठक रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्रभारी श्री श्रीनिवास सिंह एवं संयोजन कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्रवक्ता श्री संतोष श्रीवास्तव ने किया। कार्यशाला के उद्‌घाटन सत्र का संचालन हिन्दी विभाग प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

गणित एवं सांख्यिकी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. विनीत मिश्रा

22 दिसम्बर को गणित एवं सांख्यिकी विभाग में 'शुद्ध गणित की मूलभूत अवधारणा' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, गोरखपुर के गणित विभाग की डॉ. विनित मिश्रा ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन गणित विभाग के प्रभारी श्रीकान्त मणि त्रिपाठी ने किया तथा आभार सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण राव ने किया।

समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

22 दिसम्बर को समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल

व्याख्यान प्रतियोगिता में अपना विचार प्रस्तुत करता विद्यार्थी

14 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने कोरोना वायरस महामारी का जीवन पर प्रभाव, शिक्षा का बहुआयामी प्रभाव, दहेज का वर्तमान समाज पर प्रभाव, जातिवाद एक अभिशाप, घरेलू हिंसा का बच्चों पर प्रभाव, पर्यावरण प्रदूषण आदि विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में ज्ञानेन्द्र पाण्डेय (बी.ए. प्रथम वर्ष) को प्रथम स्थान, अभिषेक यादव (बी.ए. प्रथम वर्ष) को द्वितीय स्थान तथा सौरभ कुमार (बी.ए. प्रथम वर्ष) एवं अभयराज वर्मा (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेन्ट प्रोफेसर श्री बृजभूषण लाल एवं बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती विभा सिंह और श्रीमती साधना सिंह का विशेष सहयोग रहा। प्रतियोगिता का संयोजन समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

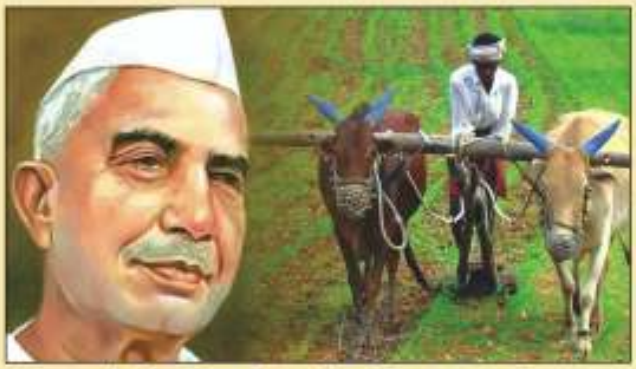

चौधरी चरण सिंह को हार्दिक श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय किसान दिवस

23 दिसम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयन्ती, जिसे राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाता है, के अवसर पर मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजनीति विज्ञान विभाग में दृश्य-श्रव्य डाक्यूमेंट्री

दृष्ट-श्रव्य डॉक्यूमेंट्री देखते शिक्षक तथा विद्यार्थी

23 दिसम्बर को किसान दिवस के अवसर पर महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा नये भारत को दशा और दिशा देने वाले क्रान्तिकारी और प्रगतिशील नूतन कृषि विधेयक 2020 पर दृश्य-श्रव्य डाक्यूमेन्ट्री का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की। रसायनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्ण कुमार पाठक एवं आभार ज्ञापन श्री हरिकेश यादव ने किया।

45वीं एवं 15वीं यू.पी. बटालियन कैडेट्स प्रशिक्षण प्रारम्भ

23 दिसम्बर से 45वीं यू.पी. बटालियन एवं 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन कैडेट्स का प्रशिक्षण प्रारम्भ हुआ। इसमें मुख्य ट्रेनर हवलदार विजय कुमार ने ड्रिल, अनुशासन एवं एकता के विभिन्न आयामों पर चर्चा करने के पश्चात् मैदान में कैडेट्स को प्रशिक्षण दिया जिसमें दोनों बटालियनों के सी.टी.ओ. डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र एवं श्रीमती कविता मंध्यान उपस्थित रहीं।

प्रशिक्षण प्राप्त करते कैडेट्स

महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जयन्ती

24 दिसम्बर को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में महामना पं. मदन मोहन मालवीय जयन्ती के पूर्व दिवस पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

पं. मदन मोहन मालवीय को हार्दिक श्रद्धांजलि

अंग्रेजी विभाग में आशुभाषण प्रतियोगिता

24 दिसम्बर को अंग्रेजी विभाग द्वारा आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 24 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने सोनेट, जल प्रदूषण, कोरोना वायरस, जल संरक्षण आदि-विषयों पर अपना भाषण प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में आदित्य प्रताप सिंह (बी.ए. तृतीय वर्ष) को प्रथम, अभिषेक प्रताप (बी.ए. प्रथम वर्ष) को द्वितीय, विमलेन्दु (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को तृतीय स्थान तथा नितेश प्रजापति (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा श्री विनय कुमार सिंह का विशेष सहयोग रहा। प्रतियोगिता का संयोजन अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती कविता मंध्यान ने किया।

आशुभाषण प्रतियोगिता में अपना विचार प्रस्तुत करता विद्यार्थी

डॉ. शान्ति स्वरूप भटनागर स्मृति दिवस

डॉ. शान्ति स्वरूप भटनागर को हार्दिक श्रद्धांजलि

01 जनवरी, 2021 को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में डॉ. शान्ति स्वरूप भटनागर स्मृति दिवस के अवसर पर गणित विभाग के प्रभारी श्री श्रीकान्त मणि तिवारी ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

रसायन विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव को स्मृति चिह्न भेंट करते डॉ. राम सहाय

2 जनवरी 2021 को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा ''प्राकृतिक उत्पाद में एजिरिडीन यौगिक की उपयोगिता'' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में नार्थ ईस्टर्न इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नालॉजी (एन.इ.आर.एस.टी.) निर्जूली अरुणांचल प्रदेश के असिटेन्ट प्रोफेसर डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रामसहाय ने तथा आभार ज्ञापन रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने किया।

डॉ. हरगोविन्द खुराना जयन्ती

डॉ. हरगोविंद खुराना को हार्दिक श्रद्धांजलि

09 जनवरी, 2021 को ऑनलाइन प्रार्थना सभा में डॉ. हरगोविन्द खुराना जयन्ती के अवसर पर प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मिशन नवोत्थान का उद्घाटन समारोह

9 जनवरी को उन्नत भारत अभियान, 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन एन.सी.सी. एवं अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अंग्रेजी विभाग के अभिग्रहित ग्राम ककरहियाँ में 'मिशन नवोत्थान' के उद्घाटन समारोह में 'आत्म निर्भर भारत – आत्म निर्भर महिला' विषय पर आयोजित व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नल भानु प्रताप शाही ने 'महिला आत्मनिर्भरता' को बढ़ावा देने की बात कही। साथ ही महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा अभिग्रहित ग्राम ककरहियाँ की महिलाओं द्वारा निर्मित हस्तनिर्मित वस्तुओं यथा– मास्क, ऊनी मोजे, अचार इत्यादि की प्रदर्शनी एवं बिक्री का शुभारम्भ भी किया गया,

व्याख्यान प्रस्तुत करते कर्नल (रि.) भानु प्रताप शाही

प्रदर्शनी का अवलोकन करते कैडेट्स

जनजागरूकता रैली निकालते कैडेट्स

जिसका उद्घाटन कर्नल भानु प्रताप शाही ने किया। इस दौरान उन्होंने कैडेट्स से अनौपचारिक बातचीत भी की। प्रदर्शनी के पश्चात् कैडेट्स द्वारा 'आत्म निर्भर भारत – आत्म निर्भर महिला' के प्रति एक जन-जागरूकता रैली निकाली गयी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, प्रस्ताविकी यू.पी. 15वीं बटालियन की सी.टी.ओ. श्रीमती कविता मंध्यान तथा आभार ज्ञापन उप-प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कैडेट एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भारत-भारती पखवारा का उद्घाटन, स्वामी विवेकानन्द जयन्ती समारोह एवं 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन एन.सी.सी. कमांडिंग ऑफिसर आगमन समारोह

भारत-भारती पखवारे के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते कर्नल एस. रामालिंगम

12 जनवरी को भारत-भारती पखवारा उद्घाटन, स्वामी विवेकानन्द जयन्ती समारोह एवं 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन, एन.सी.सी. कमांडिंग आफिसर आगमन समारोह के अवसर पर 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन एन.सी.सी. के कमांडिंग आफिसर कर्नल एस. रामालिंगम ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए उन्हें स्वामी विवेकानन्द के जीवन दर्शन से सीख लेकर स्वयं तथा राष्ट्र के उत्थान में अपना योगदान सुनिश्चित करने पर बल दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन के सूबेदार मेजर ऋशेष कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की तथा प्रस्ताविकी श्रीमती कविता मंध्यान द्वारा प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने किया।

भारत-भारती पखवारे के उद्घाटन समारोह में उपस्थित मंचस्थ अतिथि

राजनीति शास्त्र विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में अपना व्याख्यान प्रस्तुत करता छात्र

12 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अंतर्गत राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 45 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (बी.ए. तृतीय वर्ष) को प्रथम स्थान, दुर्गेश पाल (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को द्वितीय स्थान, आशुतोष शर्मा (बी.ए. प्रथम वर्ष) को तृतीय स्थान तथा सौरभ कुमार, रीतेश कुमार (बी.ए. प्रथम वर्ष) तथा विमलेन्दु उपाध्याय (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में श्री सुबोध कुमार मिश्र, श्री हरिकेश यादव एवं श्रीमती नीतू सिंह रहीं।

वनस्पति विज्ञान विभाग में पोस्टर प्रतियोगिता

पोस्टर प्रतियोगिता का अवलोकन करते उप-प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव

18 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अंतर्गत वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 85 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। बी.एस-सी. भाग-एक में शिल्पी गौड़ को प्रथम स्थान, ऋषिकान्त विश्वकर्मा को द्वितीय स्थान, काजल मौर्या को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। बी.एस-सी. भाग-दो में शिक्षा शर्मा को प्रथम स्थान, पिंकू कुमार एवं अल्पना चौधरी को द्वितीय स्थान, अनुपम पाण्डेय एवं राकेश गुप्ता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। बी.एस-सी. भाग-तीन में शिवकुमार को प्रथम स्थान, आफरीन को द्वितीय स्थान एवं रजत कुमार गुप्ता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल के रूप में डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव, सुश्री आम्रपाली वर्मा एवं सुश्री अर्चना गुप्ता उपस्थित रहीं।

प्रार्थना सभा में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी

प्रार्थना सभा का शुभारम्भ

18 जनवरी से प्रार्थना सभा का शुभारम्भ परम्परागत रूप से प्रारम्भ हुआ। वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण महाविद्यालय में प्रतिवर्ष । अगस्त से परस्परागत रूप से संचालित होने वाली प्रार्थना सभा अद्यतन स्थगित रही थी। पुनः 18 जनवरी से कोरोना प्रोटोकॉल एवं नियमों को ध्यान में रखते हुए प्रार्थना ऑफलाइन मोड में प्रारम्भ किया गया।

गोविन्द रानाडे की जयन्ती

18 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अंतर्गत गोविन्द रानाडे की जयन्ती के अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गोविन्द रानाडे जयन्ती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते प्राचार्य

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

निबन्ध प्रतियोगिता

18 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत ''महाराणा प्रताप और उनका प्रेरणास्पद जीवन'' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 20 विद्यार्थी ने सहभाग किया। प्रतियोगिता में माधवेन्द्र पति त्रिपाठी (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) को प्रथम, नितेश प्रजापति (बी.ए. भाग-दो) को द्वितीय तथा अंजली जायसवाल (बी.एड्. प्रथम वर्ष) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक के रूप में डॉ. आरती सिंह, डॉ. सुधा शुक्ला, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह एवं श्रीमती पुष्पा निषाद ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि

19 जनवरी को हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि के अवसर पर महाराणा प्रताप स्मृति व्याख्यान पं. दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. राजवन्त राव द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र एवं संयोजन श्रीमती कविता मंध्यान ने किया।

महाराणा प्रताप स्मृति व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. राजवन्त राव

गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती

गुरु गोविन्द सिंह को हार्दिक श्रद्धांजलि

20 जनवरी को प्रार्थना सभा में गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय के उप-प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने गुरु गोविन्द सिंह के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

छात्र-संघ कार्यकारिणी बैठक

छात्र-संघ कार्यकारिणी बैठक में उपस्थित छात्र-संघ पदाधिकारी, छात्रसंघ प्रभारी तथा प्राचार्य

20 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अंतर्गत छात्र-संघ कार्यकारिणी सम्मेलन में छात्र-संघ समितियों का गठन सर्वसम्मति से किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। सम्मेलन में छात्र-संघ अध्यक्ष श्री सत्यप्रकाश तिवारी, महामंत्री श्री अभयराज वर्मा, पुस्तकालय मंत्री श्री राजेश, छात्र-संघ प्रभारी श्री नन्दन शर्मा सहित सभी कक्षाप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते उप-प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव

21 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अंतर्गत वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 41 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। बी.एस-सी. प्रथम वर्ष में प्रथम स्थान नम्रता सिंह, द्वितीय स्थान संध्या यादव एवं तृतीय स्थान अपराजिता उपाध्याय को प्राप्त हुआ। बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष में प्रथम स्थान वंदना साहनी, द्वितीय स्थान अकांक्षा श्रीवास्तव एवं इशिका सिंह तथा तृतीय स्थान गरिमा प्रजापति को प्राप्त हुआ। बी.एस-सी. तृतीय वर्ष में प्रथम स्थान शिवम कुमार जायसवाल, द्वितीय स्थान रजत कुमार गुप्ता एवं तृतीय स्थान आफरीन को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल के रूप में डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, सुश्री आम्रपाली वर्मा एवं सुश्री अर्चना गुप्ता उपस्थित रहीं।

भाषण प्रतियोगिता

भाषण प्रतियोगिता में भाषण प्रस्तुत करता विद्यार्थी

21 जनवरी को भारत-भारती पाखवारा के अन्तर्गत 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय और एकात्मक मानववाद' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में कुल 29 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष के ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने प्रथम स्थान, बी.एड्. प्रथम वर्ष के ऋषभ प्रताप सिंह ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय वर्ष की अलफिजा अंसारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल के रूप में डॉ. आरती सिंह, डॉ. कृष्ण कुमार एवं डॉ. वेंकट रमन उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संयोजन सांस्कृतिक विभाग की प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

22 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अंतर्गत नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती की पूर्व संध्या पर नेताजी के जीवन के विविध पक्षों पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 23 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय वर्ष के दीपचन्द ने प्रथम, बी.काम. प्रथम वर्ष की लक्ष्मी शुक्ला एवं बी.एड्. प्रथम वर्ष के सूरज चौधरी द्वितीय तथा बी.एड्. प्रथम वर्ष की ज्योति कुमारी ने तृतीय स्थान किया। निर्णायक मण्डल में डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय एवं श्री बृजभूषण लाल रहे। कार्यक्रम का संयोजन सांस्कृतिक विभाग की प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती

23 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयन्ती के अवसर पर आयोजित 'पराक्रम दिवस' के अवसर पर गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के निदेशक मेजर जरनल अतुल बाजपेयी ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम को सम्बोधित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में गोरखपुर परिक्षेत्र की प्रतिष्ठित समाजसेविका श्रीमती शीलम बाजपेयी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. कृष्ण कुमार ने किया।

पराक्रम दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि मे.जनरल (रि.) अतुल बाजपेयी को स्मृति चिह्न भेंट करते महाविद्यालय के प्राचार्य

पराक्रम दिवस के अवसर पर उद्बोधन देतीं विशिष्ट अतिथि शीलम बाजपेयी

इतिहास विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

23 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत इतिहास विभाग द्वारा 'स्वतंत्रता संग्राम के महानायक:

सुभाष चन्द्र बोस' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि अखिलभाग्य पी.जी. कालेज, रानापार के इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. के.एन. पाठक ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह तथा संचालन सहायक आचार्य श्री जितेन्द्र प्रजापति ने किया।

छात्र-संघ कार्यकारिणी बैठक

23 जनवरी को छात्र-संघ कार्यकारिणी की ऑनलाइन बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में छात्र-संघ पदाधिकारियों सहित कुल 32 प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता छात्र-संघ प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने की। बैठक को छात्र-संघ अध्यक्ष श्री सत्यप्रकाश तिवारी ने सम्बोधित किया। बैठक में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस में छात्र-संघ की भूमिका, पुस्तकालय, स्वच्छता, शिकायत एवं सुझाव, क्रीड़ा, सोशल मीडिया इत्यादि से सम्बन्धित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

ऑनलाइन छात्र-संघ कार्यकारिणी बैठक में उपस्थित पदाधिकारी

वनस्पति विज्ञान विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में व्याख्यान प्रस्तुत करती छात्रा

23 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 18 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के शिवम कुमार जायसवाल एवं बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष के राकेश गुप्ता संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर रहे। बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की अल्पना चौधरी एवं बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की नम्रता सिंह संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहीं। बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की रश्मि विश्वकर्मा एवं चन्द्रप्रभा सिंह ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल के रूप में डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, सुश्री आम्रपाली वर्मा एवं सुश्री अर्चना गुप्ता रहीं।

रंगोली प्रतियोगिता

रंगोली प्रतियोगिता में रंगोली बनाती छात्राएँ

25 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत रंगोली

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान नीलम गुप्ता (बी.एड्. प्रथम वर्ष) तथा अमित दूबे (बी. एस-सी. भाग-दो) ने प्रथम और अंजली जायसवाल तथा रोहनी गुप्ता (बी.एड्. प्रथम वर्ष) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक के रूप में सुश्री शारदा रानी तथा सुश्री स्मिता दूबे ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

25 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' के अवसर पर आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता श्री बृजभूषण लाल ने व्याख्यान प्रस्तुत कर मतदान के महत्व के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। इस अवसर पर सभी ने प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना मतदान करने तथा अन्यों को जागरूक करने का शपथ लिया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शपथ लेते शिक्षक तथा विद्यार्थी

पोस्टर प्रतियोगिता

25 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अंतर्गत 'राष्ट्रीय एकता सुरक्षा एवं युवा' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एड्. प्रथम वर्ष की सुश्री नीलम गुप्ता ने प्रथम, अंजली जायसवाल ने द्वितीय एवं रोशनी गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल के रूप में सुश्री रितिका त्रिपाठी, सुश्री शारदा रानी, सुश्री स्मिता सिंह, डॉ. नेहा कौशिक उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता का संयोजन सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

गणतन्त्र दिवस समारोह के साथ भारत-भारती पखवारा का समापन

26 जनवरी को गणतन्त्र दिवस समारोह के अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान तथा राष्ट्रगीत के उपरान्त भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अंत में प्राचार्य ने वर्ष भर की महाविद्यालय की गतिविधियों एवं प्रयासों को शहीदों के चरणों में समर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस भव्य समारोह के साथ 12 जनवरी से प्रारम्भ भारत-भारती पखवारा का हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ।

गणतंत्र दिवस समारोह में उपस्थित मंचस्थ अतिथि, कैडेट्स तथा विद्यार्थी

गणतंत्र दिवस समारोह में देशभक्ति गीत प्रस्तुत करता छात्र

गणतंत्र दिवस समारोह में समूह गीत प्रस्तुत करते विद्यार्थी

गणतंत्र दिवस समारोह में मूक अभिनय प्रस्तुत करते विद्यार्थी

गणतंत्र दिवस समारोह में उद्‌बोधन देते प्राचार्य

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़गवासला, पुणे के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. राजेन्द्र भारती ने उद्‌बोधन दिया। कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात् महाविद्यालय के 15वीं यू.पी. गर्ल्स वाहिनी एन. सी.सी. इकाई एवं 45वीं यू.पी. वाहिनी, एन.सी.सी. इकाई के कैडेट्स द्वारा परेड सम्पन्न हुआ।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर परेड करते एन.सी.सी. कैडेट्स

अंग्रेजी विभाग में कहानी लेखन प्रतियोगिता

20 जनवरी को अंग्रेजी विभाग में छाया चित्र पर आधारित 'कहानी लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अंग्रेजी विभाग के सभी विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। ऑनलाइन छात्रों को प्रतिभाग करने हेतु व्हाट्सएप ग्रुप पर छायाचित्र भेजा गया। प्रतियोगिता में कौशिकी चतुर्वेदी (बी.ए. भाग तीन) ने प्रथम, दीप्ती चतुर्वेदी (बी.ए. भाग तीन) ने द्वितीय तथा प्रियांशु एवं प्रिया जायसवाल (बी.ए. भाग एक) ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने शुभकामनाएँ दी।

कहानी लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

लाला लाजपत राय जयन्ती

28 जनवरी को लाला लाजपत राय की जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बी. एड्. विभाग के प्रवक्ता श्री जितेन्द्र कुमार प्रजापति ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

लाला लाजपत राय के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते श्री जितेन्द्र कुमार प्रजापित

कैडेट्स से औपचारिक वार्ता करते डॉ. राजेन्द्र भारती

45वीं यू.पी. बटालियन एन.सी.सी. तथा 15वीं यू. पी. गर्ल्स बटालियन एन.सी.सी. में विशिष्ट व्याख्यान

29 जनवरी को 45वीं यू.पी. बटालियन एन.सी.सी. तथा 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन एन.सी.सी. के तत्वावधान में आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़गवासला, पुणे से अवकाश प्राप्त आचार्य डॉ. राजेन्द्र भारती ने उद्बोधन के माध्यम से एन.सी.सी. के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर दोनों बटालियन के केयर टेकिंग आफिसर क्रमशः डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा श्रीमती कविता मंध्यान सहित सभी कैडेट्स उपस्थित रहे।

पर्यावरण जागरूकता रैली

30 जनवरी को बी.एड्. एवं शिक्षाशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की पुण्यतिथि के अवसर पर 'पर्यावरण जागरूकता रैली' का आयोजन किया गया। महाविद्यालय से रैली पर्यावरण जागरूकता के नारे लगाते हुए मंझरिया, छोटी रेतवहिया, बड़ी रेतवहिया, ककरहिया, हसनगंज होते हुए पुनः महाविद्यालय वापस आकर समाप्त हुई। ग्राम वासियों को पर्यावरण की महत्ता के बारे में बताया गया। रैली में बी.एड्. प्रथम तथा अन्तिम वर्ष के छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकाओं के साथ बी.ए. भाग तीनके शिक्षाशास्त्र विभाग के विद्यार्थी भी शामिल रहें। इस अवसर पर बी.एड्. एवं शिक्षाशास्त्र विभाग के सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं ने रैली में सहभाग किया।

पर्यावरण जागरूकता रैली निकालते छात्राध्यापक तथा छात्राध्यापिकाएँ

भौतिक विज्ञान विभाग में पोस्टर प्रतियोगिता

30 जनवरी को भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा 'संचार के माध्यम' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. भाग-एक एवं दो के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। बी.एस-सी. भाग एक में श्री नवनीत गुप्ता ने प्रथम एवं सुश्री सुहानी सिंह ने द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी. भाग दो में कुँवर अमन सिंह एवं श्री कुँवर शिवम सिंह ने संयुक्त रूप से प्रथम एवं सुश्री स्नेहा चौरसिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में पोस्टर का अवलोकन करते श्री अभिषेक वर्मा

महात्मा गाँधी पुण्यतिथि

30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता इतिहास विभाग के प्रवक्ता डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

महात्मा गाँधी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह

शिक्षक कार्यशाला

30 जनवरी को शिक्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़गवासला, पुणे से भौतिक विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. राजेन्द्र भारती ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। कार्यशाला में महाविद्यालय के शिक्षकों ने पठन-पाठन, स्वच्छता, रख-रखाव इत्यादि पर अपना विचार साझा किया।

अंग्रेजी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

01 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा 'माडर्न इंग्लिश ट्रेंड्स इन लैग्वेज एण्ड लिटरेचर' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के डिपार्टमेन्ट ऑफ ह्यूमिनीटीज एण्ड मैनेजमेण्ट सांइस विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुधीर नारायण सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए.

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. सुधीर नारायण सिंह

भाग-तीन की छात्रा सुश्री कौशिकी चतुर्वेदी ने तथा आभार ज्ञापन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने किया।

स्व. धर्मेंद्र नाथ वर्मा को हार्दिक श्रद्धांजलि

शोक सभा

01 फरवरी को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष श्री धर्मेन्द्रनाथ वर्मा के देवलोकगमन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा को महाविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

रसायन विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

02 फरवरी को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 'वायुमंडल की संरचना' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राम सहाय तथा आभार ज्ञापन रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में व्याख्यान प्रस्तुत करती छात्रा

भौतिक विज्ञान विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

03 फरवरी को भौतिकी विज्ञान विभाग द्वारा 'शोध व्याख्यान' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बी. एस-सी. भाग तीन के कुल 16 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रिया त्रिपाठी तथा द्वितीय स्थान दीपिका चौरसिया ने प्राप्त किया। भौतिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर तथा श्री अभिषेक वर्मा ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

ऑनलाइन व्याख्यान में उपस्थित विद्यार्थी

हिन्दी विभाग में ऑनलाइन व्याख्यान

06 फरवरी को हिन्दी विभाग द्वारा 'साहित्य की

पठनीयता' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय शिलांग, मेघालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. भरत प्रसाद त्रिपाठी ने बतौर मुख्य वक्ता अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह तथा आभार ज्ञापन डॉ. सुधा शुक्ला ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का तृतीय एक दिवसीय शिविर

08 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिगृहित ग्राम 'हसनगंज' में राष्ट्रीय सेवा योजना के तृतीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के बौद्धिक सत्र मे 'कोविड-19 एक वैश्विक महामारी और उसका बचाव' विषय पर एक बौद्धिक परिचर्चा सम्पन्न हुई, जिसमें कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने अपना विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप एवं गुरु श्रीगोरक्षनाथ ईकाई के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने हसनगंज गांव में 'कोविड-19 जनजागरूकता रैली' निकाली तथा ग्रामवासियों को जागरूक किया।

श्रमदान करते राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/सेविकाएँ

बौद्धिक परिचर्चा में अपना विचार प्रस्तुत करता स्वयंसेवक

बी.एड्. विभाग में योग कार्यशाला

09 फरवरी को बी.एड्. विभाग द्वारा एक दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने 'सूर्य नमस्कार : भारतीय योग परम्परा का अद्भुत उपहार' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। तत्पश्चात छात्राध्यापक श्री ऋषभ सिंह ने सभी छात्राध्यापक तथा छात्राध्यापिकाओं को सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया।

योग कार्यशाला में योगाभ्यास करते छात्राध्यापक

भौतिक विज्ञान विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला

10 फरवरी को भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा 'भौतिक प्रयोग विधि एवं सिद्धान्त' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को बतौर मुख्य वक्ता भौतिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य

डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन भौतिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक वर्मा ने किया।

कार्यशाला को सम्बोधित करते डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय विशेष शिविर

उद्घाटन समारोह- 10 से 16 फरवरी तक राष्ट्रीय सेवा योजना की सप्त दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ ईकाई के 100 स्वयंसेवक/सेविकाओं ने सहभाग किया। 10 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. केशव सिंह ने स्वयंसेवक/सेविकाओं को सम्बोधित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के प्रधानाचार्य श्री संदीप कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के उप-प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव, संचालन कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती साधना सिंह तथा आभार ज्ञापन प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देते प्रो. केशव सिंह

शिविर का दूसरा दिन- 11 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के दूसरे दिन बौद्धिक सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर पाठक ने 'पं. दीनदयाल उपाध्याय का राष्ट्रीय चिन्तन' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार ने तथा संचालन बी.एस-सी. भाग तीन के स्वयंसेवक श्री अंबुज पाण्डेय ने किया। इससे पूर्व प्रातः काल शिविरार्थियों ने प्रशिक्षक श्री कृष्ण कुमार सिंह के निर्देशन में योगाभ्यास किया। शिविरार्थियों ने अधिगृहित गांव हसनगंज में 'स्वच्छता जनजागरूकता रैली' निकाल कर लोगों को स्वच्छता

बौद्धिक सत्र में व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. मुरली मनोहर पाठक

श्रमदान करते राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/सेविकाएँ

जूडो-कराटे का प्रशिक्षण प्राप्त करते स्वयंसेवक/सेविकाएँ

के प्रति जागरूक किया। सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा ने शिविरार्थियों को 'मिशन शक्ति योजना' के अन्तर्गत सायंकालीन सत्र मे जूडो कराटे का प्रशिक्षण किया।

बौद्धिक सत्र में व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. राज किशोर सिंह

शिविर का तीसरा दिन- 12 जनवरी को राष्ट्रीय योजना के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन बौद्धिक सत्र में बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर में मेडिसीन विभाग के आचार्य डॉ. राजकिशोर सिंह ने 'वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान आपदा को अवसर मे बदलता भारत' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव तथा संचालन स्वयंसेवक श्री सौरभ कुमार ने किया। इससे पूर्व प्रातः काल शिविरार्थियों ने प्रशिक्षक श्री कृष्ण कुमार सिंह के निर्देशन में योगाभ्यास किया। शिविरार्थियों ने अधिगृहित गांव हसनगंज में 'शिक्षा एवं स्वास्थ्य आधारित जन जागरूकता रैली' निकाली तत्पश्चात श्रमदान किया। सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा ने शिविरार्थियों को 'मिशन शक्ति योजना' के अन्तर्गत सायंकालीन सत्र में जूड़ो कराटे का प्रशिक्षण दिया।

जनजागरूकता रैली निकालते स्वयंसेवक/सेविकाएँ

शिविर का चौथा दिन- 13 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन बौद्धिक सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष प्रो. राजवंत राव ने 'पूर्वी उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी तथा संचालन स्वयंसेविका सुश्री निशा मौर्या ने किया। इससे पूर्व प्रातःकाल शिविरार्थियों ने प्रशिक्षक श्री कृष्ण कुमार सिंह के निर्देशन में

बौद्धिक सत्र में व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. राजवन्त राव

नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते स्वयंसेवक/सेविकाएँ

योगाभ्यास किया। शिविरार्थियों ने अभिगृहित ग्राम हसनगंज में 'मतदाता जागरूकता रैली' निकाली तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदान के प्रति लोगों को जागरूक किया। तत्पश्चात शिविरार्थियों ने श्रमदान किया। सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा ने शिविरार्थियों को 'मिशन शाक्ति' के अन्तर्गत सायंकालीन सत्र में जूडो कराटे का प्रशिक्षण दिया।

बौद्धिक सत्र में व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय

जनजागरूकता रैली निकालते स्वयंसेवक/सेविकाएँ

शिविर का पाँचवां दिन- 14 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन बौद्धिक सत्र में 'विद्यार्थी जीवन तपस्वी जीवन' विषय पर किसान पी.जी. कॉलेज, सेवरही, कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह तथा संचालन स्वयंसेवक श्री दीपचन्द ने किया। इससे पूर्व प्रात:काल शिविरार्थियों ने प्रशिक्षक श्री कृष्ण कुमार सिंह के निर्देशन में योगाभ्यास किया। शिविरार्थियों ने अधिगृहित गांव हसनगंज में 'केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाएं' विषय पर जनजागरूकता रैली निकाली। तत्पश्चात शिविरार्थियों ने श्रमदान किया। सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा ने शिविरार्थियों को 'मिशन शक्ति योजना' के अन्तर्गत सायंकालीन सत्र में जूडो कराटे का प्रशिक्षण दिया।

शिविर का छठां दिन- 15 फरवरी को राष्ट्रीय के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन बौद्धिक सत्र में 'चौरी-चौरा का ऐतिहासिक यथार्थ' विषय पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह तथा संचालन स्वयंसेवक श्री अमित दूबे ने किया। इससे पूर्व

बौद्धिक सत्र में व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी

नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते स्वयंसेवक/सेविकाएँ

प्रात:काल शिविरार्थियों ने प्रशिक्षक श्री कृष्ण कुमार सिंह के निर्देशन में योगाभ्यास किया। शिविरार्थियों ने अधिगृहित गांव हसनगंज में 'यातायात जनजागरूकता रैली' निकाल कर ग्रामीणों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया तथा इसी विषय पर शिविरार्थियों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। तत्पश्चात शिविरार्थियों ने हसनगंज गांव में श्रमदान किया। सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा ने शिविरार्थियों को 'मिशन शक्ति योजना' के अन्तर्गत सायंकालीन सत्र में जूडो कराटे का प्रशिक्षण दिया।

शिविर के समापन समारोह पर शिविरार्थियों को मार्गदर्शन करते प्रो. राजेन्द्र भारती

शिविर का समापन समारोह- 16 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडगवासला, पुणे से भौतिक विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. राजेन्द्र भारती ने स्वयंसेवक तथा स्वयंसेविकाओं को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के आदरणीय सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र ने तथा संचालन समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री बृजभूषण लाल ने किया। कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती साधना सिंह ने सप्तदिवसीय शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अन्तिम दिन स्वयंसेवक तथा स्वयंसेविकाओं द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

पाँच दिवसीय, स्काउट-गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर- 10 से 14 फरवरी तक बी.एड्. विभाग द्वारा पांच दिवसीय स्काउट-गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। 10 फरवरी को शिविर का उद्घाटन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने ध्वजारोहण करके किया। इस अवसर पर स्काउट गाइड के कार्यक्रम अधिकारी श्री

स्काउट-गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन अवसर पर ध्वजारोहण करतीं श्रीमती शिप्रा सिंह

शिविर के अपने विचार व्यक्त करते प्रशिक्षक श्री सूरज चन्द

शिविर के शिविरार्थियों को प्रशिक्षण देते प्रशिक्षक श्री सूरज चन्द

शिविर के समापन अवसर पर कैम्प का अवलोकन करते डॉ. महेश कुमार सिंह

शिविर के समापन अवसर पर शिविरार्थियों का मार्गदर्शन करते डॉ. महेश कुमार सिंह

अजय कुमार सिंह (जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट-गाइड, गोरखपुर) ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया। पांच दिनों तक चलने वाले इस शिविर में स्काउट-गाइड प्रशिक्षक श्री सूरज चन्द एवं श्री आनन्द कुमार ने प्रशिक्षुओं को वेडेन पावेल के छः अभ्यास (बी.पी.-6), प्राथमिक उपचार, टोली विधि, गांठ बाँधना, ग्रैण्ड कैम्प फायर आदि का प्रशिक्षण दिया।

स्काउट-गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश भारत स्काउट-गाइड, गोरखपुर के कोषाध्यक्ष तथा मोहम्मद रफी अहमद किदवई इण्टर कॉलेज, गोरखपुर के प्रधानाचार्य डॉ. महेश कुमार सिंह द्वारा प्रशिक्षुओं द्वारा लगाये गए कैम्प का निरीक्षण किया गया तथा शिविरार्थियों को निर्देशित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह, संचालन श्री विनोद कुमार यादव तथा आभार ज्ञापन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

खेल महोत्सव

उद्घाटन समारोह- 10 से 14 फरवरी तक महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। 10 फरवरी को खेल महोत्सव के उद्घाटन समारोह में भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने खिलाड़ियों को सम्बोधित किया। उद्घाटन सत्र के पश्चात् योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति

वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 06 टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का निर्णायक मैच गुरुगोरक्षनाथ टीम और योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम टीम के बीच खेला गया जिसमें गुरुगोरक्षनाथ टीम ने 25-17, 21-25, 25-10 के स्कोर से योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम टीम को पराजित कर विजेता का सम्मान प्राप्त किया। निर्णायक के रूप में श्री झब्बर शर्मा, श्री सिद्धार्थ शुक्ला, श्री नीलांक राव और डॉ. रमाकान्त दूबे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वॉलीबाल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र

खेल महोत्सव का दूसरा दिन- 11 फरवरी को खेल महोत्सव के दूसरे दिन बालिका और बालक वर्ग की गुरु श्रीगोरक्षनाथ स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता, 800 मीटर दौड़ तथा गोला क्षेपण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ राजनीतिशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए किया। कबड्डी प्रतियोगिता (बालक वर्ग) में कुल 8 टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच अवेद्यनाथ टीम तथा दिग्विजयनाथ टीम के बीच खेला गया, जिसमें अवेद्यनाथ टीम को 33-23 से विजेता घोषित किया गया। कबड्डी प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) का फाइनल मैच रानी लक्ष्मीबाई टीम तथा मीराबाई टीम के बीच खेला गया, जिसमें रानी लक्ष्मीबाई टीम को 17-4 से विजेता घोषित किया गया।

कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र

दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र

800 मीटर फाइनल दौड़ (बालक वर्ग) में प्रथम स्थान सुजीत कुमार (एम.एस-सी. प्रथम वर्ष), द्वितीय स्थान विकास चौधरी (बी.ए. भाग-तीन) तथा तृतीय स्थान विजय कुमार (बी.ए. भाग-तीन) ने प्राप्त किया जबकि 800 मीटर फाइनल दौड़ (बालिका वर्ग) में प्रथम स्थान सुधा यादव (बी.ए. भाग-एक), द्वितीय स्थान निधि यादव (बी.ए. भाग-तीन) तथा तृतीय स्थान रिया मद्धेशिया (बी.ए. भाग-दो) ने प्राप्त किया। गोला क्षेपण प्रतियोगिता (बालक वर्ग) में प्रथम स्थान राहुल यादव (बी.एड्. अन्तिम वर्ष), द्वितीय स्थान विवेक कुमार यादव (बी.ए.

भाग-दो) तथा तृतीय स्थान अमित कुमार चौरसिया (बी.एस-सी. भाग-दो) ने प्राप्त किया जबकि गोला क्षेपण प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) में प्रथम स्थान शशिकला गौड़ (बी.ए. भाग-तीन), द्वितीय स्थान अंगीरा सिंह (बी. एस-सी. भाग-दो), तथा तृतीय स्थान सुधा यादव (बी.ए. भाग-एक), ने प्राप्त किया। निर्णायक के रूप में श्री नन्दन शर्मा, सुश्री स्मिता दूबे, डॉ. वेंकट रमन तथा श्री प्रतीक दास ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खेल महोत्सव का तीसरा दिन- 12 फरवरी को खेल महोत्सव के तीसरे दिन बालिका और बालक वर्ग की 200 मीटर दौड़, लम्बी कूद तथा चक्र क्षेपण प्रतियोगिता और 400 मीटर दौड़ (बालिका वर्ग) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ प्राणि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रघुवीर नारायण सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए किया। 200 मीटर फाइनल (बालक वर्ग) में प्रथम स्थान सत्यपाल चौहान (बी.ए. भाग-एक), द्वितीय स्थान अश्विनी चौहान (बी.ए. भाग-एक) तथा तृतीय स्थान ऋषि कुमार निषाद (बी.ए. भाग-एक) ने प्राप्त किया जबकि 200 मीटर फाइनल (बालिका वर्ग) में प्रथम स्थान ज्योति सहानी (बी.ए. भाग-एक), द्वितीय स्थान लक्ष्मी शुक्ला (बी.कॉम. भाग-एक) तथा तृतीय स्थान अंगीरा सिंह (बी.एस-सी. भाग-दो) ने प्राप्त किया। 400 मीटर फाइनल (बालिका वर्ग) में प्रथम स्थान नेहा चौरसिया (बी.एस-सी. भाग-दो), द्वितीय स्थान निधि यादव (बी.ए. भाग-तीन) तथा तृतीय स्थान ज्योति सहानी (बी.ए. भाग-एक) ने प्राप्त किया। चक्र क्षेपण प्रतियोगिता (बालक वर्ग) में प्रथम स्थान अजीत कुमार मिश्र (बी.ए. भाग-तीन), द्वितीय स्थान बलिराम (बी.ए.भाग-तीन) तथा तृतीय स्थान रजनीश कुमार शर्मा (बी.कॉम. भाग-दो), ने प्राप्त किया जबकि चक्र क्षेपण प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) में प्रथम स्थान वंशिका तिवारी (बी.एड्. अन्तिम वर्ष), द्वितीय स्थान शशिकला गौड़ (बी.ए. भाग-तीन), तथा तृतीय स्थान अंगीरा सिंह (बी.एस-सी. भाग-दो), ने प्राप्त किया। लम्बी कूद प्रतियोगिता (बालक वर्ग) में प्रथम स्थान सत्यपाल चौहान (बी.ए. भाग-एक), द्वितीय स्थान ऋषि कुमार निषाद (बी.ए. भाग-एक) तथा तृतीय स्थान आकाश यादव (बी.एस-सी. भाग-तीन), ने प्राप्त किया जबकि लम्बी कूद प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) में प्रथम स्थान नेहा चौरसिया (बी.एस-सी. भाग-दो), द्वितीय स्थान सुधा यादव (बी.

दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं छात्राएँ

लम्बी कूद प्रतियोगिता में प्रदर्शन करता छात्र

ए. भाग-एक) तथा तृतीय स्थान वंशिका तिवारी (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) ने प्राप्त किया। निर्णायक के रूप में श्री नन्दन शर्मा, सुश्री स्मिता दूबे, डॉ. वेंकट रमन, श्री प्रतीक दास तथा सुश्री शारदा रानी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कैरम प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र

खेल महोत्सव का चौथा दिन- 13 फरवरी को खेल महोत्सव के चौथे दिन बालिका और बालक वर्ग की 'महन्त अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज तथा कैरम प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ गृहविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री स्मिता दूबे ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए किया। महन्त अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता (बालक वर्ग) का निर्णायक मैच अवनीश कुमार सिंह (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) तथा आदित्य कुमार वर्मा (बी.एस-सी. भाग-दो) के बीच खेला गया, जिसमें अवनीश कुमार सिंह को विजेता घोषित किया गया जबकि शतरंज प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) में प्रज्ञा शाही (बी.एस-सी. भाग-एक) को प्रथम तथा प्रियंका गुप्ता (बी.ए. भाग-एक) को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। महन्त अवेद्यनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) में बबिता चौहान (एम.ए. अन्तिम वर्ष) तथा रिया मद्धेशिया (बी.ए. भाग-दो) को प्रथम, अनुपमा यादव तथा पूजा गुप्ता (बी.ए. भाग-तीन) को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ जबकि कैरम प्रतियोगिता (बालक वर्ग) में बी.एड्. अन्तिम वर्ष के दिव्यम श्रीवास्तव तथा अनुज कुमार श्रीवास्तव को प्रथम तथा अभय प्रताप सिंह (बी.एस-सी. भाग-दो) एवं निखिल पाण्डेय (बी. कॉम भाग-तीन) को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक के रूप में श्री नन्दन शर्मा, डॉ. वेंकट रमन, सुश्री कविता मंध्यान, श्री रमाकान्त दूबे तथा श्री प्रतीक दास ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शतरंज प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं छात्राएँ

भाला क्षेपण प्रतियोगिता में भाला फेकता छात्र

खेल महोत्सव का समापन समारोह- 15 फरवरी को खेल महोत्सव के अन्तिम दिन बालिका और बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़, भाला क्षेपण तथा 4x100 मीटर रिले रेस प्रतियोगिता और 400 मीटर दौड़ बालक वर्ग का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ

4x100 रिले रेस प्रतियोगिता में अपने साथी खिलाड़ी को बैटल पकड़ाता छात्र

खेल महोत्सव के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव से प्रमाण पत्र प्राप्त करता छात्र

कम्प्यूटर सहायक श्री ब्रह्मनन्द पाण्डेय ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए किया। 400 मीटर (बालक वर्ग) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अभिषेक सिंह (बी.एस-सी. भाग-एक), द्वितीय स्थान विनय चौरसिया (बी.कॉम. भाग-दो) तथा तृतीय स्थान ऋषि कुमार निषाद (बी.ए. भाग-एक) को प्राप्त हुआ। 100 मीटर (बालिका वर्ग) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नेहा चौरसिया (बी.एस-सी. भाग-दो), द्वितीय स्थान ज्योति सहानी (बी.ए. भाग-एक) तथा तृतीय स्थान लक्ष्मी शुक्ला (बी.कॉम. भाग-एक) को प्राप्त हुआ, जबकि 100 मीटर (बालक वर्ग) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सत्यपाल चौहान (बी.ए. भाग-एक), द्वितीय स्थान विनय चौरसिया (बी.कॉम. भाग-दो) तथा तृतीय स्थान अभिषेक सिंह (बी.एस-सी. भाग-एक) को प्राप्त हुआ। भाला क्षेपण (बालक वर्ग) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अमित कुमार चौरसिया (बी. एस-सी. भाग-दो), द्वितीय स्थान हिमांशु सिंह श्रीनेत (बी.ए. भाग-तीन) तथा तृतीय स्थान रोहन चौरसिया (बी.कॉम. भाग-एक) को प्राप्त हुआ जबकि भाला क्षेपण (बालिका वर्ग) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नेहा चौरसिया (बी.एस-सी. भाग-दो), द्वितीय स्थान वंशिका तिवारी (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) तथा तृतीय स्थान अंगिरा सिंह (बी.एस-सी. भाग-दो) को प्राप्त हुआ। 4x100 मीटर की रिले रेस प्रतियोगिता के बालक वर्ग में योगिराज बाबा गम्भीरनाथ टीम ने प्रथम, दिग्विजयनाथ टीम ने द्वितीय तथा छत्रपति शिवाजी टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 4x100 मीटर की रिले रेस प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में रानी लक्ष्मीबाई टीम ने प्रथम तथा मीराबाई टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

खेल महोत्सव के समापन अवसर पर महाविद्यालय के उप-प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने बतौर मुख्य अतिथि सभी विजयी खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए उन्हें सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की। क्रीड़ा प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। निर्णायक के रूप में श्री नन्दन शर्मा, डॉ. वेंकट रमन, सुश्री कविता मंध्यान, श्री रमाकान्त दूबे तथा श्री प्रतीक दास ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

युवा काव्य पाठ प्रतियोगिता

युवा काव्य पाठ प्रतियोगिता का संचालन करते श्री प्रकाश पाण्डेय

11 फरवरी सांस्कृतिक विभाग द्वारा युवा काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 30 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें प्रथम स्थान ऋषभ प्रताप सिंह (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष), द्वितीय स्थान माधवेन्द्र पति त्रिपाठी (बी.एड्. अन्तिम वर्ष), तृतीय स्थान प्रभाकर पाण्डेय (बी.ए. भाग-दो) तथा निधि त्रिपाठी (बी. एस-सी. भाग एक) और मोहसिन खान (बी.एड्. अन्तिम वर्ष) को संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन सांस्कृतिक विभाग की प्रभारी सुश्री दीप्ति गुप्ता तथा संचालन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह ने किया। निर्णायक के रूप महाविद्यालय के उप-प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव, भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नीलम गुप्ता तथा इतिहास विभाग के सहायक आचार्य श्री जितेन्द्र कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गायन प्रतियोगिता

गायन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता छात्र

12 फरवरी को सांस्कृतिक विभाग द्वारा गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 25 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (बी.ए. भाग-तीन), द्वितीय स्थान चन्दन तिवारी (बी.ए. भाग-तीन) और सृष्टि श्रीवास्तव (बी.एस-सी. भाग-दो), तृतीय स्थान अर्पिता त्रिपाठी (बी.ए. भाग-दो) तथा सांत्वना पुरस्कार संयुक्त रूप से बी.ए. भाग-दो की रूबी तथा नेहा को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संयोजन सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया। निर्णायक मण्डल में बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्रीमती पुष्पा निषाद, एवं गृहविज्ञान विभाग प्रवक्ता सुश्री शारदा रानी उपस्थित रही।

कम्प्यूटर सांइस में एकदिवसीय संगोष्ठी

संगोष्ठी में उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण

14 फरवरी को कम्प्यूटर साइंस एवं भौतिक विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'न्यू टेक्नोलॉजी एज इन डाटा कम्यूनिकेशन एडवांस्ड कम्प्यूटिंग' विषय पर

एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकि विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कम्प्यूटर सांइस विभाग के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में के. आई.पी.एम. टेक्निकल कैम्पस, गोरखपुर के निदेशक डॉ. सूर्यकान्त पाठक ने 'मशीन लर्निंग' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कम्प्यूटर सांइस विभाग के आचार्य डॉ. राकेश कुमार तथा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर के भौतिकी विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिन्टू कुमार ने भी अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा संचालन भौतिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर ने किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी संगोष्ठी के संयोजक कम्प्यूटर सांइस विभाग के सहायक आचार्य श्री श्रीनिवास सिंह ने प्रस्तुत की। इस अवसर पर कम्प्यूटर साइंस तथा भौतिक विज्ञान विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान प्रस्तुत करते विशिष्ट अतिथि डॉ. सूर्यकान्त पाठक

संगोष्ठी में व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. शिन्टू सिंह

पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि

पुलवामा शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते श्री रमाकान्त दूबे

14 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पुलवामा हमले की दूसरी बरसी के अवसर पर 'पुलवामा हमला एवं भारत की स्त्रातजिक पहल' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य श्री रमाकान्त दूबे ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सभी शिविरार्थियों के साथ-साथ महाविद्यालय के शिक्षकों तथा कर्मचारियों ने पुलवामा हमले में शहीद हुए भारत मां के वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

युवा योद्धा व मुस्कुरायेगा इण्डिया

15 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य सम्पर्क अधिकारी श्री अंशुमान शर्मा के निर्देशन में प्रेषित 'युवा

योद्धा व मुस्कुरायेगा इण्डिया' फिल्म के यू-ट्यूब लिंक के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक तथा स्वयंसेविकाओं ने जगत-जननी मां सीता सभागार में दृश्य-श्रव्य माध्यम से देखा। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने सभी स्वयंसेवक/सेविकाओं को यू-ट्यूब लिंक को लाइक और शेयर करने के लिए प्रेरित किया।

दृश्य-श्रव्य डाक्यूमेंट्री देखते स्वयंसेवक/सेविकाएँ

सरस्वती पूजन

16 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में बसन्त पंचती के दिन भव्य सरस्वती पूजन समारोह का आयोजन किया गया। सरस्वती पूजा में मुख्य यजमान के रूप में सुश्री दीप्ती गुप्ता, प्रवक्ता बी.एड्. विभाग ने पूजन सम्पन्न कराया तथा पूजन कार्य, हवन एवं आरती इत्यादि धार्मिक अनुष्ठान गोरखनाथ संस्कृत विद्यालय के कुशल आचार्यों द्वारा दिव्य मंत्रोच्चारण के साथ सम्पन्न हुआ। सरस्वती पूजा के कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने उपस्थित रहकर प्रसाद ग्रहण किया।

सरस्वती पूजन सम्पन्न कराती महाविद्यालय की शिक्षिका सुश्री दीप्ति गुप्ता

महाराजा सुहेलदेव के व्यक्तित्व को रेखांकित करते डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह

ऑनलाइन व्याख्यान में उपस्थित विद्यार्थी

महाराजा सुहेलदेव जयन्ती

16 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महाराजा सुहेलदेव जयन्ती के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का अयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य वक्ता इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने महाराज सुहेलदेव के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक/सेविकाओं के साथ-साथ महाविद्यालय के शिक्षकों तथा कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

अंग्रेजी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

17 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा 'द रेलीवेंस ऑफ ब्राउनिंग्स प्रोस्पाइस इन पोस्ट कोरोना वर्ल्ड्स' विषय

पर ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री बृजबिहारी डिग्री कॉलेज, कोशीकला, मथुरा की अंग्रेजी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शिखा मालवीय ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान तथा संचालन बी.ए. भाग–दो के छात्र श्री नितेश प्रजापति ने किया।

छत्रपति शिवाजी जयन्ती

19 फरवरी को प्रार्थना सभा में छत्रपति शिवाजी की जयन्ती के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने छत्रपति शिवाजी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने छत्रपति शिवाजी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

छत्रपति शिवाजी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते श्री नन्दन शर्मा

प्राणि विज्ञान विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

19 फरवरी को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बी. एस–सी. भाग–एक के कुल 38 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ऋषिकान्त विश्वकर्मा, द्वितीय स्थान शिल्वी गौड़ एवं तृतीय स्थान अपराजिता उपाध्याय को प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में सांख्यिकी विभाग के प्रभारी डॉ. अरूण कुमार राव ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। प्रतियोगिता का संयोजन प्राणि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रघुवीर नारायण सिंह ने किया। निर्णायक के रूप में प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह एवं डॉ. शिव कुमार ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में व्याख्यान प्रस्तुत करती छात्रा

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. पंकज कुमार सिंह

अंग्रेजी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

20 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा 'लैंग्वेज एण्ड कम्युनिकेशन' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और यूरोपीय भाषा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बतौर मुख्य

अतिथि विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. भाग-दो के छात्र आयुष शर्मा ने किया तथा आभार ज्ञापन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने किया। इस अवसर पर अंग्रेजी विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बी.एड्. विभाग एवं शिक्षाशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में योग कार्यशाला

योग कार्यशाला में योगाभ्यास का प्रशिक्षण देते श्री विनय कुमार सिंह

20 फरवरी को बी.एड्. विभाग एवं शिक्षाशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। योग कार्यशाला में योग प्रशिक्षक के रूप में महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने योग के महत्त्व को बताते हुए विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद तथा संचालन श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

शिक्षाशास्त्र विभाग में निबन्ध प्रतियोगिता

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

20 फरवरी को शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 'कोरोना महामारी में शिक्षा का स्वरूप' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 28 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान कृतिका तिवारी (बी.ए. भाग-एक), द्वितीय स्थान स्मिता सिंह (बी.ए. भाग-एक) तथा तृतीय स्थान अंकिता दूबे (बी.ए. भाग-एक) ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संचालन सुश्री दीप्ति गुप्ता तथा संयोजन शिक्षाशास्त्र विभाग की अध्यक्ष श्रीमती साधना सिंह ने किया। निर्णायक के रूप में बी.एड् की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह एवं श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्राणि विज्ञान विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में व्याख्यान प्रस्तुत करती छात्रा

22 फरवरी को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें

बी.एस–सी. भाग–दो के कुल 40 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिक्षा शर्मा, द्वितीय स्थान चन्द्रप्रभा सिंह एवं तृतीय स्थान पिंकू कुमार को प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि के रूप मे अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। प्रतियोगिता का संयोजन प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने किया। निर्णायक के रूप में प्राणि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रघुवीर नारायण सिंह एवं सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यशाला में अपना विचार व्यक्त करती छात्रा

मनोविज्ञान विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला

23 फरवरी को मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'ट्रेट पर्सपेक्टिव ऑफ पर्सनॉलिटी' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें अखिलभाग्य पी.जी. कॉलेज, रानापार, गोरखपुर के मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अभय प्रताप सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तथा अतिथि स्वागत मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा संचालन सहायक आचार्य डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया। कार्यशाला में मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों पाण्डेय शिवम जितेन्द्र (बी.एस–सी. भाग–दो), किरन गुप्ता (बी.एस–सी. भाग–तीन), महिमा विश्वकर्मा (बी.एस–सी. भाग–तीन), फरहीन खातून (बी.एस–सी. भाग–तीन), नन्दना गुप्ता (बी.ए. भाग–तीन), चन्द्रकला सिंह (बी.एस–सी. भाग दो), आकाश सिंह (बी.एस–सी. भाग–दो), चाँदनी प्रजापति (बी.ए. भाग–तीन) आदि ने अपना विचार प्रस्तुत किया।

समाजशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय

23 फरवरी को समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'कोविड–19 का सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें नेशनल पी.जी. कालेज, बड़हलगंज गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय ने बतौर विशिष्ट अतिथि विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री बृजभूषण लाल ने किया तथा आभार ज्ञापन समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

प्राणि विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

23 फरवरी को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें बी.एस-सी. भाग-दो के 80 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। प्रदर्शनी में प्रथम स्थान चन्द्रप्रभा के मॉडल तंत्रिका तंत्र, द्वितीय स्थान अल्पना चौधरी के मॉडल उत्सर्जन तंत्र एवं तृतीय स्थान राकेश गुप्ता, अनामिका सिंह तथा प्रीति गुप्ता के मॉडल श्वसन तंत्र को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन प्राणि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रघुवीर नारायण सिंह ने किया। निर्णायक के रूप में रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री संजय जायसवाल, प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह तथा डॉ. शिव कुमार एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य सुश्री अर्चना गुप्ता ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शैक्षिक प्रदर्शनी का अवलोकन करती डॉ. मीतू सिंह

बी.एड् विभाग में शैक्षिक प्रदर्शनी

23 फरवरी को शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में बतौर मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. मीतू सिंह ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। शैक्षिक प्रदर्शनी में बी.एड्. विभाग के छात्राध्यापकों ने स्मार्ट सिटी, कोविड-19, कृषि विश्वविद्यालय, ऊर्जा संसाधन, जी.एस.टी., ग्लोबल वार्मिंग मानवीय संसाधन, मंगल यान, चन्द्रयान जैसे महत्त्वपूर्ण विषय पर अपना मॉडल प्रस्तुत किया। शैक्षिक प्रदर्शनी का अवलोकन अखिलभाग्य पी.जी. कॉलेज, रानापार के सहायक आचार्य डॉ. अभय प्रताप सिंह ने किया। शैक्षिक प्रदर्शनी का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

मैप ड्राइंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

भूगोल विभाग में मैप ड्राइंग प्रतियोगिता

23 फरवरी को भूगोल विभाग द्वारा मैप ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका संयोजन

भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नीलम गुप्ता ने किया। प्रतियोगिता में स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर के 109 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें नितेश कुमार प्रजापति (बी.ए. भाग-दो) को प्रथम, सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (बी.ए. भाग-तीन) को द्वितीय, रूपम चौधरी (बी.ए. भाग-एक) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ जबकि गौरव गुप्ता (बी.ए.भाग-तीन) को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। निर्णायक के रूप में बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव, डॉ. अभिषेक सिंह एवं श्री अरविन्द कुमार मौर्या ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अंग्रेजी विभाग में निबन्ध प्रतियोगिता

23 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा 'एन्शिएन्ट इण्डियन कल्चर एण्ड कोविड-19' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 39 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रियांशु यादव (बी.ए. भाग-एक) को प्रथम, कौशिकी चतुर्वेदी (बी.ए. भाग-तीन) को द्वितीय तथा नितेश प्रजापति (बी.ए. भाग-दो) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

मनोविज्ञान विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

24 फरवरी को मनोविज्ञान विभाग द्वारा व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बी.ए./बी.एस-सी. भाग एक, दो तथा तीन के कुल 30 विद्यार्थियों ने सोशल इन्फ्लूएंस, शिजोफ्रेनिया, ओ.सी.डी., स्मृति के मनोवैज्ञानिक पक्ष, अल्कोहलिज्म, नेतृत्व, अनुबन्धन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। निर्णायक के रूप में अखिलभाग्य पी.जी. कॉलेज, रानापार, गोरखपुर के मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अभय प्रताप सिंह उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाण्डेय शिवम जितेन्द्र (बी.एस-सी. भाग-दो), द्वितीय स्थान सौम्या सिंह (बी.एस-सी. भाग-तीन), तृतीय स्थान महिमा विश्वकर्मा (बी.एस-सी. भाग-तीन) तथा नम्रता सिंह (बी.एस-सी. भाग-एक), फरहीन खातून (बी.एस-सी. भाग-तीन), किरन गुप्ता (बी.एस-सी. भाग-तीन) तथा इशिका सिंह को संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया। कार्यक्रम का संयोजन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा संचालन मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रमाण पत्र और मैडल के साथ प्रतिभागी

रक्षा एवं स्त्रातजिक अधययन विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

24 फरवरी को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा 'कोविड-19 संकट व भारत की विदेश नीति' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि आचार्य नरेन्द्र देव किसान पी.जी. कॉलेज, बभनान के सहायक आचार्य डॉ. अमित त्रिपाठी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य श्री रमाकान्त दूबे तथा आभार ज्ञापन प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान में उपस्थित मंचस्थ अतिथि

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में व्याख्यान प्रस्तुत करती छात्रा

प्राणि विज्ञान विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

24 फरवरी को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के कुल 20 प्रतिभागियों ने विभिन्न शिर्षकों यथा-न्युक्लियर क्लोनिंग, क्रेब्स साइकल, ग्लाइकोलीसिस, ट्राइबोलियम, रिकाम्बीनेन्ट, डी.एन.ए. टेक्नोलॉजी आदि विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान किरन गुप्ता एवं शालिनि सिंह, द्वितीय स्थान आलोक सिंह तथा तृतीय स्थान सुमन जूही को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में प्राणि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रघुवीर नारायण सिंह, सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह एवं डॉ. शिव कुमार ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता का संयोजन प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार ने किया।

राजनीतिशास्त्र विभाग में दृश्य-श्रव्य कार्यक्रम

25 फरवरी को राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा 'पंचायत चुनाव एवं मतदाता जागरूकता' विषय पर श्रव्य-दृश्य कार्यक्रम के अन्तर्गत डाक्यूमेंट्री दिखायी गयी। इसके पश्चात् राजनीतिशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार ने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दिया। कार्यक्रम में कुल 80 विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री हरिकेश यादव ने किया।

दृश्य-श्रव्य कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान में अपना उद्बोधन देते डॉ. विजय कुमार

25 फरवरी को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. विजय कुमार ने 'भारत चीन सम्बन्ध का वर्तमान परिप्रेक्ष्य' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संचालन विभाग के सहायक आचार्य श्री रमाकान्त दुबे तथा आभार ज्ञापन प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

प्राणिविज्ञान विभाग में प्रदर्शनी

विज्ञान प्रदर्शनी का निरीक्षण करते मुख्य अतिथि श्री मंजेश्वर

25 फरवरी को प्राणिविज्ञान विभाग द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री मंजेश्वर उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में बी.एस-सी. भाग तीन के कुल 40 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के वर्किंग तथा नॉनवर्किंग माडलों का प्रदर्शन किया जिसमें आलोक सिंह, विजय सिंह, कुलदीप सिंह और संजय कुमार के मॉडल परिसंचरण तंत्र को प्रथम स्थान, शालिनी सिंह के मॉडल हृदय को द्वितीय स्थान तथा शाहिबा, आफरीन तथा निधि विश्वकर्मा के मॉडल पंशीय तंत्र को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन प्राणिविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिवकुमार ने किया। निर्णायक की भूमिका वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य सुश्री अर्चना गुप्ता, गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नेहा कौशिक तथा प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी।

संगोष्ठी में व्याख्यान प्रस्तुत करते मुख्य वक्ता डॉ. सुनील कुमार प्रसाद

भूगोल विभाग में एक दिवसीय संगोष्ठी

25 फरवरी को भूगोल विभाग द्वारा 'भूगोल में नवनिश्चयवाद' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य वक्ता बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर के भूगोल विभाग के सहायक

आचार्य डॉ. सुनील कुमार प्रसाद ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी तथा संचालन डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करती सुश्री अंकिता विशेन

वाणिज्य विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

25 फरवरी को वाणिज्य विभाग द्वारा 'महिला अधिकार' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें विभाग की सहायक आचार्य सुश्री अंकिता विशेन ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा तथा संचालन श्री सिद्धार्थ शुक्ला ने किया।

कार्यशाला में व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. राजेश श्रीवास्तव

अंग्रेजी विभाग में तीन दिवसीय कार्यशाला

उद्घाटन– 26 –28 फरवरी तक अंग्रेजी विभाग द्वारा 'लिटरेशी क्रिटिसिज्म' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 26 फरवरी को कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर बतौर विषय विशेषज्ञ राजकीय महाविद्यालय, ढाणा, कुशीनगर के अंग्रेजी विभाग के उपाचार्य डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने प्रस्तुत की। द्वितीय सत्र में डॉ. श्रीवास्तव ने 'थियरी ऑफ न्यू क्रिटिसिज्म' विषय का व्यवहारिक रूप विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री दीप्ति चतुर्वेदी (बी.ए. भाग तीन) ने किया।

कार्यशाला में अपना विचार व्यक्त करता छात्र

कार्यशाला का दूसरा दिन– 27 फरवरी को कार्यशाला के दूसरे दिन प्रथम सत्र में विद्यार्थियों ने वर्कशीट पर प्रेक्टिकट क्रिटिसिज्म कराने का प्रयास किया गया। तत्पश्चात् डॉ. श्रीवास्तव ने 'मिथिकल क्रिटिसिज्म' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। द्वितीय सत्र में 'शिकागो क्रिटिसिज्म' विषय पर विचार प्रस्तुत करते हुए डॉ. श्रीवास्तव ने लेखन के उद्देश्य को रेखांकित किया। कार्यक्रम का संचालन आदित्य प्रताप सिंह (बी.ए. भाग तीन) ने किया।

कार्यशाला के समापन अवसर पर अपना विचार व्यक्त करती श्रीमती कविता मंध्यान

कार्यशाला का समापन- 28 फरवरी को कार्यशाला के तीसरे दिन प्रथम सत्र में डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने 'ह्यूमनिस्ट क्रिटिसिज्म' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। जबकि दूसरे सत्र में 'इण्डियन क्रिटिसिज्म' पर विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री कौशिकी चतुर्वेदी (बी.ए. भाग-तीन) ने किया। अन्त में अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

वनस्पति विज्ञान विभाग एवं रसायन विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान में चाक चाइट के माध्यम से अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री संग्राम सिंह कटारिया

28 फरवरी को वनस्पति विज्ञान विभाग एवं रसायन विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'भारत में जैवविविधता की चुनौतियाँ : समस्या एवं समाधान' विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। बतौर विषय विशेषज्ञद्वय इंडियन फारेस्ट सर्विस, डी.एफ.ओ., प्रतापगढ़, राजस्थान के श्री संग्राम सिंह कटारिया तथा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य डॉ. के. सुनीता ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम का संयोजन तथा संचालन रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान में अध्यक्षीय उद्बोधन डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

समाजशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

1 मार्च को समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'साइबर अपराध का सामाजिक प्रभाव' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री प्रकाश प्रियदर्शी

समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री प्रकाश प्रियदर्शी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय तथा संचालन बृज भूषण लाल ने किया।

सांख्यिकी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

1 मार्च को सांख्यिकी विभाग द्वारा 'सांख्यिकी की मूलभूत अवधारणा' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में के.आई.पी.एम. कॉलेज, गीडा के आचार्य डॉ. सत्य प्रकाश सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन गणित विभाग के प्रभारी श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी तथा आभार ज्ञापन सांख्यिकी विभाग के प्रभारी डॉ. अरुण कुमार राव ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य अतिथि डॉ. सत्य प्रकाश सिंह को स्मृति चिह्न भेंट करते श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी

भूगोल विभाग में महाविद्यालय स्तरीय सेमीनार

1 मार्च को भूगोल विभाग में 'पर्यावरण और मानव विकास' विषय पर महाविद्यालय स्तरीय सेमीनार का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि भूगोल विषय के बी.ए. भाग-दो के विद्यार्थी श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बी.ए. भाग-एक के विद्यार्थी श्री नितेश प्रजापति उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी तथा संयोजन सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर भूगोल विभाग के कुल 38 विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर अपना विचार प्रस्तुत किया।

सेमीनार में व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

2 मार्च को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा 'सोशल मीडिया एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि बापू पी.जी कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. करुणेन्द्र सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य श्री रमाकान्त दूबे तथा आभार

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. करुणेन्द्र सिंह

ज्ञापन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

भूगोल विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. एन.के. राना

2 मार्च को भूगोल विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें 'भूगोल और नई शिक्षा नीति' विषय पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. एन.के. राना ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी तथा संचालन सहायक आचार्य डॉ. नीलम गुप्ता ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र

अर्थशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

3 मार्च को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य वक्ता मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने 'इम्पॉर्टेन्स ऑफ स्टैटिस्टिक्स इन सोशल साइंसेज' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री मंजेश्वर ने किया।

भूगोल विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा

3 मार्च को भूगोल विभाग द्वारा 'भारत में जनसंख्या वृद्धि' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें भूगोल विषय के बी.ए. भाग-तीन के छात्र श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा ने बतौर मुख्य वक्ता व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी तथा संचालन सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

अंग्रेजी विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रमाण पत्र के साथ प्रतिभागी

3 मार्च को अंग्रेजी विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें अंग्रेजी विभाग के कुल 28 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

दीप्ति चतुर्वेदी (बी.ए. भाग-तीन), द्वितीय स्थान नितेश प्रजापति (बी.ए. भाग-दो), तृतीय स्थान आश्रिती सिंह (बी.ए. भाग-एक) तथा सांत्वना पुरस्कार प्रिया जायसवाल (बी.ए. भाग-एक) को प्रदान किया गया। निर्णायक के रूप में डॉ. कृष्ण कुमार तथा डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

त्रिदिवसीय मद्यनिषेध एवं नशा उन्मूलन अभियान

पोस्टर प्रतियोगिता में अपने पोस्टर का प्रदर्शन करते प्रतिभागी

जनजागरूकता रैली निकालते एन.सी.सी. कैडेट्स तथा दोनों बटालियन के सी.टी.ओ.

4-6 मार्च तक सामाजिक न्याय और अधिकारिकता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ड्रग की माँग को घटाने हेतु राष्ट्रीय कार्य योजना के अन्तर्गत मद्यनिषेध विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार तथा 45वीं यू.पी. और 15वीं गर्ल्स बटालियन, एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में 'मद्यनिषेध प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। 4 मार्च को 'नशा : एक अभिशाप' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान भावना जायसवाल (बी. एस-सी. भाग-दो), द्वितीय स्थान निशा विश्वकर्मा (बी.ए. भाग-एक), तृतीय स्थान सृष्टि श्रीवास्तव (बी.एस-सी. भाग-दो) तथा सांत्वना पुरस्कार दीप्ति चतुर्वेदी (बी.ए. भाग-तीन) को प्राप्त हुआ। निर्णायक के रूप में डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. नेहा कौशिक तथा सुश्री स्मिता उपाध्याय ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोस्टर प्रतियोगिता के पश्चात् एन.सी.सी. कैडेट्स द्वारा मद्यनिषेध जनजागरूकता रैली निकाली गयी। रैली का शुभारम्भ महाविद्यालय के उप-प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने किया।

दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र

5 मार्च को 800 मी. दौड़ (बालक तथा बालिका वर्ग) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ बतौर मुख्य अतिथि बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त करते हुए किया। 800 मी. दौड़ (बालक वर्ग) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ऋषि कुमार निषाद (बी.ए. भाग-एक), द्वितीय स्थान राहुल कुमार भारती (बी.ए. भाग-एक), तृतीय स्थान अश्विनी चौहान (बी.ए. भाग-एक) तथा सांत्वना पुरस्कार विकास कुमार यादव (बी.ए. भाग-एक) को प्राप्त हुआ। 800 मी. दौड़ (बालिका वर्ग) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नेहा चौरसिया (बी.एस-सी. भाग-एक), द्वितीय स्थान ज्योति निषाद (बी.ए. भाग-एक), तृतीय स्थान

आसना सिंह (बी.ए. भाग-एक) तथा सांत्वना पुरस्कार खुशबू प्रजापति (बी.ए. भाग-एक) को प्राप्त हुआ। निर्णायक के रूप में गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सान्त्वना श्रीवास्तव, सुश्री रीतिका त्रिपाठी तथा कम्प्यूटर सहायक श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. रीना मालवीय

मंचस्थ अतिथियों के साथ पुरस्कृत कैडेट्स एवं विद्यार्थी

6 मार्च को 'नशा उन्मूलन' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि बुद्ध पी.जी. कॉलेज, कुशीनगर के मनोविज्ञान विभाग की उपाचार्य डॉ. रीना मालवीय ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान विभाग, गोरखपुर की अधिकारी श्रीमती अरुणा जोशी जी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर 'मद्यनिषेध प्रतियोगिताओं' में सफल प्रतिभागियों को अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप-प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव तथा संयोजन 15वीं यू.पी. गर्ल्स बटालियन, एन.सी.सी. की सी. टी.ओ. श्रीमती कविता मंध्यान ने किया। कार्यक्रम का संचालन 45वीं यू.पी. बटालियन एन.सी.सी. के सी.टी.ओ. डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने किया।

रसायन विज्ञान विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

04 मार्च को रसायनविज्ञान विभाग द्वारा व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि महात्मा गाँधी पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आलोक कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में स्नातकोत्तर स्तर के कुल 21 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें कु. श्वेता (एम. एस-सी. प्रथम वर्ष) ने प्रथम, अनुपमा सिंह (एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष) ने द्वितीय तथा सुजीत कुमार (एम.एस-सी. प्रथम वर्ष) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक के रूप में डॉ. आलोक कुमार श्रीवास्तव, डॉ. शिव कुमार बर्नवाल एवं डॉ. राम सहाय ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रार्थना सभा में योगाभ्यास

04 मार्च को प्रार्थना सभा में योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने सूक्ष्म व्यायाम का अभ्यास कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

योगाभ्यास का प्रशिक्षण करते शिक्षक एवं विद्यार्थी

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री नन्दन शर्मा

अर्थशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

04 मार्च को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 'पूँजी बाजार और आर्थिक विकास' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने बतौर मुख्य वक्ता व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन तथा संचालन अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री मंजेश्वर ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. शिखा सिंह

अंग्रेजी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

05 मार्च को अंग्रेजी विभाग द्वारा 'हाउ टू रीड ए लिटरेरी टेक्स्ट' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की अंग्रेजी विभाग की आचार्य डॉ. शिखा सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. भाग-तीन की छात्रा कौशिकी चतुर्वेदी तथा संयोजन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने किया।

भूगोल विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

05 मार्च को भूगोल विभाग द्वारा 'भारत में ग्रामीण बस्तियाँ' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता एम.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थी श्री दीनू चौरसिया ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री दीनू चौरसिया

चौधरी तथा संचालन सुश्री शालू श्रीवास्तव ने किया।

वाणिज्य विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

05 मार्च को वाणिज्य विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर पर व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिवांगी पाण्डेय (एम.कॉम. अन्तिम वर्ष), द्वितीय स्थान सोनी गुप्ता (एम.कॉम. अन्तिम वर्ष) तथा तृतीय स्थान संयुक्त रूप से शिखा दूबे (एम.कॉम. अन्तिम वर्ष) और ज्ञानेश्वर उपाध्याय (एम.कॉम. प्रथम वर्ष) को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य सुश्री अंकिता बिशेन ने किया। निर्णायक के रूप में श्री चन्दन कुमार ठाकुर, श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल तथा सुश्री श्वेता ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्राणिविज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते श्री संजय जायसवाल

05 मार्च को प्राणिविज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन उप-प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने किया। प्रदर्शनी में बी.एस-सी. भाग-एक के कुल 40 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान शिल्वी गौर तथा अर्पिता पाठक के मॉडल क्रमशः पैरामीशियम तथा मानव विकास को, द्वितीय स्थान अपराजिता उपाध्याय के मॉडल अमीबा को एवं तृतीय स्थान संयुक्त रूप से राजलक्ष्मी विश्वकर्मा, ऋषिकान्त विश्वकर्मा और मुंजेश पटेल के मॉडल जन्तु कोशिका को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन प्राणिविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने किया। निर्णायक के रूप में श्री संजय जायसवाल, सुश्री अर्चना गुप्ता तथा सुश्री शारदा रानी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. राम दरश राय

हिन्दी विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला

06 मार्च को हिन्दी विभाग द्वारा 'भाषा एवं वर्तनी' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. राम दरश राय ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का

संयोजन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह तथा संचालन सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ला ने किया।

वाणिज्य विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

06 मार्च को वाणिज्य विभाग द्वारा स्नातक स्तर पर व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 35 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान काजल उपाध्याय, द्वितीय स्थान काजल सिंह तथा तृतीय स्थान मोनिका को प्राप्त हुआ। निर्णायक के रूप में वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा, श्री चन्दन कुमार ठाकुर तथा श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता छात्र

नुक्कड़ नाटक

06 मार्च को सांस्कृतिक विभाग द्वारा शराब, धूम्रपान एवं मद्यनिषेध विषय पर नुक्कड़ नाटक एवं रैली का आयोजन किया गया। रैली महाविद्यालय से निकलकर मंझरिया एवं हसनगंज पहुँची जहाँ बी.एड्. विभाग के विद्यार्थियों द्वारा 'नशा मुक्ति' पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकाएँ

सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र में प्रयोगात्मक परीक्षा देतीं प्रशिक्षु

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र में परीक्षा

06 मार्च को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही प्रशिक्षुओं की लिखित एवं मौखिक परीक्षा आयोजित की गयी जिसमें कुल 30 प्रशिक्षणार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा में रीतिका प्रजापति को प्रथम, सुनिता निषाद को द्वितीय तथा प्रीति शर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त सहित सभी सफल प्रशिक्षणार्थियों को 17 मार्च को होने वाले समावर्तन संस्कार समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा।

महन्त अवेद्यनाथ स्मृति कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता

उद्घाटन- 07-08 मार्च को महन्त अवेद्यनाथ स्मृति कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया

गया। 07 मार्च को प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि उप-प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए किया। प्रतियोगिता में कुल 11 टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच विज्ञान संकाय तथा बी.एड्. विभाग के मध्य खेला गया। इस मैच में विज्ञान संकाय ने बी.एड्. विभाग को 01 रन से पराजित किया।

क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र

समापन- 08 मार्च को महन्त अवेद्यनाथ स्मृति कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का फाइनल मैच कला संकाय तथा वाणिज्य संकाय के बीच खेला गया, जिसमें वाणिज्य संकाय ने कला संकाय की टीम को 6 रनों से पराजित कर विजेता का सम्मान प्राप्त किया। अम्पायर के रूप में कम्प्यूटर सहायक श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय तथा कार्यालय सहायक श्री झब्बर शर्मा ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। अन्त में क्रीड़ा प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता ट्राफी के साथ खुशी की मुद्रा में खिलाड़ी

राजनीतिशास्त्र विभाग में निबन्ध प्रतियोगिता

08 मार्च को राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'पंचायत चुनाव : महिलाओं की सशक्त होती भूमिका' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 38 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रिया जायसवाल (बी.ए. भाग-एक), द्वितीय स्थान आश्रिती सिंह (बी.ए. भाग-एक) तथा तृतीय स्थान सोनी चौधरी (बी.ए. भाग-एक) को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संयोजन राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने किया। निर्णायक के रूप में राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री हरिकेश यादव, नीतू सिंह, मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

ऑनलाइन एकदिवसीय कार्यशाला

ऑनलाइन कार्यशाला में व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. सुरेन्द्र कुमार गुप्त

08 मार्च को वाणिज्य विभाग, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'वैश्विक आर्थिक चिन्तन पर कोरोना का प्रभाव' विषय पर ऑनलाइन एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बतौर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अर्थशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुरेन्द्र कुमार गुप्त ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री मंजेश्वर तथा प्रस्ताविकी वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला तथा आभार ज्ञापन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता छात्र

08 मार्च को सांस्कृतिक विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'क्या वर्तमान परिप्रेक्ष्य में नारी सशक्तिकरण की दशा एवं दिशा सही है?' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 40 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता के पक्ष में क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान ज्ञानेन्द्र पाण्डेय (बी.ए. भाग-एक), ऋषभ प्रताप सिंह (बी.एड्. प्रथम वर्ष), नीतू मल्ल (बी.ए. भाग-एक) एवं विपक्ष में क्रमशः प्रथम, द्वितीय तृतीय स्थान हर्षा गुप्ता (बी.एड्. द्वितीय वर्ष), चन्द्रभूषण यादव (बी.एड्. प्रथम वर्ष), विनोद यादव (बी.एड्. प्रथम वर्ष) ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन सांस्कृतिक विभाग की प्रभारी सुश्री दीप्ति गुप्ता एवं बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह तथा संचालन श्री माधवेन्द्र पति त्रिपाठी द्वारा किया गया। निर्णायक के रूप में डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, श्रीमती विभा सिंह, सुश्री रीतिका त्रिपाठी, श्रीमती सांत्वना श्रीवास्तव, श्री जितेन्द्र प्रजापति ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जब तक लाखों लोग भूखे और अज्ञानी हैं,
तब तक मैं उस प्रत्येक व्यक्ति को कृतघ्न समझता हूँ,
जो उनके बल पर शिक्षित तो बना परन्तु आज उसकी ओर ध्यान नहीं देता।

– स्वामी विवेकानन्द

महाविद्यालय का अभिनव प्रयोग

एक विभाग – एक गाँव
एक कॉलेज – एक गाँव

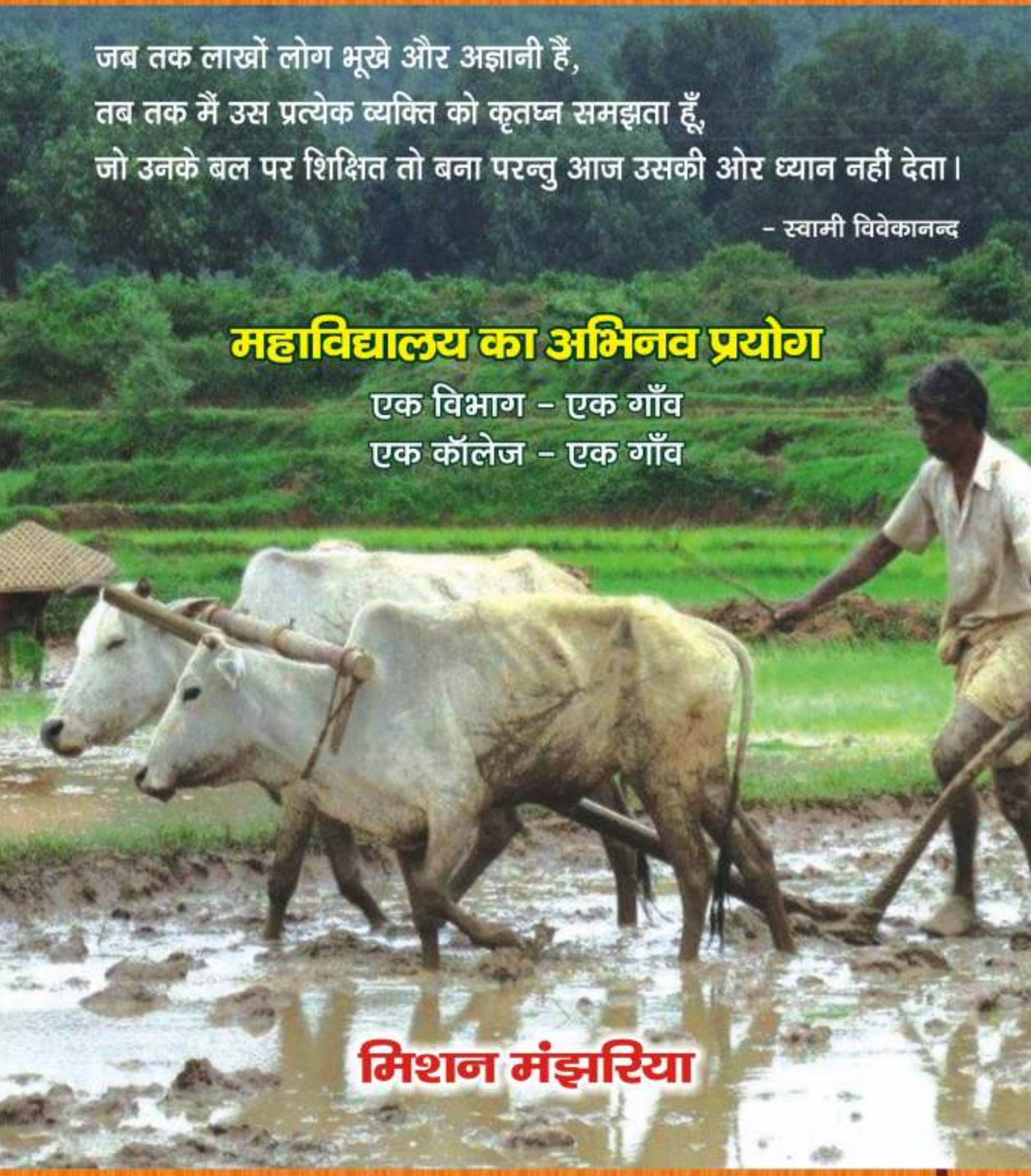

मिशन मंझरिया

मिशन मंझरिया

ग्रामवासियों को शिक्षित बनाती बी.एड. की छात्राध्यापिका

जंगल धूसड़ की ग्रामीण पृष्ठभूमि में स्थापित महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, श्रीगोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की एक संस्था है। शिक्षा को सेवा का आधार मानकर लोक-कल्याणार्थ स्थापित इस महाविद्यालय ने पठन-पाठन के साथ-साथ जन-सरोकारों से सीधा-संवाद स्थापित किया। अपने स्थापना वर्ष में ही 'ग्रामीण भारत का भविष्य' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर महाविद्यालय द्वारा 'आदर्श ग्राम योजना' का स्वरूप निर्धारित किया गया। गाँव से शिक्षकों-विद्यार्थियों के संवाद को आकार देने हेतु 'एक विभाग-एक गाँव' की योजना के क्रियान्वयन का पहला चरण 2006 ई. में ही प्रारम्भ हो गया। इसी क्रम में 2015-2017 ई. तक तत्कालीन सांसद एवं महाविद्यालय के प्रबंधक महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के सांसद आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत गोद लिए गए ग्यारह गाँवों में से एक महाविद्यालय के निकट स्थित ग्राम सभा औराही में साक्षरता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान ने आदर्श-ग्राम योजना को अनुभव-जन्य गति प्रदान किया।

बच्चे का दुलारता हुआ महाविद्यालय का विद्यार्थी

गत सत्र की गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान सत्र 2020-21 ई. की योजना बैठक में 'एक विभाग-एक गाँव' योजना को पूर्ववत् जारी रखते हुए, कोरोना महामारी के कारण कुछ विलंब से महाविद्यालय से सटे ग्राम 'मंझरिया' को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता के प्रति जागरूकता के साथ-साथ केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की योजनाओं से संतृप्त गाँव बनाने की दिशा में 'मिशन मंझरिया' प्रारंभ किया गया। इस मिशन मंझरिया अभियान को बी.एड. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह के निर्देशन में 1 नवम्बर 2020 से पुनः मिशन बनाकर प्रतिदिन अपराह्न 2 से 4 बजे तक कार्य प्रारम्भ किया।

इस सत्र में छात्राध्यापकों ने महापुरुषों के नाम पर शिक्षण केन्द्रों का नामकरण भी किया। कुल आठ शिक्षण केन्द्र इस प्रकार हैं –

- शिक्षण केन्द्र 01– भीमराव अम्बेडकर शिक्षण केन्द्र
- शिक्षण केन्द्र 02– माँ सीता शिक्षण केन्द्र
- शिक्षण केन्द्र 03– माँ सरस्वती शिक्षण केन्द्र
- शिक्षण केन्द्र 04– वीर अभिमन्यु शिक्षण केन्द्र
- शिक्षण केन्द्र 05– माँ कात्यायनी शिक्षण केन्द्र
- शिक्षण केन्द्र 06– रानी पद्मिनी शिक्षण केन्द्र
- शिक्षण केन्द्र 07– रानी लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र
- शिक्षण केन्द्र 08– स्वामी विवेकानन्द शिक्षण केन्द्र

छात्राध्यापकों द्वारा अपने इस सेवा कार्य को 'मन से मंझरिया' नाम से संबोधित किया गया।

मिशन मंझरिया

महिलाओं को दीया पेंटिंग का प्रशिक्षण देते विद्यार्थी

1 नवम्बर 2020 ई. से छात्राध्यापकों का समूह मंझरिया ग्राम में विभिन्न केन्द्रों पर जाकर दीया पेंटिंग एवं सजावट की वस्तुओं को बनाने का प्रशिक्षण देने का कार्य प्रारंभ किया। दीपावली उत्सव को भी इस मिशन का हिस्सा बनाया गया। छात्राध्यापकों के साथ ग्रामीण महिलाएँ पूर्ण मनोयोग से दीया पेंटिंग एवं सजावट कार्य में हर्षोल्लास के साथ लग गयीं। बनाये हुए दीयों एवं सजावट की वस्तुओं की छात्राध्यापकों ने महाविद्यालय में प्रदर्शनी लगायी। दीया एवं सजावट की वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त मूल्य को ग्रामीण महिलाओं में वितरित कर दिया गया। यह स्वावलंबन की दिशा में एक कदम था।

प्रदर्शनी का उद्घाटन करतीं श्रीमती शिप्रा सिंह

दीपावली एवं छठ पूजा के उपरान्त छात्राध्यापकों ने ज्ञान यज्ञ का कार्य प्रारंभ किया। कक्षा 01 से 10 तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों की निःशुल्क कोचिंग कक्षाएँ एवं

बच्चों को पढ़ाते छात्राध्यापक

गाँव के बच्चों को कोचिंग पढ़ाती छात्राध्यापिका

बच्चों को पाठाभ्यास कराते विद्यार्थी

शिक्षण सामग्री पाकर प्रसन्न होते नौनिहाल

मिशन मंझरिया

शिक्षण केन्द्र पर सफाई करते विद्यार्थी

विभिन्न केन्द्रों पर माँ और बच्चे साथ-साथ पढ़ने का कार्य गत वर्ष की भाँति जारी किया। प्रत्येक माह के अंत में पढ़ाये गये विषयों का मासिक मूल्यांकन भी किया जाता रहा है और प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त बच्चों एवं महिलाओं को पुरस्कृत भी किया गया है।

महाविद्यालय की तर्ज पर प्रत्येक रविवार को स्वच्छता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का कार्य भी पूर्ववत् जारी रखा गया। प्रत्येक शनिवार आठ केन्द्रों पर शिक्षण कार्य स्थगित कर पहले अपने केन्द्र पर झाड़ू उठाकर छात्राध्यापक, ग्रामीण महिलाएँ एवं बच्चे साथ मिलकर सफाई करते, तत्पश्चात् गायन-नृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम द्वारा एक दूसरे का मनोरंजन करते। सांस्कृतिक कार्यक्रम की झलक गणतंत्र दिवस एवं बसन्त पंचमी के अंतर्गत आयोजित समारोहों में दिखी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर वीर अभिमन्यु शिक्षक केन्द्र पर सभी केन्द्रों की महिलाएँ एवं बच्चे मिलकर छात्राध्यापकों संग ध्वजारोहण, राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम इस समारोह को विलक्षण बना रहे थे। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक भी उपस्थित हुए। इसी क्रम में बसन्त पंचमी के अवसर पर भी छात्राध्यापकों ने अपने-अपने शिक्षण केन्द्रों पर महिलाओं एवं बच्चों के साथ माँ सरस्वती की आराधना कर पढ़ने का कार्य किया।

शिक्षण केन्द्र पर सफाई करते विद्यार्थी

शिक्षण केन्द्र पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते गाँव के बच्चे

गणतन्त्र दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते गाँव के बच्चे

सरस्वती पूजन में उपस्थित महाविद्यालय की छात्राध्यापिका एवं गाँव के बच्चे

मिशन मंझरिया

पढ़ने-पढ़ाने के साथ-साथ छात्राध्यापकों द्वारा व्यक्तित्व विकास योजना का कार्य भी किया गया जिसमें छात्रों को शारीरिक सफाई, बाल ठीक रखना, बढ़ते नाखूनों को चेक करना तथा बातचीत करने के तौर-तरीका भी सिखाया गया। बच्चों को बीमारियों से बचने के लिए हाथ धोने का प्रशिक्षण भी दिया गया। सम्प्रति बच्चों में कला के माध्यम से रचनात्मकता का विकास भी किया जा रहा है।

गाँव के बच्चों की शारीरिक स्वच्छता पर महाविद्यालय की दृष्टि

गाँव के बच्चों का स्वास्थ्य निरीक्षण करते छात्राध्यापक

चित्रकला का प्रदर्शन करते गाँव के बच्चे

अपनी कला को प्रदर्शन करते गाँव के बच्चे

गाँव की महिलाओं को साक्षर करती छात्राध्यापिका

कढ़ाई कला से महिलाओं को जागरूक करती छात्राध्यापिका

ग्रामीण महिलाओं को कम्प्यूटर का सामान्य परिचय देते महाविद्यालय के विद्यार्थी

मिशन मंझरिया

'मन से मंझरिया' में छात्राध्यापकों ने ग्रामवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पर्यावरण जागरूकता रैली का भी आयोजन किया। बी.एड्. विभाग का वास्तविक मिशन नि:शुल्क चिकित्सा शिविर की योजना को आधार देने के लिए गाँव में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के 'सचल चिकित्सा सेवा' द्वारा साप्ताहिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जहाँ नि:शुल्क दवाएँ भी

मेडिकल कैम्प के दौरान ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण करते चिकित्सक

महिला का शुगर जाँच करते चिकित्सक

वितरित की गयीं। वहीं महिलाओं को तकनीकि शिक्षा के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। साथ ही साथ सिलाई-कढ़ाई का हुनर भी छात्राध्यापकों द्वारा सिखाया गया।

मिशन मंझरिया बी.एड्. विभाग की अद्वितीय उपलब्धि के रूप में निरन्तर प्रगति पथ पर है। वर्तमान सत्र में इस मिशन को प्रारम्भ कर वर्तमान परिणति तक पहुँचाने वाले सेवाव्रती विद्यार्थी हैं– राहुल कुमार यादव, स्मिता वर्मा, हर्षा गुप्ता, अनुज श्रीवास्तव, प्रदीप शुक्ला, अमित साहू, अम्बरीश चतुर्वेदी, अंजली गुप्ता, अवनीश सिंह, इन्दू चौधरी, कुमार सिद्धार्थ यादव, हिमांशु सिंह, सुमित सिंह, विशाल मानव, माधवेन्द्र पति त्रिपाठी, सीमा पाण्डेय, दिव्यम श्रीवास्तव, संदीप श्रीवास्तव, राघवेन्द्र प्रताप सिंह। सहयोगी छात्राध्यापक– कृष्ण मोहन निषाद, अभिषेक सिंह, अंशिका राय, सौम्या त्रिपाठी, अश्वनी कुमार, कृतिका त्रिपाठी, श्वेता मल्ल, दीपक प्रजापति, पूजा सिंह, श्वेता गौड़, आदित्य वर्मा, माया श्रीवास्तव, अम्बिका शर्मा, पल्लवी मिश्रा, अम्बिकेश तिवारी, बलवीर प्रताप मल्ल, अखिलेश प्रजापति, आलोक सिंह, आकाश सिंह, राखी रानी, सहाना खातून, देवेन्द्र कुमार, हरिकेश कुमार यादव, ऐश्वर्या त्रिपाठी, राजन, सूरज यादव, संतोष, कुलदीप शर्मा।

मिशन मंझरिया

'मिशन मंझरिया' अनवरत गति से चलता रहे, इस दृष्टि से बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने बी.एड्. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को भी 15 फरवरी से इस मिशन में जोड़ने की योजना बनायी है।

गाँव के बच्चों को शारीरिक शिक्षा देते महाविद्यालय के विद्यार्थी

गाँव के बच्चों को शारीरिक शिक्षा देते महाविद्यालय के विद्यार्थी

गाँव के बच्चों को खेल खिलाते छात्राध्यापक

ग्रामीण महिलाओं को शिक्षित करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

गाँव के बच्चों को खेल खिलाते छात्राध्यापक

शिक्षण केन्द्र पर शिक्षण कार्य करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

मिशन मंझरिया

मन को आनन्द
एवं चित्त को आह्लादित
करती मिशन मंझरिया
एवं मन से मंझरिया
प्रकल्पों की कुछ
सुखद तस्वीरें

हमारे महाविद्यालय के पाँच गाँव

उन्नत भारत की ओर बढ़ते कदम ...

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

'उन्नत भारत अभियान' भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। ग्रामीण क्षेत्रोन्नति की प्रक्रिया में परिवर्तन की दृष्टि से उन्नत भारत अभियान विशेष महत्व रखता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय द्वारा सम्मिलित रूप से ग्रामीण विकास की प्रक्रियाओं को बल देने के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों को इस योजना के साथ जोड़ा गया है।

एक ओर जहाँ शहरी क्षेत्र रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वच्छता जैसे मूलभूत आवश्यकताओं से परिपूर्ण थे, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्र इनकी उपेक्षा से पिछड़े थे। अतः शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के मध्य उसी अन्तराल को समाप्त करने के लिए भारत सरकार ने यह कार्य योजना तैयार किया जिसके माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों का गाँवों के साथ जुड़ाव, संवाद स्थापित कर समस्याओं को चिन्हित कर उनके निराकरण की योजना तैयार करते हुए गाँव के समग्र विकास में अपना योगदान देना सुनिश्चित किया गया। उन्नत भारत अभियान के माध्यम से भारत सरकार ने ग्रामोत्थान के लिए लक्ष्य निर्धारित किये हैं। ऐसे लक्ष्यों की कल्पना और उन्हें कार्यरूप में परिणीत करने की प्रक्रिया महाविद्यालय में अपने स्थापना काल से ही चल रही है। इस योजना के अन्तर्गत महाविद्यालय का प्रत्येक विभाग महाविद्यालय के अँचल में स्थित गाँवों में से एक गाँव गोद लेकर वहाँ की मूलभूत आवश्यकताओं जैसे- शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, कौशल विकास, ग्रामीण सरकारी योजनाओं के लाभ व उनके प्रति जागरूकता इत्यादि विषयों के अन्तर्गत अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करता आ रहा है।

मास्क का निर्माण करतीं सिलाई-कढ़ाई केन्द्र की प्रशिक्षु

प्रयोगशाला में सेनेटाइजर का निर्माण करते महाविद्यालय के कोरोना वॉरियर्स

उन्नत भारत अभियान की सदस्यता ग्रहण करने के पश्चात महाविद्यालय के पाँच विभागों द्वारा पाँच गाँवों का सर्वांगीण विकास करने के उद्देश्य से विशेष कार्य योजना बनाकर गोद लिए गये, जिसमें बी.एड्. विभाग द्वारा मंझरिया, अंग्रेजी विभाग द्वारा ककरहियाँ, प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा छोटी रेतवहियाँ, हिन्दी विभाग द्वारा बड़ी रेतवहियाँ तथा राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा हसनगंज। विभागों ने स्पष्ट कार्ययोजना के साथ गोद लिए गये गाँवों को विकास के पथ पर अग्रसर करने का अपना कार्यक्रम प्रारम्भ किया, जिसकी कुछ झलकियाँ आपके सम्मुख हैं।

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

जनजागरूकता रैली निकालतीं छात्राएँ

स्वच्छता कर स्वच्छता का संदेश देतीं छात्राएँ

स्वच्छता एवं स्वास्थ्य

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है- को चरितार्थ करने हेतु स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश निरन्तर गाँवों में दिया जाता रहा है चाहे वह सामान्य दौर हो या वैश्विक महामारी कोविड-19 का वर्तमान दौर।

वैश्विक महामारी कोविड-19 जब अपने चरम स्तर पर थी, सम्पूर्ण विश्व के चिकित्सकीय संसाधन विफल थे, ऐसे में तत्कालित समय में भी बचाव के प्राप्त सुझाव, संसाधनों तथा संदेशों अर्थात दो गज की दूरी, सेनेटाइजर का प्रयोग तथा हाथों को बार-बार धोना, मास्क का प्रयोग इत्यादि को गाँव में पहुँचाया गया एवं इस क्रम में महाविद्यालय अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति, समाज सेवा की भावना का परिचय देते हुए महाविद्यालय के प्रयोगशाला में ना सिर्फ डब्लू.एच.ओ. के मानक के अनुसार सेनेटाइजर का निर्माण कराया, अपितु विद्यार्थियों तथा शिक्षिकों के सहयोग से बड़ी संख्या में मास्क निर्मित करा उन्हें गाँवों में नि:शुल्क वितरित किया गया। सेनेटाइजर तथा मास्क बाँटने गये विद्यार्थियों की सूचना पर कई विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के सहयोग से जरूरतमंदों को राशन तथा भोजन भी वितरित किया गया। समय-समय पर महाविद्यालय इन पाँचों गाँवों में बाबा राघवदास मेडिकल कॉलेज, गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय तथा पी.एच.सी., चरगावाँ के चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य सम्बन्धित व्याख्यान तथा

नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन करते विद्यार्थी

ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण करते चिकित्सक

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर ग्रामवासियों को नि:शुल्क दवा वितरित करा उनके स्वास्थ का ध्यान रखते हुए उन्हें स्वास्थ रक्षा एवं स्वस्थ जीवन हेतु प्रेरित करता रहता है।

कोरोना प्रोटोकॉल में कुछ रियायत मिलने के पश्चात एक बार पुन: नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन आरम्भ किया गया।

ग्रामवासियों को दवा वितरित करते चिकित्सक

ग्राम मंझरिया में चिकित्सा शिविर

13 फरवरी 2021 को बी.एड्. विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम मंझरिया में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र मिश्रा एवं टीम के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ शिविर का आयोजन कर ग्रामवासियों की शुगर, बी.पी., वजन आदि की जाँच कर 200 रोगियों के नि:शुल्क दवा एवं चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराया गया।

ग्राम ककरहियाँ में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

इसी क्रम में 25 फरवरी 2021 को अंग्रेजी विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम ककरहियाँ में 'मिशन नवोत्थान' के अंतर्गत गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र कुमार मिश्रा एवं टीम के सहयोग से नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 149 ग्रामवासियों का स्वास्थ परीक्षण कर नि:शुल्क दवा वितरण किया गया।

ग्रामवासियों को दवा वितरित करते चिकित्सक

शिविर आयोजन में अंग्रेजी विभाग एवं उन्नत भारत अभियान की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान के साथ अंग्रेजी विभाग के बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र नितेश प्रजापति, कृष्ण मोहन एवं शिवानी गुप्ता तथा बी. ए. प्रथम वर्ष के ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, प्रांजल शर्मा, प्रवीण शुक्ला, कृतिका तिवारी, रितेश, आकृति सिंह, स्मिता सिंह, प्रिया कुशवाहा, प्रिया सिंह, किरन यादव, अंजली बच्चन एवं प्रतिमा गुप्ता ने विशेष सहयोग कर शिविर को सफल बनाया। ग्रामवासियों ने प्रत्येक सप्ताह इस प्रकार की शिविर आयोजित करने की अपील की।

स्वास्थ रक्षा में स्वच्छता के महत्व के प्रति समय-समय पर जन जागरूकता रैली तथा श्रमदान के

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक किया जाता है और इसी का परिणाम है कि गोद लिया गया गाँव मंझरिया खुले में शौचमुक्त घोषित हो चुका है तथा हसनगंज एवं ककरहियाँ इसी कतार में आ खड़े हुए हैं।

ग्राम छोटी रेतवहियाँ में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

ग्रामवासियों को स्वास्थ्यगत समस्या सुनते चिकित्सक

03 मार्च को प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम छोटी रेतवहियाँ में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र कुमार मिश्र एवं उनकी टीम द्वारा ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा रोगियों को नि:शुल्क दवा वितरित किया गया। इस अवसर पर प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र एवं विद्यार्थी विकास चौधरी, अभय राज वर्मा, अभिषेक सिंह, सुधीर सिंह, दीपक विश्वकर्मा एवं कार्यालय सहायक श्री झब्बर शर्मा आदि लोगों ने शिविर को सफल बनाने में सक्रिय सहभाग किया। इस दौरान गांव के कुल 68 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और 135 लोगों को नि:शुल्क दवा वितरित किया गया।

ग्राम बड़ी रेतवहियाँ में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

बच्चे की स्वास्थ्य समस्या का निदान करते चिकित्सक

04 मार्च को ग्राम बड़ी रेतवहियाँ में हिन्दी विभाग द्वारा स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ शिविर में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र कुमार मिश्र उपस्थित रहे। स्वास्थ्य शिविर में ग्रामवासियों का स्वास्थ परीक्षण किया गया। शिविर में डॉ. मिश्र द्वारा बीमारी से ग्रस्त मरीजों को स्वास्थ सम्बन्धी जानकारी दी गयी। स्वास्थ शिविर में 140 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा नि:शुल्क दवा वितरित की गई।

शिक्षा

महाविद्यालय की महत्वाकांक्षी योजना 'मन से मंझरिया' के तहत विगत वर्षों से निरन्तर शिक्षा की

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

पुस्तक पाकर प्रसन्न होते गाँव के नौनिहाल

ग्रामवासियों में शिक्षा की अलख जगाती छात्रा

ज्योति से प्रति ग्रामवासियों को प्रकाशित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस योजना के अंतर्गत गाँवों में विभिन्न स्थानों पर भीमराव अम्बेडकर, माँ सीता, माँ सरस्वती, वीर अभिमन्यु, माँ कात्यायनी, रानी पद्मिनी, रानी लक्ष्मीबाई एवं स्वामी विवेकानन्द जैसे 7 शिक्षण केन्द्र स्थापित कर बी.एड्. द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं के माध्यम से बच्चों तथा महिलाओं को शिक्षित किया जा रहा है।

शिक्षा के प्रसार के साथ-साथ नई भारतीय शिक्षा नीति के प्रसारण हेतु भी कुछ प्रयास किये गये :

'नये भारत की नई शिक्षा नीति' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

18 सितम्बर 2020 को महाविद्यालय के विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति की जानकारी देने के उद्देश्य से महाविद्यालय के राजतीति शास्त्र के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह तथा बी.एड्. की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने 'नये भारत की नई शिक्षा नीति' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान में महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। व्याख्यान का संयोजन एवं आभार ज्ञापन 'उन्नत भारत अभियान' की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने किया।

व्याख्यान में उपस्थित विद्वत्जन

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं ग्रामीण भारत का भविष्य' विषय पर व्याख्यान

22 सितम्बर 2020 को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

2020 एवं ग्रामीण भारत का भविष्य' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में सदस्य संचालन समिति राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, उत्तर प्रदेश के डॉ. राजशरण शाही जी उपस्थित रहे। व्याख्यान में महाविद्यालय के सभी शिक्षक तथा 232 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। व्याख्यान कार्यक्रम का संयोजन प्रभारी 'उन्नत भारत अभियान' श्रीमती कविता मंध्यान, संचालन अध्यक्ष, हिन्दी विभाग डॉ. आरती सिंह तथा आभार ज्ञापन बृजभूषण लाल, आचार्य समाजशास्त्र विभाग ने किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ई-बुक का प्रसारण

23 सितम्बर 2020 को प्रभारी, 'उन्नत भारत अभियान' श्रीमती कविता मंध्यान द्वारा mass e-mail के माध्यम से 37 ग्रामीण/शहरी विद्यालयों एवं कालेजों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ई-बुक का प्रसारण किया गया।

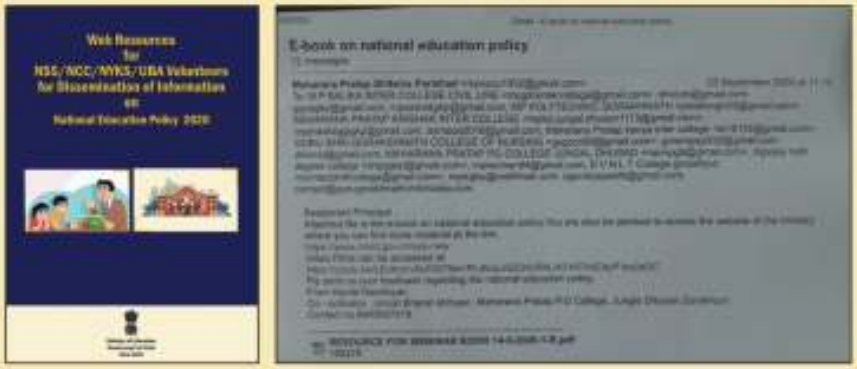

महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के ई-बुक का डिजिटल प्रसारण

महिला-आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

महाविद्यालय में स्थापित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई, कढ़ाई एवं पेंटिंग प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से महिला आत्मनिर्भरता की ओर 2011 में ही पहल कर दी गयी थी। महिला आत्मनिर्भरता की भावना को चरितार्थ करते हुए वर्ष भर ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं को सिलाई, कढ़ाई एवं पेंटिंग का प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षण पश्चात् सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थी को पुरस्कार स्वरूप सिलाई मशीन देकर उसे आत्मनिर्भर बनाने की ओर पहला कदम व दिशा दिखाकर, अन्य प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित

सिलाई एवं कटिंग का प्रशिक्षण प्राप्त करतीं प्रशिक्षु

दीया पेंटिंग का प्रशिक्षण देती महाविद्यालय की छात्रा

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

किया जाता है। स्वरोजगार के प्रति प्रेरित करते हुए गाँवों में एक अनूठी पहल आरम्भ की जो आज सफल भी हो रही है जिसमें महिलाओं की रुचि जानकर उनके प्रशिक्षण का प्रबंध किया गया। उन्हें मिट्टी के दीयों को सजाना, विभिन्न प्रकार के बन्धनवार, पायदान, ऊनी मोजे व स्वेटर बुनना, मास्क बनाना तथा आचार व मुरब्बा बनाने का प्रशिक्षण दे उनकी कला को निखार कर उनके द्वारा निर्मित उत्पादों को मंच प्रदान करते हुए प्रदर्शनी लगाकर बिक्री करायी जिससे उनके उत्पादों का उचित मूल्य महिलाओं को प्राप्त हुआ साथ ही उनमें आत्मविश्वास जगाकर भविष्य में उनकी आय का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। सरकार की मंशा 'हर हाथ - रोजगार' तथा 'वोकल फॉर लोकल' को भी बल देने का प्रयास किया गया।

दीया प्रदर्शनी में दीया खरीदते महाविद्यालय के शिक्षक

दीयों की प्रदर्शनी

बी.एड्. विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम मंझरिया में 01 नवम्बर 2020 से छात्राध्यापकों के समूह द्वारा ग्रामीण महिलाओं को दीया पेंटिंग एवं सजावट की वस्तुओं को बनाने का प्रशिक्षण आरम्भ किया गया। 9 नवम्बर को ग्रामीण महिलाओं द्वारा बनाए गए दीयों एवं सजावट की वस्तुओं की छात्राध्यापकों ने महाविद्यालय में प्रदर्शनी लगायी तथा उन वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त मूल्य को ग्रामीण महिलाओं में वितरित कर महिला स्वावलंबन की दिशा में एक कदम बढ़ाया।

'आत्मनिर्भर भारत : आत्मनिर्भर महिला' विषय पर व्याख्यान

व्याख्यान प्रस्तुत करते कर्नल (रि.) भानु प्रताप शाही

9 जनवरी 2021 को महिला आत्मनिर्भरता को बल देने के लिए आत्मनिर्भर भारत : आत्मनिर्भर महिला विषय पर कर्नल भानू प्रताप शाही ने बतौर मुख्य अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्रा, प्रस्ताविकी उन्नत भारत अभियान की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान तथा आभारज्ञापन उप प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने किया।

आत्मनिर्भर भारत : आत्मनिर्भर महिला जन जागरूकता रैली

9 जनवरी 2021 को उन्नत भारत अभियान तथा यू.पी. 15वीं गर्ल्स बटालियन एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में 'आत्मनिर्भर भारत : आत्मनिर्भर महिला' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंग्रेजी विभाग द्वारा

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

अभिगृहीत ग्राम ककरहियाँ तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के अभिगृहीत ग्राम हसनगंज में कैडेट्य द्वारा जन जागरूकता रैली निकाली गयी।

जनजागरूकता रैली निकालते एन.सी.सी. कैडेट्स

मिशन नवोत्थान के अंतर्गत हस्तनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी एवं बिक्री

नवम्बर माह में अंग्रेजी विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम ककरहियाँ में महिला आत्मनिर्भरता पर सर्वे करवाने के पश्चात् ग्राम की महिलाएँ जो आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाने की ओर जागरूक हुईं उनकी रुचि जानी। तत्पश्चात् दिसम्बर माह में उन्हें ऊनी मोजे बनाने हेतु ऊन, मास्क बनाने हेतु कपड़ा, फिल्टर व प्रोटेक्शन शील्ड तथा आचार बनाने हेतु आवश्यक सामग्री उपलब्ध करायी गयी। मोजे-मास्क तथा आचार तैयार होने के पश्चात् 9 जनवरी 2021 को 'मिशन नवोत्थान' के अंतर्गत अभिगृहित ग्राम ककरहियाँ की महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित ऊनी मोजे, मास्क व अचार की प्रदर्शनी एवं बिक्री कर महिलाओं में आत्मविश्वास जगाया गया।

प्रदर्शनी में ग्रामीण महिलाओं के उत्पाद खरीदते शिक्षक

दूरसंचारी सम्प्रेषण माध्यम द्वारा किसान भाइयों को विशेषज्ञ परामर्श

उन्नत भारत अभियान के तहत महाविद्यालय द्वारा गाँव के किसानों के कृषि कर्म में आने वाली विविध प्रकार की समस्याओं का उचित निदान करने हेतु गाँव के अधिकांश किसानों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया जिसमें महायोगी गुरु गोरखनाथ कृषि अनुसंधान केन्द्र, पीपीगंज के अतिरिक्त देश के अनेक कृषि विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों को भी जोड़ा गया। इस व्हाट्सएप ग्रुप पर किसान अपनी कृषिगत समस्याएँ फोटो सहित डालते हैं। किसानों की इन समस्याओं का विशेषज्ञों द्वारा निदान स्वरूप त्वरित सलाह दी जाती है।

व्हाट्सएप ग्रुप पर किसानों की समस्याओं का विशेषज्ञों द्वारा निदान

उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत भविष्य में महाविद्यालय की योजना

महाविद्यालय ने निकट भविष्य में उन्नत भारत अभियान में गोद लिए गाँवों में महिला आत्मनिर्भरता

हमारा महाविद्यालय - पाँच गाँव

एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने का निश्चय किया है। मातृशक्ति हमारे देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है और एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसी परिकल्पना को साकार करने के लिए हमें इस सच को स्वीकार करना होगा। प्रत्येक क्षेत्र में नारी शक्ति की सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी।

अगरबत्ती प्लांट

इस हेतु महाविद्यालय ने महिला आत्मनिर्भरता उद्देश्य की पूर्ति के लिए ग्रामीण महिलाओं के रोजगार का मार्ग प्रशस्त करते हुए अगरबत्ती प्लांट की कार्य योजना बनाई है, जिसमें महिलाओं को प्रशिक्षित करने के पश्चात् उनसे अगरबत्ती निर्मित कराया जायेगा जिससे उनकी आय का मार्ग प्रशस्त होगा।

किसान जागरूकता

ग्रामीण क्षेत्रों में किसान भाइयों की आय बढ़ाने एवं उन्हें भी स्वरोजगार के प्रति जागरूक करने के दृष्टिकोण से कार्य किया जायेगा। जिसके अन्तर्गत जैसे पॉली हाउस अर्थात् सीमित क्षेत्र में अधिक उत्पादन कर अधिक आय अर्जन, कम ब्याज वाले किसान ऋणों जैसे किसान-क्रेडिट कार्ड से परिचित कराना, अपने स्वयं के लघु एवं कुटीर उद्योगों की स्थापना के लिए सरकारी योजनाओं से परिचित करा उन्हें लाभ लेने में मदद करना महाविद्यालय के भविष्य में महत्वपूर्ण कदम होंगे।

जैविक खेती को बढ़ावा

बाजार में जैविक उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए तथा किसानों की आय में बढ़ोत्तरी के उद्देश्य से कम लागत में उच्च गुणवत्तापूर्ण फसल प्राप्ति की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

सरकारी योजनाओं की पूर्ण जानकारी देना

ग्रामवासियों तक सभी सरकारी योजनाओं तथा विज्ञान की जानकारी पहुँचाना तथा पात्रों को योजना का लाभ पाने में हो रही कठिनाइयों का निवारण कर उन तक योजनाओं को पहुँचा कर ग्रामोत्थान में सहयोग कर वास्तव में उन्नत भारत बनाने में अपने सहयोग को सुनिश्चित करना। महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए सभी गाँवों को खुले में शौच मुक्त तथा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पहुँचाना। अन्ततः हम यह अवश्य कह सकते हैं कि यदि सामाजिक संगठन तथा उच्च शिक्षा संस्थाएँ अपने सम्पूर्ण मनोयोग से भारत के उत्थान में अपना योगदान सुनिश्चित कर लें तो कुछ भी असंभव नहीं है। महाविद्यालय सदैव इस पंक्ति का अनुसरण करता रहा है तथा करता रहेगा –

माना अगम अगाध सिंधु है, संघर्षों का पार नहीं है। किंतु डूबना मझधारों में, साहस को स्वीकार नहीं है॥
जटिल समस्या सुलझाने को, नूतन अनुसंधान न भूलें। निर्माणों के पावन युग में, हम चरित्र निर्माण न भूलें॥

मिशन शक्ति

नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन

शारदीय नवरात्र, 2020 – बासन्तिक नवरात्र, 2021

शान हो, सम्मान हो
अभिमान हो

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।
यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः।।

मिशन शक्ति

भारतीय संस्कृति अपने जिन प्रमुख विशेषताओं के कारण जानी जाती है, उनमें एक है नारी स्वातंत्र्य एवं स्वावलम्बन। वैदिक युग में नारी अपने स्वातंत्र्य, स्वावलम्बन एवं स्वाभिमान के उत्कर्ष पर थी। नारी और पुरुष में सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक इत्यादि क्षेत्रों में समानता के समान अवसर उपलब्ध थे। विकास के दीर्घकाल में अनेक सामाजिक उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय समाज में नारी को मातृशक्ति के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त रही है। भारतीय संस्कृति में नारी सदैव से ही सम्मानित एवं पूजित रही है। भारत की धार्मिक एवं आध्यात्मिक परंपरा में इस बात के प्रमाण आज भी उपलब्ध हैं। भारत की धार्मिक तथा आध्यात्मिक परंपरा में मातृ शक्ति को शस्त्रधारी शक्तिसम्पन्न ज्ञान की अधिष्ठात्री और काल पर भी विजय प्राप्त करने के रूप में पूजा जाता है किंतु वैदेशिक आक्रमणकारियों की कट्टरता, नारी को उपयोग की वस्तु समझने की पाशविक प्रवृत्ति के कारण आज नारी असुरक्षित हुई है। समाज में इस पाशविक प्रवृत्ति पर विजय पाने एवं नारी को मातृ शक्ति के रूप में प्रतिष्ठित करने का पावन अभियान उत्तर प्रदेश की सरकार ने शारदीय नवरात्र से प्रारंभ किया। नवरात्र पर्व को जन-जागरण का अभियान बनाने वाले इस पवित्र अभियान का महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़ भी सहभागी बना। 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत महाविद्यालय ने जिन कार्यक्रमों की शृंखला का आयोजन किया है उन कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण आप के समक्ष प्रस्तुत है।

पाँच दिवसीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण कार्यशाला

उद्घाटन समारोह– 19 से 23 अक्टूबर तक राष्ट्रीय सेवा योजना तथा रोवर्स रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत पाँच दिवसीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। 19 अक्टूबर को कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में गोरखपुर के क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्विनी कुमार मिश्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती साधना सिंह तथा संचालन रोवर्स रेंजर्स के प्रभारी श्री नवनीत सिंह ने किया। दूसरे सत्र में मार्शल आर्ट प्रशिक्षक सुश्री समृद्धि त्रिपाठी ने

कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में उद्बोधन देते डॉ. अश्विनी कुमार मिश्र

मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण लेतीं छात्राएँ

मिशन शक्ति

छात्राओं को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया।

कार्यशाला का दूसरा दिन- 20 अक्टूबर को कार्यशाला के दूसरे दिन महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने ''बालिकाओं की आत्मसुरक्षा'' विषय पर उद्‌बोधन दिया एवं कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह ने किया। दूसरे सत्र

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. वेंकटरमन पाण्डेय

छात्रा को प्रशिक्षण देते प्रशिक्षक

में मार्शल आर्ट प्रशिक्षक सुश्री समृद्धि त्रिपाठी ने छात्राओं को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया।

कार्यशाला का तीसरा दिन- 21 अक्टूबर को कार्यशाला के तीसरे दिन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने 'बालिका सुरक्षा अभियान' विषय पर उद्‌बोधन दिया एवं कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नीलम गुप्ता ने किया। दूसरे सत्र में मार्शल आर्ट प्रशिक्षक सुश्री समृद्धि त्रिपाठी ने छात्राओं को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया।

मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण लेतीं छात्राएँ

कार्यशाला का चौथा दिन- 22 अक्टूबर को कार्यशाला के चौथे दिन वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने ''महिला अधिकार एवं कानूनी हक'' विषय पर अपना उद्‌बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र सिंह ने किया। दूसरे सत्र में मार्शल आर्ट प्रशिक्षक सुश्री समृद्धि त्रिपाठी ने छात्राओं को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया।

मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण लेतीं छात्राएँ

मिशन शक्ति

समापन समारोह- 23 अक्टूबर को कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य डॉ. डी.एस. अजीथा ने 'महिला सुरक्षा सम्बन्धित विभिन्न एक्टों' विषय पर उद्‌बोधन दिया एवं कर्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया। आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती साधना सिंह ने किया।

कार्यशाला के समापन समारोह में उद्‌बोधन देतीं मुख्य अतिथि डॉ. डी.एस. अजीथा

कार्यशाला के समापन समारोह में मार्शल आर्ट कला का प्रदर्शन करती छात्रा

मिशन शक्ति योद्धा सम्मान कार्यक्रम

25 अक्टूबर को उ.प्र. के माननीय मुख्यमंत्री परमपूज्य श्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम ''मिशन शक्ति'' के तत्वावधान में गोरखपुर के सर्किट हाउस में ''मिशन शक्ति योद्धा'' सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह को उ. प्र. राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू चौधरी द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गोरखपुर के जिलाधिकारी श्री विजयेन्द्र पाण्डियन भी उपस्थित रहे।

श्रीमती शिप्रा सिंह को मिशन शक्ति योद्धा सम्मान से सम्मानित करतीं श्रीमती अंजू चौधरी

विश्व बालिका दिवस के अवसर पर कार्यशाला में सहभाग

23-24 जनवरी को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित कार्यशाला में महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष तथा एन.सी.सी. की सी.टी.ओ. श्रीमती कविता मंध्यान एवं राष्ट्रीय सेवा योजना

कार्यशाला में सहभाग करतीं महाविद्यालय की शिक्षिकाएँ

मिशन शक्ति

की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती साधना सिंह ने सहभाग किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में पोस्टर का अवलोकन करतीं डॉ. रीता मिश्रा

गृह विज्ञान विभाग में पोस्टर प्रतियोगिता

27 जनवरी को मिशन शक्ति के अंतर्गत गृहविज्ञान विभाग में ''सर्वाइकल कैंसर'' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह और गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निशा विश्वकर्मा (बी.ए. भाग-एक), द्वितीय स्थान सलोनी मिश्रा (बी.ए. भाग-तीन) और तृतीय स्थान अम्बिका सिंह (एम.ए. भाग-एक) ने प्राप्त किया।

गृह विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

28 जनवरी को मिशन शक्ति के अंतर्गत गृहविज्ञान विभाग में ''सर्वाइकल कैंसर'' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में प्रगति मैटर्निटी हॉस्पिटल की डॉ. रीता मिश्रा ने व्याख्यान दिया। अध्यक्षता बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया एवं संयोजन गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करती डॉ. रीता मिश्रा

गृह विज्ञान विभाग में मेहंदी प्रतियोगिता

8 फरवरी को मिशन शक्ति के अंतर्गत गृहविज्ञान विभाग में मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में गृह विज्ञान की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी, सुश्री शारदारानी और डॉ. सान्त्वना श्रीवास्तव सम्मिलित रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्वेता प्रजापति (बी.ए. भाग-तीन), द्वितीय स्थान अनिशा बानो (बी.ए. भाग-एक), तृतीय स्थान साबिया परवीन

मेंहदी प्रतियोगिता के आयोजन पर उपस्थित शिक्षिकाएँ

मिशन शक्ति

(बी.ए. भाग-एक) ने प्राप्त किया।

गृह विज्ञान विभाग में पाँच दिवसीय कार्यशाला

कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में पुष्प व्यवस्था अवलोकन करतीं प्राध्यापिकाएँ

उद्घाटन समारोह- 11-15 फरवरी तक मिशन शक्ति के अंतर्गत पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 11 फरवरी को गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं को पुष्प व्यवस्था का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता बी. एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने एवं संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सान्त्वना श्रीवास्तव ने किया।

कार्यशाला में बंधेज विधि द्वारा वस्त्रों की रंगाई का प्रदर्शन करतीं छात्राएँ

कार्यशाला में बंधेज विधि द्वारा वस्त्रों की रंगाई का प्रशिक्षण देतीं प्राध्यापिकाएँ

कार्यशाला का दूसरा दिन- 12 फरवरी को बंधेज विधि द्वारा वस्त्रों की रंगाई का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नेहा कौशिक ने किया।

कार्यशाला में ग्लास पेंटिंग का प्रदर्शन करतीं छात्राएँ

कार्यशाला का तीसरा दिन- 13 फरवरी को प्रशिक्षक के रूप में चानमती एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के प्रशिक्षक श्री अनिल कुमार ने ग्लास पेंटिंग का प्रशिक्षण दिया। अध्यक्षता बी.एड्. विभाग की प्रभारी

मिशन शक्ति

श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री स्मिता दूबे ने किया।

कार्यशाला का चौथा दिन– 14 फरवरी को प्रशिक्षक के रूप में चानमती एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के प्रशिक्षक श्री अनिल कुमार ने मसाई आर्ट्स का प्रशिक्षण दिया। अध्यक्षता बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रितिका त्रिपाठी ने किया।

कार्यशाला में मसाई आर्ट्स का प्रशिक्षण प्राप्त करतीं छात्राएँ

समापन समारोह– 15 फरवरी को कार्यशाला के समापन समारोह में गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं ने परंपरागत वस्त्रों द्वारा विभिन्न प्रांतों की संस्कृति का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि के रूप में वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य सुश्री अंकिता विसेन एवं विशिष्ट अतिथि वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य सुश्री स्वेता रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह तथा संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदारानी ने किया। कार्यशाला की संयोजक गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री स्मिता दूबे ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

विभिन्न क्षेत्रों की परम्परागत वस्त्रों का प्रदर्शन करतीं छात्राएँ

गृह विज्ञान विभाग में पाक कला प्रतियोगिता

16 फरवरी को मिशन शक्ति के अंतर्गत गृह विज्ञान विभाग में पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक के रूप में श्रीमती पार्वती राव एवं बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया। प्रतियोगिता में

पाककला प्रतियोगिता का उद्घाटन करतीं मुख्य अतिथि श्रीमती पार्वती राव

मिशन शक्ति

प्रथम स्थान प्रतिभा पाटिल ग्रुप और द्वितीय स्थान सुधा चन्द्रन ग्रुप ने प्राप्त किया।

पाककला प्रतियोगिता में स्टॉल का अवलोकन करतीं मुख्य अतिथि

पाककला प्रतियोगिता में स्टॉल का अवलोकन करते शिक्षक

बी.एड. विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

06 मार्च को बी.एड. विभाग द्वारा मिशन शक्ति के अन्तर्गत 'नारी सशक्तीकरण' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि उ.प्र. राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू चौधरी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड. विभाग की प्रवक्ता सुश्री दीप्ति गुप्ता तथा आभार ज्ञापन श्रीमती (डॉ.) अनुभा श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर बी.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के 82 विद्यार्थी व विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करतीं श्रीमती अंजू चौधरी

नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम

06 मार्च को बी.एड. विभाग द्वारा मिशन शक्ति के अन्तर्गत नारी सशक्तीकरण विषय पर विभाग द्वारा गोद लिए गये ग्राम मंझरिया मे नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कन्या भ्रूण हत्या, बेटी के आस्तित्व की

नुक्कड़ नाटक को प्रस्तुत करते छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकाएँ

मिशन शक्ति

रक्षा, महिलाओं की नेतृत्व क्षमता आदि विषय पर ग्रामवासियों को जागरूक किया गया।

बालिका सुरक्षा शपथ लेते महाविद्यालय के शिक्षक

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

08 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मिशन शक्ति योजना के अन्तर्गत प्रार्थना सभा में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर श्रीमती शिप्रा सिंह के द्वारा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अलग-अलग 'बालिका सुरक्षा' शपथ दिलाई गई।

रंगोली प्रतियोगिता में रंगोली बनाती छात्राएँ

गृह विज्ञान विभाग में रंगोली प्रतियोगिता

08 मार्च को गृह विज्ञान विभाग द्वारा मिशन शक्ति के अन्तर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 25 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रानी (बी.ए. भाग-दो), द्वितीय स्थान रूबी भारती (बी.ए. भाग-दो) तथा तृतीय स्थान सुमन गुप्ता (बी.ए. भाग-दो) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नेहा कौशिक ने किया। निर्णायक के रूप में डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव, सुश्री स्मिता दूबे, सुश्री रीतिका त्रिपाठी तथा सुश्री शारदा रानी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गृह विज्ञान विभाग में निबन्ध प्रतियोगिता

08 मार्च को गृह विज्ञान विभाग द्वारा मिशन शक्ति के अन्तर्गत 'वर्तमान परिवेश में महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता एवं सशक्तिकरण' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 25 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कृति गौड़ (बी.ए. भाग-दो), द्वितीय स्थान निशा कुमारी (बी.ए. भाग-दो) तथा तृतीय स्थान सलिमुनिशा (बी.ए. भाग-एक) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नेहा कौशिक ने किया। निर्णायक के रूप में डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव, सुश्री स्मिता दूबे, सुश्री रीतिका त्रिपाठी तथा सुश्री शारदा रानी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मिशन शक्ति

महिला साक्षरता अभियान

बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए हुए गाँव मंझरिया में 17 फरवरी से मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला साक्षरता कार्यक्रम अनवरत रूप से जारी है। यहाँ गाँव की 18 महिलाएँ पढ़ती हैं। इस केंद्र को रानी लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र के नाम से जाना जाता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को घर-घर जाकर जागरूक किया गया एवं महिलाओं के सम्मान देने पर जोर दिया गया। महिलाओं को हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी भी दी गयी है। इस शिक्षण केन्द्र पर पढ़ाने वाले अध्यापक हैं -

बी.एड्. भाग-दो - दीपक प्रजापति

बी.एड्. भाग-दो - हर्षा गुप्ता

बी.एड्. भाग-दो - पूजा सिंह

सहयोगी छात्राध्यापक- बी.एड्. भाग-दो - श्वेता मल्ल, आदित्य कुमार वर्मा

मंझरिया गाँव में नौनिहालों को पुरस्कृत करते छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकाएँ

मंझरिया गाँव में नौनिहालों को पाठ सिखाते छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकाएँ

राष्ट्रीय मानस में राष्ट्रवाद की प्रेरणा का संचार करने वाली

चौरी चौरा घटना के शताब्दी वर्ष

04 फरवरी 2021 से 04 फरवरी 2022 तक

के अन्तर्गत आयोजित

प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग तथा इतिहास विभाग

द्वारा आयोजित कार्यक्रम

04 फरवरी 2021 से अद्यतन

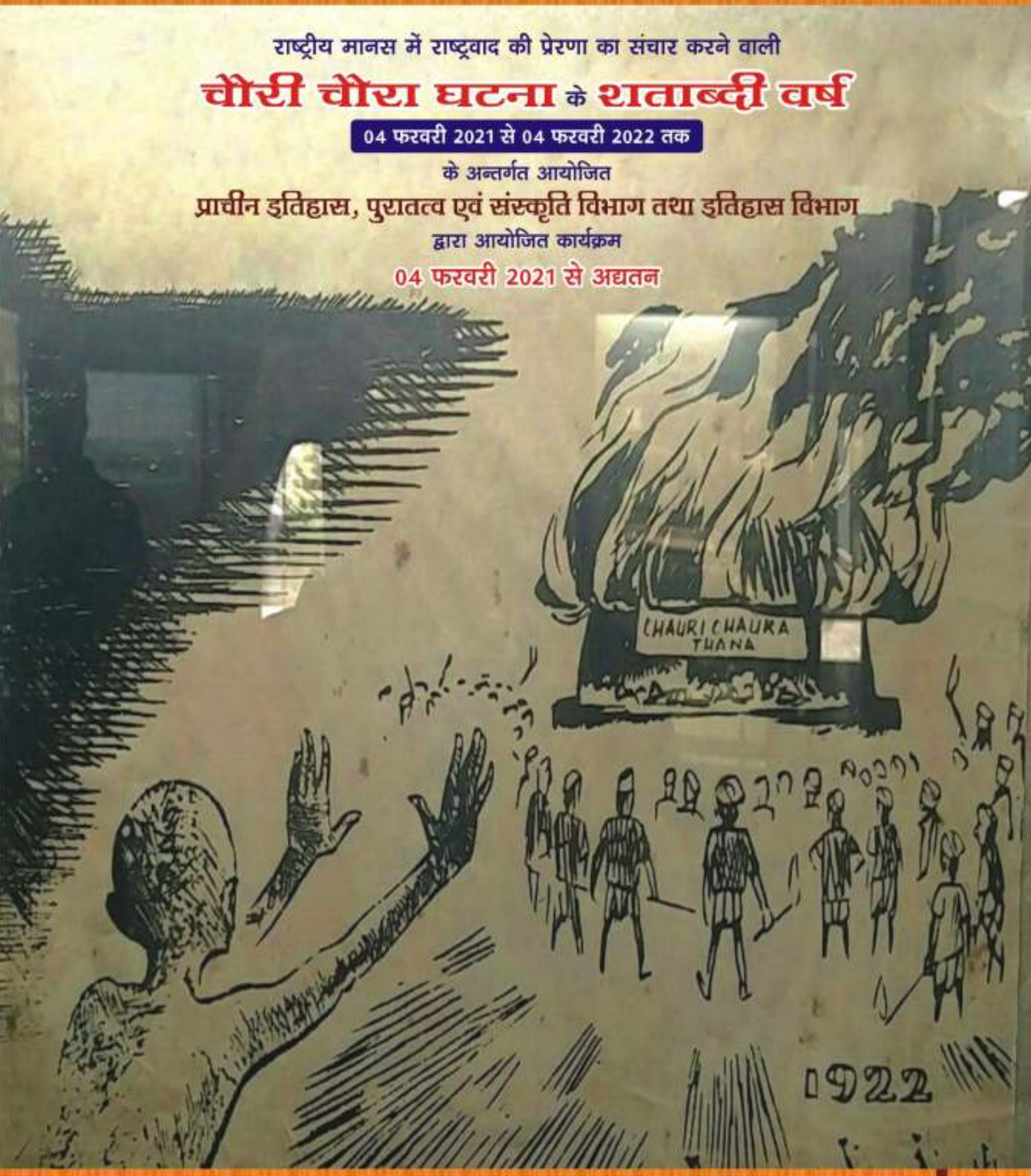

चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष

चौरी चौरा की घटना राष्ट्रीय फलक को प्रभावित करने वाली एक गौरवपूर्ण घटना थी। इस घटना ने राष्ट्रीय स्तर पर लोगों को भीतर से झकझोरा। वस्तुतः देखा जाए तो यह घटना मूलरूप से मदिरा और माँस के खुलेआम बिक्री का शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन मात्र था, किन्तु अंग्रेजों ने इस शांतिपूर्ण कार्यवाही के विरोध में बर्बरता का प्रदर्शन किया। चौरी चौरा के थाने के समक्ष प्रदर्शन का रहे निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर पहले अंग्रेजों ने लाठीचार्ज किया फिर अंधाधुंध फायरिंग प्रारम्भ कर दी, जिससे अनेक निर्दोष लोग मौके पर ही शहीद हो गए। परिणामस्वरूप प्रदर्शनकारियों का शांतिपूर्ण आन्दोलन उग्र हो गया। उग्र हुई भीड़ ने पहले तो चौरी चौरा थाने पर पथराव किया, तदुपरान्त उग्र भीड़ ने थाने को घेरकर उसमें आग लगा दी। वाचिक परम्परा की मानें तो भीड़ का उद्देश्य न तो थाने को फूँकना था और न ही सुनियोजित हिंसा का प्रदर्शन करना ही था। भीड़ तो मात्र महात्मा गाँधी के असहयोग आन्दोलन का ही अनुसरण कर रही थी। इसी घटना के बाद गाँधी जी ने असहयोग आन्दोलन वापस ले लिया। अंग्रेजों ने प्रदर्शनकारियों की धर-पकड़ प्रारम्भ की। 172 लोगों को अंग्रेजों ने घटना का आरोपी बनाया और उन्हें फाँसी की सजा मुकर्रर की, किन्तु मालवीय जी के अथक प्रयासों के चलते सिर्फ 19 लोग ही फाँसी के तख्ते पर चढ़े, शेष उनकी कुशल कानूनी कार्य-कौशल से बच गए। फाँसी के तख्ते पर चढ़े वे 19 शहीद आज हमारे लिए नज़ीर से कम नहीं हैं। यह वर्ष चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 04 फरवरी 2021 से लेकर 04 फरवरी 2022 तक के कालखण्ड को चौरी चौरा शताब्दी वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग तथा इतिहास विभाग ने 04 फरवरी 2021 से आगामी 04 फरवरी 2022 तक अपने-अपने विभाग में आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रमों को चौरी चौरा शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत मनाने का फैसला कर देश के लिए अपना सर्वस्व लुटाने वाले अमर शहीदों के चरणों में अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने का प्रण लिया है। इस प्रण की कुछ झलकियाँ आप सभी के समझ द्रष्टव्य है-

इतिहास विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

05 फरवरी को इतिहास विभाग द्वारा चौरी चौरा क्रांति के शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत 'चौरी-चौरा एक जनक्रान्ति' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसके मुख्य वक्ता भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के सीनियर एकेडमिक फेलो डॉ. अजय कुमार सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह तथा संचालन श्री जितेन्द्र कुमार ने किया।

चौरी चौरा क्रान्ति विषय पर विचार व्यक्त करते डॉ. अजय कुमार सिंह

चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष

विशिष्ट व्याख्यान

मुख्य वक्ता को स्मृति स्वरूप महाविद्यालय के प्रकाशन भेंट करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

13 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन चौरी चौरा क्रांति के शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत बौद्धिक सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष प्रो. राजवंत राव ने 'पूर्वी उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी तथा संचालन स्वयंसेविका सुश्री निशा मौर्या ने किया।

उद्बोधन देते प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी

विशिष्ट व्याख्यान

15 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन चौरी चौरा क्रांति के शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत बौद्धिक सत्र में 'चौरी-चौरा का ऐतिहासिक यथार्थ' विषय पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह तथा संचालन स्वयंसेवक श्री अमित दूबे ने किया।

इतिहास विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रतियोगिता में अपना विचार प्रस्तुत करता प्रतिभागी

24 फरवरी को इतिहास विभाग द्वारा चौरी चौरा क्रांति के शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम, द्वितीय एव तृतीय वर्ष के कुल 15 प्रतिभागियों ने विभिन्न शीर्षकों यथा सल्तनत काल, गुलाम वंश की स्थापना, महाराणा

चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष

प्रताप की शौर्य गाथा, शिवाजी की छापामार युद्धनीति, ब्रिटिश काल के अन्तर्गत भारत की आर्थिक दशा, हिन्दू पद पादशाही, मुगलवंश की धार्मिक नीति, ईस्ट इण्डिया कम्पनी की आर्थिक नीति, मध्कालीन भारत में शिक्षा का स्वरूप, मध्यकालीन कला स्थापत्य की कुछ झलकियाँ, असहयोग आन्दोलन, चौरी चौरा की घटना, सत्याग्रह आन्दोलन, भारत को स्वतंत्र कराने में क्रांतिकारियों का योगदान, काकोरी घटना का राष्ट्रीय प्रभाव, आजाद हिन्द फौज एवं नेताजी, द्वितीय विश्वयुद्ध का वैश्विक प्रभाव, सल्तनत कालीन कृषि, चौरी चौरा घटना का ऐतिहासिक परिदृश्य आदि विषयों पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अभिषेक यादव (बी.ए. भाग-एक), द्वितीय स्थान अंजली राय (बी.ए. भाग-तीन), तृतीय स्थान दुर्गेश पाल (बी.ए. भाग-दो) तथा सांत्वना पुरस्कार संयुक्त रूप से श्याम यादव (बी.ए. भाग-एक), राहुल यादव (बी.ए. भाग-एक) एवं अनूप पाण्डेय (बी.ए. भाग-एक) को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह तथा इतिहास विभाग के सहायक आचार्य श्री जितेन्द्र प्रजापति ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

01 मार्च को प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा चौरी चौरा क्रांति के शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों के द्वारा अशोक का धम्म, वर्ण व्यवस्था, हिन्दू विवाह प्रकार, आश्रम व्यवस्था के मनोनैतिक आधार, हर्षवर्धन की उपलब्धियाँ, प्राचीन भारत में नारी की स्थिति, कराधान के सिद्धान्त, श्रेणी संगठन, प्राचीन

व्याख्यान प्रतियोगिता में अपना विचार प्रस्तुत करता प्रतिभागी

व्याख्यान प्रतियोगिता में अपना विचार प्रस्तुत करती प्रतिभागी

चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष

व्याख्यान प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी प्रमाण पत्रों के साथ

भारत में संस्कार, प्राचीन भारत में पुरूषार्थ, राजपूत राजवंशों की उत्पत्ति, पृथ्वी पर मानव सभ्यता का विकास, उत्तर वैदिक कालीन समाज की दशा, परिवार तथा दास प्रथा जैसे विभिन्न विषयों पर प्रस्तुति दी गयी। प्रतियोगिता में स्नातक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के कुल 21 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें विकास चौधरी (बी.ए भाग-दो) ने प्रथम, अभिषेक सिंह (बी.ए भाग-दो) ने द्वितीय तथा बी.ए भाग-दो के कमलेश साहनी एवं प्रभाकर पाण्डेय ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक के रूप में शिक्षाशास्त्र विभाग की प्रभारी श्रीमती पुष्पा निषाद एवं मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने सक्रिय योगदान दिया। कार्यक्रम का संयोजन प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

02 मार्च को प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा चौरी चौरा क्रांति के शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत ''भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में ऐतिहासिक सांस्कृतिक विकास'' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि मानव संस्कृतियों का विकास क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों पर ही निर्भर करता है। क्षेत्र विशेष की भौगोलिक संरचना एवं जलवायु के आधार पर ही समाज की सांस्कृतिक परम्पराएं विकसित होती है। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

चौरी चौरा घटना का शताब्दी वर्ष

प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

मुख्य वक्ता डॉ. रामप्यारे मिश्र को स्मृति चिह्न भेंट करतीं सुश्री दीप्ति गुप्ता

प्राचीन भारत में शिक्षा एवं दीक्षा विषय पर उद्बोधन देते डॉ. रामप्यारे मिश्र

03 मार्च को प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति तथा शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा चौरी चौरा क्रांति के शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत ''प्राचीन भारत में शिक्षा एवं दीक्षा'' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के आचार्य डॉ. रामप्यारे मिश्र ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस दौरान उन्होंने प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था के विषय में विस्तार पूर्वक विद्यार्थियों को बताया। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारतीय शिक्षा का उद्देश्य- सा विद्या या विमुक्तये था जो वर्तमान समय के भौतिकतावादी परिवेश में परिवर्तित होकर सा विद्या या नियुक्तये हो गया है। गुरुकुल शिक्षा पद्धति भारत की श्रेष्ठतम् शिक्षा पद्धति थी जो बालक का सर्वांगीण विकास करने में सर्वतोभावने समर्थ थी। प्राचीन भारतीय शिक्षा बालक के आन्तरिक शक्तियों का पूर्ण विकास कर उसे सामाजिक जीवन के सर्वथा योग्य बनाती थी। शिक्षा के उपरान्त दीक्षा संस्कार का आयोजन कर बालक को उसके आगे आने वाले सामाजिक जीवन के प्रति सचेष्ट किया जाता था। तदुपरान्त दीक्षित हुआ वह बालक गृहस्थ आश्रम में प्रवेश अपने नैसर्गिक सामाजिक दायित्वों का सम्पादन करता था। इससे पूर्व मुख्य वक्ता डॉ. राम प्यारे मिश्र द्वारा प्राचीन इतिहास विभाग के विद्यार्थियों द्वारा बनायी गयी विभिन्न राजवंशों के वंशावली चार्टों एवं मुद्रा प्रदर्शन बोर्ड का निरीक्षण कर विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया। शिक्षाशास्त्र विभाग की प्रभारी श्रीमती पुष्पा निषाद ने अतिथि आभार ज्ञापित किया।

महान स्वतंत्रता सेनानी

और भारत माता के सच्चे सपूत

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

की 125वीं जयन्ती वर्ष

(23 जनवरी 2021 से 23 जनवरी 2022 तक)

के अन्तर्गत

बी.एड्. विभाग

द्वारा आयोजित कार्यक्रम

23 जनवरी 2021 से अद्यतन

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नता थे। उनका जन्म 23 जनवरी 1897 को कटक (उड़ीसा) में हुआ था। वे एक भारतीय राष्ट्रवादी थे जिनकी देशभक्ति भारतीयों के दिलों में आज भी जिंदा है। नेताजी को 'आजाद हिंद फौज' के संस्थापक के रूप में तथा भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कई योगदान के लिए जाना जाता है। यह वर्ष नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जन्म का 125वाँ वर्ष है। उनके जीवन के प्रेरणास्पद बिन्दुओं को युवाओं तक पहुँचाने के उद्देश्य से बी.एड्. विभाग ने सुभाष चन्द्र बोस के 125वें जयन्ती वर्ष में विविध आयोजन करने की योजना बनाई है। अत: 23 जनवरी 2021 से 23 जनवरी 2022 तक निर्धारित आयोजन की श्रृंखला के अब तक सम्पन्न कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत है :

उद्घाटन कार्यक्रम

23 जनवरी को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयन्ती वर्ष के उद्घाटन के कार्यक्रम में 'पराक्रम दिवस' के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के निदेशक मेजर जनरल अतुल वाजपेयी जी ने उद्बोधन दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकत्री श्रीमती शीलम वाजपेयी जी की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। कार्यक्रम का संयोजन सांस्कृतिक विभाग की प्रभारी सुश्री दीप्ति गुप्ता एवं संचालन राजनीतिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने किया।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते मे.ज. (रि.) अतुल वाजपेयी

अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत करते डॉ. प्रदीप कुमार राव

वाद-विवाद प्रतियोगिता

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग द्वारा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयन्ती वर्ष के अंतर्गत वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय 'क्या प्रतिस्पर्द्धा का बढ़ता स्तर युवाओं के हित में है?'' रहा। बी. एड्. प्रथम वर्ष तथा अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों ने इस वाद-विवाद प्रतियोगिता में सहभाग किया।

बी.एड्. विभाग द्वारा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयन्ती वर्ष के अवसर पर वर्ष भर विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाऐंगे।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

आगामी कार्यक्रम

समावर्तन संस्कार समारोह 2021

17 मार्च को महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का समावर्तन संस्कार समारोह सम्पन्न होगा।

चौथा एकदिवसीय शिविर

20 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना का चौथा एकदिवसीय शिविर कार्यक्रम प्रस्तावित है।

चौरी चौरा शहीद स्थल भ्रमण

चौरी चौरा के घटना के शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत 7 अप्रैल को प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं सांस्कृतिक विभाग तथा इतिहास विभाग के चयनित विद्यार्थियों के साथ शहीद स्थल का भ्रमण का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

एकदिवसीय संगोष्ठी

12 अप्रैल को महाविद्यालय के आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा शिक्षण तकनीक विषयक एकदिवसीय संगोष्ठी प्रस्तावित है।

दो दिवसीय कार्यशाला

17–18 अप्रैल को महाविद्यालय के मीडिया एवं जन सम्पर्क विभाग द्वारा शिक्षकों हेतु समाचार लेखन विषयक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा।

पाँच दिवसीय कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यशाला

20–24 अप्रैल तक महाविद्यालय के तृतीय श्रेणी कर्मचारियों हेतु पाँच दिवसीय कम्प्यूटर अनुप्रयोग कार्यशाला का आयोजन प्रस्तावित है।

पाँच दिवसीय शिक्षक कार्यशाला

26–30 अप्रैल तक महाविद्यालय के शिक्षकों के शैक्षिक उन्नयन एवं तकनीक कौशल विकास हेतु हेतु पाँच दिवसीय कम्प्यूटर अनुप्रयोग कार्यशाला का आयोजन प्रस्तावित है।

समीक्षा बैठक

2 मई को महाविद्यालय में सत्र 2020–21 में सम्पन्न समस्त शैक्षणिक एवं गैरशैक्षणिक क्रिया कलापों की समीक्षा हेतु समीक्षा बैठक आयोजित होगी जिसमें प्राचार्य सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक गतिविधियों की समीक्षा हेतु उपस्थित रहेंगे।

साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला

15 से 21 जून, 2021 तक 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर गुरु श्रीगोरक्षनाथ मन्दिर में साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला के आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य-शिक्षक सहभागी होंगे।

विशिष्ट आयाम

प्रार्थना सभा

प्रार्थना सभा

महाविद्यालय में दिनचर्या का प्रारम्भ राष्ट्र वन्दना और ईश वन्दना के साथ सम्पन्न होता है। एक अगस्त से प्रार्थना सभा का प्रारम्भ किया जाता है। प्रत्येक कार्यदिवस को प्रात: 9:20 बजे से क्रमश: राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं प्रार्थना के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होती है। तिथि विशेष पर यदि किसी महापुरुष/घटना की जयन्ती/ पुण्यतिथि/स्मृति दिवस होती है तो, उस महापुरुष/घटना के सन्दर्भ में उद्‌बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमद्‌भागवत्‌गीता का हिन्दी तथा अंग्रेजी अनुवाद सहित चुने हुए श्लोकों का वाचन होता है। प्रार्थना सभा में विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी एवं प्राचार्य सम्मिलित रहते हैं।

स्वैच्छिक श्रमदान

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम

महाविद्यालय के स्थापना काल से ही प्रत्येक सप्ताह शनिवार को महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं, कर्मचारी, प्राध्यापक एवं प्राचार्य द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। शनिवार को अंतिम चार कक्षाएं 40 मिनट की चलाई जाती है तथा 12.10 से 1.10 बजे तक स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन

सप्ताह में एक दिन प्राध्यापक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षायें पढ़ायी जाती है। पूर्व निर्धारित विषय पर प्रत्येक विषय में लगभग दस छात्र-छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है। कक्षाध्यापन में विशेष तौर पर वह विषय दिये जाते हैं जो परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होते हैं।

मासिक मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने-अपने प्रश्नपत्र में छात्र-छात्राओं का लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है।

प्रगति आख्या

कक्षावार प्रत्येक विद्यार्थी से सम्बन्धित समस्त शैक्षिक सूचना हेतु प्रगति आख्या प्रपत्र

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर बेवसाइट के माध्यम से एवं लिखित रूप में प्रस्तुत

किया जाता है। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन तथा आचरण व्यवहार के अंक का उल्लेख होता है।

विद्यार्थियों को गोद लेना

प्रत्येक शिक्षक पाँच विद्यार्थियों को गोद लेकर उनके शैक्षिक उन्नयन के साथ-साथ व्यक्तित्त्व विकास हेतु अलग से प्रयास करता है। गोद लिये विद्यार्थियों का पठन/पाठन एवं अन्य समस्याओं का समाधान करते हुए शिक्षक उनकी जिम्मेदारी लेते हैं।

प्रोजेक्टर युक्त कक्षायें

पठन-पाठन में अत्याधुनिक तकनीकों के प्रयोग के साथ प्रोजेक्टर का कक्षाध्यापन में प्रयोग किया जाता है। शिक्षक अपने व्याख्यान में अधिक से अधिक पावर प्वाइंट तकनीक का उपयोग करने लगा है। बी.एड्. सहित कुछ विषयों की कक्षाओं में शत-प्रतिशत प्रोजेक्टर का प्रयोग किया जाता है।

पीपीटी के माध्यम से कक्षाध्यापन

कक्षाओं में सारांश

महाविद्यालय में प्रत्येक दिवस पढ़ाये जाने वाले प्रत्येक प्रश्न पत्र की कक्षाओं में सम्बन्धित पाठ्यक्रम का एक पृष्ठ के लिखित सारांश की छायाप्रति वितरित किया जाता है। सारांश में उस कक्षा में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विषय का सार विभिन्न सन्दर्भ ग्रन्थों की सहायता से निर्मित किया जाता है।

प्रशासन में छात्र सहभाग

महाविद्यालय की विविध समितियों जैसे नियन्ता मण्डल, प्रवेश समिति, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, छात्रा समिति आदि में छात्रसंघ के प्रतिनिधि अथवा पदाधिकारी सदस्य होते हैं। प्रयत्न किया जाता है कि महाविद्यालय के प्रशासन एवं संचालन में विद्यार्थियों का प्रत्यक्ष सहभाग हो। उनके व्यक्तित्व में निर्णय लेने की क्षमता का निरंतर विकास हो। छात्रसंघ अपने बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा सारांश की छायाप्रति, वाटर प्यूरीफायर, प्रोजेक्टर आदि पर व्यय करता है।

छात्रसंघ की साधारण सभा

प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस पर छात्रसंघ की साधारण सभा आयोजित की जाती है। साधारण सभा में सभी विद्यार्थी, शिक्षक-कर्मचारी, प्राचार्य उपस्थित रहते हैं। विद्यार्थी अपनी समस्यायें रखता है,

छात्रसंघ की साधारण सभा

प्राचार्य को समाधान देना होता है। तत्पश्चात विद्यार्थी कोई तीन करणीय संकल्प लेता है। अंत में वर्तमान के किसी भी प्रमुख मुद्दे पर परिचर्चा होती है। इस दिन कक्षाएं 40 मिनट की चलती हैं।

काउंसलिंग सेल

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग सेल की व्यवस्था है, जिसमें विद्यार्थियों को व्यावसायिक, सामाजिक तथा मानसिक स्तर पर होने वाली समस्याओं का समाधान परामर्शदाता के द्वारा किया जाता है। काउंसलिंग सेल के माध्यम से महाविद्यालय के अधिकाधिक संख्या में विद्यार्थी लाभान्वित होते हैं।

विमर्श एवं मानविकी का प्रकाशन

महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान माला के व्याख्यानों एवं विभिन्न विषयों के शोध पत्रों का प्रकाशन 'विमर्श' में किया जाता है। महाविद्यालय द्वारा अर्धवार्षिक शोधपत्रिका मानविकी का भी प्रकाशन होता है। दोनो शोध पत्रिकाएं ISSN युक्त हैं।

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षायें

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर जुलाई माह में प्रकाशित कर दी जाती है। कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। पाठ्यक्रम योजना की मासिक समीक्षा प्राचार्य-शिक्षक की बैठक में की जाती है।

दीवार पत्रिका

महाविद्यालय में छात्र संघ द्वारा गठित संपादक मण्डल द्वारा दीवार पत्रिका का प्रतिमाह प्रकाशन होता है। हस्तलिखित लेख, कविता, व्यंग्य, चित्र आदि का सम्पादन कर उसे प्रत्येक माह के पहले कार्य दिवस पर दीवार पत्रिका पर लगा दिया जाता है। पत्रिका में कोई भी विद्यार्थी शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक अथवा अन्य विषयों पर अपना लेख छात्र संघ को दीवार पत्रिका हेतु दे सकता है।

छात्र संघ पत्रिका चेतक

दीवार पत्रिका के संकलित प्रस्तुतियों का 'चेतक' पत्रिका का प्रतिवर्ष छात्र संघ द्वारा प्रकाशन किया जाता है।

वार्षिक पत्रिका 'विमर्श'

अर्द्धवार्षिक पत्रिका 'मानविकी'

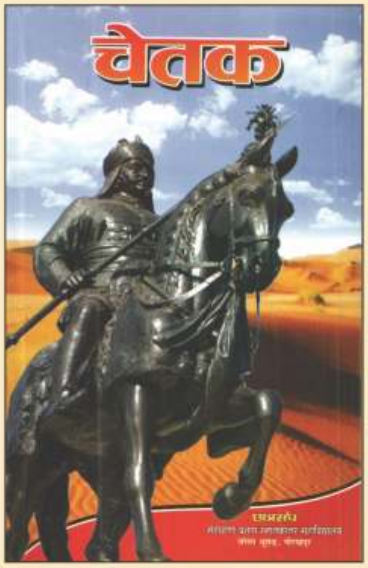

छात्रसंघ पत्रिका 'चेतक'

अन्य प्रकाशन

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ द्वारा संगोष्ठी/व्याख्यानमाला/कार्यशाला का कार्यवृत्त/शोध पत्रों का प्रकाशन किया जाता रहा है। छात्रोपयोगी पाठ्य पुस्तक का प्रकाशन भी प्रारम्भ किया जा चुका है। महाविद्यालय के अब तक के प्रमुख प्रकाशन उल्लेखनीय है – ग्रामीण भारत का भविष्य 2006; उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ 2008; समावर्तन 2008 से अद्यतन (2019); उच्च शिक्षा की स्थिति स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के संदर्भ में 2010; आर्दश शिक्षक आचरण एवं व्यवहार 2011; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : एक विमर्श एवं शोध प्रविधि 2012; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : भाषा एवं एवं शोध प्रविधि 2013; वर्तमान शिक्षण प्रविधि एवं अनुभव आधारित सुधार 2014; नाथ पन्थ एवं भक्ति आन्दोलन 2015; भारतीय राष्ट्रीयता एवं संत परम्परा 2017; क्वालिटी मैनेजमेन्ट इन हायर एजूकेशन इन्स्टीट्यूशन 2017, इन्स्टीट्यूशनल स्वच्छता रैंकिंग रिपोर्ट 2017; लोकभाषा संवर्द्धन में नाथपंथ का योगदान 2019; विज्ञान में नवीन प्रवृत्तियाँ 2019; भारतीय संस्कृति का विश्व में प्रसार 2020 (प्रेस में) पाठ्यपुस्तकों में थियरी ऑफ सैम्पलिंग 2017; न्यूमेरिकल एनालिसिस 2017; डेमोग्राफिक मेथड 2017; फाइनाइट डिफरेन्सेज एण्ड इण्टरपोलेशन 2017 एन इन्ट्रोडक्शन टू जिम्नोस्पर्म्स एण्ड पैलियोबॉटनी 2019।

नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से संचालित है। प्रत्येक बुधवार एवं बृहस्पतिवार को चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा अपने स्टाफ के साथ स्वास्थ्य केन्द्र पर जंगल धूसड़ के आस-पास के गाँवों के मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं नि:शुल्क दवा वितरण किया जाता है। गम्भीर मरीजों को गोरखनाथ चिकित्सालय में चिकित्सा कराने की सुविधा प्रदान की जाती है। उक्त तिथियों में नि:शुल्क एम्बुलेन्स की भी सुविधा उपलब्ध रहती है। उपचार केन्द्र के स्थापना वर्ष (2015) से अभी तक दस हजार से अधिक रोगियों की चिकित्सा की जा चुकी है।

ऑनलाइन पुस्तकालय

महाविद्यालय में पुस्तकालय इण्टरनेट पर उपलब्ध है। पुस्तकालय के डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया प्रारम्भ है। विश्विवविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विकसित Soul साफ्टवेयर पर पुस्तकालय की पुस्तकें दर्ज हैं। पुस्तकालय द्वारा N-List लाइब्रेरी की सदस्यता प्राप्त की गयी है जिसके माध्यम से ई-बुक्स, ई-जनरल्स की एक लाख पच्चीस हजार से अधिक पुस्तकें पढ़ने तथा दुनिया की लगभग 100 से अधिक पुस्तकालयों के उपयोग का अवसर विद्यार्थी-शिक्षकों को प्राप्त है।

विभाग द्वारा गाँव गोद लेना

महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग को आस-पास के किसी न किसी गाँव को गोद लेकर उसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और जन चेतना जागृत करने के लिए वर्ष में 4 बार (अगस्त माह के प्रथम रविवार, बाल्मीकि जयन्ती, फरवरी माह के प्रथम रविवार एवं परीक्षा समाप्ति के बाद के प्रथम रविवार को) सभी विभाग अपने विद्यार्थियों के साथ गोद लिए गाँव में रहते हैं।

गोद लिए गाँव में महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक

नि:शुल्क प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में चार नि:शुल्क प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम विद्यार्थियो, ग्रामीण बच्चों एवं महिलाओं में अतिरिक्त कौशल एवं जीवन दृष्टि उत्पन्न करने के उद्देश्य से चलाए जाते हैं। ये पाठ्यक्रम स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रदान करने तथा विद्यार्थियों में मानव जीवन-मूल्यों के प्रति भारत की महान सांस्कृतिक परम्परा, महापुरुषों कीशृंखला से प्रेरणा ग्रहण कर स्वयं के जीवन-मूल्य विकसित करने के उद्देश्य से संचालित है।

1. योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय द्वारा संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग केन्द्र गरीब ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग का छ: माह का प्रशिक्षण देकर उन्हें इस योग्य बनाता है कि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकें। प्रतिवर्ष श्रेष्ठतम प्रशिक्षार्थी को एक सिलाई मशीन पुरस्कार स्वरूप दिया जाता है।

नि:शुल्क सिलाई कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रशिक्षण केन्द्र

2. राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र

कम्प्यूटर प्रशिक्षण के अन्तर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं निकटस्थ गाँवों के इच्छुक छात्र/छात्राओं को नि:शुल्क छ: माह का कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान समय में प्रत्येक कार्यालय, प्रकाशन, कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता को देखते हुए यह प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे कि विद्यार्थी विशेषकर छात्राएँ कम्प्यूटर की दक्षता प्राप्त कर योग्यतानुसार स्थानीय बाजार में रोजगार प्राप्त कर सकें।

3. हमारे पूर्वज प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

हमारे महापुरुष प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में सम्मिलित महापुरुषों के जीवन के प्रेरणाप्रद प्रसंगों को विद्यार्थियों के समक्ष रख कर, उनके बारे में अध्ययन एवं वर्तमान की समस्याओं पर उनकी भूमिका पर चिंतन के अवसर प्रदान किए जाते हैं। यह पाठ्यक्रम योग्य नागरिक गुणों का विकास करने में भी सक्षम हुआ है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। बी.एड्. द्वितीय वर्ष में यह पाठ्यक्रम अनिवार्य है।

4. जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में मानव जीवन के शाश्वत मूल्यों पर चर्चा-परिचर्चा, चिंतन, लेखन आदि के आधार पर समाज और राष्ट्र के लिए जीवन-मूल्य सृजन करने का प्रयत्न किया जाता है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। बी.एड्. प्रथम वर्ष यह पाठ्यक्रम अनिवार्य है।

स्व मूल्यांकन प्रपत्र

शिक्षक के मासिक दायित्व के उल्लेख हेतु स्वमूल्यांकन प्रपत्र

स्व मूल्यांकन प्रपत्र द्वारा अगले महीने के द्वितीय कार्यदिवस तक उस माह में अपने कार्यों एवं सम्पूर्ण दायित्वों का विवरण यथा- पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, विद्यार्थियों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान, निर्धारित दायित्वों का निर्वहन, स्व-प्रेरणा से किये गये कार्य इत्यादि का उल्लेख निर्धारित प्रपत्र पर शिक्षक द्वारा प्राचार्य को उपलब्ध कराना होता है। शिक्षक द्वारा दिये गए आख्या की प्राचार्य द्वारा समीक्षा कर आवश्यकतानुसार शिक्षकों से त्वरित संवाद स्थापित कर शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता बनाए रखने के प्रति उन्हें सावधान किया जाता है।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों में उत्तरोत्तर सुधार हेतु भरा जाने वाला शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

निर्धारित प्रारूप-'शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र' के माध्यम से वर्ष में दो बार (सितम्बर-जनवरी) विद्यार्थियों से पठन-पाठन के सन्दर्भ में फीड-बैक लिया जाता है। प्राचार्य द्वारा इसकी समीक्षा कर प्रत्येक शिक्षक से अलग-अलग वार्ता कर शिक्षण की गुणवत्ता एवं शिक्षक-विद्यार्थी सम्बन्ध का विकास सुनिश्चित किया जाता है।

ध्येय पथ

अपने अनवरत विकास यात्रा में महाविद्यालय ने अपने सभी घटकों के बीच निरन्तर संवाद के अनेक मंच विकसित किए हैं। मासिक पत्रिका 'ध्येय पथ' शिक्षक संघ, कर्मचारी संघ, छात्र संघ, पुरातन छात्र परिषद तथा अभिभावक संघ जैसे जीवन्त घटक समूहों के आपसी संवाद के साथ-साथ महाविद्यालय की अन्य गतिविधियों की प्रस्तुति का एक माध्यम है। पत्रिका में प्रत्येक माह महाविद्यालय से सम्बन्धित प्रमुख गतिविधियों का संयोजन होता है।

सिविल सविर्सेज के सामान्य अध्ययन की कक्षाएं

महाविद्यालय की नित नूतन प्रयोगधार्मिता के क्रम में शैक्षिक सत्र 2016-17 से विद्यार्थियों के प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति उन्मुख होने तथा भविष्य में रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य के निमित्त नि:शुल्क सिविल सर्विसेज सामान्य अध्ययन की कक्षाओं का सुचारू ढंग से संचालन किया जा रहा है।

मॉडल स्कूल

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अनुदानित महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज के कक्षा 6, 7 एवं 8 की कक्षाओं को बी.एड्. विभाग द्वारा 'मॉडल स्कूल' के रूप में विकसित किया गया है। बी.एड्. विभाग के शिक्षक एवं छात्राध्यापकों द्वारा उच्च स्तरीय पठन-पाठन का प्रयत्न प्रारम्भ किया गया है। उल्लेखनीय है कि यह प्रयोग यह बताएगा कि प्रत्येक बी.एड्. कालेज द्वारा आस-पास के स्कूलों अथवा अपने ही कालेज में मॉडल स्कूल के रूप में विद्यालय चलाकर आस-पास की शिक्षा की कमी पूरी की जा सकती है।

आदर्श ग्राम योजना

इस सत्र से ग्राम मंझरिया, जंगल धूसड़ को प्रयोग के तौर पर आदर्श गाँव के रूप में विकसित करने का प्रयास प्रारम्भ हुआ है। इसके अन्तर्गत गाँव के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से स्वच्छता, साक्षरता, स्वास्थ्य एवं जन कल्याणकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत लागू करने की परिकल्पना के साथ कार्य प्रारम्भ किया गया। बी.एड्. विभाग द्वारा यह परियोजना सफलता पूर्वक चलाई जा रही है।

आदर्श ग्राम में स्वास्थ्य शिविर

वाई-फाई युक्त परिसर

शिक्षा की गुणवत्ता में निरन्तर प्रगति एवं उसमें इन्टरनेट का व्यापक उपयोग हेतु महाविद्यालय परिसर वाई-फाई युक्त करा दिया गया। 30 जनवरी 2018 से यह सुविधा महाविद्यालय परिसर में सभी शिक्षकों-विद्यार्थियों को नि:शुल्क उपलब्ध करा दी गई।

सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास योजना

वर्तमान सत्र 2017-18 से गोद लिए गए विद्यार्थियों, छात्रसंघ के कक्षा प्रतिनिधियों, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं छात्रावास को एक समूह मानकर सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास योजना की परिकल्पना लागू की गई। यह अनिवार्य किया गया कि छात्रावास के सभी विद्यार्थी गोद लिए जाएं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में लिए जाएं। राष्ट्रीय सेवा योजना में शेष रिक्त स्थानों पर गोद लिए गए विद्यार्थी ही सम्मिलित किए जाएं। इससे एक विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास पर शिक्षक, राष्ट्रीय सेवा योजना, छात्रसंघ एवं छात्रावास की चार इकाई कार्य करेगी।

वेबसाइट

महाविद्यालय के पास अपनी अद्यतन वेबसाइट है। महाविद्यालय की समस्त सूचना एवं विद्यार्थियों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी, विद्यार्थियों की प्रगति आख्या एवं पाठ्यक्रम योजना बेवसाइट पर उपलब्ध रहती है। प्रत्येक विद्यार्थी अपने से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी अपने आई.डी. नम्बर के द्वारा वेबसाइट पर प्राप्त कर सकता है।

शिक्षक ब्लॉग

महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों का अपना ब्लॉग है। शिक्षक अपने विषय से सम्बन्धित प्रश्नपत्रों के विभिन्न टापिक्स के पावर प्वाइंट स्लाइड को ब्लॉग पर अपलोड करते रहते हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षक अपने शोधपत्र भी समय-समय पर अपने ब्लॉग पर डालते रहते हैं जहाँ से सम्बन्धित विद्यार्थी उसे देख, पढ़ एवं डाउनलोड कर सकता है। विद्यार्थियों को पाठ्य सामाग्री उपलब्ध कराने का यह सशक्त माध्यम है।

वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान महाविद्यालय के कुछ विशिष्ट आयाम

वर्तमान सत्र में महाविद्यालय ने वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान पठन-पाठन, महाविद्यालय ने प्रशासन एवं अपने नैसर्गिक सामाजिक दायित्वों के संदर्भ में कुछ विशिष्ट आयाम स्थापित किये हैं। कोविड-19 के दौरान सेनेटाइजर एवं मास्क का निर्माण, कक्षाओं का नियमित सेनेटाइजेशन, आन लाइन

मास्क बनातीं कोरोना वॉरियर्स

सेनेटाइजर बनाते कोरोना वॉरियर्स

कक्षाओं का संचालन, आन लाइन एवं ऑफ लाइन कक्षाओं का एक साथ संचालन कर महाविद्यालय ने एक नया प्रतिमान प्रस्तुत किया है जिसकी कुछ झलकियाँ आप सभी के समक्ष हैं :-

आन लाइन के साथ ऑफ लाइन कक्षा पढ़ाते महाविद्यालय के शिक्षक

कोविड प्रोटोकाल का पालन करते कोरोना वारियर

महाविद्यालय की कक्षाओं को सेनेटाइज करता महाविद्यालय का कोरोना वारियर

समावर्तन संस्कार समारोह

समावर्तन संस्कार समारोह की एक झलक

महाविद्यालय स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा पूर्ण कर रहे विद्यार्थियों के लिए अपने स्थापना काल से प्रतिवर्ष समावर्तन संस्कार समारोह आयोजित करता है। समावर्तन संस्कार का हिन्दू जीवन दर्शन के मानव जीवन के षोडश संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। समावर्तन संस्कार के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय जीवन मूल्य का सम्मान करने, योग्य नागरिक बनने, जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ-साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के साथ-साथ देश की राष्ट्रीय एकता और अखण्डता का अक्षुण्ण बनाये रखने की शपथ दिलायी जाती है। साथ ही समावर्तन उपदेश के माध्यम से उन्हें अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु प्रेरित किया जाता है। चौदहवां समावर्तन संस्कार समारोह 17 मार्च 2021 को सम्पन्न हो रहा है।

वार्षिक योजना विवरण

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 01 जुलाई 2020 ई. से सप्तदिवसीय शिक्षक-कार्यशाला एवं वार्षिक-योजना बैठक प्रारम्भ हुई। प्रातः 10 बजे से 4 बजे तक चलने वाली कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक 7 जुलाई 2020 तक सम्पन्न हुई। 7 दिनों तक चलने वाली यह योजना बैठक महाविद्यालय के प्राचार्य के निर्देशन में सम्पन्न हुई।

सप्तदिवसीय शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के उद्घाटन सहित विभिन्न दिनों की कुछ झलकियाँ

समावर्तन–2021

प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में सम्पन्न कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में विचारार्थ निम्नांकित विषय प्रस्तुत किए गए-

1. 2 मई 2020 की समीक्षा बैठक के कार्यवाही की पुष्टि।
2. 2 मई की वार्षिक समीक्षा बैठक में छूटे विषयों पर चर्चा वार्षिक समीक्षा के परिप्रेक्ष्य में।
3. शैक्षिक पञ्चांग।
4. दायित्वसह कार्य विभाजन।
5. प्रवेश एवं परीक्षा।
6. समय-सारणी।
7. पठन-पाठन।
8. पुस्तकालय-वाचनालय
9. प्रयोगशाला
10. कक्षाध्यापन में नए प्रयोग।
11. वार्षिक विभागीय कार्य योजना
12. विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा-
    - (क) विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन
    - (ख) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान
    - (ग) प्रार्थना सभा
    - (घ) शिक्षक आचार संहिता
    - (ङ) शिक्षक प्रतिपुष्टि- प्रपत्र द्वारा शिक्षक मूल्यांकन
    - (च) शिक्षक स्वमूल्यांकन
    - (छ) पाठ्यक्रम योजना
    - (ज) गोद लिए गए विद्यार्थी
    - (झ) गोद लिए गए गाँव
    - (ञ) मासिक मूल्यांकन
13. प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।
14. नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग प्रशिक्षण
15. नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण
16. नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र।
17. क्रीड़ा
18. छात्रसंघ
19. राष्ट्रीय सेवा योजना
20. एन.सी.सी.
21. वेबसाइट/फेसबुक/ट्यूटर/यूट्यूब
22. तकनीकी प्रसार
23. कार्यालय
24. NAAC/AISHE
25. महत्त्वपूर्ण आयोजन-
    - (क) महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान-माला
    - (ख) साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह
    - (ग) युवा महोत्सव
    - (घ) संस्थापक सप्ताह समारोह
    - (ङ) भारत-भारती पखवारा
    - (च) समावर्तन संस्कार-समारोह
26. वार्षिक बजट
27. अन्य किसी के सुझाव पर

वार्षिक योजना बैठक में उपर्युक्त विषयों पर विचार-विमर्श कर एक मत से निम्नांकित निर्णय लिए गए-

1. **शैक्षिक पंचांग** - महाविद्यालय का शैक्षिक पञ्चांग पाँच भागों से मिलकर बनाया गया। भाग 01-महाविद्यालय के महत्वपूर्ण कार्यक्रम/गतिविधियाँ एवं समय-सारणी। भाग 02-विभागवार कार्यक्रम। भाग 03-क्रीड़ा गतिविधियाँ। भाग 04-राष्ट्रीय सेवा योजना का वार्षिक विवरण। भाग 05-प्रमुख अवकाश। शैक्षिक पञ्चांग निम्नवत है -

भाग-1 : वार्षिक तिथिक्रम - महत्वपूर्ण कार्यक्रम

04 जुलाई, 2020	स्वामी विवेकानन्द पुण्यतिथि पर व्याख्यान
16 जुलाई	कक्षारम्भ
27 जुलाई	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस पर व्याख्यान एवं पौधरोपण कार्यक्रम
01 अगस्त	नव प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत समारोह एवं लोकमान्य तिलक महाप्रयाण दिवस
13 अगस्त	भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर व्याख्यान
15 अगस्त	स्वतंत्रता दिवस समारोह
16 अगस्त	प्रयोगशालाएं प्रारम्भ
16-22 अगस्त	राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक व्याख्यान-माला
29-30-31 अगस्त	छात्रसंघ चुनाव
31 अगस्त	ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह उद्घाटन कार्यक्रम (श्रीगोरखनाथ मंदिर)
05 सितम्बर	शिक्षक दिवस (सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन जयन्ती)-अभिरूचिकारी व्याख्यान (1)
05 सितम्बर	युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम (महाविद्यालय में)
06 सितम्बर	बह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह समापन कार्यक्रम - (श्रीगोरखनाथ मन्दिर परिसर में)
13 सितम्बर	शिक्षक संघ चुनाव
14 सितम्बर	हिन्दी दिवस, छात्र-संघ शपथ ग्रहण
15 सितम्बर (अश्विन कृष्ण त्रयोदशी)	योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान

समावर्तन–2021

20 सितम्बर	महाराजा अग्रसेन जयन्ती– व्याख्यान
24 सितम्बर	कर्मचारी संघ चुनाव
02 अक्टूबर	महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारी, गोद लिए गए विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता अभियान, गोद लिए गए विद्यार्थियों की बैठक, महाविद्यालय की त्रयमासिक शिक्षक–प्राचार्य समीक्षा बैठक
31 अक्टूबर (शरद पूर्णिमा)	युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 125वीं जयन्ती वर्ष तथा राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के जन्म शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत आयोजित संगोष्ठी (विषय–भारत–नेपाल सम्बन्ध एवं महन्त दिग्विजयनाथ)
31 अक्टूबर	वल्लभ भाई पटेल/आचार्य नरेन्द्र देव जयन्ती–अभिरूचिकारी व्याख्यान (2)
07 नवम्बर	विपिन चन्द्रपाल जयन्ती– अभिरूचिकारी व्याख्यान (3)
24–30 नवम्बर	वार्षिक महोत्सव (महाविद्यालय)
24 नवम्बर	गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस पर व्याख्यान
04–10 दिसम्बर	संस्थापक सप्ताह समारोह (शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं के स्तर पर)
06 दिसम्बर	डॉ. भीमराव अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस पर व्याख्यान (पूर्व संध्या)
16 दिसम्बर	विजय दिवस समारोह–अभिरूचिकारी व्याख्यान (4)
12–26 जनवरी, 2021	भारत–भारती पखवारा
23 जनवरी	गुरु नानक जयन्ती– व्याख्यान
24 जनवरी	गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस – व्याख्यान
26 जनवरी	गणतन्त्र दिवस समारोह
27 जनवरी	स्व. डॉ. डी.पी.एन. सिंह पुण्यतिथि कार्यक्रम
16 जनवरी	बसन्त पंचमी – माँ सरस्वती पूजन
27 फरवरी	माघपूर्णिमा– संत रविदास जयन्ती – अभिरूचिकारी व्याख्यान (5)
01–11 मार्च	विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा एवं परिणाम घोषणा
12–16 मार्च	रिमेडियल कक्षाएं
17 मार्च	समावर्तन संस्कार समारोह
अप्रैल	विश्वविद्यालय परीक्षा

प्रार्थना सभा के कार्यक्रम

अगस्त

01	साप्ताहिक/योगाभ्यास, लोकमान्य तिलक महाप्रयाण दिवस
02	अवकाश
03	रक्षाबन्धन (मैथलीशरण गुप्ता जयन्ती)/अवकाश
04	श्रीमद्भगवतगीता पाठ प्रथम अध्याय, श्लोक- 01,02
05	श्रीमद्भगवतगीता पाठ प्रथम अध्याय, श्लोक- 21, 22, 44
06	श्रीमद्भगवतगीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 01, 02
07	रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि
08	साप्ताहिक योगाभ्यास/ भारत छोड़ो आन्दोलन एवं काकोरी काण्ड (पूर्व दिवस)
09	अवकाश
10	श्रीमद्भगवतगीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 03, 07
11	खुदीराम बोस बलिदान दिवस
12	जन्माष्टमी (अमर शहीद बन्धु सिंह बलिदान दिवस)
13	अहिल्याबाई होलकर पुण्यतिथि
14	श्रीमद्भगवतगीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 08, 10
15	स्वतन्त्रता दिवस समारोह
16	रामकृष्ण परमहंस पुण्यतिथि/अटल स्मृति दिवस
17	मदनलाल धींगड़ा बलिदान दिवस
18	श्रीमद्भगवतगीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 11, 13
19	श्रीमद्भगवतगीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 14, 15, 16
20	श्रीमद्भगवतगीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 18, 20
21	श्रीमद्भगवतगीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 23, 24
22-23	अवकाश
24	राजगुरु जयन्ती
25	श्रीमद्भगवतगीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 25, 26
26	रानी पद्मिनी जौहर दिवस
27	श्रीमद्भगवतगीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 27, 28

28	राष्ट्रीय खेल दिवस, मेजर ध्यानचन्द्र जयन्ती (पूर्व दिवस)
29–30	अवकाश
31	श्रीमद्भगवतगीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक– 33, 34
सितम्बर	
01	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 35, 36
02	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 37, 38
03	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 42, 43
04	दादाभाई नौरोजी जयन्ती
05	साप्ताहिक योगाभ्यास/शिक्षक दिवस (डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयन्ती), दधीचि जयन्ती (पूर्व दिवस)
06	दधीचि जयन्ती/अवकाश
07	विश्व साक्षरता दिवस
08	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 44, 45, 46, 47
09	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जयन्ती
10	गोविन्द बल्लभ पन्त जयन्ती
11	आचार्य विनोबा भावे जयन्ती एवं महादेवी वर्मा पुण्यतिथि
12	साप्ताहिक योगाभ्यास/यतीन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस (पूर्व दिवस)
13	यतीन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस (अवकाश)
14	हिन्दी दिवस
15	एम. विश्वेश्वरैया जयन्ती
16	विश्व ओजोन संरक्षण दिवस
17	विश्वकर्मा जयन्ती (अवकाश)
18	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 48, 54, 55, 56
19	साप्ताहिक योगाभ्यास
20	अवकाश
21	गुरु नानक देव पुण्यतिथि
22	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 62, 63
23	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 64, 66
24	भिकाजी कामा जयन्ती
25	पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती/सतीश धवन जयन्ती

26	साप्ताहिक योगाभ्यास/ईश्वर चन्द्र विद्यासागर जयन्ती/राजाराम मोहन राय पुण्यतिथि (पूर्व दिवस)
27	राजा राम मोहन राय पुण्यतिथि/अवकाश
28	सरदार भगत सिह जयन्ती
29	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक- 67, 68
30	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक- 70, 71, 72
अक्टूबर	
01	एनी बेसेन्ट जयन्ती
02	महात्मा गांधी/लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती
03	साप्ताहिक योगाभ्यास
04	अवकाश
05	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 01, 04
06	मेघनाथ साहा जयन्ती
07	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 05, 21
08	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 22, 24
09	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 25, 26
10	साप्ताहिक योगाभ्यास
11	अवकाश
12	राम मनोहर लोहिया पुण्यतिथि
13	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 27, 29
14	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 30, 33
15	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयन्ती
16	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 34, 35
17	साप्ताहिक योगाभ्यास
18	अवकाश
19	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 36, 37
20	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 38, 41
21	आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस
22	अशफाक उल्ला खॉ जयन्ती
23	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 42, 43

24–28	विजयदशमी अवकाश
29	ईद उल नवी/ ईद उल मिलाद/अवकाश
30	होमी जहागीर भाभा जयन्ती
31	साप्ताहिक योगाभ्यास/वाल्मीकी जयन्ती/इन्दिरा गांधी पुण्यतिथि/सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती
नवम्बर	
01	गुरु गोविन्द सिंह पुण्यतिथि (अवकाश)
02	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 05, 06
03	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 07, 08
04	वासुदेव बलवन्त फड़के जयन्ती
05	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 11, 12
06	विपिन चन्द्र पाल/सी.वी.रमन जयन्ती/कालीदास जयन्ती
07	साप्तहिक योगाभ्यास
08	अवकाश
09	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 13, 16
10	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 17, 18
11	मदन मोहन मालवीय पुण्यतिथि
12	धनतेरस/गुरु नानक जयन्ती (अवकाश)
13	छोटी दीपावली (अवकाश)
14	दीपावली (अवकाश)
15–16	अवकाश
17	लाला लाजपत राय बलिदान दिवस
18	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 25, 26
19	रानी लक्ष्मीबाई जयन्ती
20	छठ पूजा/अवकाश
21	साप्ताहिक योगाभ्यास/झलकारी बाई जयन्ती (पूर्व दिवस)
22	अवकाश
23	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 27, 28
24	गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस
25	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 29, 30

26	राष्ट्रीय संविधान दिवस
27	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक– 34, 35, 36
28	साप्तहिक योगाभ्यास/महात्मा ज्योतिबा फूले पुण्यतिथि
29	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक– 15, 16
30	जगदीश चन्द्र बोस जयन्ती
दिसम्बर	
01	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक– 17, 18
02	राष्ट्रीय प्रदूषण नियन्त्रण दिवस
03	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती
04	भारतीय नौसेना दिवस
05	साप्ताहिक योगाभ्यास/डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि (पूर्व दिवस)
06	डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि (अवकाश)
07	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक– 19, 20
08	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक– 24, 25, 26
09	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, षष्ठ अध्याय, श्लोक– 01, 04
10	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, षष्ठ अध्याय, श्लोक– 15, 37
11	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, षष्ठ अध्याय, श्लोक– 38, 39
12	साप्ताहिक योगाभ्यास
13	अवकाश
14	राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस
15	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, षष्ठ अध्याय, श्लोक– 40, 42
16	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, षष्ठ अध्याय, श्लोक– 43, 44
17	राजेन्द्र लाहिड़ी बलिदान दिवस
18	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, षष्ठ अध्याय, श्लोक– 45, 46
19	साप्ताहिक योगाभ्यास/रोशन सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक बलिदान दिवस
20	महाराज छत्रसाल पुण्यतिथि
21	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, सप्तम् अध्याय, श्लोक– 01, 02
22	राष्ट्रीय गणित दिवस
23	किसान दिवस (चौधरी चरण सिंह जयन्ती)

24	मदन मोहन मालवीय एवं अटल बिहारी वाजपेयी जयन्ती (पूर्व दिवस)
25	अवकाश
26	साप्ताहिक योगाभ्यास/फतेह सिंह, जोरावर सिंह बलिदान दिवस
27	अवकाश
28	सुमित्रानन्दन पन्त स्मृति दिवस
29	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, सप्तम् अध्याय, श्लोक– 03, 06
30	महर्षि रमण जयन्ती
31	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, सप्तम् अध्याय, श्लोक– 07, 12
जनवरी	
01	शान्ति स्वरूप भटनागर स्मृति दिवस
02	साप्ताहिक योगाभ्यास/गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती
03	अवकाश
04	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, सप्तम् अध्याय, श्लोक– 14, 16, 17
05	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टम् अध्याय, श्लोक– 01, 03
06	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टम् अध्याय, श्लोक– 05, 26
07	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टम् अध्याय, श्लोक– 27, 28
08	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, नवम् अध्याय, श्लोक– 01, 02
09	साप्ताहिक योगाभ्यास/हर गोविन्द खुराना जयन्ती/सुन्दर लाल बहुगुणा जयन्ती
10	अवकाश
11	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, नवम् अध्याय, श्लोक– 03, 06
12	स्वामी विवेकानन्द जयन्ती
13–15	अवकाश
16	साप्ताहिक योगाभ्यास
17	अवकाश
18	महादेव गोविन्द रानाडे जयन्ती
19	महाराणा प्रताप स्मृति दिवस
20	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, नवम् अध्याय, श्लोक– 08, 09
21	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, नवम् अध्याय, श्लोक– 16, 17
22	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, नवम् अध्याय, श्लोक– 18, 27

23	साप्ताहिक योगाभ्यास/नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती
24	अवकाश
25	राष्ट्रीय मतदान दिवस
26	गणतन्त्र दिवस
27	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, दशम् अध्याय, श्लोक- 01, 02, 03
28	लाला लाजपत राय जयन्ती
29	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, दशम् अध्याय, श्लोक- 32, 33, 34
30	साप्ताहिक योगाभ्यास/महात्मा गाँधी पुण्यतिथि/मेजर सोमनाथ शर्मा जयन्ती (पूर्व दिवस)
31	अवकाश
फरवरी	
01	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, एकादश अध्याय, श्लोक- 01, 02, 04
02	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, एकादश अध्याय, श्लोक- 52, 53, 54
03	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 01, 05
04	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 06, 07
05	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 10, 11
06	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 12, 13
07	अवकाश
08	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 14, 17
09	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 18, 19, 20
10	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, त्रयोदश अध्याय, श्लोक- 20, 21, 34
11	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्दश अध्याय, श्लोक- 01, 03
12	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्दश अध्याय, श्लोक- 05, 09
13	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्दश अध्याय, श्लोक- 10, 26
14	अवकाश
15	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, पंचदश अध्याय, श्लोक- 15, 16
16	बसंत पंचमी
17	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, पंचदश अध्याय, श्लोक- 17, 18
18	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, षष्टदश अध्याय, श्लोक- 01, 02
19	शिवाजी जयन्ती

20	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, षष्टदश अध्याय, श्लोक- 03
21	अवकाश
22	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 14, 15
23	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 16, 17
24	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 18, 27
25	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 1, 2
26	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 17, 23
27	सन्त रविदास जयन्ती
28	अवकाश
मार्च	
01	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 27, 31
02	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 37, 42
03	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 49, 51
04	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 54, 55
05	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 59, 61
06	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 63, 64
07	अवकाश
08	महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती
09	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 66, 68
10	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 72, 73
11	महाशिवरात्रि
12	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 74, 75
13	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 76, 77
14	अवकाश
15	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 78 एवं सार उद्वाचन

भाग-2 : विभागीय - कार्यक्रम

गणित विभाग

मासिक मूल्यांकन - सत्र 2020-21 में प्रति माह के अन्त में मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा, मासिक मूल्यांकन में पूरे माह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा अगस्त माह से जनवरी माह तक पूछे गये मासिक मूल्यांकन के प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में पूछे जायेंगे।

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस.-सी. प्रथम	NA	NA	NA	29	28	26	29
बी.एस.-सी. द्वितीय	NA	28	29	22	26	31	25
बी.एस.-सी. तृतीय	NA	28	29	22	26	31	25

साप्ताहिक कक्षाध्यापन - गणित विभाग द्वारा प्रति सप्ताह कक्षाध्यापन छात्र-छात्राओं से कराया जायेगा, इस कक्षाध्यापन में कक्षाध्यापन की तिथि से 05-06 दिन पहले छात्रों को विषय आवंटित कर दिया जायेगा। तथा कक्षाध्यापन की तिथि पर उनसे कक्षाध्यापन की कराकर उन्हे श्रेणी प्रदान किया जायेगा। इस कक्षाध्यापन में छात्र-छात्राओं को अपना विषय वस्तु ठीक तरह से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया जायेगा।

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस.-सी. प्रथम	NA	NA	NA	10,17	6,19	9,17	1,11,20
बी.एस.-सी. द्वितीय	NA	6,14,22	7,14,22	7,15	7,18	7,15,23	8,18
बी.एस.-सी. तृतीय	NA	6,14,22	7,14,22	7,15	4,17	7,15,23	8,18

श्री निवास रामानुजन अयंगर स्मृति, गणित महोत्सव कार्यक्रम- गणित विभाग द्वारा 22 दिसम्बर, 2020 को श्री निवास रामानुजन अयंगर स्मृति गणित दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन कराया जायेगा, जिसका शीर्षक 'Role of Mathematics in Advancement of Science and Technology' होगा। इस अवसर पर मदनमोहन मालवीय प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, गोरखपुर के गणित विभाग के सहायक आचार्य डॉ. विनित मिश्रा जी का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

ग्राम दर्शन - विभाग महाविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ सामाजिक दायित्व का भी कार्य करता है। अतः विभाग अपने गोद लिए धोधड़ा गाँव में चार बार सेवा कार्य के लिए जायेगा।

सांख्यिकी विभाग

विशेष व्याख्यान - 01 मार्च 2021 को प्रस्तावित • विषय : Distribution Theory

मुख्य अतिथि : प्रो. एस.पी. सिंह, आचार्य, गणित विभाग, के.आई.पी.एम., गीडा, गोरखपुर

मासिक मूल्यांकन – सत्र 2020–21 में प्रतिमाह के अन्त में मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा। मासिक मूल्यांकन में उस माह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा मासिक मूल्यांकन में पूछे गये प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में पूछे जायेंगे।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन – सांख्यिकी विभाग प्रति सप्ताह छात्र-छात्राओं से कक्षाध्यापन भी करायेगा। इस कक्षाध्यापन में कक्षाध्यापन की तिथि से पाँच दिन पूर्व छात्र-छात्राओं को विषय बताकर पूछ लिया जायेगा। कक्षाध्यापन की तिथि पर उनसे कक्षाध्यापन कराकर उन्हें ग्रेड प्रदान किया जायेगा। इस कक्षाध्यापन में छात्र-छात्राओं को अपना विषय वस्तु ठीक प्रकार से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया जायेगा।

गाँव दर्शन – महाविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ सांख्यिकी विभाग सामाजिक दायित्व का भी कार्य करता है। अत: विभाग अपने गोद लिए केवटहिया गाँव में चार बार सेवा कार्य के लिए जायेगा।

वनस्पति विज्ञान विभाग

वनस्पति विज्ञान सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम योजना घोषित (सत्र 2020-21)

- स्नातक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष – 30 अप्रैल 2020
- स्नातकोत्तर तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर – 03 मई 2020

वनस्पति विज्ञान सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ

- स्नातक प्रथम वर्ष – 03 अक्टूबर, 2020
- स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष – 25 जुलाई एवं 01 अगस्त 2020
- स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर – 09 अगस्त, 2020
- स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर – 02 जनवरी, 2021
- स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रायोगिक कक्षाएं प्रारम्भ – 15 अक्टूबर, 2020

सम्भावित अतिथि वनस्पति विज्ञान विशेषज्ञ :

- प्रो. अनिल द्विवेदी, वनस्पति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
- डॉ. सी.ओ. सैमुअल, विभागाध्यक्ष वनस्पति विभाग, सेन्ट एन्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर
- डॉ. नीरज श्रीवास्तव, वनस्पति विभाग, सेन्ट एन्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर
- डॉ. के. सुनीता, वनस्पति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
- डॉ. संग्राम सिंह कटियार, डी.एफ.ओ., प्रतापगढ़, राजस्थान

ग्राम्य दर्शन कार्यक्रम सत्र में चार अवकाश के दिन चार बार निम्नवत प्रस्तावित है-

प्रथम	– 09 अगस्त 2020	द्वितीय	– 02 अक्टूबर 2020
तृतीय	– 16 फरवरी 2021	चतुर्थ	– 30 मई 2021

वनस्पति विज्ञान कक्षा प्रतिनिधि चुनाव (लिखित परीक्षा द्वारा) – 26 अगस्त 2020

वनस्पति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन लिखित परीक्षा द्वारा –

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि								
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च
बी.एस–सी. प्रथम	NA	NA	NA	31	21	28	29	NA	NA
बी.एस–सी. द्वितीय	NA	24	24	29	28	26	28	NA	NA
बी.एस–सी. तृतीय	NA	24	24	29	28	26	28	NA	NA
एम.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर	NA	25	25	31	21	NA	NA	NA	NA
एम.एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर	NA	NA	NA	NA	NA	NA	25	24	26

वनस्पति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों द्वारा सप्ताह में एक दिवस कक्षाध्यापन –

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि								
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च
बी.एस–सी. प्रथम	NA	NA	NA	12,19	07	1,11,18	4,12,21	NA	NA
बी.एस–सी. द्वितीय	21,29	07,17,24	2,9,16	1,10,17	6,19	9, 17	2,11,20	NA	NA
बी.एस–सी. तृतीय	21,29	07,17,24	2,9,16	1,10,17	6,19	9, 17	2,11,20	NA	NA
एम.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर	22,30	08,18	3,10,18	3,12,19	7,9,18	NA	NA	NA	NA
एम.एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर	NA	NA	NA	NA	NA	NA	08,18	2,9,17	4,12,19

वनस्पति विज्ञान विषय के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का प्रश्न पत्र तैयार – 30.09.2020

वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

- पोस्टर प्रतियोगिता – 18 जनवरी, 2021
- विज्ञान प्रदर्शनी – 21 जनवरी, 2021
- शोध व्याख्यान प्रतियोगिता – 23 जनवरी, 2021
- विशिष्ट व्याख्यान – 28 फरवरी, 2021, डॉ. के. सुनीता, वनस्पति विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
- विशिष्ट व्याख्यान – 28 फरवरी, 2021, डॉ. संग्राम सिंह कटियार, डी.एफ.ओ., प्रतापगढ़, राजस्थान
- शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र – 26.09.2020 एवं 22.01.2021 को स्नातक तीनों वर्ष, 26.11.2020 को एम.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर तथा 25.03.2021 को एम.एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर।
- वनस्पति विज्ञान पाठ्यक्रम पूर्ण स्नातक सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक– 31.01.2021 एम.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर 30.11.2020 तथा एम.एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर 31.03.2021
- उपचारात्मक कक्षाएं – 02 फरवरी, 2021 से बी.एस–सी. द्वितीय एवं तृतीय वर्ष

रसायन विज्ञान विभाग

18 दिसम्बर, 2020	विज्ञान प्रदर्शनी	02 जनवरी, 2021	विशिष्ट व्याख्यान
02 फरवरी, 2021	विशिष्ट व्याख्यान	14 फरवरी, 2021	ग्राम्य दर्शन
28 फरवरी, 2021	ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान	03 मार्च, 2021	व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातकोत्तर स्तर)
25 अप्रैल, 2021	ग्राम्य दर्शन		

- रसायन विज्ञान कक्षा प्रतिनिधि (लिखित परीक्षा द्वारा) अगस्त माह
- स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ – 01 अगस्त, 2020
- स्नातक प्रथम की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 03 अगस्त, 2020
- स्नातक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की प्रायोगिक कक्षाएं प्रारम्भ – 19 अक्टूबर, 2020
- रसायन शास्त्र स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ – 07 अगस्त, 2020
- रसायन शास्त्र स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ – 24 दिसम्बर, 2020
- रसायन शास्त्र स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की प्रायेगिक कक्षाएं प्रारम्भ – 19 अक्टूबर, 2020
- रसायन शास्त्र स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की प्रायोगिक कक्षाएं प्रारम्भ – 05 जनवरी, 2020

(सभी तिथियां प्रस्तावित)

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस-सी. प्रथम	NA	NA	NA	20	23	29	30
बी.एस-सी. द्वितीय	NA	25	25	31	21	28	29
बी.एस-सी. तृतीय	NA	25	25	31	21	28	29
एम.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	26	26	20	23	NA	NA
एम.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	NA	25	25	19	21	NA	NA

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस.-सी. प्रथम	NA	NA	NA	5,13	2, 9	2,12,21	6,13,22
बी.एस.-सी. द्वितीय	NA	8,18	3,10,18	3,12,19	7	1,11,18	04,12,21
बी.एस.-सी. तृतीय	NA	8,18	3,10,18	3,12,19	7	1,11,18	04,12,21
एम.एस.-सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	10,19	4,10,19	5,13	2,19	NA	NA
एम.एस.-सी. तृतीय सेमेस्टर	NA	8,18	3,10,18	3,12,31	7	NA	NA

- स्वमूल्यांकन प्रपत्र – प्रत्येक माह के 5 तारीख तक स्वमूल्यांकन प्रपत्र जमा करना।
- प्रगति आख्या – प्रत्येक माह के 10 तारीख तक पिछले माह की प्रगति आख्या पूर्ण करना।

- शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र – वर्ष में दो बार 5 सितम्बर व 20 जनवरी को विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाना।
- स्वैच्छिक श्रमदान – साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान में शिक्षक एवं विद्यार्थियों के साथ प्रतिभाग करना।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा – फरवरी माह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन
- उपचारात्मक कक्षायें – विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के पश्चात उपचारात्मक कक्षायें चलाई जायेगी।
- अप्रैल माह में कार्यक्रम – स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई समारोह।

प्रस्तावित विशिष्ट व्याख्यान

- प्रो. सुधा यादव, अध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि., गोरखपुर
- प्रो. एच.सी. गुप्ता (अव.प्रा.), आचार्य, रसायन विज्ञान, दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि. गोरखपुर
- डॉ. निखिलकान्त शुक्ला, उपाचार्य, रसायन विज्ञान, दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि. गोरखपुर
- प्रो. ए.के. श्रीमाल (अ.प्रा.), उपाचार्य, रसायन विज्ञान, दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि. गोरखपुर
- डॉ. राशिद तनवीर, उपाचार्य, रसायन विज्ञान, सेण्ट एण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर
- डॉ. आलोक श्रीवास्तव, अध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग, महात्मा गाँधी पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर
- डॉ. आर.पी. त्रिपाठी, भूतपूर्व वैज्ञानिक, सी.डी.आर.आई. लखनऊ, डीन नाइपर, रायबरेली
- डॉ. कमलेश पटेल, B.D.S., M.D.S., पटेल डेन्टल क्लीनिक नियर बी.आर.डी., मेडिकल कॉलेज गोरखपुर
- डॉ. शैलेश वर्मा, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग महात्मा गाँधी पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर
- डॉ. जे.के. पाण्डेय, आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, सेण्ट एण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर
- डॉ. प्रदीप कुमार राव, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि., गोरखपुर
- डॉ. अखिलेश कुमार श्रीवास्तव, आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि., गोरखपुर
- डॉ. योगेन्द्र पाल कोहली, (अ.प्र.), बुद्ध पी.जी. कालेज, कुशीनगर
- डॉ. सचिन कुमार सिंह, सहा. आचार्य, रसायन विज्ञान, दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि., गोरखपुर

Physics Department

1. **Online Teaching :** Due to present Covid 19 pandemic there is a need of shift in teaching paradigm from off line to online mode . The department plans to take classes in online mode as and when there is need for it.
2. **Practical syllabus :** The department this year plans to cover maximum practical's listed in University syllabus irrespective of minimum number of recommended practical's prescribed by University for final Examinations. The department will also show simulations of Practical's through

Audio/Visual methods in Practical classes.

3. **Visit to village :** The department plans to organize visit of students and faculties in nearby village with the aim to acquaint the students with life and socio economic conditions of people living in villages of our country.
4. **Feedback from students :** The department this year plans to feedback from students, two times in the current academic session. The feedback will be taken on prescribed format available with the department.
5. **Remedial Classes for students :** The department will organize remedial classes after Pre University Examinations in the month of February with the aim of clearing doubts and difficulties of students and preparing them for final Examinations.
6. **Students Adoption by Faculties :** All the faculty members of the department will adopt 5 students and look after their overall academic and personality development aspect of students. They will play the role of parents and help the students excel in moral as well professional field.
7. **Use of ICT in teaching :** The department this year plans to take theory classes on projector as well as through chalk and talk method . The faculty member will also post their subject matter (PPT, hands out and class notes etc) on their blog.
8. **Class Teaching :** After every Vth class the students will be given chance to present their lecture in front of students of class. The main objective of this methodology of teaching is to make students self confident and make them able to put their views in front of other people.
9. **Monthly Evaluation :** The department plans to take monthly evaluation of students in last week of every month. The aim of monthly evaluation is to help the students grasp the concepts taught during the month and perform better in their final Examinations.
10. **Poster making comptetion on 30th January 2021 :** Poster making contest aims for the students' to use their knowledge, understanding and awareness in creating their visuals (posters) to raise other students or people's knowledge, understanding and awareness about the significant theme, topic or question whenever and wherever they go.
11. **Department level Technical Paper Comptetion on 03rd February 2021 :** The objective of the comptetion are to challenge students to demonstrate superior presentation skills, present their research, and offer an opportunity for students to interact within their community at an early stage in their career.
12. **One day National Webinar** on 24th Oct 2020
13. **One day Workshop** on 10th Feb 2021.
14. **One day National Seminar** on 13th Feb 2021.

भूगोल विभाग

• विशिष्ट व्याख्यान	:	प्रथम व्याख्यान	25.02.2021
		द्वितीय व्याख्यान	02.03.2021
		तृतीय व्याख्यान	03.03.2021
		चतुर्थ व्याख्यान	05.03.2021

- मैप ड्राईंग प्रतियोगिता — 23 फरवरी, 2021
- महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार — 01 मार्च, 2021
- ग्राम दर्शन — 16 फरवरी एवं 30 मई, 2021

व्याख्यान हेतु प्रस्तावित व्याख्याता सूची-

- प्रो. एस.के. सिंह, विभागाधयक्ष, भूगोल विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
- प्रो. नूतन त्यागी, आचार्य, भूगोल विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
- प्रो. एस.के. दीक्षित, (अ.प्रा.), पूर्व प्रतिकुलपति, दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
- प्रो. एन.के राना, आचार्य, भूगोल विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
- डॉ. स्वयं प्रकाश लाल श्रीवास्तव, एवं प्राचार्य, बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर
- डॉ. लाल चन्द यादव, भूगोल विभाग, हीरालाल राम निवास पी.जी. कॉलेज, खलीलाबाद
- डॉ. के.एन. मिश्रा, भूगोल विभाग, बुद्ध पी.जी. कॉलेज, कुज़ीनगर
- डॉ. अनिल कुमार सिंह, भूगोल विभाग, राम गुलाम पी.जी. कॉलेज, देवरिया
- डॉ. रेखा तिवारी, भूगोल विभाग, बुद्ध पी.जी कॉलेज, कुज़ीनगर
- डॉ. नरेन्द्र कुमार शर्मा, भूगोल विभाग, रामजी सहाय पी.जी. कॉलेज, रूद्रपुर देवरिया
- डॉ. संजय कुमार सिंह, भूगोल विभाग, उद्धित नारायण पी.जी. कालेज, पडरौना, कुशीनगर
- डॉ. प्रमोद कुमार, भूगोल विभाग, बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर
- डॉ. सुनील कुमार प्रसाद, बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर

कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए./बी.एस.-सी. प्रथम	NA	NA	NA	05,13	02,09	02,12,21	04,13,22
बी.ए./बी.एस.-सी. द्वितीय	NA	08,18	03,10	12,19	07	01,11,18	04,12,21
बी.ए./बी.एस.-सी. तृतीय	NA	08,18	03,10	12,19	07	01,11,18	04,12,21
एम.ए. प्रथम वर्ष	NA	10,19	04,11,19	05,13	02,09	02,12,21	07
एम.ए. अन्तिम वर्ष	NA	08,18	03,11,19	05,10,13	02,07,09	02,12,21	06,13

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए./बी.एस-सी. प्रथम	NA	NA	NA	20	23	29	30
बी.ए./बी.एस-सी. द्वितीय	NA	25	25	31	21	28	29
बी.ए./बी.एस-सी. तृतीय	NA	25	25	31	21	28	29
एम.ए. प्रथम वर्ष	NA	26	26	20	23	29	13
एम.ए. अन्तिम वर्ष	NA	26	26	20	23	29	20

प्राणि विज्ञान विभाग

कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस-सी. प्रथम	NA	NA	NA	01,10,17	06,19	09, 17	02, 11, 20
बी.एस-सी. द्वितीय	NA	06,14	01,08,15,23	09,16	05,18	08, 16	01, 09, 19
बी.एस-सी. तृतीय	NA	06,14	01,08,15,23	09,16	05,18	08, 16	01, 09, 19
एम.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर CBCS	NA	06,14	01,08,15,23	09,16	05,18	NA	NA
एम.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर OLD	NA	06,14	01,08,15,23	09,16	05, 18	NA	NA

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस-सी. प्रथम	NA	NA	NA	29	28	26	28
बी.एस-सी. द्वितीय	NA	22	30	23	27	24	27
बी.एस-सी. तृतीय	NA	22	30	23	27	24	27
एम.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	22	30	23	27	NA	NA
एम.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर OLD	NA	22	30	23	27	NA	NA

ग्राम्य भ्रमण (लक्ष्मीपुर)

- 04 अगस्त 2020
- 02 अक्टूबर 2020
- 16 फरवरी 2021
- 30 मई 2021

विशिष्ट व्याख्यान/शोध व्याख्यान/प्राणि विज्ञान प्रदर्शनी/उपचारात्मक कक्षा

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता • 19 फरवरी 2021, 22 फरवरी 2021, 24 फरवरी, 2021

विज्ञान प्रदर्शनी • 23 फरवरी 2021, 25 फरवरी 2021, 05 मार्च, 2021

उपचारात्मक कक्षा • 23 फरवरी 2021, 25 फरवरी 2021, 05 मार्च, 2021

Computer Science Department

1. PPT classes have scheduled to be held on this session 2019-2020.
2. Class teaching by students have scheduled to be held on one day of each week of the month.
3. Monthly evaluation has scheduled to be held on last week of each month.
4. Ond day National webinar on Topic "Emerging trend in information Techonology" Date 24 oct. 2020
5. Computor Quiz Compation from all reportment of M.P.P.G. 27 Nov 2020
6. Seven Days Computer Hardware & Networking Program 21 Dec. 2020
7. One day National Seminar on Topic "New Technological edge in data communication and advanad computing 13 Feb. 2021
8. Poster Making completion & pouler point presentation on modern computing technology 15 March 2021
9. Remedial classes for students after pre examinations.
10. Student Adaptation by faculty of the department.
11. Visit to village.

रक्षा एवं स्वतजिक अध्ययन विभाग

1. **विशिष्ट व्याख्यान** 24 फरवरी, 2021 25 फरवरी, 2021 02 मार्च, 2021
2. **एकदिवसीय कार्यशाला** 08 मार्च 2021
3. विशिष्ट व्याख्यान एवं रक्षा प्रदर्शनी में उपस्थित होने वाले सम्भावित मुख्य अतिथियों की सूची–

   प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा प्रो. विनोद कुमार सिंह डॉ. प्रवीण कुमार सिंह

   डॉ. करुणेन्द्र सिंह डॉ. विजय कुमार श्री अमित त्रिपाठी

   डॉ. अंशुमान सिंह
4. विभाग द्वारा गोद लिये गये गाँव का निम्न तिथि में भ्रमण/सर्वेक्षण :

   09 अगस्त 2020, 02 अक्टूबर 2020, 16 फरवरी 2021, 30 मई 2021
5. विभाग के विद्यार्थियों को जीवन वृत्त परामर्श देना।
6. गोद लिये गये विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर विशेष बल देना।
7. बी.ए./बी.एस–सी. प्रथम वर्ष की प्रायोगिक कक्षायें अधिक से अधिक प्रोजेक्टर पर चलाना।
8. प्रत्येक माह न्यूनतम 10 कक्षायें प्रोजेक्टर पर चलाना।
9. स्वमूल्यांकन प्रपत्र प्रतिमाह भरना।
10. विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन करवाना।
11. विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन करना।
12. अतिरिक्त कक्षायें चलवाना।

कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	05, 13	02, 09	02, 12, 21	04, 13, 22
बी.ए. द्वितीय	NA	08, 18	03, 10	12, 19	07	01, 11, 18	04, 12, 21
बी.ए. तृतीय	NA	08, 18	03, 10	12, 19	07	01, 11, 18	04, 12, 21
कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	20	23	29	30
बी.ए. द्वितीय	NA	25	25	31	21	28	29
बी.ए. तृतीय	NA	25	25	31	21	28	29

गृह विज्ञान विभाग

(A) विभागीय योजनाएं-

1. पाठ्यक्रम योजना- सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वेबासाइट पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्य-योजना को अद्यतन उद्धरित किया जाता है।

2. कक्षाध्यापन - एक सप्ताह में पढ़ाए गये विषयवस्तु से सम्बन्धित किसी एक प्रकरण पर छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन किया जाता है, जिससे छात्राओं के मौखिक अभिव्यक्ति, चिन्तनशीलता, संवाद कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का सतत् विकास होता है।

3. मासिक मूल्यांकन- छात्राओं में वांछित व्यावहारगत परिवर्तन को जानने हेतु प्रत्येक माह में पढ़ाये गये विषय वस्तु से सम्बन्धित संरचनात्मक मूल्यांकन का प्रारूप तैयार किया जाता है, जिसमें बहुविकल्पीय एवं निबन्धात्मक प्रश्नों द्वारा छात्राओं के उपलब्धि एवं योग्यता का परिमाणात्मक आंकलन किया जाता है।

4. प्रगति आख्या - प्रगति आख्या में कक्षा के प्रत्येक छात्रा की कक्षागत् गतिविधियों एवं आचरण व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इसमें छात्राओं के गुण, योग्यता एवं विशेषताओं के परिमाणात्मक तथा गुणात्मक उपलब्धि की जानकारी प्राप्त होती है।

5. स्वमूल्यांकन प्रपत्र- इस प्रपत्र में शिक्षक द्वारा तैयार की गई योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, दायित्व आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। यह प्रपत्र शिक्षक द्वारा प्रत्येक माह के 8-तारीख तक स्वयं भरकर जमा करना होता है।

6. शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र - यह प्रपत्र शिक्षकों के व्यक्तित्व एवं पठन-पाठन में निरन्तर सुधार से सम्बन्धित है, जो छात्राओं द्वारा सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में अपनी प्रतिपुष्टि के रूप में दर्ज करायी जाती है।

7. स्वैच्छिक श्रमदान- महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'स्वैच्छिक श्रमदान' कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक शनिवार छात्राओं

एवं शिक्षकों द्वारा सहभाग किया जाता।

8. साप्ताहिक शिक्षक बैठक– विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रत्येक बुधवार को पठन–पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ, शिक्षण व्यूह रचना आदि विषयों की समीक्षा कर आगत् सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु साप्ताहिक बैठक करना।

9. साप्ताहिक शिक्षक बैठक– विभागीय स्तर पर सम्भावित प्रश्न–पत्र तैयार कर छात्राओं को विश्वविद्यालय परीक्षा के लिए तैयार करना तथा उनके अधिगम कठिनाइयों एवं कमियों को इंगित करके सुधार लाना।

10. नि:शुल्क सिलाई–कढ़ाई– योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र वर्तमान में गृहविज्ञान प्रशिक्षण विभाग द्वारा संचालित है। इस अनौपचारिक शिक्षा का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर रोजगार सृजन के अवसर प्रदान करना है। इसके अन्तर्गत ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को सिलाई–कढ़ाई एवं पेटिंग का 6 माह तक नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षणोपरान्त फरवरी माह में लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर प्रशिक्षणार्थियों को पुरस्कृत कर प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाता है।

(B) शिक्षण विधियाँ–

1. रियल टाइम कम्यूनिकेशन– इस सत्र के बदलते परिवेश में पठन–पाठन को सतत् एवं प्रभावी बनाने हेतु विभिन्न ई–लार्निंग प्लेटफार्म का प्रयोग किया जायेगा। जिसमें विडियों कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से जीवन्त कक्षाओं का संचालन एवं छात्राओं से संवाद स्थापित किया जायेगा।

2. पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण– इस विधि में प्रोजेक्टर द्वारा पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकरणों पर तैयार PPt का प्रस्तुतीकरण कर शिक्षक द्वारा व्याख्या की जायेगी।

3. व्याख्यान विधि– विगत् सत्रों की भाँति शिक्षक विविध प्रकरणों, तथ्यों को समझाने, क्रमिक एवं तार्किक रूप से विषयवस्तु का प्रकटन करने हेतु व्याख्यान विधि का प्रयोग करेंगें।

4. योजना या प्रोजेक्ट विधि– प्रोजेक्ट विधि में छात्राओं को वास्तविक जीवन से सम्बन्धित किसी समस्या का हल खोज निकालने के लिए अच्छी तरह से चुना हुआ कार्य दिया जाता है जिसे छात्राएं स्वाभाविक परिस्थिति में सामाजिक वातारण में ही पूर्ण करती है।

5. सहभागी विधि– कक्षा शिक्षण के दौरान शिक्षिका, छात्राओं की पूर्ण सक्रिय सहभागिता कराकर शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली एवं उद्देश्यपूर्ण बनायी जाती है।

6. समावेशी शिक्षा– कक्षा में शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि विशिष्ट जरूरतों वाली छात्राओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने का सम्भावित प्रयास किया जाता है।

7. प्रदर्शन विधि– गृहविज्ञान एक व्यावहारिक विषय है जिसे केवल व्याख्यान विधि द्वारा पढ़ाना पर्याप्त नहीं है। अत: प्रदर्शन विधि द्वारा किसी संरचना, कार्य प्रणाली, तथ्य, प्रक्रिया विधि को स्पष्ट किया जाता है जिससे छात्राएं निरिक्षण, परीक्षण, अनुकरण आदि द्वारा जटिल प्रक्रिया का सरलता से बोध करती हैं।

8. करके सीखना– स्मृति का स्थान मस्तिष्क में नहीं वरन् शरीर के अवयवों में होता है। अत: गृह विज्ञान शिक्षण में छात्राओं को विभिन्न कार्यो को प्रत्यक्ष रूप से सीखने का अवसर प्रदान किया जाता है।

9. अन्वेषण/शोध विधि– एम.ए. द्वितीय वर्ष की छात्राओं में अन्वेषण एवं शोध की भावना के विकास हेतु उनके समक्ष एक समस्या प्रकट की जाती है, जिसके समाधान हेतु उनमें प्रेक्षण, चिंतन, तार्किकता की क्षमता का विकास होता है। इसमें शिक्षक की भूमिका मार्गदर्शक की तरह होती है।

10. शैक्षिक भ्रमण– बी.ए. अन्तिम वर्ष एवं एम.ए. की छात्राओं को पाठ्यक्रम सम्बन्धित स्थल पर भ्रमण कर वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर दिया जाता है। यह छात्राओं के लिए रोचक गतिविधियों में से एक है।

11. ग्रामीण भ्रमण– छात्राओं को ग्रामीण परिवेश के जीवन शैली, मनोवृत्ति, रोजगार, चुनौतियाँ, अवसर आदि पर विचार, चिंतन, मनन करने का अवसर दिया जाता है।

(C) कार्यशाला एवं व्याख्यान

- खाद्यान्न एवं फल संरक्षण — 04.11.2020 से 10.11.2020
- पोस्टर प्रतियोगिता (सर्वाइकल कैंसर) — 18.01.2021
- विशिष्ट व्याख्यान (सर्वाइकल कैंसर) — 28.01.2021
- मेंहदी प्रतियोगिता — 08.02.2021
- मंझरिया ग्राम में शैक्षिक भ्रमण — 10.02.2021
- सप्तदिवसीय कार्यशाला — 11.02.2021 से 15.02.2021
- कार्यशाला (पुष्प सज्जा) — 11.02.2021
- कार्यशाला (बन्धेज विधि द्वारा वस्त्रों की रंगाई) — 12.02.2021
- कार्यशाला (ग्लास पेंटिंग) — 13.02.2021
- कार्यशाला (मसाई आर्ट्स) — 14.02.2021
- कार्यशाला (परम्परागत भारतीय परिधानों की प्रदर्शनी) — 15.02.2021
- पाक कला प्रतियोगिता — 16.02.2021
- महिला सशक्तिकरण — 08.03.2021

कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	5,13	2, 9	2, 12, 21	6, 13, 22
बी.ए. द्वितीय	NA	8, 18	3, 10, 18	1, 10, 17	7	1, 12, 18	6, 13
बी.ए. तृतीय	NA	8, 17	2, 9	5, 13	3, 9	1, 12, 21	4, 12, 21
एम.ए. प्रथम	NA	10,19	7	3, 12, 19	2, 9	2, 12, 21	6, 13, 22
एम.ए. द्वितीय	NA	7,17	3, 9	5, 13	6, 19	9, 17	2, 11, 20

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	20	23	29	30
बी.ए. द्वितीय	NA	25	25	31	21	28	23
बी.ए. तृतीय	NA	24	24	20	23	28	29
एम.ए. प्रथम	NA	26	26	20	23	29	30
एम.ए. द्वितीय	NA	24	24	29	28	26	28

नोट : उपर्युक्त विभागीय कार्यक्रम की तिथियों में वर्तमान परिस्थियों के अनुसार परिवर्तन सम्भव है।

प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग तथा इतिहास विभाग

- एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी – 01 अगस्त, 2020
- दो दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी – 07–08 अगस्त, 2020
- व्याख्यान प्रतियोगिता – 01 मार्च 2021
- विशिष्ट व्याख्यान – 02 मार्च 2021
- विशिष्ट व्याख्यान – 03 मार्च 2021

सम्भावित अतिथि व्याख्यान

- प्रो. राजवन्त राव
- प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य
- प्रो. विपुला दूबे
- प्रो. ध्यानेन्द्र दुबे
- डॉ. कन्हैया सिंह
- डॉ. अमरेश सिंह
- प्रो. शीतला प्रसाद
- प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी
- प्रो. रामप्यारे मिश्र
- प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी
- डॉ. अजय कुमार सिंह
- डॉ. अजय कुमार मिश्र

प्राचीन इतिहास विभाग के विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन एवं उनके मासिक मूल्यांकन का माहवार विवरण

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	3, 12, 19	7	1, 11, 18	4, 12, 21
बी.ए. द्वितीय	NA	7] 17	2, 9, 16	1, 10, 17	6, 19	9, 17	2, 11, 20
बी.ए. तृतीय	NA	7] 17	2, 9, 16	1, 10, 17	6, 19	9, 17	2, 11, 20

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	31	21	28	28
बी.ए. द्वितीय	NA	24	24	29	28	26	28
बी.ए. तृतीय	NA	24	24	29	28	26	28

ग्राम्य दर्शन

- 09 अगस्त 2020
- 02 अक्टूबर 2020
- 28 फरवरी 2021
- 30 मई 2021
- 01 से 07 फरवरी 2021 तक विषय के विद्यार्थियों हेतु उपचारात्मक कक्षाओं का संचालन
- 05 फरवरी 2021 को विषय के विद्यार्थियों हेतु आशु व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन

राजनीतिशास्त्र विभाग

- **29-30 अगस्त 2020 – दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी**
  विषय- 'भारत की पड़ोस नीति : समसामयिक राजनयिक विमर्श'
  1. श्री मंजीत सिंह पुरी (नेपाल में भारत के पूर्व राजदूत)
  2. प्रो. माधव दास नलपत (द सण्डे गार्जियन एवं आईटीवी नेटर्व इण्डिया के सम्पादकीय
- **25 नवम्बर 2020 – ऑनलाइन संगोष्ठी**
  विषय: 'हम और हमारा संविधान'
  न्यायमूर्ति एस.के. सिंह (पूर्व न्यायाधीश इलाहाबाद उच्च न्यायालय एवं वर्तमान सदस्य राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण)
- **23.12.2020 – श्रव्य-दृश्य (रिकार्डेड वीडियो) कार्यक्रम**
  विषय : 'नूतन कृषि विधेयक 2020'
  डॉ. कृष्ण कुमार एवं श्री हरिकेश यादव
- **12.01.2021 – ऑफलाइन एवं पी.पी.टी. आधारित प्रतियोगिता**
  विषय : 'शोध व्याख्यान प्रतियोगिता'
  डॉ. कृष्ण कुमार, श्री हरिकेश यादव एवं श्रीमती नीतू सिंह
- **25.02.2021 – श्रव्य-दृश्य (रिकार्डेड वीडियो) कार्यक्रम**
  विषय : 'पंचायत चुनाव एवं मतदाता जागरूकता'
  डॉ. कृष्ण कुमार श्री हरिकेश यादव श्रीमती नीतू सिंह
- **08.03.2021 – निबन्ध प्रतियोगिता**
  'पंचायत चुनाव : महिलाओं की सशक्त होती भूमिका'

❖ कक्षाध्यापन (विद्यार्थियों द्वारा)

कक्षाध्यापन (विद्यार्थियों द्वारा)

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	1, 10, 17	6, 19	9, 17	2, 11, 20
बी.ए. द्वितीय	NA	6, 14	1, 8, 15, 23	9, 15	5, 18	8, 16	1, 9, 19
बी.ए. तृतीय	NA	6, 14, 22	8, 15, 23	9, 16	5, 18	8, 16	1, 9, 19

❖ उपरोक्त निर्धारित कक्षाध्यापन का स्वरूप भौतिक रूप से सामान्य कक्षाध्यापन का स्वरूप है जो भौतिक ऑफलाइन कक्षाओं के संचालन के दौरान लागू रहेगा।

किन्तु यदि कोविड-19 के कारण कक्षायें आनलाइन संचालित होंगी तो इसका स्वरूप परिवर्तित होगा और कक्षा संचालन के 15 दिन पश्चात रुचि एवं चयन के आधार पर निर्धारित होगा।

मासिक मूल्यांकन (विद्यार्थियों द्वारा)

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	29	28	26	28
बी.ए. द्वितीय	NA	22	30	23	27	24	27
बी.ए. तृतीय	NA	22	30	23	27	24	27

❖ उपरोक्त निर्धारित मासिक मूल्यांकन का स्वरूप भौतिक रूप से सामान्य मासिक मूल्यांकन का स्वरूप है जो भौतिक आफलाइन कक्षाओं के संचालन के दौरान लागू रहेगा।

किन्तु यदि कोविड-19 के कारण कक्षायें आनलाइन संचालित होंगी तो इसका स्वरूप आंशिक परिवर्तित होगा और प्रश्नों का प्रारूप MCQ (Multiple Choice Question) या बहुविकल्पीय होगा।

ग्राम्य दर्शन

सम्भावित तिथि

- 09 अगस्त 2020
- 02 अक्टूबर 2020
- 16 फरवरी 2021
- 30 मई 2021

अर्थशास्त्र विभाग

व्याख्यान - • 03 मार्च, 2021, डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, सहायक आचार्य, मनोविज्ञान विभाग (महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर)

• 04 मार्च, 2021, श्री नन्दन शर्मा, सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग (महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर)

एक दिवसीय कार्यशाला - 08 मार्च 2021, डॉ. सुरेन्द्र कुमार गुप्त, सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग (दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर)

विद्यार्थी कक्षाध्यापन - प्रत्येक सप्ताह में एक दिन विद्यार्थी द्वारा निर्धारित विषय पर कक्षा में पढ़ाया जाता है।

प्रत्येक माह में निर्धारित तिथि :

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	01,10, 17	06,19	09,17	02,11,20
बी.ए. द्वितीय	NA	06,14	01,08,15,23	09,16	05,18	08,16	01,09,19
बी.ए. तृतीय	NA	06,14	01,08,15,23	09,16	05,18	08,16	01,09,19

मासिक मूल्यांकन : प्रत्येक माह (अगस्त-2020 से जनवरी-2021) के अन्तिम सप्ताह में पढ़ाये गये व्याख्यानों में से विश्वविद्यालय परीक्षा में आने वाले सम्भावित प्रश्नों का प्रश्न पत्र बनाकर मासिक मूल्यांकन करना।

प्रत्येक माह में निर्धारित तिथि :

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	29	28	26	28
बी.ए. द्वितीय	NA	22	30	23	27	24	27
बी.ए. तृतीय	NA	22	30	23	27	24	27

ग्राम्य जागरूकता कार्यक्रम :

वर्तमान सत्र में चार बार विभाग के विद्यार्थियों सहित ग्राम्य जागरूकता कार्यक्रम

तिथि

- 09 अगस्त 2020
- 02 अक्टूबर 2020
- 16 फरवरी 2021
- 30 मई 2021

पी.पी.टी. कक्षाएं

पी.पी.टी. कक्षाएं प्रत्येक माह (जुलाई 2020 से जनवरी 2021) कक्षाएं पी.पी.टी. पर संचालन होंगी। कक्षाएं आनलाइन भी पढ़ाई जायेंगी।

हिन्दी विभाग

- 14 सितम्बर, 2020 — विशिष्ट व्याख्यान (हिन्दी दिवस)
- 24 नवम्बर, 2020 — हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता
- 24 नवम्बर, 2020 — हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

- 26 नवम्बर, 2020 — हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता
- 29 नवम्बर, 2020 — उदीयमान कवि गोष्ठी
- 09 जनवरी, 2021 — हिन्दी व्याख्यान प्रतियोगिता
- 06 फरवरी, 2021 — विशिष्ट व्याख्यान
- 06 मार्च, 2021 — विशिष्ट व्याख्यान

नोट - प्रत्येक माह में एक या दो व्याख्यान अतिथि शिक्षक पढ़ाये, विभाग इसका प्रयास करेगा।

व्याख्याताओं की सूची

- डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय
- डॉ. डॉ. भरत प्रसाद त्रिपाठी
- प्रो. अनन्त मिश्र
- प्रो. रामदरश राय
- प्रो. सिद्धार्थ शंकर त्रिपाठी
- प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त
- प्रो. अनिल राय
- डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी
- प्रो. अरविन्द त्रिपाठी
- डॉ. विजयानन्द त्रिपाठी

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	1, 10, 17	6, 17	9, 17	2, 11, 20
बी.ए. द्वितीय	NA	6, 14	1, 8, 15, 23	9, 16	5] 18	8, 16	1, 9, 19
बी.ए. तृतीय	NA	6, 14	1, 8, 15, 23	9, 16	5] 18	8, 16	1, 9, 19
एम. ए. प्रथम वर्ष	NA	10, 19	4, 11, 19	5, 13	2, 9	2, 12, 21	6, 13, 22
एम. ए. अन्तिम वर्ष	NA	8, 18	3, 10, 18	3, 12, 19	07	1, 11, 18	4, 12, 21

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	29	28	26	28
बी.ए. द्वितीय	NA	22	30	23	27	24	27
बी.ए. तृतीय	NA	22	30	23	27	24	27
एम. ए. प्रथम वर्ष	NA	26	26	20	23	29	30
एम. ए. अन्तिम वर्ष	NA	25	25	31	31	28	29

उपचारात्मक कक्षाएं

14-22 फरवरी, 2021

स्वमूल्यांकन प्रपत्र

प्रत्येक माह में शिक्षक द्वारा अपने मासिक दायित्वों एवं कार्य का विवरण प्रपत्र के माध्यम से प्राचार्य जी को उपलब्ध कराया जाएगा।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र - सत्र में दो बार शिक्षक उन्नयन के क्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरा जायेगा।

ग्राम्य दर्शन

- 09 अगस्त 2020
- 02 अक्टूबर 2020
- 16 फरवरी 2021
- 30 मई 2021

स्वैच्छिक श्रमदान - स्वैच्छिक श्रमदान में प्रतिभाग करेंगे

मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास

- विशिष्ट व्याख्यान (अ) 23 जनवरी, 2021, विषय:- 'स्वतन्त्रता संग्राम के महानायक सुभाषचन्द्र बोस'
  वक्ता:- डॉ. कृष्ण कुमार पाठक, महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
  (ब) 05 फरवरी, 2021, विषय:- ''चौरी-चौरा एक जनक्रांति''
  वक्ता:- डॉ. अजय कुमार सिंह, सीनियर एकेडमिक फेलो, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद
- शोध व्याख्यान प्रतियोगिता 24 फरवरी, 2021
- शिक्षक-प्रतिपुष्टि प्रपत्र आत्ममूल्यांकन एवं सुधारात्मक प्रवृत्ति हेतु छात्र/छात्राओं द्वारा दिसम्बर/जनवरी के किसी भी कार्यादिवस छात्र/छात्राओं की अधिकतम संख्या को देखते हुए उनसे पूर्व निर्धारित प्रोफार्मा पर शिक्षक अभिमत लिया जाएगा।

कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	3, 12, 19	7, 21	1, 11, 18	4, 12, 21
बी.ए. द्वितीय	NA	7, 17	2, 9, 16	1, 10, 17	6, 19	9, 17	2, 11, 20
बी.ए. तृतीय	NA	7, 17	2] 9] 15	03,12, 19	6, 18	11, 18	4, 12, 19
एम.ए. प्रथम	NA	10, 19, 26	4, 11, 19	5, 20	2, 9	2, 12, 30	7, 13
एम.ए. द्वितीय	NA	7, 19	9, 19	10, 19	10	12, 22	11, 21

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	31	21	28	28
बी.ए. द्वितीय	NA	24	24	29	28	26	28
बी.ए. तृतीय	NA	24	24	31	27	28	28
एम.ए. प्रथम	NA	NA	26	20	23	21	22
एम.ए. द्वितीय	NA	28	29	31	28	31	30

देशाटन (शैक्षिक भ्रमण)

इतिहास विषय के सभी कक्षाओं के छात्र/छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम दिसम्बर/जनवरी माह में किसी महत्वपूर्ण ऐतिहासिक जगह पर सम्भवत: ले जाया जायेगा।

उपचारात्मक कक्षाएं

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा परिणाम आने के उपरान्त फरवरी माह में 15 से 24 तक शैक्षिक दृष्टिकोण से आशानुरुप प्रदर्शन न कर पाने वाले विद्यार्थियों हेतु उपचारात्मक कक्षाएं संचालित करने की योजना है।

ग्राम दर्शन कार्यक्रम

- 09 अगस्त 2020
- 02 अक्टूबर 2020
- 16 फरवरी 2021
- 30 मई 2021

शिक्षाशास्त्र

- विशिष्ट व्याख्यान – 12 अक्टूबर, 2020
- पर्यावरण जागरूकता रैली – 03 जनवरी, 2021
- निबन्ध प्रतियोगिता – 20 फरवरी, 2021
- विशिष्ट व्याख्यान – 02 मार्च, 2021

कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	1,10,17	6,19	9, 17	2, 11, 20
बी.ए. द्वितीय	NA	06,14,22	8, 15., 23	9,17	5, 18	8, 16	1, 9, 19
बी.ए. तृतीय	NA	06,14,22	8,14, 28	7,23	6, 21	11,18	4, 12

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	29	28	26	28
बी.ए. द्वितीय	NA	28	29	23	26	24	27
बी.ए. तृतीय	NA	28	21	23	28	28	29

उपचारात्मक कक्षाएं

मार्च माह में 01 से 07 तारीख तक शैक्षिक दृष्टिकोण से विश्वविद्यालय परीक्षा के लिए बेहतर तैयारी करने के लिए उपचारात्मक कक्षाएं संचालित करने की योजना है।

ग्राम दर्शन कार्यक्रम

वर्ष में चार अवकाश की तिथियों पर विभाग गोद लिए गए गाँव में जन-जागरण हेतु जाएगा।

अन्य कार्यक्रम

बी.एड्. विभाग के कार्यक्रमों मे सहभागी के रूप में सहयोग।

सभी योजनाएं प्रस्तावित है समयानुसार परिवर्तन संभव है।

Dept. of English Literature

Dept. teacher according to lesson plan & will try to complete the syllabus on time. Extra classes will be managed during the working days & hours.

1. **Class Teaching :**After every fifth working day, sixth day classes are taken by the students which help in personality & academic development of the students. The team of class teaching is declared on the previous class teaching day. Lecturer helps them to be ready with their allotted topic.

   This year's class teachings schedule is:

Class Teaching & Monthly Evaluation Schedule

Class	Date - Class Teaching						
	July	August	September	October	November	December	January
B.A. I	NA	NA	NA	3, 12, 19	7	1, 11, 18	4, 12, 21
B.A. II	NA	7,17	2, 9, 16	1, 10, 17	6, 19	9, 17	2, 11, 20
B.A. III	NA	7,17	2, 9, 16	1, 10, 17	6, 19	9, 17	2, 11, 20

Monthly Evaluation : Monthly Evalution help Lectures to assess that revealed or the taught portion of the month was understood by the students before it'stoo late. Evaluation shows that how many have failed to grasp a particular chapter & a lecturer can reteach it. If a few are confused, the lecturer can provid individualized help. It also help students to get ready for the examinations & to know their weak points. This year monthly evaluations are held on:

Class	Date - Monthly Evaluation						
	July	August	September	October	November	December	January
B.A. I	NA	NA	NA	31	21	28	29
B.A. II	NA	24	24	29	28	26	28
B.A. III	NA	24	24	29	28	26	28

Power-point classes : This year Dept. has decided not to take any class on P.P.T because Dept. has uploaded the whole syllabus of B.A. I,II&III year on the Departmental Blog. So the students who want to take the benefit of power point class they have to access the website of the college.

Guest Lectures & workshop :

"Something different than the usual always seems interesting!"

Guest lectures & workshops enhances the educational experience of the students. It provides them opportunity to learn new, when students are guided by the professors or the guest lectures they learn a ton, with such aim Dept. has planned to organise guest lectures workshop for the students on:

- 01st Feb. 2021, Monday
- 17th Feb. 2021, Wednesday
- 20th Feb. 2021, Saturday
- 26th Feb. 2021, Saturday, Workshop

Proposed Subject Experts

- Prof. Ajay Shukla, Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University
- Dr. Shikha Singh, Asst.Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University
- Dr.Santosh Singh, Asst.Prof. Dept. of English Lit., Madhav Prasad Tripathi Mahila Govt. Degree College, Sant Kabir Nagar.
- Dr.Sudheer Narayan Singh, H.O.D Associate.Prof. DHMS, MMMUT, Gorakhpur
- Dr.Ganesh Srivastava, Asst.Prof. Dept. of English Lit., Hira lal P.G.College, Khalilabad.
- Dr. Rajesh Srivastava, Asst.Prof. Dept. of English Lit., Govt. P.G.College, Dhara, Kushinagar.

Competitions : Competition not only promots, improved teamwork & collaboration & enhances social emotional learning, but a develops academic heroes, beneficial peer comparisons & increase intrirsic motivation. So to bring all these, Dept. will organise some competitions as:

- Essay Competition 25th Nov 2020
- Elocution Competition 24th Dec. 2020
- Story-writing competition 28th Jan 2021
- Extempore 23rd Feb. 2021
- Lecture competition 03rd March 2021

Problem Solving class & Remedial Class : IV Period wil be declared as Problem solving class for the Students of B.A I, II & III year. The period of 15 March-24 March will be declared as remedial class after pre-university examination.

Feed back from the students : Dept. will take feed back of students on prescribed format twice in a year i.e. in the month of December & February to improve the teaching methodology & to know what are the expectations of the students from the class & college.

Adopted Students : Each & every dept. of the college adoptes five students to look after their academic & personality development & an emotional & sentimental relationship is developed just like parents & child.

Though the dept. is always in contact with the adopted students, but this year dept. will try to sit together at least once in month with the adopted students in a group.

Adopted village visit : Beautiful scenes of nature, fresh-air, hospitable people, quiet & peaceful life-all these things are the real beauty of a village.This time Dept. has decided to introduce the students to the villagers with a new perspective. Dept. will visit the village just as a pinic spot where students will not only observe the natural way of life but also will be inspired for the community social works. Dept. will visit adopted village in the month of :

- 15th Nov. 2020
- 20th Dec. 2020
- 15th Feb. 2021
- 30th May. 2021

Swachik Shramdaan : Dept. will participate in swachik shramdaan to develop the habit of cleanliness & to make Students feel that labourers are in no way inferior to us & not any job is inferior than the other one.

Apart from this shramdaan provids our mind the pleasure of satisfaction, our personality of idealness& benefits the body in so many ways.

Dept. will try to invite the guest lectures to take at least one class each & every month.

समाजशास्त्र विभाग

- शोध व्याख्यान प्रतियोगिता - समाजशास्त्र विषय के छात्र/छात्राओं में शोध अभिरूचि बढ़ाने हेतु शोध व्याख्यान प्रतियोगिता/दिनांक 22.12.2020
- विशिष्ट व्याख्यान - समाजशास्त्र विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन दिनांक 23.02.2021
  प्रस्तावित विषय - ''कोविड 19 का सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव''
- अतिथि व्याख्यान- समाजशास्त्र विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन दिनांक 01.03.2021
  प्रस्तावित विषय - ''साइबर अपराधा का सामाजिक प्रभाव''

अतिथि व्याख्यान - समाजशास्त्र विषय के छात्र/छात्रओं हेतु प्रत्येक माह में दो अतिथि व्याख्यान पाठ्यक्रम योजना के

- **श्री प्रकाश प्रियदर्शी** (असि.प्रो., समाजशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि. गोरखपुर) 18.08.2020
- **श्री दीपेन्द्र मोहन सिंह,** (असि.प्रो., समाजशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि. गोरखपुर) 16.09.2020
- **डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय,** (असि.प्रो., समाजशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि. गोरखपुर) 12.10.2020

कक्षाध्यापन तिथियाँ

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम वर्ष	NA	NA	NA	5, 14	3, 10	3, 15, 23	08,18
बी.ए. द्वितीय वर्ष	NA	8,18,25	11,19,	5, 13	2, 9	2, 12, 21	6,13,22
बी.ए. तृतीय वर्ष	NA	8,18	4,11,21	6, 14	3, 10,	3, 14, 23	8,18,25
एम.ए. प्रथम वर्ष	NA	10,19	4, 11,19	5, 13	2, 9	2, 11, 18	4,12,21
एम.ए. अन्तिम वर्ष	NA	8,18	03,10,18	3,12,19	7, 21	1, 11, 18	4,12,21

मासिक मूल्यांकन तिथियाँ

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम वर्ष	NA	NA	NA	21	24	31	25
बी.ए. द्वितीय वर्ष	NA	28	26	20	23	29	30
बी.ए. तृतीय वर्ष	NA	28	28	21	24	31	30
एम.ए. प्रथम वर्ष	NA	28	26	20	23	28	29
एम.ए. अन्तिम वर्ष	NA	28	25	31	28	29	29

मनोविज्ञान विभाग

- मनोविज्ञान विभाग के छात्र/छात्राओं हेतु कार्यशाला - दिनांक-23 फरवरी 2021
- मनोविज्ञान विभाग के छात्र/छात्राओं की व्याख्यान प्रतियोगिता - दिनांक-24 फरवरी 2021
- मनोविज्ञान विभाग के छात्र/छात्राओं की उपचारात्मक कक्षाएं - दिनांक-01-07 मार्च 2021
- महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु मनोवैज्ञानिक परामर्श की व्यवस्था।
- मनोविज्ञान के विद्यार्थियों को परामर्श कौशल का प्रशिक्षण
- मनोविज्ञान विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम छोटी जमुनहिया का निम्नांकित तिथियों पर ग्राम सर्वेक्षण :
  - 09 अगस्त 2020
  - 02 अक्टूबर 2020
  - 16 फरवरी 2021
  - 30 मई 2021

मनोविज्ञान के छात्र/छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन निम्नांकित तिथियों पर

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	05, 13	02, 09	02, 12, 21	04,13, 22
बी.ए. द्वितीय	NA	08, 18	03, 10	12, 19	07	01, 11, 18	04,12, 21
बी.ए. तृतीय	NA	08, 18	03, 10	12, 19	07	01, 11, 18	04,12, 21
कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	NA	NA	20	23	29	30
बी.ए. द्वितीय	NA	25	25	31	21	28	29
बी.ए. तृतीय	NA	25	25	31	21	28	29

वाणिज्य विभाग

- 14 दिसम्बर 2020 - प्रस्तावित अतिथि व्याख्यान (कृषि कानून और उसका महत्त्व)
- 25 फरवरी 2021 - प्रस्तावित अतिथि व्याख्यान (महिला अधिकार- मिशन शक्ति)
- 05 मार्च 2021 - शोध व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातकोत्तर स्तर)
- 06 मार्च 2021 - शोध व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातकोत्तर स्तर)
- 08 मार्च 2021 - एक दिवसीय कार्यशाला
- 10 मार्च 2021 - कार्यशाला (परीक्षा प्रश्नों का उत्तर लेखन कला)
- 20 मार्च 2021 - प्रस्तावित अतिथि व्याख्यान (व्यक्तित्व)

नोट : महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के पुरातन छात्रों द्वारा जिन्हें वर्तमान समय में व्यवसाय व उद्योग संचालन का अनुभव है। (अतिथि व्याख्यान)

समावर्तन-2021

- स्नातक प्रथम वर्ष परिचय समारोह : 12 जनवरी 2021
- परास्नातक प्रथम वर्ष परिचय समारोह : 02 फरवरी 2021
- कक्षाध्यापन- प्रत्येक ग्रुप में चयनित छात्रों द्वारा साप्ताहिक ऑनलाइन कक्षाध्यापन।
- मासिक मूल्यांकन - माह के अंत में प्रत्येक प्रश्न पत्र का मासिक मूल्यांकन।
- मासिक मूल्यांकन परिणाम - माह के अंत में प्रत्येक प्रश्न पत्र का मासिक मूल्यांकन परिणाम
- स्वमूल्यांकन परिणाम - प्रत्येक माह के 05 तारीख तक स्वमूल्यांकन प्रपत्र जमा करना।
- शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र - वर्ष में दो बार 29 जनवरी 2021 तथा 23 मार्च 2021 को छात्रों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाना।
- प्रगति आख्या - प्रत्येक माह के 10 तारीख तक प्रगति आख्या पूर्ण करना।
- गोद लिए गये छात्र - 10 अगस्त से शिक्षक द्वारा विभाग में पंजीकृत सभी छात्रों का गोद लिया जाना।
- प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम - 1. कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
  2. कार्यालय प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
- ग्राम दर्शन - 09 अगस्त 2020, 02 अक्टूबर 2020, 16 फरवरी 2021, 30 मई 2021
- स्वैच्छिक श्रमदान - साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा - फरवरी के प्रथम सप्ताह में।
- प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा - विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के साथ।
- उपचारात्मक कक्षा - समावर्तन के बाद
- विभागीय पूर्व छात्र सम्मेलन - जून माह में।

बी.एड. विभाग

जुलाई 2020

(A) सत्रारम्भ के प्रथम सप्ताह- कार्यशाला, विषय- कार्यपद्धति, भाषा परिसर संस्कृति

(B) विभागीय योजनाएँ

- पाठ्यक्रम योजना - महाविद्यालय की वेबसाइट पर सत्र के प्रारम्भ में सम्पूर्ण वार्षिक पाठ-योजना अद्यतन उद्धरित कर दी जाती है।
- नवागन्तुक छात्राध्यापकों का स्वागत - प्रतिवर्ष बी.एड. द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों द्वारा बी.एड. प्रथम वर्ष के नवागन्तुक अध्यापकों को तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बाँधकर स्वागत।
- मासिक मूल्यांकन - एक माह में पढ़ाये गये विषय-वस्तु से सम्बन्धित प्रश्न पत्र तैयार करके छात्रों के अधिगम उपलब्धि का परीक्षण किया जाता है। तथा निश्चित पूर्णांक की बहुविकल्पीय/निबन्धात्मक परीक्षा ली जाती है।

- प्रगति आख्या – बी.एड्. में पढ़ रहे सभी छात्राध्यापकों की एक सत्र की सम्पूर्ण कक्षागत गतिविधियाँ, आचरण व्यवहार का माहवार संकलन होता है। यह प्रत्येक सत्र में तैयार किया जाता है।
- स्वमूल्यांकन प्रपत्र – प्रत्येक माह के 08 तारीख तक शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र जमा करना
- शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र – सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में प्रत्येक शिक्षक द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाना।
- प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम – मानवीय मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु बी.एड्. विभाग में जीवन मूल्य एवं हमारे पूर्वज पाठ्यक्रम चलाये जाते, जिसमें सनातन मूल्यों, भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक-सांस्कृतिक नवाचार लाने, सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में महती भूमिका निभाने वाले महान पूर्वजों के बारे में अध्ययन-अध्यापन किया जाता है तथा उसके पूर्ण होने के पश्चात छात्राध्यापकों में व्यवहारगत मूल्यों में परिवर्तन हुआ। इसके लिए निबन्धात्मक परीक्षा करायी जाती है एवं उत्तीर्ण छात्राध्यापकों को प्रमाण-पत्र दिया जाता है।
- मिशन मंझरिया – 2019-20 ''एक विभाग-एक गाँव योजना'' को पूर्ववत् जारी रखते हुए निर्णय किया गया कि महाविद्यालय से सटे ग्राम मंझरिया को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता के साथ-साथ तकनीकी विकास के प्रति जागरूकता के साथ-साथ केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की योजनाओं से संतृप्त गांव बनाने का मिशन मंझरिया प्रोजेक्ट को एक कदम और आगे बढ़ाने की योजना।
- स्वैच्छिक श्रमदान – महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक शनिवार साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में शिक्षक-छात्राध्यापक प्रतिभाग।
- मासिक समीक्षा बैठक – प्रत्येक महीने की मासिक समीक्षा अगले महीने की योजना।
- साप्ताहिक शिक्षक बैठक – प्रति सप्ताह किये गए पठन-पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ, नवाचार आदि की समीक्षा एवं अगले सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक शनिवार को विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में साप्ताहिक शिक्षक बैठक
- महात्मा गांधी की 150 वीं जयन्ती वर्ष – 02 अक्टूबर 2019 से ही महात्मा गांधी की वर्ष भर 150वीं जयन्ती वर्ष कार्यक्रम मनाया जा रहा है। इस सत्र में भी यह कार्यक्रम 02 अक्टूबर 2020 तक जारी रहेगा।

- बी.एड्. स्काउट-गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर – फरवरी माह में 10-14 फरवरी को पाँच दिवसीय स्काउट-गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन।

(C) शिक्षण विधियाँ

- प्रोजेक्टरयुक्त कक्षाएँ – गत सत्र बी.एड्. विभाग में सम्पूर्ण कक्षाएँ पावर प्वाइंट पर ली गयी। इस वर्ष भी हम एक कदम और आगे चलने का प्रयास करेंगें।
- व्याख्यान विधि – शिक्षण विधियों में व्याख्यान के बिना सम्पूर्ण शिक्षण अधूरा है। हम अपनी बी.एड्. की कक्षाओं में भी व्याख्यान विधि का प्रयोग करते हैं। इस वर्ष व्याख्यान में शिक्षक-छात्र अन्त:क्रिया के प्रयोग पर अत्यधिक बल दिया जायेगा।
- प्रोजेक्ट विधि – शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने हेतु बी.एड्. की सभी कक्षाओं में कक्षाध्यापन हेतु पावरप्वाइंट प्रेजेन्टेशन का प्रयोग किया जाता है।
- सामूहिक परिचर्चा – बी.एड्. की प्रत्येक कक्षाओं में एक व्याख्यान पूर्ण करने के बाद उस प्रकरण पर छात्राध्यापकों द्वारा सामूहिक चर्चा की जाती है।
- समनुदेशन विधि – बी.एड्. की प्रत्येक सैद्धन्तिक एवं प्रयोगात्मक कार्य में एसाइनमेंट विधि का प्रयोग किया जाता है, जिससे कि सामूहिक शिक्षण विधियों में जो कठिनाई होती है, को दूर किया जा सके।
- उपचारात्मक अनुदेशन – मासिक मूल्यांकन परीक्षण में जिस विषय वस्तु पर अच्छी उपलब्धि नहीं दिखाई पड़ती, उस विषय पर पुन: उपचारात्मक अनुदेशन किया जाता है।
- स्कूल इंटर्नशिप – बी.एड्. द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों का विद्यालयी प्रशिक्षण कार्य प्रत्येक वर्ष की भाँति कराने की योजना।
- सूक्ष्म शिक्षण – बी.एड्. प्रथम वर्ष की कक्षाओं का प्रतिदिन सूक्ष्म शिक्षण कौशल अभ्यास।
- ग्राम्य प्रोजेक्ट – 'एक विभाग एक गाँव' के तर्ज पर इस वर्ष भी ग्राम विकास के लिए अग्रसर रहेंगें।
- शैक्षिक भ्रमण – बी.एड्. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा किसी दर्शनीय स्थल का शैक्षिक भ्रमण।

कार्यशाला, व्याख्यान, संगोष्ठी

अगस्त-2020

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम/कक्षा	प्रस्तावित वक्ता
27, 28	सोमवार मंगलवार	10:00-11.30 02.00-03.50	वर्तमान सामाजिक परिपेक्ष्य और महात्मा गाँधी	ऑनलाइन संगोष्ठी	प्रो. रजनीश शुक्ल श्री हरिकेश बहादुर सिंह प्रो. तेज प्रताप सिंह प्रो. योगेन्द्र सिंह श्री हुकुमदेव यादव

सितम्बर-2020

05	शनिवार	11:20-12:10	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णनन का शैक्षिक दर्शन	एक दिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान कार्यक्रम	डॉ. कृष्ण कुमार पाठक
25	शुक्रवार	01:20-02:10	महात्मा गांधी एवं पड़ित दीनदयाल उपाध्याय की बुनियादी शिक्षा एवं नई शिक्षा नीति	ऑनलाइन व्याख्यान	प्रो. कल्पलता पाण्डेय

अक्टूबर-2020

02	शुक्रवार	11:20-01:10	राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150वीं जयन्ती का समारोप	पौधरोपण, चित्रकला प्रतियोगिता, गांधी भजन	डॉ. प्रदीप कुमार राव, सुश्री दीप्ती गुप्ता श्रीमती विभा सिंह
12	सोमवार	10:30-11:20	जनसंख्या वृद्धि और जीवन की गुणवत्ता में सम्बन्ध शिक्षा की भूमिका	ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान	डॉ. रीता सिंह

जनवरी-2021

04 से 10	सोमवार से रविवार	12:30-01:20	कार्यपद्धति, भाषा, परिसर, संस्कृति	सप्तदिवसीय शैक्षिक कार्यशाला	डॉ. प्रदीप कुमार राव श्रीमती शिप्रा सिंह
12	शुक्रवार	12:30-01:20	पोस्टर प्रतियोगिता	पोस्टर प्रतियोगिता	
22	शुक्रवार	10:00-01:00	प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा		
30	शनिवार	09:40-10:30	पर्यावरण जागरूकता रैली	रैली-ग्राम-मंझरिया हसंनगंज, रेतवहिया	श्रीमती विभा सिंह

फरवरी-2021

दिनांक	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
01	एक दिवसीय योग कार्यशाला	श्री ऋषभ सिंह
10-14	पाँच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर	श्री अजय कमार सिंह श्री सूरज चन्द
20	योग कार्यशाला (प्राणायाम)	श्री विनय कुमार सिंह
23	शैक्षिक प्रदर्शनी	प्रो. शोभा गौड़
25	सुभाष चन्द्र बोस 125वीं जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत आयोजित	वाद-विवाद कार्यक्रम (किसान बिल)

मार्च-2021

05	मिशन शक्ति के अन्तर्गत विशिष्ट व्याख्यान (विषय: 'नारी सशक्तिकरण')	श्रीमती अंजू चौधरी
06	नुक्कड़ नाटक	छात्राध्यापकों द्वारा

नोट : उपर्युक्त विभागीय कार्यक्रमों की तिथियां वर्तमान परिस्थिति के अनुसार परिवर्तित होंगी।

भाग-3 : क्रीड़ा विभाग

सत्र 2020-21 में क्रीड़ा विभाग द्वारा महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रस्तावित है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

मेजर ध्यानचन्द्र जयन्ती-विशिष्ट व्याख्यान (29 अगस्त 2020)

विषय : 'शिक्षा में खेल का महत्त्व'

खेल महोत्सव (10 से 14 फरवरी 2021)

10 फरवरी - 11:45 पूर्वाह्न - खेल महोत्सव का उद्घाटन
12:00 अपराह्न - योगिराज बाबा गंभीरनाथ स्मृति वालीबॉल प्रतियोगिता (बालक वर्ग)
02:00 अपराह्न - योगिराज बाबा गंभीरनाथ स्मृति वालीबॉल प्रतियोगिता (बालिका वर्ग)

12 फरवरी - 10:30 पूर्वाह्न - 800 मीटर बालक वर्ग फाइनल
10:45 पूर्वाह्न - 800 मीटर बालिका वर्ग फाइनल
11:00 पूर्वाह्न - गुरु श्रीगोरक्षनाथ स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता (बालिका वर्ग)
11:15 पूर्वाह्न - गोला क्षेपण प्रतियोगिता (बालिका वर्ग)
12:00 अपराह्न - गुरु श्रीगोरक्षनाथ स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता (बालिका वर्ग)

	12:15 अपराह्न –	गोला क्षेपण प्रतियोगिता (बालक वर्ग)
	01:00 अपराह्न –	200 मीटर हीट (बालिका वर्ग)
	01:15 अपराह्न –	200 मीटर हीट (बालक वर्ग)
13 फरवरी –	10:30 पूर्वाह्न –	400 मीटर हीट (बालक वर्ग)
	10:50 पूर्वाह्न –	400 मीटर हीट (बालिक वर्ग)
	11:00 पूर्वाह्न –	200 मीटर फाइनल (बालक वर्ग)
	11:15 पूर्वाह्न –	200 मीटर फाइनल (बालिक वर्ग)
	11:30 पूर्वाह्न –	लम्बी कूद (बालक वर्ग)
	12:30 अपराह्न –	लम्बी कूद (बालिका वर्ग)
	01:00 अपराह्न –	400 मीटर फाइनल (बालक वर्ग)
	01:10 अपराह्न –	400 मीटर फाइनल (बालिका वर्ग)
	01:15 अपराह्न –	चक्र क्षेपण (बालक वर्ग)
	01:35 अपराह्न –	चक्र क्षेपण (बालिका वर्ग)
14 फरवरी –	10:00 पूर्वाह्न –	महन्त अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता (बालक वर्ग)
	10:00 पूर्वाह्न –	महन्त अवेद्यनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता (बालिक वर्ग)
	12:00 अपराह्न –	महन्त अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता (बालिका वर्ग)
	12:00 अपराह्न –	महन्त अवेद्यनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता (बालिका वर्ग)
15 फरवरी –	10:30 पूर्वाह्न –	100 मीटर हीट (बालक वर्ग)
	10:55 पूर्वाहन –	100 मीटर हीट (बालिका वर्ग)
	11:10 पूर्वाह्न –	भाला क्षेपण (बालक वर्ग)
	11:40 पूर्वाह्न –	भाला क्षेपण (बालिका वर्ग)
	12:05 अपराह्न –	100 मीटर फाइनल (बालिका वर्ग)
	12:10 अपराह्न –	100 मीटर फाइनल (बालक वर्ग)
	12:20 अपराह्न –	4x100 मीटर रीले (बालिका वर्ग)
	12:30 अपराह्न –	4x100 मीटर रीले (बालक वर्ग)
	01:00 अपराह्न –	खेल महोत्सव का समापन एवं पुरस्कार वितरण
06 मार्च –	800 मीटर दौड़ (बालक /बालिका वर्ग) प्रतियोगिता	
07-08 मार्च –	महन्त अवेद्यनाथ स्मृति कैनवस बॉल प्रतियोगिता	
	उद्घाटन समारोह- 07 मार्च 2021	
	समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण	

भाग-5 : राष्ट्रीय सेवा योजना

04 जुलाई 2020	वनमहोत्सव के अन्तर्गत पौधरोपण कार्यक्रम
24 सितम्बर 2020	राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस (दिवसीय कार्यशाला)
02 अक्टूबर 2020	गाँधी जयन्ती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती समारोह
15 अक्टूबर 2020	''विश्व हाथ धुलाई दिवस'' पर हाथ धुलने का प्रशिक्षण
16 अक्टूबर 2020	''विश्व खाद्य दिवस'' पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन
19–23 अक्टूबर 2020	''मिशन शक्ति'' पर आयोजित पाँच दिवसीय मार्शल आर्ट्स प्रशिक्षण कार्यशाला
19 अक्टूबर 2020	''मिशन शक्ति'' पर आयोजित पाँच दिवसीय मार्शल आर्ट्स प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन समारोह
23 अक्टूबर 2020	''मिशन शक्ति'' पर आयोजित पाँच दिवसीय मार्शल आर्ट्स प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह
24 अक्टूबर 2020	''उत्तर प्रदेश के मिशन शक्ति के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा ''लैंगिक समानता, घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा पाक्सो एक्ट एवं महिला हेल्प लाइन नम्बर'' विषय पर वेबीनार का आयोजन
31 अक्टूबर 2020	'राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ' कार्यक्रम का आयोजन (ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों प्रारूप में)
12 जनवरी 2021	स्वामी विवेकानन्द जयंती (भारत-भारती पखवारा राष्ट्रीय युवा सप्ताह)
14 जनवरी 2021	प्रथम एक दिवसीय शिविर
19 जनवरी 2021	महाराणा प्रताप स्मृति दिवस (एक दिवसीय कार्यशाला)
23 जनवरी 2021	सुभाष्ठा चन्द्रबोस जयन्ती पर व्याख्यान
24 जनवरी 2021	द्वितीय एक दिवसीय शिविर
26 जनवरी 2021	गणतंत्र दिवस समारोह
07 फरवरी 2021	तृतीय एक दिवसीय शिविर
10–16 फरवरी 2021	सप्तदिवसीय विशेष शिविर का आयोजन
14 फरवरी 2021	पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि
15 फरवरी 2021	''युवा योद्धा व मुस्कुरायेगा इण्डिया'' विषय पर श्रव्य-दृश्य कार्यक्रम
15 फरवरी 2021	महाराजा सुहेलदेव जयन्ती के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान
16 फरवरी 2021	सरस्वती पूजन
08 मार्च 2021	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
16 मार्च 2021	चतुर्थ एक दिवसीय शिविर

नोट : गोद लिए गये गांव हसनगंज में सेवा कार्य सत्र भर विभिन्न तिथियों में किया जायेगा।

भाग-5 : अवकाश सूची 2020-21

क्र.सं.	त्यौहार का नाम	घोषित दिन	दिनांक
1.	नागपंचमी	01	25 जुलाई 2020
2.	ईदुज्जुहा (बकरीद)	01	01 अगस्त 2020
3.	कृष्ण जन्माष्टमी	01	12 अगस्त 2020
4.	मोहर्रम	01	30 अगस्त 2020
5.	अनन्त चतुर्दशी	01	31 अगस्त 2020
6.	पितृ विसर्जन	01	17 सितम्बर 2020
7.	दशहरा	05	24-28 अक्टूबर 2020
8.	चेहल्लूम*	01	8 अक्टूबर 2020
9.	ईद-ए-मिलाब/वारावफ़ात	01	30 अक्टूबर 2020
10.	दीपावली	04	11-14 नवम्बर 2020
11.	गोवर्धन पूजा	01	15 नवम्बर 2020
12.	भैया दूज/चित्रगुप्त पूजा	01	16 नवम्बर 2020
13.	छठपूजा	01	20 नवम्बर 2020
14.	कार्तिक एकादशी	01	25 नवम्बर 2020
15.	गुरुनानक जयन्ती/कार्तिक पूर्णिमा	01	30 नवम्बर 2020
16.	क्रिसमस दिवस	01	25 दिसम्बर 2020
17.	मकर संक्रान्ति	02	14-15 जनवरी 2021
18.	बुढ़वा मंगल	01	26 जनवरी 2021
19.	मौनी अमावस्या	01	11 फरवरी 2021
20.	महाशिवरात्रि	01	11 मार्च 2021
21.	होली	04	28-29 मार्च 2021
22.	रामनवमी	01	21 अप्रैल 2021

4.दायित्त्वसह कार्य विभाजन – परम्परागत रूप से कार्य विभाजन में निम्न तीन विधियाँ अपनायी गई।

(क) शिक्षक स्वयं से अपना कार्य चुनकर अपने को प्रभारी घोषित कर दें।

(ख) कोई शिक्षक किसी कार्य हेतु किसी भी अन्य शिक्षक का नाम प्रस्तावित कर दें।

(ग) प्राचार्य द्वारा किसी कार्य हेतु किसी को प्रभारी बना दिया जाय।

वर्तमान सत्र में अधिकांश शिक्षकों ने अपनी रूचि के अनुसार स्वयं अपना दायित्व चुना, कुछ का नाम अन्यों द्वारा प्रस्तावित किए जाने पर सम्बन्धित शिक्षक की सहमति पर दायित्व निर्धारित हुए तो अन्त में कुछ कार्य/दायित्व प्राचार्य द्वारा दे दिए गए। बैठक में निम्नवत दायित्व निर्धारित किया गया–

महाविद्यालय प्रशासन

1.	**प्रवेश/परीक्षा**	डॉ. विजय कुमार चौधरी
2.	**मुख्य नियंता/अनुशासन**	डॉ. आर.एन. सिंह
3.	**राष्ट्रीय सेवा योजना**	डॉ. अभिषेक सिंह/श्रीमती साधना सिंह
4.	**पुस्तकालय**	डॉ. रमाकान्त दूबे/श्री प्रतीक दास
5.	**प्रयोगशाला**	श्री हनुमान प्रसाद उपाध्याय
6.	**तकनीकी विकास**	डॉ. मंजेश्वर
7.	**बागवानी**	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव
8.	**स्वच्छता/विद्युत**	श्री विनय कुमार सिंह / डॉ. अभिषेक सिंह
9.	**नैक, IQAC, AISHE एवं तत्सम्बन्धी कार्य**	डॉ. अभिषेक वर्मा
10.	**सांस्कृतिक कार्यक्रम**	सुश्री दीप्ति गुप्ता / श्रीमती विभा सिंह
11.	**पठन/पाठन**	डॉ. प्रदीप कुमार राव
12.	**वेबसाइट**	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव
13.	**क्रीड़ा**	डॉ. आरती सिंह
14.	**गोद लिए गए गाँव**	श्रीमती कविता मन्ध्यान
15.	**सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना**	डॉ. विजय कुमार चौधरी
16.	**रोवर्स-रेंजर्स**	श्रीमती पुष्पा निषाद
17.	**छात्रसंघ**	श्री नन्दन शर्मा
18.	**कार्यालय**	डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय
19.	**अभिभावक संघ**	श्री संजय कुमार जायसवाल
20.	**पुरातन छात्र परिषद्**	डॉ. शिव कुमार वर्नवाल
21.	**प्राथमिक उपचार केन्द्र**	श्री सुबोध कुमार मिश्र

22.	**सिलाई कढ़ाई**	डॉ. नेहा कौशिक
23.	**कम्प्यूटर प्रशिक्षण**	डॉ. रामसहाय
24.	**प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम**	श्रीमती शिप्रा सिंह
25.	**प्रार्थना सभा**	श्रीमती पुष्पा निषाद
26.	**सूचना एवं परामर्श**	डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र
27.	**ध्येय-पथ**	सुश्री अंकिता विशेन
28.	**शोध/प्रकाशन/मुद्रण**	श्री सुबोध कुमार मिश्र
29.	**छात्र-महिला सुरक्षा समिति**	डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव
30.	**रख-रखाव**	डॉ. अरूण कुमार राव
31.	**ई.पी.एफ.**	डॉ. अरुण कुमार राव
32.	**छात्रवृत्ति**	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
33.	**प्रसार/मीडिया**	श्री सुबोध कुमार मिश्र
34.	**गणवेश**	डॉ. अनुभा श्रीवास्तव / डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव
35.	**पर्यावरण/पालिथीन मुक्त परिसर**	डॉ. श्री हरिकेश यादव
36.	**छात्रावास**	श्री विनय कुमार सिंह
37.	**प्रमुख कार्यक्रम/आयोजन**	श्री श्रीकान्त मणि त्रिाठी
38.	**क्रय समिति**	डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय
39.	**आई.टी. सेल/सेवायोजन प्रकोष्ठ**	श्री श्रीनिवास सिंह
40.	**एन.सी.सी.**	
	45 यू.पी. बटालियन	डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र
	15 यू.पी. गर्ल्स बटालियन	श्रीमती कविता मन्ध्यान
41.	**अतिथि एवं जलपान**	श्री मंजेश्वर
42.	**दिव्यांग छात्र-समस्या-समाधान प्रकोष्ठ**	डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर
43.	**गोद लिए गए गाँव/उन्नत भारत अभियान समिति**	

1. श्रीमती कविता मंध्यान - संयोजक
2. डॉ. अभिषेक सिंह - सदस्य, राष्ट्रीय सेवा योजना
3. श्री ब्रजभूषण - सदस्य, राष्ट्रीय सेवा योजना
4. श्रीमती साधना सिंह - सदस्य, राष्ट्रीय सेवा योजना
5. श्री सुबोध कुमार मिश्र - सदस्य, राष्ट्रीय सेवा योजना
6. श्रीमती शिप्रा सिंह - सदस्य, मिशन मंझरिया

5. **प्रवेश एवं परीक्षा** – प्रवेश समिति एवं परीक्षा समिति का पुनर्गठन किया गया। प्रवेश के सन्दर्भ में गत 02 मई को सम्पन्न समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णय की पुनः पुष्टि की गई। कोविड–19 के प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए ऑनलाईन कक्षाएँ संचालित करने का निर्णय लिया गया। पूर्ववत् परीक्षानीति को स्वीकृति प्रदान कर दी गई। परिस्थिति अनुसार कक्षा संचालन के स्वरूप एवं तिथि में परिवर्तन किया जाता रहेगा। प्रवेश के समय ही प्रवेशार्थी को समय–सारणी, परिचय पत्र, पुस्तकालय कार्ड, छात्रवृत्ति फार्म उपलब्ध करा दिया जाएगा। प्रवेश सम्बन्धी सभी प्रक्रियाएं एक ही स्थान पर पूर्ण होंगी।

6. **समय–सारणी** – डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. आर.एन. सिंह, डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. अरुण राव एवं श्री मंजेश्वर द्वारा समय–सारणी अद्यतन कर प्रवेश प्रारम्भ होने से पूर्व बना लिया जाएगा। समय–सारणी बनाते समय गत–सत्र में आई कठिनाइयों का निवारण अवश्य कर लिया जाय।

7. **पठन–पाठन**– महाविद्यालय का ध्येय ही गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करना है। इस कारण से पठन–पाठन प्रभावी एवं उच्च कोटि का हो सके, इसके लिए पाठ्यक्रम योजना के शतप्रतिशत पालन की सुनिश्चित व्यवस्था पूर्व की भाँति लागू रहेगा। पाठ्यक्रम योजना के अनुसार कक्षाएं 01 अगस्त से प्रारम्भ कर अध्यापन किया जायेगा। कक्षाएं 50–50 मिनट की पूर्व की भांति चलेंगी। प्रयोगात्मक कक्षाओं का भी संचालन परिस्थितिनुसार घोषित किया जाएगा। पाठ्यक्रम योजना में परिवर्तन कोविड–19 की परिस्थितिनुसार समय–समय पर किया जाता रहेगा।

8. **पुस्तकालय–वाचनालय**– पुस्तकालय प्रभारी द्वारा स्टाक–वेरिफिकेशन पूर्ण होने की सूचना दी गई। प्रभारी द्वारा बताया गया कि पुस्तकालय नए सत्र के लिए नए पाठ्यक्रमों/नए प्रकाशनों/आवश्यकतानुसार अन्य आवश्यक पुस्तकों के साथ अद्यतन कर लिया गया है। वाचनालय में 100 विद्यार्थियों के एक साथ बैठकर पढ़ने की व्यवस्था सुनिश्चित है। निर्णय हुआ कि पुस्तकालय–वाचनालय गत सत्रों की तरह चलाया जाय। पुस्तकालय में यदि कोई पुस्तक उपलब्ध नहीं है, जिसकी आवश्यकता किसी विद्यार्थी–शिक्षक को है, तो वह विद्यार्थी–शिक्षक पुस्तक बाजार से महाविद्यालय के नाम बिल पर क्रय कर, पुस्तकालयाध्यक्ष के माध्यम से पुस्तक पुस्तकालय में चढ़वाकर उसका नकद मूल्य प्राप्त कर, पुस्तक अपने नाम जारी करा सकता है। सभी विषयों के प्राध्यापक अपने–अपने विषय के कम से कम दो–दो राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका (जर्नल) की सदस्यता हेतु प्रस्ताव पुस्तकालय को 30 जुलाई तक अवश्य दे दें। शिक्षक अपने विषय/प्रश्नपत्र से सम्बन्धित महत्वपूर्ण शीर्षकों एवं पाठ्यसामग्री की साफ्ट कापी पुस्तकालय को उपलब्ध करायें। ऐसी पुस्तकें जो आउट आफ प्रिन्ट हो गयी है यदि वे ऑनलाइन उपलब्ध हैं तो उन्हें प्रिन्ट कर पुस्तकालय में उपलब्ध करायी जाए। पुस्तकालय में प्रतिदिन पुस्तकों का आगत–निर्गत व्यवस्था का अद्यतन करने के लिए साफ्टवेयर परिवर्तित कर लागू किया जाय। पुस्तकदान की यशस्वी परम्परा को और व्यापक बनाने हेतु समाज के लोगों से सम्पर्क कर

पुस्तकदान के लिए आग्रह किया जाय।

9. **प्रयोगशाला**- प्रयोगशालाएँ अद्यतन रखी जाएं। उनमें स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जाएं। आवश्यकतानुसार प्रयोगशालाओं में आवश्यक प्राथमिक उपचार सामग्री रखा जाना तय किया जाएं। प्रयोगशाला में दो बार सामग्री क्रय की जाएं (एक बार अगस्त-सितम्बर में तथा दूसरी बार दिसम्बर-जनवरी में)। प्रत्येक प्रयोगशाला में आवश्यकतानुसार अद्यतन तकनीकों का प्रयोग बढ़ाया जाएं। इस सत्र में भौतिकी, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रक्षा अध्ययन, भूगोल, रसायन मे कुछ नवीन उपकरण क्रय किए जाने पर आम सहमति बनी। इस सन्दर्भ में शिक्षकों-विद्यार्थियों की संयुक्त क्रय-समिति द्वारा माँग पत्र तथा स्तरीय फर्मों से तीन कोटेशन पर ही कार्यवाही प्रारम्भ करने का निर्णय हुआ जिससे प्रबन्ध समिति/प्रबन्धक महोदय से स्वीकृति लेकर उपकरण क्रय किए जा सकें। यह निर्णय भी हुआ कि प्रयोगशालाओं में कुछ उपकरण छात्रसंघ भी अपने मद से क्रय करे, इस दिशा में भी प्रयत्न किए जाए। भौतिक विज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान प्रयोगशाला में प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम पढ़ाने हेतु प्रोजेक्टर लगाया जाए। अन्य विषय में प्रयोगात्मक कक्षा हेतु प्रोजेक्टर का प्रयोग उपयोगिता के आधार पर सुनिश्चित किया जाय। प्रत्येक प्रयोगात्मक विषय की भण्डार पंजिका की जाँच एवं सत्यापन सत्र के अन्त में मार्च माह में प्रयोगशाला प्रभारी एवं प्राचार्य से अवश्य करा लें।

10. **कक्षाध्यापन में नए प्रयोग**- कक्षाध्यापन में सहायक सामग्री के रुप में ग्रीन बोर्ड, प्रोजेक्टर, चार्ट, नक्शा, मॉडल, प्रदर्शनी इत्यादि का प्रयोग पूर्ववत चलता रहेगा। प्रोजेक्टर युक्त कक्षाओं की संख्या बढ़ायी जाएगी। नए मूवेवल प्रोजेक्टर (Moveable Projector) खरीदे जाय। सभी विषय के सभी प्रश्नपत्रों के व्याख्यान का पी.पी.टी. बनाकर महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षक ब्लॉग पर प्रत्येक शिक्षक द्वारा अपलोड किया जाय। इसके अतिरिक्त अन्य पाठ्य सामग्री जो छात्र उपयोगी हो उसे भी शिक्षक अपने ब्लॉग पर अवश्य डालें। पाठ्यविषय को और भी रूचिकारी बनाने हेतु कुछ शीर्षकों को आडियो-विडियो के माध्यम से कक्षाध्यापन किया जाय। इसी प्रकार पाठ्यक्रम से सम्बन्धित डाक्यूमेंट्री और नाट्य रूपान्तरण के माध्यम से भी विषय को विद्यार्थी के बीच रखने का प्रयास किया जाय। भाषा की कक्षा (हिन्दी, अंग्रेजी) विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए निःशुल्क चलायी जाय। प्रत्येक विभाग में प्रतिमाह कम से कम दो व्याख्यान विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के शिक्षकों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के किसी शीर्षक पर अवश्य कराया जाय। इसी प्रकार अन्तरानुशासनात्मक पद्धति के अन्तर्गत एक विषय के विद्यार्थियों को दूसरे विषय की जानकारी प्रदान कराने का प्रयास किया जाय। प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अनौपचारिक बातचीत क्रम में अनुशासन, समाज, राष्ट्र की चर्चा जीवनदृष्टि के सन्दर्भ में अवश्य जाय।

11. **विभागीय कार्य योजना**- यह तय किया गया कि प्रत्येक विभाग पूर्व की भाँति अपने विभाग की वार्षिक कार्य-योजना बनाए। व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रतियोगिताएं इत्यादि की वार्षिक योजना पाठ्यक्रम योजना को ध्यान में रखते हुए बनायी जायेगी। विभागीय रपट नैक मूल्यांकन के अनुरूप अद्यतन रखी

जायेगी। विभागीय शिक्षकों का बायोडाटा अद्यतन किया जाता रहे। विद्यार्थियों की प्रगति-रिपोर्ट में दर्ज उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन, कक्षाध्यापन, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा, विश्वविद्यालय परीक्षा के विवरण के साथ आचरण एवं व्यवहार का भी मूल्यांकन किया जाय। प्रगति-रिपोर्ट के आधार पर विद्यार्थियों की समीक्षा, तदुपरान्त उनके बारे में अपने प्रयत्न की रूपरेखा बनायी जायेगी।

शिक्षक द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थी का पूर्ण विवरण एवं शिक्षक के प्रयत्न से उनमें गुणात्मक सुधार का तथ्यात्मक विवरण रखा जाएगा। गोद लिए गए विद्यार्थियों के विकास की स्पष्ट योजना बनायी जायेगी। विभागीय पुस्तकालय, प्रयोगशाला का अनवरत विकास किया जाएगा।

12. **विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा-** विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा- महाविद्यालय में पठन-पाठन एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास की दृष्टि से लागू मौलिक प्रयोगों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन प्रयोगों/योजनाओं के उद्देश्य, कार्यपद्धति एवं परिणाम के आधार पर वर्तमान-सत्र में उसे लागू करने का निर्णय लिया गया। प्रमुख प्रयोगों/योजनाओं के सन्दर्भ में निम्नवत निर्णय लिया गया-

(क) विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन-

उद्देश्य- विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति के वाचिक/मौखिक क्षमता का विकास तथा विषय में अभिरूचि विकास प्रश्नोत्तर के माध्यम से तर्क, विचार, चिन्तन को सशक्त बनाना।

कार्यपद्धति- सप्ताह के प्रथम दिन अर्थात कक्षाध्यापन से लगभग 5 दिन पूर्व कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों के नाम तथा उनका विषय कक्षा में तय कर घोषित कर दिया जाय। अध्यापक उन विद्यार्थियों की कक्षा के बाहर तैयारी कराए। कक्षाध्यापन के दिन एक-एक कर विद्यार्थियों से पूर्व निर्धारित विषय पर अध्यापन कराया जाय। कक्षाध्यापन कर चुके विद्यार्थी को दूसरा अवसर तब तक नहीं दिया जाएगा, जब तक कि सभी विद्यार्थियों का एक चक्र पूरा ने हो जायं। कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों का विवरण शिक्षक द्वारा उन्हें पूर्णांक 10 अंक में अंक देने के साथ रखा जाएगा।

उक्त उद्देश्य एवं कार्यपद्धति की समीक्षा की गई। अधिकांश शिक्षकों द्वारा इस योजना का प्रामाणिक विवरण न होने से परिणाम का स्पष्ट चित्र नहीं उभर सका। वर्तमान सत्र में इस योजना का परिणाम सुनिश्चित किया जाएगा।

(ख) सारांश- विद्यार्थियों को प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अपने व्याख्यान की छायाप्रति इस सत्र में नहीं दी जाएगी। इसके वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षक ब्लाग पर अपलोडेड पी.पी.टी. द्वारा विद्यार्थी सम्बन्धित विषय की पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक ब्लॉग पर ही शिक्षक सारांश भी अपलोड कर सकते है।

(ग) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान-

उद्देश्य- इस योजना का उद्देश्य छात्र-छात्राओं, शिक्षकों-कर्मचारियों में श्रम के प्रति श्रद्धा भाव पैदा

करना है। कोई कार्य छोटा-बड़ा नहीं, सभी कार्यों का अपने-अपने सन्दर्भ में समान महत्त्व सिद्धान्त की प्रतिष्ठा करना। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में आत्म-सम्मान का भाव पैदा करना तथा उन्हें यह एहसास कराना कि जो कार्य वह करते हैं वह छोटा कार्य नहीं है उसे प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी भी करते है। संस्था के प्रति सभी में अपनापन के भाव को विकसित करना ही इस अभियान की सार्थकता है।

कार्यपद्धति- प्रत्येक शनिवार को मध्यावकाश स्थगित तथा मध्यावकाश के बाद की चार कक्षाओं के 50-50 मिनट का समय घटाकर 40-40 मिनट का कर दिया जाता है। इस प्रकार 60 मिनट अर्थात् एक घंटा (12:10 से 1:10 तक) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान का होता है। यह श्रमदान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के लिए अनिवार्य है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यालय में स्वैच्छिक श्रमदान हेतु इच्छुक शिक्षक-कर्मचारी तथा विद्यार्थी पंजीकरण कराते है। पंजीकृत शिक्षकों के नेतृत्व में 10-10 विद्यार्थियों की टोली बनायी जाती है। प्रत्येक टोली के श्रमदान का स्थान-कार्य शुक्रवार तक प्रभारी द्वारा टोली प्रभारी को दे दिया जाता है। टोली प्रभारी के नेतृत्व में शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान के पश्चात उपस्थिति सदस्य टोली प्रभारी के पास उपलब्ध कराये गए उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर कर देते है। प्रत्येक माह के अन्त में यह उपस्थित पत्र राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यालय में जमा कर दिया जाता है। यह योजना यथावत वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।

(घ) **प्रार्थना सभा**- प्रार्थना सभा-प्रार्थना सभा में पूर्व की भाँति राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, ईश वन्दना, सरस्वती वन्दना और के साथ महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान यथावत् सम्पन्न होगा जबकि निर्धारित तिथियों में श्रीमद्भगवतगीता का वाचन हेतु श्लोक चयनित करके लिपिबद्ध किया जाय और इन्हीं श्लोकों का वाचन और उसकी हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत में व्याख्या की जाय। प्रत्येक शनिवार प्रार्थना सभा के अन्तर्गत प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होगा। वाद्ययन्त्र के साथ प्रार्थना सभा को और भी जीवन्त करने का प्रयास किया जाय। प्रार्थना का समय 09:20 से 09:40 अर्थात् 20 मिनट का होगा।

(ङ) **शिक्षक आचार संहिता**- शिक्षक आचार संहिता-सत्र 2020-21 हेतु सर्वसम्मति से शिक्षक आचार संहिता अद्यतन की गयी। माना गया कि शिक्षक के लिए आचार संहिता की आवश्यकता नहीं है। शिक्षक आचार संहिता शिक्षक स्वप्रेरणा से अपने-अपने ऊपर लागू करेगा। अत: स्वीकृत शिक्षक आचार संहिता की महाविद्यालय प्रशासन स्तर पर कोई मान्यता नहीं रहेगी। किन्तु शिक्षकों द्वारा स्वयं पालन न करने पर उक्त शिक्षक पर आचार संहिता महाविद्यालय प्रशासन स्तर पर स्वत: लागू हो जाएगी।

शिक्षक आचार संहिता 2020-21

1. शिक्षक स्वयं विद्यार्थियों के लिए प्रतिमान बनें।
2. प्रात: 09:15 पर सभी शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य है। 09:20 से पूर्व उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर न होने पर लाल रंग की रेखा खींच दी जायेगी, तत्पश्चात् आने का समय डाल दें, हस्ताक्षर न करें। जाते समय हस्ताक्षर करें तथा समय डालें। तीन दिन विलम्ब होने पर एक दिन आकस्मिक अवकाश मान लिया जायेगा।

3. प्रार्थना सभा 09:20 से 09:40 तक चलेगी। अनुशासन व्यवस्था के अतिरिक्त सभी शिक्षक अनिवार्यत: सम्मिलित होंगे।
4. महाविद्यालय परिसर में किसी भी शिक्षक की उपस्थिति के आसपास अनुशासन की जिम्मेदारी सम्बन्धित शिक्षकों की होगी।
5. प्लास्टिक प्रतिबंधित एवं नशा मुक्त परिसर का नियम स्वयं पर लागू करें।
6. पाठ्यक्रम योजना का शत-प्रतिशत पालन करें। 02 मई से पूर्व अगले सत्र के सभी कक्षाओं की पाठ्यक्रम योजना प्राचार्य के पास उपलब्ध करा दें।
7. प्रायोगिक कक्षाओं के पाठ्यक्रम शत-प्रतिशत पूर्ण हो। कक्षाओं में सभी विद्यार्थियों के कक्षावार मोबाइल नम्बर रखें जायें।
8. महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपने ब्लाग पर पी.पी.टी., सारांश एवं अन्य पाठ्य सामग्री अपलोड करें।
9. प्रत्येक व्याख्यान से पूर्व पिछले व्याख्यान पर प्रश्नोत्तर का समय दें।
10. कक्षा में मोबाइल लेकर किसी भी कीमत पर न जाएं।
11. अधिकतर व्याख्यान प्रोजेक्टर पर जायं पढ़ाएं। नई तकनीकों का प्रयोग करें।
12. पुस्तकालय की सभी पुस्तकें 2 मई से पूर्व प्रतिवर्ष जमा कर अदेयता प्रमाण पत्र अवश्य प्राप्त कर लें। पुस्तकालय की किसी पुस्तक के बकाया होने की दशा में ग्रीष्मावकाश स्वीकृत नहीं होगा।
13. महाविद्यालय के किसी प्रकार के आर्थिक आय-व्यय, अग्रिम आदि का समायोजन 20 मार्च तक अवश्य करा लें।
14. जो दायित्त्व सौंपा जाय उसे निर्धारित समय से शत-प्रतिशत पूर्ण करें।
15. पूर्व निर्धारित कार्यक्रम हेतु अवकाश एक दिन पूर्व स्वीकृत कराएं। अवकाश स्वीकृत कराए बिना अथवा बिना किसी सूचना के अनुपस्थित होने पर अवैतनिक अवकाश मान लिया जायेगा।
16. बचे हुए आकस्मिक अवकाश का प्रतिदिन के वेतन की दर से नकद भुगतान अगस्त माह में कर दिया जायेगा।
17. विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रश्नपत्र निर्माण, उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन आदि कार्य शिक्षक के स्वाभाविक दायित्व के अन्तर्गत आएगा, उसके लिए किसी प्रकार का अतिरिक्त भुगतान नहीं होगा।
18. विश्वविद्यालय परीक्षा मानकानुसार/नियमानुसार सम्पन्न कराना शिक्षक का उत्तरदायित्व है। अत: परीक्षा के समय शहर छोड़ते समय सूचना अवश्य दें।
19. महाविद्यालय के सभी आयोजनों, कार्यक्रमों, राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविरों के उद्घाटन, समापन समारोह आदि में शिक्षक की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उचित कारण पर आकस्मिक अवकाश दिया सकता है।
20. महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के समस्त आयोजनों/कार्यक्रमों में प्रबन्ध तन्त्र के निर्देशानुसार उपस्थिति एवं सहयोग अनिवार्य होगी।
21. 15 अगस्त, 2 अक्टूबर, 26 जनवरी को सभी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। अनुपस्थित रहने पर आकस्मिक

अवकाश माना जायेगा। किन्तु ध्वजारोहण में कहीं भी सम्मिलित होने का प्रमाण–पत्र देना होगा।

22. स्वैच्छिक श्रमदान में शिक्षक प्रतीकात्मक रूप से छात्रों का प्रतिमान बनें। विद्यार्थियों को गोद लेने की योजना को भी शिक्षक स्वेच्छानुसार लागू कर सकते हैं। गोद लिये विद्यार्थियों की सूचना अवश्य दे दें।

23. समय–समय पर जारी संशोधनों एवं नये निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा।

(च) शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र– शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र–विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सन्दर्भ में भरा जाने वाला यह एक प्रारूप है। इस प्रारूप के द्वारा प्रत्येक शिक्षक के कक्षाध्यापन एवं कक्षा में आचरण–व्यवहार पर विद्यार्थी अपना–अपना अभिमत देते है।

उद्देश्य– विद्यार्थियों के अभिमत के आधार पर शिक्षक द्वारा स्वयं का व्यक्तित्त्व विकास।

कार्यपद्धति– वर्ष में दो बार (सितम्बर–दिसम्बर) छात्र–छात्राओं द्वारा शिक्षक प्राचार्य के माध्यम से अपने बारे में शिक्षक–प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवातें हैं। प्राचार्य द्वारा प्रत्येक शिक्षक की कक्षा में विद्यार्थियों को प्रारुप उपलब्ध कराया जाता है, जिसे भरकर विद्यार्थी कक्षाप्रतिनिधि के माध्यम से अगले दिन प्राचार्य के पास जमा करेंगे। प्राचार्य विद्यार्थी द्वारा भरे गये प्रपत्रों का अवलोकन करने के उपरान्त सम्बन्धित शिक्षक को अवलोकन हेतु उपलब्ध करा देते हैं। इस प्रारुप के आधार पर शिक्षक अपना स्वमूल्यांकन करता है। इसके उपरान्त यह प्रपत्र प्राचार्य के पास संग्रहीत कर लिया जाता है।

(छ) शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र– शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र–यह शिक्षक द्वारा मासिक भरा जाने वाला प्रारूप है।

उद्देश्य– शिक्षक द्वारा प्रतिमाह निर्धारित प्रारूप के माध्यम से स्वमूल्यांकन कर स्व–विकास करना।

कार्यपद्धति– योजना बैठक में शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र पर विचार–विमर्श कर सर्वसम्मति से यह प्रारूप प्रतिवर्ष जारी होता है। शिक्षक द्वारा जुलाई से जनवरी माह तक प्रत्येक माह का शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरकर अगले माह के प्रथम दो कार्य दिवस के अन्दर प्राचार्य कार्यालय को जमा करना होता है। प्राचार्य द्वारा समीक्षोपरान्त इसे शिक्षक की व्यक्तिगत पत्रावली में लगवा दिया जाता है।

(ज) पाठ्यक्रम योजना– पाठ्यक्रम योजना–सभी शिक्षकों द्वारा अपने विषय के प्रत्येक प्रश्नपत्र की वार्षिक पाठ्यक्रम योजना निर्धारित प्रारूप पर बनायी जाती है। इस सत्र के लिए विगत 02 मई तक प्रत्येक विभाग द्वारा अपनी–अपनी कक्षा के पाठ्यक्रम बनाकर प्रचार्य कार्यालय में जमा कर दिया गया और 30 जून तक इसे टाईप करके महाविद्यालय के बेवसाइट पर अपलोड कर दिया गया।

उद्देश्य– समय से (30 जनवरी तक) पाठ्यक्रम पूर्ण करना। पाठ्यक्रम का कोई हिस्सा छुटे न, किसी विषय को आवश्यकता से अधिक समय तथा किसी को कम समय मे न पढ़ाना पड़े। विद्यार्थी को यह पता रहे कि वह अपनी कक्षा में किस तिथि को क्या पढ़ेगा।

कार्यपद्धति– अनुभव के आधार पर शिक्षकों द्वारा बनाए गए प्रारूप पर दिनांक, शिक्षक का नाम, विषय, प्रश्नपत्र, शीर्षक के साथ वार्षिक पाठ्यक्रम योजना को 3+2+1 के सिद्धान्त पर तैयार किया जाता है।

अर्थात् प्रथम तीन कार्यदिवस एक प्रश्नपत्र, तत्पश्चात दो कार्य दिवस दूसरा प्रश्न पत्र, महीने के तीन सप्ताह छठवें कार्य दिवस पर छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन तथा माह के अन्तिम सप्ताह के छठवें कार्यदिवस पर मासिक मूल्यांकन किया जायेगा। पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर सभी के लिए उपलब्ध होगी।

(झ) **गोद लिए गए विद्यार्थी**- प्रत्येक शिक्षक द्वारा पांच विद्यार्थी गोद लिए जाते हैं। इन विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं आचरण-व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी सम्बन्धित शिक्षक की होती है।

उद्देश्य- चिन्हित एवं लक्षित विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में शिक्षक का योगदान

कार्यपद्धति- सत्रारम्भ में शिक्षकों द्वारा अपनी-अपनी कक्षाओं से चार-चार विद्यार्थी चुने जाते हैं तथा एक विद्यार्थी प्राचार्य द्वारा प्रत्येक शिक्षक को दिया जाता है। शिक्षक द्वारा इन पाँचों विद्यार्थियों के पूर्ण परिचयात्मक विवरण फोटो सहित इस हेतु बनायी गई पंजिका पर दर्ज होता है। शिक्षक गोद लिए विद्यार्थी के साथ आत्मीय सम्बन्ध विकसित करता है। वर्तमान सत्र में गोद लिए गए विद्यार्थियों के सन्दर्भ में यह निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, छात्रावासी, कक्षा प्रतिनिधि में से ही छात्र-छात्राएं गोद लिए जाएंगें। एक बार गोद लिया गया विद्यार्थी इस महाविद्यालय में अध्ययनरत रहते हुए उसी शिक्षक के पास बना रहेगा। रिक्त स्थानों पर प्राय: स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थी को ही गोद लिया जाएगा।

(ञ) **गोद लिए गए गाँव**- प्रत्येक विभाग द्वारा आस-पास के गाँव में से एक गाँव गोद लिया गया है।

उद्देश्य- आस-पास के गावों के साथ महाविद्यालय का आत्मीय सम्बन्ध विकसित करना, उनसे सीखना तथा उन्हें सिखाना। स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण सामाजिक समरसता इत्यादि राष्ट्रीय सामाजिक विषयों पर जन-जागरण।

कार्यपद्धति- प्रत्येक विभाग द्वारा गोद लिये गए गाँव का पूर्ण विवरण विभागीय रपट में उपलब्ध है। गाँव के परिवारों का विवरण, अमीर-गरीब, साक्षर-निरक्षर, रोजगार-बेरोजगार, वृद्ध, दिव्यांग इत्यादि की पूर्ण सूचना विभाग के पास होती है। गाँव में जन-जागरण एवं उसके प्रभाव के लिए विभाग प्रयत्न करता है। वर्ष में न्यूनतम चार बार विभाग के शिक्षक-विद्यार्थी (अगस्त का प्रथम रविवार, वाल्मीकि जयन्ती, फरवरी का प्रथम रविवार, परीक्षा के बाद का प्रथम रविवार) गाँव में जाएंगे।

(ट) **मासिक मूल्यांकन**- मासिक मूल्यांकन-प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में शिक्षक द्वारा अपने पढ़ाए गए पाठ्यक्रम के आधार पर विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा के द्वारा कक्षा में मासिक मूल्यांकन किया जाता है।

उद्देश्य- विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम की तैयारी हेतु प्रेरित करना। मुख्य परीक्षा के समय विद्यार्थियों को तनावमुक्त रखना।

कार्यपद्धति- शिक्षकों द्वारा वर्तमान सत्र के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न-पत्र बनाकर 6 भागों (अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी का मासिक मूल्यांकन) में बराबर-बराबर विभक्त

कर मासिक मूल्यांकन का प्रश्न पत्र तैयार किया जाता है। 30 अंक के 6 मासिक मूल्यांकन के आधार पर प्रत्येक विषय के 180 अंक पर मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक माह 5 अंक आचरण एवं व्यवहार पर शिक्षक द्वारा दिया जाएगा। इस प्रकार पूरे सत्र में 30 अंक आचरण व्यवहार के होंगे। मासिक मूल्यांकन के इन्ही प्रश्नों पर विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा सम्पन्न होती है। वर्तमान सत्र में यह व्यवस्था पूर्ववत् लागू रहेगी।

13. **प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम-** महाविद्यालय द्वारा दो प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम-'जीवन मूल्य', 'हमारे पूर्वज' संचालित किए जाते है।

उद्देश्य- विद्यार्थियों के आचरण-व्यवहार में भारतीय जीवन-मूल्यों का विकास करना। भारतीय संस्कृति के महापुरुषों की लम्बी श्रृंखला से परिचित कराना एवं अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति आत्मगौरव एवं श्रद्धा का भाव उत्पन्न करना।

कार्यपद्धति- उक्त दोनों प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम बी.एड्. के लिए अनिवार्य तथा अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए स्वैच्छिक है। यह कक्षा सामूहिक परिचर्चा पद्धति से चलायी जाती है। कोई एक शिक्षक इस कक्षा का संचालन करता है। निर्धारित पाठ्यक्रम से प्रत्येक विद्यार्थी को अपना मत लिखकर घर से लाना होता है।

14. **नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग-** योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग पाठ्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग द्वारा किया जाता है।

उद्देश्य- संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत आस-पास के महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी बनाना।

कार्यपद्धति- महाविद्यालय द्वारा इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हेतु एक प्रशिक्षिका की नियुक्ति की गई है। अगस्त से जनवरी तक छः माह के इस पाठ्यक्रम की परीक्षा फरवरी माह में होती है। परीक्षा के तत्काल बाद परिणाम घोषित कर दिया जाता है समावर्तन संस्कार के अवसर पर उक्त प्रमाण-पत्र प्रशिक्षार्थियों को दिया जाता है। उक्त पाठ्यक्रम भी यथावत चलता रहेगा। वर्तमान सत्र से श्रेष्ठतम प्रशिक्षार्थी को सिलाई मशीन पुरस्कार स्वरुप प्रदान किया जाएगा।

15. **नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण-** संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत ही 'नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण' पाठ्यक्रम महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।

उद्देश्य- आस-पास के गरीब बच्चों/छात्र-छात्राओं को कम्प्यूटर के माध्यम से आधुनिक तकनीकी ज्ञान के प्रति जागरूक करना।

कार्यपद्धति- 40-40 प्रशिक्षार्थियों का दो वर्ग इस पाठ्यक्रम में पंजीकृत किया जाता है। 15 जून से 30 जून तक 'पहले आओ-पहले पाओ' की नीति पर गाँव का जो भी बच्चा, किसी भी स्कूल के विद्यार्थी सर्वप्रथम आवेदन करते हैं उनमें से 40 को प्रवेश दिया जाता है। 01 अगस्त से इनकी कम्प्यूटर कक्षाएँ प्रारम्भ कर दी जाती हैं। पुनः 16 अगस्त को इनमें से रिक्त स्थानों के लिए एवं दूसरे 40 के वर्ग का आवेदन लिया जाता है और प्रथमतः आने वालों का पंजीकरण कर दिया जाता है। 3 बजे से 4 बजे तक

यह कक्षा कम्प्यूटर साइंस की प्रयोगशाला में चलती है। वर्तमान सत्र में भी यह कक्षा पूर्ववत् चलायी जाएगी।

16. **निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र**- महाविद्यालय ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन विगत वर्षों से किया जा रहा है। इसे उपचार केन्द्र में डाक्टर एवं अन्य सामग्री गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ की ओर से उपलब्ध कराया जाता है। महाविद्यालय के आस-पास के गाँवों के गरीब और कमजोर व्यक्तियों तथा महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु उपचार एवं निःशुल्क दवा की व्यवस्था होती है। आवश्यकता होने पर गम्भीर रोग से पीड़ित मरीजों को गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय में रेफर कर उनका उपचार कराया जाता है। इस सत्र में नगर के कुछ प्रतिष्ठित चिकित्सकों को भी इस उपचार केन्द्र पर आमंत्रित करने की योजना बनाकर बुलाने की व्यवस्था किया जायेगा।

17. **क्रीड़ा**- श्रेष्ठ समाज के लिए शिक्षा के साथ स्वास्थ्य का सुदृढ़ होना अपरिहार्य है। इसी उद्देश्य में महाविद्यालय आउटडोर एवं इनडोर गेम की व्यवस्था की गयी है। इस सत्र में बालीवाल, फुटबाल, क्रिकेट, बैडमिण्टन, कैरम, चेस इत्यादि गेम के साथ एथेलेटिक्स पर भी अधिक जोर देने का निर्णय लिया गया। सत्र में समय-समय पर जैसे महापुरुषों की जयन्ती, पुण्यतिथि, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापकों से सम्बन्धित तिथियों पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाय।

18. **छात्रसंघ**- छात्र संघ का संचालन छात्रसंघ द्वारा बनाए गए संविधान के अनुसार चलेगा। छात्रसंघ के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता एवं निर्णय लेने की प्रवृत्ति के विकास हेतु महाविद्यालय प्रशासन में छात्र सहभाग और विभिन्न समितियों के माध्यम से निर्णय में सहभागिता द्वारा अनेक व्यक्तित्व विकास की व्यवस्थित योजना महत्वपूर्ण है।

19. **राष्ट्रीय सेवा योजना**- राष्ट्रीय सेवा योजना में साक्षात्कार के आधार पर पूर्व की भाँति ही स्वयंसेवकों का चयन किया जाएगा। पूर्ववत् सभी प्रकार के आयोजनों/गतिविधियों/ कार्यक्रमों के साथ इस सत्र का महत्वपूर्ण लक्ष्य होगा 'आदर्श ग्राम योजना' योजना का प्रारुप। इस योजना को ग्राम हसनगंज में लागू किया जाएगा। जिसके अन्तर्गत गाँव में स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, नशा उन्मूलन, सरकारी योजनाओं का लाभ इत्यादि के सम्बन्ध में जनजागरण प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

20. **एन.सी.सी.**- एन.सी.सी हेतु महाविद्यालय आवेदन कर दिया है। बालक वर्ग हेतु डॉ. कृष्ण कुमार पाठक तथा बालिका वर्ग हेतु श्रीमती कविता मन्ध्यान की सहमति पर उनका नाम तय कर दिया गया। आवदेन की पूरी कार्यवाही हेतु डॉ. कृष्ण कुमार पाठक अधिकृत कर दिये गए। इस सत्र में एन.सी. सी. संचालित करने हेतु प्रयास अनवरत जारी है।

21. **वेबसाइट/फेसबुक/ट्यूटर/यूट्यूब**- महाविद्यालय की वेबसाइट अद्यतन रहे तथा आवश्यकतानुसार उसमें संशोधन-परिवर्तन किया जाए। इस सत्र में महाविद्यालय की वेबसाइट को और सम्पन्न करने के क्रम में प्रत्येक शिक्षक का ब्लॉग बनाया गया है जिस पर शिक्षक अपने-अपने पाठ्यक्रम के अनुसार सभी व्याख्यान पी.पी.टी. बनाकर अपलोड करेंगे तथा अन्य सम्बन्धित पाठ्य सामग्री भी ब्लॉग पर अपलोड किये

जायें। इसकी जानकारी विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी जायेगी ताकि विद्यार्थी बेवसाइट से भी पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सके। वेबसाइट को निरन्तर व्यवस्थित एवं संवर्द्धित करवाने हेतु इस सत्र में ही डॉ. अविनाश प्रताप सिंह को अधिकृत किया गया। महाविद्यालय की सम्पूर्ण गतिविधियाँ फेसबुक, ट्यूटर एवं यूटयूब पर भी प्रसारित किया जाय।

22. **तकनीकी प्रसार**- महाविद्यालय में कम्प्यूटर, सूचना-सम्प्रेषण तकनीकी (ICT), प्रोजेक्टर, स्मार्ट क्लास, वाई-फाई इत्यादि का समुचित संचालन जारी रहेगा। आवश्यकतानुसार इसका प्रसार भी किया जाए।

23. **कार्यालय**- ''विद्यार्थी हित सर्वोपरि'' नीति केन्द्रित कार्यालय कार्य करेगा। किसी भी विद्यार्थी को अपने किसी कार्य हेतु कार्यालय में दूसरी बार न आना पड़े। प्रथम आगमन पर ही कार्य सुनिश्चित हो। आय-व्यय बैंक की तर्ज पर प्रतिदिन अद्यतन रखा जाय तथा आय-व्यय का हिसाब पूर्ण कर ही कार्यालय बन्द हो। शिक्षक-कर्मचारी का कोई भी कार्य रोका न जाय, उसका त्वरित समाधान हो। कार्यालय की पूरी कार्यपद्धति पारदर्शी होगी।

24. **NAAC/AISHE**- महाविद्यालय ने अपने सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से वर्ष 2015 में यू.जी.सी. और भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था NAAC द्वारा मूल्यांकन कराया था। यह मूल्यांकन प्रत्येक पाँच वर्ष उपरान्त नैक द्वारा किये जाने की सुनिश्चित व्यवस्था है। महाविद्यालय में अगले सत्र में पुनः नैक द्वारा मूल्यांकन किया जायेगा। महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ट (IQAC) प्रारम्भ से ही कार्य कर रहा है। साथ ही नैक मूल्यांकन हेतु (IQAC) के साथ डॉ. विजय कुमार चौधरी की देखरेख एक समिति का गठन किया गया है।

25. **महत्वपूर्ण कार्यक्रम**- महाविद्यालय द्वारा निर्धारित कुछ महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम इस प्रकार है-

- स्वतन्त्रता दिवस समारोह
- पुण्यतिथि समारोह
- युवा महोत्सव
- संस्थापक समारोह (शिक्षा परिषद)
- भारत-भारती पखवारा
- वार्षिक क्रीड़ा समारोह
- समावर्तन संस्कार समारोह

समावर्तन-2021

छात्रसंघ प्रतिनिधि

विषय	कक्षा	नाम
बी.एड्	बी.एड् भाग दो	सुमित सिंह
वाणिज्य संकाय	बी.काम भाग दो	साइमा खातून
	बी.काम भाग तीन	अनुराग सिंह
	एम.काम अन्तिम वर्ष	रामशकल प्रसाद
राजनीति शास्त्र	बी.ए. भाग दो	राकेश कुमार
	बी.ए. भाग तीन	कार्तिकेय मिश्रा
	एम. ए. अन्तिम वर्ष	नीतू
प्राचीन इतिहास	बी.ए. भाग दो	अभय राज वर्मा
	बी.ए. भाग तीन	रंजना चौरसिया
समाजशास्त्र विभाग	बी.ए. भाग दो	आयुष शर्मा
	बी.ए. भाग तीन	अंकिता त्रिपाठी
इतिहास विभाग	बी.ए. भाम दो	पृथ्वीराज चौहान
	बी.ए. भाग तीन	सत्यप्रकाश त्रिपाठी
भूगोल विभाग	बी.ए. भाग दो	रवि कुमार
	बी.ए. भाग तीन	शशिकला गौड़
हिन्दी विभाग	बी.ए. भाग दो	निशा मौर्य
	बी.ए. भाग तीन	अंकित शुक्ला
	एम.ए. अन्तिम वर्ष	तनु यादव
गृह विज्ञान	बी.ए. भाग दो	क्षिप्रा रानी
	बी.ए. भाग तीन	पारुल सिह
मनोविज्ञान विभाग	बी.ए. भाग दो	सिल्की कुमारी
	बी.ए. भाग तीन	महिमा विश्वकर्मा
रक्षा अध्ययन विभाग	बी.ए. भाग दो	सन्देश सिंह
	बी.ए. भाग तीन	अरूण
अंग्रेजी विभाग	बी.ए. भाग दो	मृत्युंजय सहानी
	बी.ए. भाग तीन	कौशिकी चतुर्वेदी
अर्थशास्त्र विभाग	बी.ए. भाग दो	नितेश प्रजापति
	बी.ए. भाग तीन	पंचम गुप्ता
शिक्षाशास्त्र विभाग	बी.ए. भाग दो	शिवम चौरसिया
	बी.ए. भाग तीन	चांदनी प्रजापति
रसायनशास्त्र विभाग	बी.एस-सी. भाग दो	नेहा सिंह
	बी.एस-सी. भाग तीन	रजत कुमार गुप्ता
	एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष	राजवन्त सिंह
प्राणि विज्ञान	बी.एस-सी. भाग दो	शिक्षा शर्मा
	बी.एस-सी. भाग तीन	शालिनी सिंह
	एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष	अन्नपूर्णा यादव
वनस्पति विज्ञान	बी.एस-सी. भाग दो	राकेश गुप्ता
	बी.एस-सी. भाग तीन	शिवम कुमार जायसवाल
	एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष	निधि श्रीवास्तव
भौतिक विज्ञान	बी.एस-सी. भाग दो	अंकिता सिंह
	बी.एस-सी. भाग तीन	विवेक कुमार राय
गणित विभाग	बी.एस-सी. भाग दो	अभिमन्यु सिंह
	बी.एस-सी. भाग तीन	प्रिया त्रिपाठी
सांख्यिकी विभाग	बी.एस-सी. भाग दो	कुंवर अमन सिंह
	बी.एस-सी. भाग तीन	तृप्ति सिंह

छात्रसंघ

श्री नन्दन शर्मा, प्रभारी

अध्यक्ष	श्री सत्य प्रकाश तिवारी
उपाध्यक्ष	सुश्री शशिकला गौड़
महामंत्री	श्री अभय राज वर्मा
पुस्तकालय मंत्री	श्री राकेश गुप्ता

छात्र नियंता समिति

डॉ. आर.एन. सिंह, प्रभारी

श्री राकेश कुमार	बी.ए. भाग-दो
सुश्री अंकिता त्रिपाठी	बी.ए. भाग-तीन
श्री रवि कुमार	बी.ए. भाग-दो
सुश्री क्षिप्रा रानी	बी.ए भाग-दो
सुश्री रंजना चौरसिया	बी.ए. भाग-तीन

छात्रा समिति

डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, प्रभारी

सुश्री अन्नपूर्णा यादव	एस.एस-सी. अंतिम
सुश्री तृप्ति सिंह	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री अंकिता सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो
सुश्री सिल्की कुमारी	बी.एस-सी. भाग-दो

क्रीड़ा समिति

डॉ. आरती सिंह, प्रभारी

श्री मृत्युंजय साहनी	बी.ए. भाग-दा
सुश्री निशा मौर्या	बी.ए. भाग-दो
सुश्री अंकिता शुक्ला	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री शशिकला गौड़	बी.ए. भाग-तीन
श्री विवेक कुमार राय	बी.एस-सी. भाग-तीन

दीवार पत्रिका

श्री नन्दन शर्मा, प्रभारी

सुश्री साइमा खातून	बी.काम. भाग–दो
श्री अनुराग सिंह	बी.काम. भाग–तीन
सुश्री तनु यादव	एम.ए. अंतिम वर्ष

बागवानी समिति

डॉ. अभय श्रीवास्तव, प्रभारी

श्री राकेश गुप्ता	बी.एस–सी. भाग–दो
श्री शिवम कुमार जायसवाल	बी.एस–सी. भाग–तीन
सुश्री निधि श्रीवास्तव	एम.एस–सी. अंतिम वर्ष

प्रयोगशाला समिति

डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, प्रभारी

सुश्री नेहा सिंह	बी.एस–सी. भाग–दो
श्री रजत कुमार गुप्ता	बी.एस–सी. भाग–तीन
श्री राजवंत सिंह	एम.एस–सी. अंतिम वर्ष

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

सुश्री दीप्ति गुप्ता, प्रभारी

सुश्री कौशिकी चतुर्वेदी	बी.ए. भाग–तीन
सुश्री पारूल सिंह	बी.ए. भाग–तीन
सुश्री महिमा विश्वकर्मा	बी.एस–सी. भाग–तीन

व्याख्यान कार्यक्रम समिति

श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, प्रभारी

सुमित सिंह	बी.एड्. भाग–दो
कुंवर अमन सिंह	बी.एस–सी. भाग–दो
सत्य प्रकाश तिवारी	बी.ए. भाग–तीन
पृथ्वी राज चौहान	बी.ए. भाग–दो

पुस्तकालय समिति

श्री रमाकान्त दूबे, प्रभारी

सुश्री अनुपम पाण्डेय	बी.एस–सी. भाग एक
श्री अभिमन्यू सिंह	बी.एस–सी. भाग–दो (गणित)
श्री अरूण	बी.एस–सी. भाग–तीन
सुश्री प्रिया त्रिपाठी	बी.एस–सी भाग–दो (गणित)
श्री राकेश गुप्ता	बी.एस–सी. भाग–दो (वनस्पति)
श्री कार्तिकेय मिश्रा	बी.ए. भाग–तीन (राजनीतिशास्त्र)
श्री प्रकाश पाण्डेय	बी.ए. भाग–तीन (आमंत्रित)

सोशल मीडिया समिति

श्री सुबोध कुमार मिश्र, प्रभारी

श्री अभय राज वर्मा	बी.ए. भाग–दो
श्री आयुष शर्मा	बी.ए. भाग–दो
श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा (मनोनीत)	बी.ए. भाग–तीन

तकनीकी समिति

श्री मंजेश्वर, प्रभारी

श्री नितेश प्रजापति	बी.ए. भाग–दो
श्री पंचम गुप्ता	बी.ए. भाग–तीन
श्री विवेक कुमार राय	बी.एस–सी. भाग–तीन

स्वच्छता समिति

श्री विनय कुमार सिंह, प्रभारी

शिक्षा शर्मा	बी.एस–सी. भाग–दो
शालिनी सिंह	बी.एस–सी. भाग–तीन
संदेश सिंह	बी.ए. भाग–दो

प्रार्थना समिति

श्रीमती पुष्पा निषाद, प्रभारी

शिवम चौरसिया	बी.ए. भाग–दो
चांदनी प्रजापति	बी.ए. भाग–तीन
नीतू	एम.ए. अंतिम वर्ष

नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष/निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव	प्राचार्य
शोध सहायक	डॉ. अभिषेक सिंह	प्रवक्ता, रक्षा अध्ययन
परामर्श समिति	डॉ. कृष्ण कुमार गौतम	काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. काशीनाथ	बुद्ध टूरिज्म विश्वविद्यालय काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री राकेश मिश्र	वरिष्ठ पत्रकार काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री सुरेश मल्ल	नेपाल
	श्रीमती नलिनी नगरवाली	सामाजिक कार्यकर्ता (नेपाल)
	श्री दीपक अधिकारी	सामाजिक कार्यकर्ता काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. हर्ष सिन्हा	दी.द.उ. गो. विश्वविद्यालय गोरखपुर (भारत)
	डॉ. रेनू सक्सेना	जामिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (भारत)
	श्री अवीत कुमार	सामाजिक कार्यकर्ता (भारत)
	श्री हरेन्द्र प्रताप	सदस्य विधान परिषद, पटना, बिहार (भारत)
	श्री अरुण जी	सामाजिक कार्यकर्ता, नई दिल्ली (भारत)

गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष/निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य
शोध समन्वयक	श्री सुबोध कुमार मिश्र
परामर्श समिति	प्रो. शिवाजी सिंह, गोरखपुर
	डॉ. कन्हैया सिंह, आजमगढ़
	डॉ. सदानन्द प्रसाद गुप्त, लखनऊ
	डॉ. सन्तोष शुक्ला, जे.एन.यू., नई दिल्ली
	प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा, सागर
	प्रो. मुरली मनोहर पाठक, गोरखपुर
	प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रयागराज

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

नाम	पद
प्रो. यू.पी. सिंह (पूर्व कुलपति), अध्यक्ष	सदस्य
प्रो. राम अचल सिंह (पूर्व कुलपति), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
डॉ. राजशरण शाही (शिक्षक), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
श्री मनीष त्रिपाठी, अध्यक्ष, पुरातन छात्र परिषद	सदस्य
श्री विपिन कुमार यादव, अध्यक्ष, अभिभावक संघ	सदस्य
श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह, समाजसेवी	सदस्य
श्री ज्योति मस्करा, उद्योगपति	सदस्य
डॉ. विजय कुमार चौधरी, शिक्षक	सदस्य
डॉ. आर.एन. सिंह, अनुशासन	सदस्य
डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, शिक्षक	सदस्य
श्रीमती कविता मन्ध्यान, शिक्षक	सदस्य
डॉ. अभिषेक कुमार वर्मा, शिक्षक	समन्वयक/सचिव
डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य	अध्यक्ष

सत्र 2020-21 के पुरस्कृत

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक

श्रीमती शिप्रा सिंह

(सरस्वती सम्मान)

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी (तृतीय श्रेणी)

श्री राम रतन

(महाराणा प्रताप सम्मान)

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी (चतुर्थ श्रेणी)

श्री राजा राम

(महन्त अवेद्यनाथ सम्मान)

सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी

श्री सत्यप्रकाश तिवारी

(एकलव्य सम्मान)

सर्वश्रेष्ठ पुरातन् छात्र

श्री मनीष त्रिपाठी

(स्वामी विवेकानन्द सम्मान)

हमारे पूर्वज (श्रेष्ठतम् विद्यार्थी)

श्री अनुज कुमार श्रीवास्तव

(महन्त दिग्विजयनाथ सम्मान)

जीवन मूल्य (श्रेष्ठतम् विद्यार्थी)

सुश्री अनीता निषाद

(महायोगी गोरखनाथ सम्मान)

सिलाई, कढ़ाई व पेंटिंग (श्रेष्ठतम् प्रशिक्षु)

सुश्री रीतिका प्रजापति

(योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सम्मान)

सर्वश्रेष्ठ कम्प्यूटर प्रशिक्षु

सुश्री सोनी यादव

(चेतक सम्मान)

गत सत्र (2019-20) के पुरस्कृत

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का सम्मान प्राप्त करते श्री विनय कुमार सिंह

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी (तृतीय श्रेणी) का सम्मान प्राप्त करते श्री झब्बर शर्मा

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी (चतुर्थ श्रेणी) का सम्मान प्राप्त करते श्री विनोद

सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का सम्मान प्राप्त करते श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा

सर्वश्रेष्ठ सिलाई-कढ़ाई पेंटिंग प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करती सुश्री प्रीति निषाद

सर्वश्रेष्ठ कम्प्यूटर प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करते श्री आदर्श भगत

प्रबन्ध समिति

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज

जंगल धूसड़, गोरखपुर

नाम	पता	पद	व्यवसाय
प्रो. यू.पी. सिंह	राजेन्द्रनगर, गोरखपुर	अध्यक्ष	पूर्व कुलपति
श्री प्रमोद कुमार चौधरी	पहाड़पुर, गोरखपुर	उपाध्यक्ष	कृषि
महन्त योगी आदित्यनाथ जी	श्री गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर	मंत्री/प्रबन्धक	धर्माचार्य
श्री राजेश मोहन सरकार	दुर्गाबाड़ी रोड, गोरखपुर	सदस्य	अधिवक्ता
श्री योगी त्यागीनाथ	चौक बाजार, महराजगंज	सदस्य	धर्माचार्य
श्री प्रमथनाथ मिश्रा	विलन्दपुर, गोरखपुर	सदस्य	अधिवक्ता
श्री गोरक्ष प्रताप सिंह	नथमलपुर, गोरखपुर	सदस्य	कृषि
श्री योगी कमलनाथ जी	श्री गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर	सदस्य	धर्माचार्य
श्री रामजन्म सिंह	149वीं, मिर्जापुर पोस्ट-न्यू शिवपुरी, गोरखपुर	सदस्य	पूर्व प्रधानाचार्य
श्री नरेन्द्रनाथ वर्मा	बेतियाहाता, गोरखपुर	सदस्य	व्यापार
श्री द्वारिका तिवारी	नथमलपुर, गोरखनाथ, गोरखपुर	सदस्य	सेवानिवृत्त अध्यापक

बढ़ें राष्ट्र निर्माण की ओर . . .

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्वच्छता रिपोर्ट सूची में महाविद्यालय

Swachh Campus 2019

Institutional Achievements

MHRD | Department of Higher Education
Ministry of Human Resource Development
Government of India

Foreword

Our Educational Institutions are torch bearers of change. Now they are turning into harbingers of national movement for promoting cleanliness. Their keen interest to keep campuses clean and take this message to the communities with whom they are engaged with has been an important contribution this year 2019. Universities and Higher Educational institutions turning into green smart campuses are focusing on cleanliness, waste management, water conservation as well as wastewater management. Saving water and electricity, conserving energy, harvesting rain water, tapping solar energy and promoting cleanliness are indicators to measure a smart campus. Such endeavours by Higher Education Institutions need to be welcomed and supported time to time.

Exercise to rank Universities and Higher Educational Institutions (HEI) on the basis of cleanliness and hygiene has become annual now. They are focusing on factors such as student: toilet, ratio, kitchen hygiene, campus green cover, solid and liquid waste management, garbage disposal, solar energy usage and other relevant areas. Some of the best practices followed by them are documented here at the instance of the Department of Higher Education in Ministry of Human Resource Development Government of India.

Dr W G Prasanna Kumar

Chairman MGNCRE

Swachh Campus 2019

INDEX

S. No	Higher Education Institutions	Page
1.	ABVIITM Gwalior Madhya Pradesh	7
2.	AJK College of Arts and Science Coimbatore Coimbatore Tamil Nadu	11
3.	Alagappa University Sivanganga Tamil Nadu	15
4.	Amrita Vishwa Vidyapeetham Coimbatore Tamil Nadu	19
5.	Assam Don Bosco University Assam	22
6.	Anand College of Education Agra Uttar Pradesh	27
7.	BSA Rahman Crescent Institute of Science and Technology Chennai Tamil Nadu	30
8.	The Bhopal School of Social Sciences (BSSS) Bhopal Madhya Pradesh	35
9.	Cauvery B Ed College Bengaluru Karnataka	38
10.	Centurion University of Technology and Management Gajapati Odisha	41
11.	Chandigarh University Mohali Punjab	44
12.	Chitkara University Himachal Pradesh	47
13.	Desh Bhagat University Fatehgarh Punjab	52
14.	Dev Sanskriti Vishwavidhyalaya Haridwar Uttarakhand	56
15.	Dr DY Patil Vidyapeeth Pune Maharashtra	59
16.	Dr Vishwanath Karad MIT World Peace University Maharashtra	65
17.	GITAM Vishakhapatnam Andhra Pradesh	70
18.	Graphic Era Hill University Dehradun Uttarakhand	74
19.	GLA University Mathura Delhi	79
20.	Guru Nanak Dev University Amritsar Punjab	81
21.	Gujarat National Law University Gujarat	84
22.	Hindustan Institute of Technology and Science (HITS) Chennai Tamil Nadu	88
23.	IIS University Jaipur Rajasthan	93
24.	IIIT Delhi	97
25.	IIT Gandhinagar Gujarat	105
26.	IIT Guwahati Assam	110
27.	IIM Kozhikode Kerala	115
28.	IIT Madras Tamil Nadu	119
29.	IIT Tirupati Andhra Pradesh	123
30.	ITM Gwalior Madhya Pradesh	127
31.	Jayoti Vidyapeeth Women's University Jharna Rajasthan	132
32.	Karpagam Academy of Higher Education Coimbatore Tamil Nadu	139
33.	Koneru Lakshmaiah Education Foundation Guntur Andhra Pradesh	142
34.	KLE Academy of Higher Education and Research Belgavi Karnataka	144
35.	Krishna Institute of Medical Sciences KIMS Karad Maharashtra	150
36.	Lovely Professional University Kapurthala Punjab	153
37.	Madurai Kamaraj University Madurai Tamil Nadu	157
38.	Madras Christian College Chennai Tamil Nadu	160

Swachh Campus 2019

S. No	Higher Education Institutions	Page
39.	Maharana Pratap P.G College Gorakhpur Uttar Pradesh	164
40.	Maharshi Dayanand University Rohtak Haryana	168
41.	Manipal University Jaipur Rajasthan	172
42.	Manomaniam Sundarnar University Tirunelveli Tamil Nadu	176
43.	Mehr Chand Mahajan DAV College for Women Chandigarh	179
44.	Mizoram University Aizawl Mizoram	184
45.	Nirmala College Muvattupuzha Kerala	187
46.	Nehru Arts and Science College Thirumalayampalayam Tamil Nadu	192
47.	NIIT Neemrama Alwar Rajasthan	196
48.	OP Jindal University Knowledge Park Raigarh Chattisgarh	202
49.	OP Jindal Global University Sonipat	206
50.	PRIST College Thanjavur Tamil Nadu	212
51.	PSGR Krishnammal College for Women Coimbatore Tamil Nadu	215
52.	Rajagiri College of Social Sciences Kochi Kerala	218
53.	Rajiv Gandhi National University of Law Patiala Punjab	224
54.	RMK Engineering College Tamil Nadu	227
55.	RR Bawa DAV College for Girls Punjab	231
56.	Siksha O Anusandhan Bhubaneswar Odisha	235
57.	Symbiosis International Pune Maharashtra	239
58.	Sri Krishna Arts and Science College Coimbatore Tamil Nadu	248
59.	Shoolini University Solan Himachal Pradesh	252
60.	Sri Sathya Sai Institute of Higher Learning Anantapur Andhra Pradesh	258
61.	St. Philomena College Puttur Karnataka	266
62.	SRM Institute of Science and Technology Kattankulathur Tamil Nadu	271
63.	SRM University Sonepat Haryana	274
64.	Suresh Gyan Vihar University (SGVU) Jaipur Rajasthan	276
65.	Sri Rama Krishna Arts and Science Coimbatore (SRCAS) Tamil Nadu	280
66.	Sumandeep Vidyapeeth Vadodara Gujarat	282
67.	VIT Vellore Tamil Nadu	286
68.	Vel Tech Chennai Tamil Nadu	290
69.	Vignan's Foundation for Science Technology & Research Guntur Andhra Pradesh	295

Swachh Campus 2019

Maharana Pratap P.G. College Jungle Dhusan Gorakahpur Uttar Pradesh

Maharana Pratap P.G. College is situated in Gorakhpur in Uttar Pradesh state of India. The course of study followed in the college in accordance with the syllabus prescribed by Gorakhpur University. Arts, Science and Commerce streams are offered at the Graduation level.

Student Strength	2163
Faculty Strength	65

Residential Facilities

The college has one boys Hostel with 50 modern toilets. The toilet student ratio is 1. The hostel has 24 hours uninterrupted water and power supply.

Solid and Liquid Waste Management

The college generates two types of waste: solid and wet waste. The college also collects some amount of horticulture waste such as dried leaves or plant clippings. Certain amount of glass, fiber, and paper, plastic and biodegradable waste is also collected from all around the campus. Out of the waste collected, wet waste is used for composting and the dry waste is collected by Nagar Nigam for recycling. Waste from toilets in the campus flows into t he teak garden.

Hostel Kitchen Facilities

The college hostel provides healthy and nutritious food. The Hostel has a modern kitchen and a dining hall to accommodate 50 students at a time. The kitchen provides vegetarian food and utmost importance is given to cleanliness and hygiene.

Swachh Campus 2019

Campus Greenery

30% of the college is lush green. In all, there are around 2500 trees and plants of different variety. The biodiversity includes Neem ,amla , Jamun, tulsi, Aleovira etc. The college has developed certain rare species like-Sarpgandha which is used to cure acidity and is a uterine tonic, Bhringaraj which is used in the cure of headache and fever, Kelikand used in the cure of snake bite, Jaundice and lepr osy etc. The greenery in college campus is being maintained with the help of a garden committee of the Garden In charge and 5 student members.

Solar Power

Three Solar lamps have been installed in the college campus to provide outdoor lighting during evening and night.

Adopted Village: 28 Villages

The 21 departments of college and NSS have adopted a total of 28 village. The names of adopted villages are as follows:-ChhotiRetwahiya, BadiRewathaiya ,Haiderganj, Jungle Aurahi, DahlaHarsevakpur, Shahpur, MahuaChafi,Jungle Tikonia,Basantpur , Khutawa, kakrahiya, Meerganj, Lalganj,chotiJamunia,BadiJamunahiya, Dhodha, Laxmipur, Rampur, Bhagwanpur, HaripurShekhwania, Kewatahia, Dhusia, Tinkonia, Manjharia, Hasanganj. All these villages are situated in 15km radius of the college in Gorakhpur District.

Benefitted Families: Around 5500 people of 850 families were covered from these villages.

Swachh Campus 2019

Activities Undertaken in the Villages:

These villages were adopted by the college with the aim to develop the villages in an integrated manner. This includes economic development, infrastructure development and other aspects of human development i.e., hygiene, education, health, drinking water supply, medical facilities and awareness of government schemes etc. The college has installed India Mark Hand pumps in the adopted villages to supply safe drinking water to villagers. The college has also initiated cleanliness drives in all these adopted villages on many occasions. Health camps have been organized and medicines distributed free of cost to the villagers by the college.

Swachh Campus 2019

Swachh Campus 2019

Outcomes

- The college has one boys Hostel with 50 modern toilets. The toilet student ratio is 1
- The wet waste in the college is composted and the solid waste is picked up by the Nagar Nigam
- The Hostel has a modern kitchen and a dining hall to accommodate 50 students at a time
- The kitchen provides vegetarian food and utmost importance is given to cleanliness and hygiene
- 30% of the college is lush green
- There are around 2500 trees and plants of different variety in the campus
- The college has developed certain rare species of trees which can be used to treat diseases like acidity, headache, fever, snake bite, jaundice and leprosy etc
- Three Solar lamps have been installed in the college campus to provide outdoor lighting during evening and night
- The college along with the NSS has adopted 28 villages in the 15 km radius of the college
- Around 5500 people of 850 families from these villages have benefited from the various programs run by the colleges
- The college has installed India Mark Hand pumps in the adopted villages to supply safe drinking water to villagers
- The college has also initiated cleanliness drives in all these adopted villages on many occasions. Health camps have been organized and medicines distributed free of cost to the villagers by the college

Swachhta Rankings 2019

Achieving Full ODF in Villages

Swachhta in Indian Villages
Engagement of Higher Education Institutions

MHRD | Department of Higher Education
Ministry of Human Resource Development
Government of India

S. NO.		STATE	DISTRICT	NAME OF THE HEI	ODF VILLAGE(S)
				UNIVERSITY, MEERUT	HLI,SATWAI
1833	8	UTTAR PRADESH	GAUTAM BUDDHA NAGAR	JSS ACADEMY OF TECHNICAL EDUCATION, NOIDA	BISHANPURA, KHORA GHAZIABAD, KACHERA WARSHABAD
1834	9	UTTAR PRADESH	GORAKHPUR	MAHARANA PRATAP MAHAVIDYALAY, JUNGLE DHUSHAN, GORAKHPUR	MANJHARIYA
1835	10	UTTAR PRADESH	AGRA	ANAND COLLEGE OF EDUCATION KETHEM, AGRA	ARSENA
1836	11	UTTAR PRADESH	LUCKNOW	INTEGRAL UNIVERSITY, LUCKNOW	BHAKAHAMAU, PAIKARAMAU, SAADAMAU, BHIKHANPURWA, DASAULI
1837	12	UTTAR PRADESH	KANPUR NAGAR	ANANDA SCHOOL OF NURSING	SARSAUL, NARWAL
1838	13	UTTAR PRADESH	HARDOI	S.C. BOSE MAHAVIDYALAYA, KAHALI TERWA, GAUSGANJ,	KAHALI
1839	14	UTTAR PRADESH	VARANASI	SARASWATI HIGHER EDUCATION AND TECHNICAL COLLEGE OF ENGINEERING, VARANASI	BABATPUR
1840	15	UTTAR PRADESH	BARABANKI	SHRI RAMSWAROOP MEMORIAL UNIVERSITY	MATI, HADAURI, SRINANGAR, BASTI AND KHAZOOR
1841	16	UTTAR PRADESH	JHANSI	SR GROUP OF INSTITUTIONS COLLEGE OF PHARMACY, JHANSI	3
1842	17	UTTAR PRADESH	GHAZIABAD	K N G D MODI ENGIEERING COLLEGE, MODINAGAR	PALLOTA
1843	18	UTTAR PRADESH	VARANASI	AMBITION INSTITUTE OF TECHNOLGOY	PARAO
1844	19	UTTAR PRADESH	MEERUT	NEELKANTH VIDYAPEETH NH-58, PAWLI KHAS, MODIPURAM, MEERUT	PABARSHA
1845	20	UTTAR PRADESH	MEERUT	NEEL KANTH INSTITUTE OF ENGG. & TECHNOLGOY	PABLI KHAS
1846	21	UTTAR PRADESH	BALLIA	DR MAHAVEER SINGH NURSING	BASARIKAPUR, RAMPUR, KACHHUA

SWACHHTA RANKINGS 2019 - Achieving Full ODF in Villages by HEIs 154 | **MHRD** - MGNCRE

उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा डिजिटल लाइब्रेरी में महाविद्यालय

आपदा को अवसर में बदलने वाली उत्तर प्रदेश की जनप्रिय सरकार ने कोविड–19 के दौरान एक अनूठा एवं अद्भुत ज्ञान सागर तैयार किया जिसे उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा डिजिटल लाइब्रेरी के नाम से जाना जाता है। सरकार के प्राथमिक और मुख्य चिन्तन में यह बात थी कि कोविड–19 के दौरान शिक्षण कार्य अधिक प्रभावित न हो और छात्रों का भविष्य सुरक्षित रहे। उ.प्र. सरकार द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर 05 सितम्बर 2020 को शुरू किए गए इस पोर्टल पर सितम्बर एवं अक्टूबर माह में विद्यादान योजना के अन्तर्गत भारतीय संस्कृति में दान के महत्व के अनुरूप छात्रों के हितार्थ ई-पाठ्य सामग्री तैयार करायी गयी जिसमें आज 70,000 से भी अधिक ई. कन्टेंट उपलब्ध हैं।

यह लाइब्रेरी ज्ञान का एक अनूठा संग्रह है जिसमें प्रदेश के सर्वोत्तम प्राध्यापकों के नोट्स एवं लेक्चर्स हर छात्र को नि:शुल्क सुलभ हैं। ऑनलाइन शिक्षण के इस दौर में जिन छात्रों के पास निरन्तर अबाध इन्टरनेट की सुविधा उपलब्ध नहीं है उनके लिए यह लाइब्रेरी वरदान स्वरूप है। इसके उपयोग से वे अपनी सुविधानुसार शिक्षण सामग्री डाउनलोड करके पढ़ाई कर रहे हैं। दो लाख से अधिक छात्रों द्वारा प्रतिदिन इसका निरन्तर लाभ उठाया जा रहा है। एन.आई.सी द्वारा अपनी तकनीकी दक्षता एवं क्षमता द्वारा अल्प समय में जो सुगम साफ्टवेयर एवं प्लेटफार्म विकसित किया है वह अत्यंत प्रशंसनीय है।

इस डिजिटल लाइब्रेरी में पाठ्यक्रम के अनुरूप टेक्सट के साथ-साथ श्रव्य-दृश्य दृश्य सामग्री भी अपलोड की गयी है। 134 विषयों के 71,000 से अधिक ई-कन्टेंट उपलब्ध हैं जिन्हें 23 विश्वविद्यालयों एवं अनेक महाविद्यालयों के शिक्षकों द्वारा तैयार किया गया है।

विद्यादान की इस कड़ी में हमारा महाविद्यालय महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर ने उत्तर प्रदेश के सभी महाविद्यालयों के बीच सर्वाधिक 1057 ई-कन्टेंट के साथ प्रथम स्थान प्राप्त कर पूर्वांचल को गौरवान्वित किया है। इस अभियान में महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी द्वारा 131 तथा रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह द्वारा 99 ई-कन्टेन्ट डिजिटल लाइब्रेरी के पोर्टल पर अपलोड किया गया जो अपने-अपने विषय के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक रहा। इससे गोरक्षपीठ द्वारा संचालित समस्त शिक्षण संस्थाओं को प्रेरणा तथा पीठ के लोककल्याणकारी एवं शैक्षिक आदर्शों को एक नयी पहचान मिली है। यह महाविद्यालय आगे भी अपने आदर्शों एवं मूल्यों के अनुरूप विद्यादान जैसे कल्याणकारी नवाचारों को आगे बढ़ाता रहेगा।

heecontent.upsdc.gov.in/Cor

Uttar Pradesh Higher Education Digital Library

S.No.	College Names	Approved Contents
1	Dr. B. R. Ambedkar University, Agra (Id: U-0509)	10414
2	UNIVERSITY OF LUCKNOW (Id: U-0524)	9569
3	GALGOTIAS UNIVERSITY (Id: U-0643)	5999
4	Mahatma Gandhi Kashi Vidyapeeth, Varanasi (Id: U-0527)	4722
5	Sharda University, Gautam Budh Nagar (Id: U-0541)	3479
6	Babu Banarsi Das University, Lucknow (Id: U-0499)	2867
7	SHRI RAMSWAROOP MEMORIAL UNIVERSITY (Id: U-0753)	2791
8	G.L.A University, Mathura (Id: U-0513)	1831
9	LUCKNOW UNIVERSITY CAMPUS	1257
10	Choudhary Charan Singh University, Meerut (Id: U-0506)	1177
11	Maharana Pratap Mahavidyalay, Jungle Dhushan, Gorakhpur (Id: C-14178)	1057

FREE ONLINE EDUCATION
swayam
शिक्षित भारत, उन्नत भारत

स्वयं (SWAYAM) लोकल चैप्टर की मान्यता

स्वयं (SWAYAM) पोर्टल भारत सरकार के शिक्षा विभाग और अखिल भारतीय तकनीकि शिक्षा परिषद द्वारा तैयार किया गया एक Online Education Portal है। स्वयं (SWAYAM) पोर्टल को शिक्षा नीति के तीन आधारभूत सिद्वातों - पहुँच, निष्पक्षता तथा गुणवत्ता को प्राप्त करने के उद्वेश्य से बनाया गया है। इस पर 9वीं कक्षा से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक के सभी कोर्स नि:शुक्ल उपलब्ध हैं। जो छात्र कोर्स को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करते है उन्हें प्रमाण पत्र दिया जाता है। इसका उपयोग कोई भी कर सकता है। इन पाठ्यक्रमों की मुख्य विशेषता है कि यह पाठ्यक्रम शिक्षकों के द्वारा तैयार किया जाता है। **महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर को 28 जनवरी, 2021** को स्वयं (SWAYAM) के लोकल चेप्टर की मान्यता प्रदान की गई। अब कालेज के शिक्षक स्वयं (SWAYAM) द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के मेंटर बन सकते हैं। महाविद्यालय एवं आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले छात्र अब महाविद्यालय में आकर स्वयं (SWAYAM) पाठ्यक्रमों की परीक्षा में उपस्थित होकर प्रमाण पत्र भी प्राप्त कर सकते है।

सत्यमेव जयते

Certificate

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity

This is to certify that Maharana Pratap P.G College, Gorakhpur is now a Recognized Social Entrepreneurship, Swachhta & Rural Engagement Cell (SES REC) Institution. The Institution has successfully framed the SES REC Action Plan and constituted ten working groups for improving facilities in the Campus and the Community/Adopted Villages in the areas of Sanitation & Hygiene, Waste Management, Water Management, Energy Conservation and Greenery post COVID-19, along with the observation of three environment, entrepreneurship and community engagement related days to inculcate in faculty, students and community, the practices of Mentoring, Social Responsibility, Swachhta and Care for Environment and Resources.

Date of Issue: 25 August 2020

Dr. W G Prasanna Kumar
Chairman

Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
Department of Higher Education, Ministry of Education
Government of India

Certificate No.: MoE/SES REC/ UP5 /Gorakhpur/03

समावर्तन–2021

हमारे प्रयास

- प्रातः सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, वन्देमातरम, राष्ट्रगान एवं श्रीमद्भगवद्गीता के पाँच श्लोक के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- प्रत्येक महापुरूष की जयन्ती अथवा पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में उन पर संक्षिप्त परिचयात्मक उद्बोधन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि।
- 16 जुलाई से स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- प्रति वर्ष पाठ्यक्रम योजना का प्रकाशन एवं तद्नुरूप 30 जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण करने की योजना का क्रियान्वयन।
- 16 अगस्त से प्रयोगशालाएं शुरू।
- छात्रसंघ का चुनाव सितम्बर प्रथम सप्ताह तक।
- प्रवेश समिति में छात्र-छात्राएँ सदस्य एवं संयोजक।
- छात्र, छात्राओं, प्राध्यापक, कर्मचारी आदि द्वारा प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान।
- प्लास्टिक मुक्त परिसर।
- सप्ताह में एक दिन छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापक।
- छात्र-छात्राओं का मासिक मूल्यांकन।
- प्रतिदिन विद्यार्थियों को सारांश द्वारा कक्षाध्यापन।
- महाविद्यालय प्रशासन में छात्र-छात्रा सहभाग अर्थात् नियन्ता मण्डल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि समितियों में छात्र सदस्य।
- विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों का गणवेश निर्धारित।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रथम तीन छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय की विशेष सुविधा, प्रवेश समिति की सदस्यता, उनकी उत्तर पुस्तिकाएं पुस्तकालय में अवलोकनार्थ रखा जाना।
- छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा।
- फरवरी माह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा।
- शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को गोद लेने की प्रक्रिया।
- सत्र में दो बार शिक्षक-अभिभावक एवं पुरातन छात्र परिषद् की बैठक।
- प्रतिवर्ष अगस्त माह में साप्ताहिक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला।
- नवम्बर माह में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता।
- प्रतिवर्ष 'विमर्श' (वार्षिक) एवं 'मानविकी' (अर्द्धवार्षिक) नामक शोध पत्रिका एवं समावर्तन पत्रिका एवं छात्रसंघ पत्रिका 'चेतक' का प्रकाशन।
- प्रत्येक सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला का आयोजन।
- ग्रामीण महिलाओं के स्वालम्बन हेतु योगीराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन।
- महाविद्यालय के समस्त छात्र/छात्राओं एवं ग्रामीण छात्राओं हेतु निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण।
- गुरू श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- हमारे पूर्वज एवं जीवन मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का संचालन।
- प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव को गोद लेकर जनजागरण अभियान द्वारा संस्थागत सामाजिक दायित्व का निर्वहन।
- आदर्श ग्राम योजना के अन्तर्गत प्रयोग के तौर पर मंझरिया गाँव का सम्पूर्ण विकास।
- महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन।
- मासिक ई-पत्रिका ध्येय पथ का प्रकाशन।
- परीक्षा से पूर्व समावर्तन संस्कार (दीक्षान्त) समारोह का आयोजन।

समावर्तन उपदेश

सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः। सत्यान्न प्रमदितव्यम्। धर्मान्न प्रमदितव्यम्। कुशलान्न प्रमदितव्यम्। भूत्यै न प्रमदितव्यम्। स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्। देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम्। मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव। यान्यनवद्यानि कर्माणि तानि सेवितव्यानि।

तैत्तिरीय उपनिषद् १.११

''सत्य बोलना। धर्म का आचरण करना। स्वाध्याय में प्रमाद न करना। सत्य से न हटना। धर्म से न हटना। कुशल कार्य में प्रमाद न करना। महान् बनने के सुअवसर से न चूकना। पठन-पाठन के कर्त्तव्य में प्रमाद न करना। देवता और पितरो के कार्य (यज्ञ और श्राद्ध आदि) से प्रमाद न करना। माता को देवी समझना। पिता को देवता समझना। आचार्य को देवता समझना। अतिथि को देवता समझना। अन्यान्य दोष-रहित कार्यों को करना।''

संकल्प

मैं .....

पुत्र/पुत्रीश्री/श्रीमती .....

स्नातक/स्नातकोत्तर कला/विज्ञान/वाणिज्य/बी.एड्. में इस महाविद्यालय से अपनी शिक्षा पूर्ण कर रहा/रही हूँ।

- मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि उपर्युक्त समावर्तन उपदेश का पालन करूँगा/करूंगी।
- जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वाह करूँगा/करूँगी।
- मैं भारत का एक योग्य नागरिक बना रहूँगा/बनी रहूँगी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति मेरी निष्ठा रहेगी।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे राष्ट्रीय एकता-अखण्डता को चोट पहुँचे।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे मेरे माता-पिता तथा सगे-सम्बन्धियों की कीर्ति धूमिल हो।
- भारत की सनातन संस्कृति में मेरी अटूट निष्ठा बनी रहेगी।
- भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान करते हुए उसके संवर्धन हेतु सदैव प्रयत्नशील रहूँगा/रहूँगी और अपने व्यक्तिगत जीवन में उनका पालन करूँगा/करूँगी।

9415282504

हस्ताक्षर प्राचार्य

हस्ताक्षर छात्र/छात्रा